राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

प्रशासनिक–प्रतिवेदन

परिचय

दृष्टिकोण

संस्थान का मुख्य दृष्टिकोण है - स्नातक, स्नातकोत्तर, पोस्ट-डॉक्टरल डिग्री स्तरों, आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, पंचकर्म चिकित्सा में विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम तथा विदेशी मेडिकल एवं नॉन-मेडिकल पेशेवरों हेतु अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों का संचालन, आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण एवं प्रशिक्षण, सामान्य जनता को विशिष्ठ चिकित्सा सहित श्रेष्ठ चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना, आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक अनुसंधान करना, आयुर्वेद के वैश्वीकरण तथा राष्ट्रीय महत्ता का संस्थान, तथा संस्थान को उत्कृष्टता का केन्द्र बनाने तथा डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के स्तर पर संस्थान का उन्नयन करने में सहायता एवं योगदान प्रदान करना ।

लक्ष्य

- आयुर्वेद में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में ओर सुधार करना ।
- स्नातकोत्तर एवं फैलोशिप कार्यक्रमों का क्रियान्वयन तथा विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान करना ।
- आयुर्वेद में रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने व आयुर्वेदिक उपचार की वैद्यता के क्रम में चिकित्सा में अभ्यास आधारित अनुसंधान का क्रियान्वयन करना।
- मानव जाति के कल्याण हेतु विभिन्न अनुसंधान गतिविधियाँ संचालित करना ।
- आयुर्वेद के बुनियादी ज्ञान तथा आयुर्वेद के उच्च ज्ञान में रूचि रखने वाले विदेशियों (मेडिकल एवं गैर-मेडिकल) हेतु विदेशी एक्सपोजर प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
- आयुर्वेद में रुचि रखने वाले देशों को एमओयू के माध्यम से आयुर्वेद में विशेषज्ञता उपलब्ध कराना ।

कार्य

1. बीएएमएस, एम.डी./एम.एस.(आयुर्वेद) तथा पीएच.डी.(आयुर्वेद) की उपाधियाँ प्रदान करने हेतु स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. स्तर के कार्यक्रम व शिक्षण, प्रशिक्षण चलाना ।
2. अन्य राज्य-सरकारों की आवश्यकतानुरूप चिकित्साधिकारियों तथा आयुर्वेद के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
3. आयुर्वेदिक कंपांउडर/नर्सिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करना ।
4. उन्नत एवं अद्यतन ज्ञान की प्राप्ति हेतु देश के शिक्षकों, चिकित्साधिकारियों, चिकित्सकों के लाभार्थ, आरओटीपी, सीएमई, टीओटी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करना ।

5. राष्ट्रीय स्तरीय संस्थानों तथा उन विदेशी राष्ट्रों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना जो कि अपने राष्ट्रों में आयुर्वेद को चिकित्सा की एक पद्धति के रूप में अंगीकार करने में वास्तविक रुचि रखते हैं।
6. विदेशी एक्सपोजर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करना ।
7. विशिष्ठ उपचार, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में पीपीपी परियोजनाऐं चलाना ।
8. 300 शय्याओं युक्त आईपीडी एवं ओपीडी के माध्यम से आम जनता को आयुर्वेदिक उपचार प्रदान करना।
9. एससीपी-टीएसपी योजनान्तर्गत राजस्थान के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में आयुर्वेदिक उपचार प्रदान करना ।
10. आरोग्य मेला, प्रदर्शनी आदि में सक्रिय भागीदारी करना ।
11. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार एवं सम्मेलनों का आयोजन करना ।

उद्देश्य

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आयुर्वेद के संवर्द्धन एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्या के उच्च मानकों को विकसित करने के लिए एक मॉडल संस्थान के रूप में निम्न लक्ष्यों एवं उद्देश्यों हेतु आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार के एक शीर्ष संस्थान के रूप में स्थापित किया गया है -

1. आयुर्वेद की अभ्युन्नति और विकास को गति देना ।
2. आयुर्वेद की सभी विधाओं में स्नातक और स्नातकोत्तरों को तैयार करना ।
3. आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधानात्मक कार्य करना ।
4. पीड़ित मानवता को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से स्वास्थ्य संरक्षण प्रदान करना ।
5. आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में अनुसंधान, मूल्यांकन, प्रशिक्षण, परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिये उच्चतम स्तर की सेवायें एवं सुविधायें प्रदान करना तथा उन्हें प्रदान करने में सहायता करना ।
6. आयुर्वेद की समस्त विधाओं में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा में प्रयोग करना तथा शिक्षण-पद्धतियों को विकसित करना ।

एक अवलोकन

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

संस्थान आयुर्वेद के संवर्द्धन एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्या के उच्च मानकों को विकसित करने के लिए एक मॉडल संस्थान के रूप में पूर्व पैरा में अंकित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों हेतु आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार के एक शीर्ष संस्थान के रूप में स्थापित किया गया है ।

जयपुर शहर की स्थापना 288 वर्ष पूर्व की गई तथा इसी श्रृंखला में संस्थान की 150 वर्षो से भी अधिक पुरानी भव्य परम्परा है जब महाराजा संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर में 1865 में आयुर्वेद विभाग ने कार्य करना प्रारम्भ किया तथा यह आयुर्वेद में जयपुर विचार दर्शन के नाम से लब्ध प्रतिष्ठित हुआ । राजस्थान-सरकार द्वारा अगस्त 1946 में एक स्वतन्त्र आयुर्वेदिक महाविद्यालय स्थापित किया गया तथा इस महाविद्यालय का फरवरी 1976 में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का गठन करने हेतु इसमें विलय किया गया । जयपुर के तत्कालीन राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक स्टॉफ तथा उदयपुर के राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक स्टॉफ की जांच कर संस्थान में समायोजित किया गया। सन् 1970 के प्रारम्भ में देश में आयुर्वेद में स्नातकोत्तर शिक्षा से परिचय कराने वाले कुछ आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में से एक यह भी था ।

1976 में इसकी स्थापना होने के पश्चात, शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध, रोगी परिचर्या आदि के क्षेत्रों में बेहतररूप से प्रगति की है जिसके परिणामस्वरूप इसमें अब, आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं स्नातक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, 14 विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा एवं नियमित फैलोशिप प्रोग्राम (पीएच.डी.) की सुविधा है।

अपने अस्तित्व के साथ ही यह लगातार चिकित्सा की आयुर्वेद पद्धति में राष्ट्रीय स्तर पर सुधारों और विकास को बढ़ावा देने में लगा हुआ है ।

संस्थान केन्द्रीय सरकार के अधीन न केवल शीर्ष संस्थान है अपितु आयुर्वेदिक शिक्षा के क्षेत्र में देश का एक अतुलनीय व श्रेष्ठ संस्थान है ।

संस्थान ने उत्कृष्ठ शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों में ख्याति अर्जित की है तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, पोस्ट डॉक्टरल, डिप्लोमा तथा प्रमाण-पत्र स्तरीय पाठ्यक्रमों में अतुलनीय शैक्षणिक मानक स्थापित किये हैं ।

अवस्थिति

संस्थान भारत में राजस्थान राज्य की राजधानी जयपुर में अवस्थित है । जयपुर, एक विरासत शहर जो कि दुनिया के सबसे खुबसूरत शहरों में से एक है और संभवतया दुनिया के सुनियोजित शहरों में प्रथम । यह गुलाबी शहर के रूप में भी लोकप्रिय है । यह नाम इसकी गुलाबी बलुआ पत्थर से निर्मित इमारतों से लिया गया है । संस्थान, रेल्वे स्टेशन से लगभग 8 किलोमीटर तथा एयरपोर्ट से 15 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। जयपुर से दो राष्ट्रीय राजमार्ग यथा नं. 8 (नई दिल्ली से मुंम्बई) तथा नं. 11 (आगरा से बीकानेर को) निकलते हैं ।

परिसर

संस्थान के मुख्य परिसर में बहुत सी बहुमंजिला इमारतें हैं जिनमें 14 शैक्षिक विभाग, उनसे जुड़ी प्रयोगशालायें, शिक्षकों के कक्ष, सेमिनार, प्रदर्शनालयों हेतु कक्ष, लेक्चर थियेटर्स, आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री युक्त कक्षा कक्ष जिनमें ए.सी., डीएलपी प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य यंत्र, पुस्तकालय आदि अवस्थित है तथा चिकित्सालय परिसर है जिसमें 300 शय्याओंयुक्त चिकित्सालय, बहिरंग रोगी विभाग, पंचकर्म इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, डीलक्स वार्ड्स कोटेज वार्ड्स, योग इकाई आदि अवस्थित है । यहां छात्र एवं छात्राओं हेतु पृथक से बहुमंजिला 5 छात्रावास है । औषधियों के निर्माण हेतु भारी भट्टियाँ एवं मशीनोंयुक्त रसायनशाला, आवश्यक स्टॉफ हेतु क्वार्टर, अतिथि घर, पानी का टेंक एवं जलाशय आदि अवस्थित है । यहां 500 सीटोंयुक्त अच्छी तरह सुसज्जित ऑडिटोरियम स्थित है । शहर की हृदय-स्थली में अवस्थित 20 शय्याओंयुक्त एनआईए सिटी हॉस्पिटल भी है जो कि मुख्य परिसर से 4 किलोमीटर की दूरी पर है तथा शहर के विख्यात आवासीय-सह-वाणिज्यिक क्षेत्र जवाहर नगर में भी एक सेटेलाइट चिकित्सालय स्थित है ।

संगठनात्मक संरचना

संस्थान पर नियन्त्रण रखने एवं इसके कामकाज की व्यवस्था करने के लिए संस्थान का शीर्ष निकाय शासी निकाय है जिसकी अध्यक्षता माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार करते हैं । संस्थान की एक स्थाई वित्त समिति भी है । संस्थान के मुख्य कार्यकारी निदेशक है तथा संगठन के संपूर्ण प्रबन्ध हेतु उत्तरदायी है । विभागों के दैनिक कार्यों के सम्पादनार्थ विभागों के सम्बन्धित विभागाध्यक्ष उत्तरदायी है ।

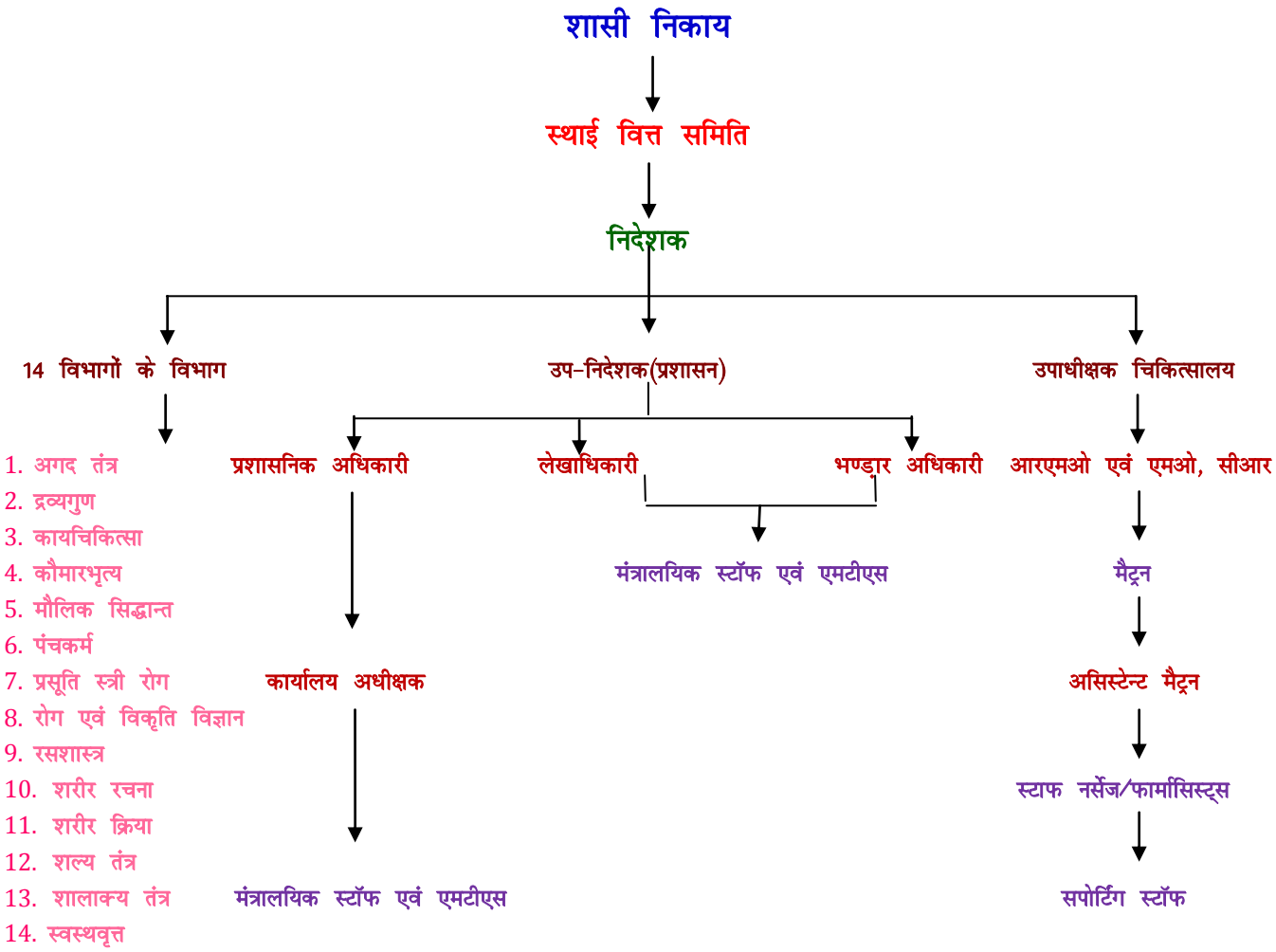

समितियाँ

संस्थान में 3 समितियाँ है, शासी निकाय, स्थायी वित्त समिति एवं विभिन्न शोध प्रस्तावों के नियमन, विनियमन एवं समीक्षा करने हेतु इथिकल कमेटी । इसका गठन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च ऑन ह्युमन सब्जेकट्स के लिए नीतिपरक मार्गदर्शनों के आधार पर किया गया है । समितियों का गठन निम्न प्रकार से है :-

शासी निकाय

संस्थान का एक शासी निकाय है जिसकी अध्यक्षता माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार करते हैं तथा जिसमें निम्नलिखित सदस्य है, जो कि संस्थान की गतिविधियों का प्रबन्ध एवं नियंत्रण करता है । वर्तमान शासी-निकाय का गठन निम्न प्रकार से है:-

1. श्री श्रीपद येसो नाईक — **अध्यक्ष**
   माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
   आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार
2. श्री कालीचरण सराफ — उपाध्यक्ष
   माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं आयुर्वेद मंत्री
   राजस्थान-सरकार
3. वैद्य श्री राजेश कोटेचा — सदस्य

सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार

4. श्रीमती विजय श्रीवास्तव — सदस्य
अतिरिक्त सचिव व वित्तीय सलाहकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत-सरकार

5. श्री पी. एन. रंजीत कुमार — सदस्य
संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार

6. डॉ. मनोज नेसरी — सदस्य
सलाहकार(आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार

7. डॉ. आर. वेंकटेश्वरन — सदस्य
प्रधान सचिव(आयुर्वेद), राजस्थान-सरकार

8. वैद्य प्रो. राधेश्याम शर्मा — सदस्य
कुलपति, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

9. प्रो. के. उन्नीकृष्णन पिल्लई, प्रोफेसर, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद — सदस्य
वेल्लीकवी, कोलाम जिला, केरल 690546 (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)

10. प्रो. मंजरी द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, प्रसूति तंत्र विभाग, आयुवेद संकाय, आईएमएस — सदस्य
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5 (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)

11. प्रो. बनवारीलाल गौड़, पूर्व कुलपति, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय — सदस्य
प्लॉट नं. 80, प्रेम नगर, सेनापति हाऊस के पीछे, झोटवाड़ा, जयपुर
(राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

12. डॉ. उमेश वसन्त तगड़े, असिस्टेन्ट निदेशक — सदस्य
आयुष स्टेट हैल्थ सोसायटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान
चिकित्साधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग
महाराष्ट्र सरकार, (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)

13. श्री केदार शर्मा, से.नि. जिला आयुर्वेद अधिकारी, आयुर्वेद विभाग — सदस्य
प्लॉट नं. 13, पुरोहित पाड़ा, ब्रह्मपुरी, जयपुर (राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

14. श्री कैलाश शर्मा, से.नि. उप-निदेशक, आयुर्वेद विभाग — सदस्य
प्लॉट नं. 43, विकास नगर, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर
(राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

15. प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान — सदस्य-सचिव

स्थायी वित्त समिति

संस्थान के विभिन्न वित्तीय प्रस्तावों एवं विकासात्मक गतिविधियों आदि पर विचार एवं संस्तुति करने हेतु संस्थान की एक स्थायी वित्त समिति है जिसके अध्यक्ष संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार हैं तथा सदस्योंयुक्त है -

1.	श्री पी. एन. रंजीत कुमार संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	अतिरिक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
3.	डॉ. आर. वेंकटेश्वरन (आइएएस) प्रधान सचिव(आयुर्वेद) राजस्थान सरकार	सदस्य
4.	श्री आर. एस. अग्रवाल उप-महानिदेशक आयुष मंत्रालय	सदस्य
5.	प्रो. के. उन्नीकृष्ण पिल्लई प्रोफेसर, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद वेल्लीकवी, कोलाम, केरल 690546	सदस्य
6.	डॉ. उमेश वसन्त तगड़े असिस्टेन्ट निदेशक आयुष स्टेट हैल्थ सोसायटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान चिकित्साधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग महाराष्ट्र सरकार	सदस्य
7.	प्रो. संजीव शर्मा निदेशक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	सदस्य-सचिव

संस्थानिक नीतिशास्त्र समिति

संस्थान में विभिन्न शोध प्रस्तावों के नियमन, विनियमन एवं समीक्षा करने हेतु एक इथिकल कमेटी है। इसका गठन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च ऑन ह्युमन सब्जेकट्स के लिए नीतिपरक मार्गदर्शनों के आधार पर किया गया है। आलोच्य वर्ष के दौरान समिति का गठन निम्न प्रकार से रहा है:-

1.	प्रो. बनवारी लाल गौड़ पूर्व कुलपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं से. नि. निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	शिक्षक	अध्यक्ष
2.	प्रो. एस. एस. यादव विभागाध्यक्ष, मूत्ररोग विभाग एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर	क्लीनिशियन	सदस्य
3.	प्रो. राजकुमार यादव कार्डियोवास्कूलर एण्ड थोरेसिक सर्जन एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर	क्लीनिशियन	सदस्य
4.	श्री शिवचरण गुप्ता अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर	लीगल एक्सपर्ट	सदस्य
5.	डॉ. कमलकान्त दाधीच से.नि. प्रोफेसर, संस्कृत विभाग कॉलेज शिक्षा, राजस्थान सरकार जयपुर	कॉमन-मैन रिप्रजेन्टेटिव	सदस्य
6.	डॉ. शिवदत्त शर्मा से.नि. प्रोफेसर कान-नाक-गला विभाग एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जयपुर	बेसिक मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
7.	श्री अनिल शुक्ला संगठन मंत्री सेवा भारती, जयपुर	नॉन-गवर्नमेन्टल वॉल्युन्टरी एजेन्सी रिप्रजेन्टेटिव	सदस्य
8.	प्रो. राम किशोर जोशी विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
9.	प्रो. हेमन्त कुमार विभागाध्यक्ष शल्य तंत्र विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य

11.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष, स्वस्थवृत्त विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
10.	प्रो. केदार लाल मीणा विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर मौलिक सिद्धान्त विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य
12.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल सांइटिस्ट	सदस्य-सचिव

वित्तीय स्थिति

आयुष मंत्रालय द्वारा संस्थान को व्यय हेतु सभी आवश्यक अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है । संस्थान को वर्ष 2016-2017 हेतु निम्नानुसार बजट प्रावधान उपलब्ध कराये गये हैं -

(रू. लाखों में)

मद	बजट अनुमान 2016-17	संशोधित अनुमान 2016-17	प्राप्त अनुदान 2016-17	वास्तविक व्यय 31-3-2017 तक
गैर योजना	रू. 2600.00	रू. 3157.00	रू. 3157.00	रू. 3168.28
योजना	रू. 2400.00	रू. 2400.00	रू. 2400.00	रू. 2355.10

सम्बद्धता

संस्थान शैक्षणिक एवं परीक्षाओं से सम्बन्धित उद्देश्यों के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से सम्बद्ध है तथा भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं दिशा-निर्देश जो कि विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकार किये गये हैं का अनुसरण करता है। विश्वविद्यालय के विभिन्न निकायों यथा - प्रबन्ध-मण्ड़ल, शैक्षिक परिषद्, आयुर्वेद-संकाय, अध्ययन-मण्ड़ल आदि में संस्थान के निदेशक एवं अध्यापक सम्यकरूप से प्रतिनिधित्व करते हैं तथा विश्वविद्यालय व राजस्थान राज्य में इससे सम्बद्ध आयुर्वेदिक महाविद्यालयों तथा संस्थान के विकास हेतु समय-समय पर अपने बहुमूल्य सुझाव, विचार एवं विशेषज्ञता प्रदान करते रहते हैं ।

इंफ्रास्ट्रक्चर

संस्थान का मुख्य परिसर 13 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है । संस्थान परिसर की आधारभूत संरचना एवं इसमें उपलब्ध सुविधायें बहुत अच्छी है । संस्थान का सुंदर, शान्त एवं पर्यावरण के अनुकूल वातावरण आयुर्वेद शिक्षा के लिए अनुकूल है । संस्थान का परिसर एक वाई-फाई परिसर है तथा संकाय-सदस्यों, छात्रों एवं स्टॉफ को किसी भी समय इंटरनेट का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है । संस्थान में वातानुकूलित लेक्चर थियेटर्स है । कक्षा-कक्ष आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री यथा - कम्प्युटर, डीएलपी प्रोजेक्टर तथा माइक एवं ध्वनि सिस्टम से युक्त है । एक 500 व्यक्तियों के बैठने की क्षमतायुक्त सभागार है जिसमें ध्वनि एवं प्रकाश योजनाऐं, अग्निरोधि पर्दे, एलसीडी प्रोजेक्टर्स, विद्युत हेतु पृथक से जनरेटर-सेट, कालीनयुक्त फर्श, आदि सुविधाऐं उपलब्ध है । परिसर के अन्दर, एक केन्टीन, बैंक, ओपीडी एवं 300 शय्याओंयुक्त आईपीडी सुविधा, पंचकर्म इकाई, छात्रावास, आई.टी. सेन्टर, फोटोकॉपी सुविधा, ओपन एयर थियेटर की सुविधाऐं उपलब्ध है । उपरोक्त के अतिरिक्त, मुख्य परिसर से दूर, एक सिटी हॉस्पिटल, एक

सेटेलाइट क्लिनिक व 59 स्टॉफ क्वार्टर है और एक अतिथिगृह संस्थान में है । संस्थान मुख्य रूप से निम्न खण्ड़ों में विभक्त है :-

शैक्षणिक खण्ड़

शैक्षणिक खण्ड़ 3 एवं 4 मंजिला इमारतोंयुक्त है जिनके 100 कक्षों में विभिन्न कार्यालय, शैक्षणिक विभाग, प्रयोगशालायें, संग्रहालय, लेक्चर थियेटर्स, पुस्तकालय, नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ऑथैंटिक ड्रग्स, 500 की बैठने की क्षमतायुक्त सभागार, आई.टी. सेन्टर, व्यायामशाला आदि अवस्थित है ।

प्रशासनिक खण्ड़

प्रशासनिक खण्ड़ में निदेशक-कक्ष अवस्थित है जो कि सौन्दर्य से परिपूर्ण एवं सुसज्जित है । इसके एक तरफ उपवेशनों के आयोजन हेतु एक सुसज्जित उपवेशन हॉल स्थित है । खण्ड़ के दूसरी ओर उपनिदेशक(प्रशासन), प्रशासनिक-अधिकारी, लेखाधिकारी के कार्यालय, प्रतिष्ठापन-शाखा, शैक्षणिक-शाखा, लेखा-शाखा, कमेटी हॉल, आदि स्थित है ।

चिकित्सालय खण्ड़

चिकित्सालय खण्ड़ 300 शय्याओंयुक्त आईपीडी एवं ओपीडी सुविधाओं, पंचकर्म इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, रसायनशाला, प्राथमिक चिकित्सा इकाई, डीलक्स वार्ड्स, कॉटेज वार्ड्स, क्युबिकल वार्ड्स, जनरल वार्ड्स, ऑपरेशन थियेटर्स, कन्सलटेशन कक्ष, एक्स-रे कक्ष, ईसीजी कक्ष, सोनोग्राफी कक्ष, फिजियोथैरेपी सुविधाओं, आदि के संयोजन से बना है। संस्थान का एक सिटी हॉस्पिटल ओपीडी एवं आईपीडी सुविधाओंयुक्त संस्थान के मुख्य परिसर से 4 किलोमीटर की दूरी पर शहर की हृदय-स्थली किशनपोल बाजार में 1300 वर्गमीटर में फैला हुआ स्थित है।

रसायनशाला खण्ड़

रसायनशाला खण्ड़ कच्ची औषधी भण्ड़ार, विनिर्माण प्रक्रिया इकाई, भट्टी इकाई, पैकिंग इकाई, तैयार माल भण्ड़ार, कार्यालय आदि के संयोजन से बना है । संस्थान की रसायनशाला जीएमपी सर्टिफाइड फार्मेसी है तथा औषध निर्माण के दौरान अत्यंत स्वच्छता, साफ-सफाई बनाये रखने और कच्ची औषधियों एवं तैयार औषधियों के समुचित रखरखाव हेतु पूर्णत: वातानुकूलित है ।

छात्रावास खण्ड़

छात्रावास खण्ड़ में छात्रों हेतु 2 स्नातकीय छात्रावास, 1 स्नातकोत्तर स्तरीय छात्रावास, छात्राओं हेतु 1 स्नातक तथा 1 स्नातकोत्तर स्तरीय छात्रावास अवस्थित है । स्नातकोत्तर/पीएच.डी. अध्येताओं हेतु जयपुर शहर के जवाहर नगर क्षेत्र में 20 आवास सुविधाऐं उपलब्ध है ।

पुस्तकालय-सह-शैक्षणिक खण्ड़

संस्थान में नव-निर्मित पुस्तकालय-सह-शैक्षणिक खण्ड़ (तहखाना+4 मंजिल) की इमारत अवस्थित है । इस नवीन इमारत में छात्रों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों की बढ़ती मांग की पूर्ति हेतु पुस्तकालय स्थानान्तरित किया गया है । पुस्तकालय परिसरण, संदर्भो की छायाप्रतियों एवं प्रेस कतरनों की सेवाऐं उपलब्ध कराता है । पुस्तकालय में एक पाण्डुलिपि इकाई स्थापित की गई है ।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

संस्थान मूलरूप से एक शैक्षिक संस्थान है तथा आयुर्वेद के संवर्द्धन एवं विकास हेतु इस क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, पोस्ट डॉक्टरल, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम चलाता है ।

संस्थान द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रम –

स्नातक पाठ्यक्रम – (आयुर्वेदाचार्य) – बीएएमएस – 92 स्थान

बीएएमएस का स्नातक पाठ्यक्रम 5½ वर्ष मय 1 वर्ष की इन्टर्नशिप की अवधि का है । बीएएमएस उत्तीर्ण करने के पश्चात्, छात्रों को विभिन्न विषयों में 1 वर्ष के लिए रोटेटिंग इन्टर्नशिप पर रखा जाता है । प्रत्येक वर्ष हेतु 92 सीटें उपलब्ध है ।

सीटों का आरक्षण – 1 सीट केन्द्र-सरकार के लिए, 2 सीटें भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् द्वारा प्रायोजित विदेशी नागरिकों के नामांकन हेतु, 10 सीटें दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के नागरिकों हेतु, 10 सीटें छात्राओं हेतु भी आरक्षित है तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यंगों हेतु भारत-सरकार के दिशा-निर्देशानुसार सीटे उपलब्ध है ।

प्रवेश की प्रक्रिया – बीएएमएस पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा प्रवेश परीक्षा की वरीयता के आधार पर किये गये । विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर के समाचार-पत्रों तथा इसकी वेबसाईट पर प्रवेश परीक्षा एवं प्रवेश की अधिसूचना जारी की गई । विश्वविद्यालय की अधिसूचना को संस्थान की वेबसाईट पर भी प्रसारित किया गया ।

प्रवेश – वर्ष 2016-2017 के दौरान बीएएमएस पाठ्यक्रम में 90 छात्रों को प्रवेश दिया गया । दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के अभ्यर्थी की अनुपलब्धता के कारण 2 स्थान रिक्त रहे । तंजानिया के 2 छात्र, भूटान के 1 छात्र, रशिया के 1 छात्र, ईरान के 2 छात्र, श्रीलंका के 1 छात्र, मलेशिया के 1 छात्र, थाईलैण्ड के 1 छात्र तथा निकारागुआ के 1 छात्र को प्रवेश दिया गया ।

सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिणी-पूर्वी देशों के छात्र		आईसीसीआर के माध्यम से विदेशी राष्ट्रो के छात्र		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
12	26*	9	3	3	3	10	13	1	-	-	3	3	4	38	52

*10 स्थान केवल लड़कियों के लिए आरक्षित है ।

उत्तीर्ण छात्र – आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थिति तथा उत्तीर्ण हुये छात्रों की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार से है –

कक्षा	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
आयुर्वेदाचार्य- III बैच 2010 एवं 2011	74	65	87.83%

आलोच्य वर्ष के दौरान, 59 छात्रों ने अपना विशिखानु प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया तथा 13 छात्र विशिखानु प्रशिक्षणाधीन रहे ।

शुल्क – बीएएमएस पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में शुल्क रूपये 27,100/-, द्वितीय वर्ष के लिए रूपये 17,500/-, तृतीय वर्ष के लिए रूपये 17,500/- तथा अन्तिम वर्ष के लिए शुल्क रूपये 26,250/- है ।

छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में प्रतिवर्ष रूपये 3,600 की राशि तीन वर्ष के लिए अतिरिक्त रूप से तथा अन्तिम वर्ष में रूपये 5,400/- लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड - एक वर्ष की इन्टर्नशिप के दौरान छात्रों को रूपये 12,684 प्रतिमाह निर्वाह भत्ता का भुगतान किया जाता है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम - आयुर्वेद वाचस्पति(एम.डी.(आयु.)/आयुर्वेद धन्वन्तरि(एम.एस.(आयु.)-104 स्थान

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 3 वर्ष की अवधि का है। संस्थान में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए निम्नलिखित सभी 14 विषय उपलब्ध है -

1. अगद तंत्र
2. द्रव्यगुण
3. कौमारभृत्य
4. कायचिकित्सा
5. मौलिक सिद्धान्त
6. पंचकर्म
7. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
8. रोग एवं विकृति विज्ञान
9. रस शास्त्र
10. शरीर रचना
11. शरीर क्रिया
12. शल्य तंत्र
13. शालाक्य तंत्र
14. स्वस्थवृत्त

प्रवेश की प्रक्रिया - आलोच्य वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 103 प्रवेश डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित वस्तुनिष्ठ प्रकार की स्नातकोत्तर प्रवेश प्रक्रिया के आधार पर तैयार वरीयता से किये गये । विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश हेतु अधिसूचना अखिल भारतीय स्तर पर समाचार पत्रों तथा इसकी वेबसाइट पर प्रकाशित की गई । विश्वविद्यालय की अधिसूचना संस्थान की वेबसाइट पर भी जारी की गई ।

सीटों का आरक्षण - आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित बिम्सटेक (BIMSTEC) देशों हेतु 3 सीटें, आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों हेतु 3 सीटें, मलेशिया हेतु 1 सीट तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यंगों हेतु भारत-सरकार के दिशा-निर्देशानुसार सीटे उपलब्ध है ।

प्रवेश - वर्ष 2016-2017 के दौरान 104 सीटों पर प्रवेश किया गया । वर्ग-वार प्रवेशित अध्येता निम्न प्रकार से है:-

सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच				आईसीसीआर के माध्यम से बिम्सटेक राष्ट्रो के छात्र		आयुष मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न राज्यों एवं प्राईवेट केन्द्रीय सरकार नामिति		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
12	26	4	7	2	5	10	7	1	-	6	7	2	1	10	4	47	57

वर्ष 2016-17 के दौरान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 284 अध्येता अध्ययनरत रहे । आलोच्य वर्ष के दौरान, एमडी/एमएस के 90 अध्येताओं ने अपने शोध महानिबंध प्रस्तुत किये ।

उत्तीर्ण – आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थिति तथा उतीर्ण हुये अध्येताओं की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार से है –

कक्षा	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
एम.डी.(आयुर्वेद) भाग-II बैच 2013-14	100	99	99%

शुल्क – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शुल्क प्रथम वर्ष के लिए रूपये 40,300/-, द्वितीय वर्ष के लिए रूपये 27,700/- तथा तृतीय वर्ष के लिए रूपये 27,700/- है। रूपये 12,000 की राशि अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड – एमडी/एमएस अध्येताओं को प्रथम वर्ष में रू. 15,820, द्वितीय वर्ष में रू. 16,950 एवं अन्तिम वर्ष में रू. 18,080 मासिक निवार्ह भत्ता (स्टाईपेंड) उपलब्ध कराया जाता है । स्टाईपेंड के साथ मंहगाई भत्ता केन्द्र-सरकार की दरों पर देय है ।

फैलोशिप प्रोग्राम (पीएच.डी., आयुर्वेद) – आयुर्वेद विद्यावारिधी – 28 स्थान

सभी स्नातकोत्तर 14 विषयों में नियमित फैलोशिप प्रोग्राम उपलब्ध है । फैलोशिप 2 वर्ष के लिए प्रदान की जाती है जिसमें एक वर्ष के लिए अभिवृद्धि की जा सकती है जो कि शोध में आवश्यक प्रगति के अध्यधीन होती है । फैलोशिप प्रोग्राम के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी.(आयुर्वेद) की उपाधि प्रदान करता है ।

प्रवेश की प्रक्रिया – विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश हेतु अधिसूचना अखिल भारतीय स्तर पर समाचार पत्रों में तथा इसकी वेबसाइट पर भी प्रकाशित की जाती है ।

सीटों का आरक्षण – 1 स्थान BIMSTEC (बांग्लादेश, भूटान, म्यंमार, नेपाल, श्रीलंका एवं थाईलैण्ड देशों के अभ्यर्थियों हेतु) हेतु उपलब्ध है इस पर प्रवेश भारतीय सांस्कृतिक संबन्ध परिषद् द्वारा प्रायोजित किये जाते हैं । 1 स्थान दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के अभ्यर्थियों हेतु उपलब्ध है इस पर प्रवेश आयुष मंत्रालय के माध्यम से दिये जाते हैं । भारतीय नागरिकों हेतु भारत-सरकार के आदेशानुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यंग वर्ग हेतु आरक्षण उपलब्ध है।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश विज्ञप्ति जारी नहीं की जा सकी इसलिए पीएच.डी.(आयुर्वेद) में प्रवेश नहीं किये जा सके । संस्थान में फैलोशिप प्रोग्राम के तहत 36 अध्येता रहे तथा 16 अध्येताओं ने अपना शोधमहानिबन्ध परीक्षा प्रस्तुत किये एवं एवं इनकी मौखिक परीक्षा (Viva-voce) आयोजित की गई । ।

शुल्क – फैलोशिप हेतु प्रथम वर्ष में रू. 54,150 तथा द्वितीय वर्ष में रू. 41,550 शुल्क निर्धारित है। रूपये 18,000 की राशि अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड – फैलोशिप प्रोग्राम के दौरान प्रथम वर्ष में रू. 18,702 एवं द्वितीय वर्ष में रू. 19,323 मासिक निर्वाह भत्ता देय है । निर्वाह भत्ता के साथ मंहगाई भत्ता केन्द्र सरकार की दरों पर देय है ।

आयुष नर्सिग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम – 30 स्थान

आयुर्वेद नर्सिग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि मय 6 माह के इंटर्नशिप के 2½ वर्ष की है। अभ्यर्थियों का आवंटन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है । प्रवेश 12वीं कक्षा के प्राप्तांकों की वरीयता के आधार पर किये जाते हैं ।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, 30 प्रवेश किये गये । वर्ग-वार प्रवेश निम्न प्रकार से है-

सामान्य/ओपन		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
5	9	3	2	1	1	5	3	1	-	15	15

आलोच्य वर्ष के दौरान डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 82 छात्र अध्ययनरत रहे ।

उत्तीर्ण–आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थित तथा उत्तीर्ण हुये अध्येताओं की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार है –

कक्षा	प्रविष्ठ	उत्तीर्ण
द्वितीय वर्ष मुख्य (2014)	26	परिणाम प्रतिक्षा में

शुल्क – डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु प्रथम वर्ष में रू. 15,000 तथा द्वितीय वर्ष में रू. 15,000 शुल्क निर्धारित है। रूपये 3,400 की राशि प्रथम वर्ष हेतु एवं रूपये 5,400 की राशि अन्तिम वर्ष हेतु अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं।

स्टाईपेंड – छात्रों को इंटर्नशिप के दौरान रू. 500 प्रति माह निर्वाह भत्ता देय है ।

पंचकर्म-परिचारक पाठ्यक्रम – 20 स्थान

पंचकर्म परिचारक का पाठ्यक्रम 4 माह का है जिसमें 1 माह की इंटर्नशिप सम्मिलित है । प्रवेश-अधिसूचना समाचार-पत्रों में प्रकाशित की जाती है तथा संस्थान की वेबसाईट पर भी उपलब्ध कराई जाती है। प्रवेश संस्थान द्वारा किये जाते हैं । अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु 10 स्थान आरक्षित है एवं दूसरे 10 स्थान अन्य वर्गो के लिए हैं ।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, पंचकर्म परिचारक के पाठ्यक्रम में 18 प्रवेश दिये गये । वर्ग-वार प्रवेश निम्न प्रकार से है –

सामान्य/ओपन		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
-	-	13	3	2	-	-	-	-	-	15	3

आलोच्य वर्ष के दौरान, पंचकर्म परिचारक के पाठ्यक्रम में 5 छात्र अध्ययनरत रहे ।

उत्तीर्ण – 11 छात्रों ने पंचकर्म परिचारक का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया ।

शुल्क – प्रवेश शुल्क अनुसूचित जन-जाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए रू. 3,000 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग से सम्बन्धित अभ्यर्थियों के लिए रू. 5,000 निर्धारित है । अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों से प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाता है ।

क्रीड़ा एवं खेल

संस्थान द्वारा क्रीड़ा एवं खेल को बढ़ावा देने हेतु एवं छात्रों एवं अध्येताओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के रखरखाव हेतु 4-1-2017 से 13-1-2017 तक वार्षिक क्रीड़ा एवं खेल गतिविधियाँ 'तरंग - 2017' संस्थान द्वारा आयोजित की गई । विभिन्न खेलकूल गतिविधियाँ यथा - क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम आदि तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा भाग लिया गया । छात्रों, अध्यापकों तथा संस्थान के स्टॉफ ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक आयोजनों का आनंद लिया । विजेता दलों एवं व्यक्तियों को पुरूस्कार वितरित किये गये ।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

संस्थान द्वारा 21 जून 2017 को द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया । इस अवसर पर, योग एवं इसके लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु लघु दौड़ 'रन फॉर योग' का आयोजन किया गया ।योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया गया ।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

संस्थान द्वारा 28-10-2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया । इस अवसर पर शहर में एक रैली का आयोजन किया गया जिसमें अध्यापकों, स्टॉफ, छात्रों एवं अध्येताओं ने भाग लिया । जयपुर शहर में 'आयुर्वेद के माध्यम से मधुमेह का नियंत्रण एवं रोकथाम' विषय पर 28 मधुमेह चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये जिसमें से 3 शिविर संस्थान चिकित्सालय में आयोजित कर मधुमेह के रोगियों को नि:शुल्क परामर्श, रक्तशर्करा जांच, औषधियाँ आदि मुक्त उपलब्ध कराई गयी । चिकुनगुनिया के रोगियों को शिविर स्थल पर ताजा जड़ी-बुटियों का क्वाथ तैयार कर उपलब्ध कराया गया । संस्थान के अध्यापकों एवं अध्येताओं द्वारा लगाये गये इन शिविरों में मधुमेह के लगभग 10,000/- रोगी लाभान्वित हुये । विभिन्न प्रकार के मधुमेह से बचाव, प्रबन्ध, सावधानियाँ व करने व न करने योग्य बातों एवं संस्थान द्वारा चलाई जा रही रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों को सूचनात्मक नारों द्वारा प्रदर्शित किया गया ।

लोक वित्त प्रबन्ध प्रणाली में पंजियन

लोक वित्त प्रबन्ध प्रणाली के अन्तर्गत संस्थान पंजिकृत हो गया है । मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक एवं उनके दल द्वारा संस्थान में लोक वित्त प्रबन्ध प्रणाली पर दो दिवसीय प्रशिक्षण स्टॉफ को प्रदान किया गया । संस्थान द्वारा शीघ्र ही लोक वित्त प्रबन्ध प्रणाली के उद्देश्यों को पूर्णतया प्राप्त कर लेगा ।

एनएबीएच एक्रिडिटेशन

राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा संस्थान को इसके चिकित्सालय की सेवाओं हेतु एनएनबीएच एक्रिडिटेशन प्रदान किया गया ।

नवीन प्रवेशकों के लिए प्रेरण कार्यक्रम –

संस्थान द्वारा 6-12 दिसम्बर 2016 को आयुर्वेदाचार्य के नवीन प्रवेशित छात्रों हेतु एक प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में संस्थान के आयुर्वेदाचार्य प्रथम वर्ष में नव-प्रवेशित विभिन्न प्रान्तों एवं ईरान, तंजानिया, थाईलैंड और भूटान के छात्रों ने भाग लिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा, पूर्व कुलपति, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, कार्यकारी अधिकारी, चक्रपाणी आयुर्वेद, जयपुर (अब सचिव, आयुष मंत्रालय) द्वारा की गई । उन्होंने छात्रों को आयुर्वेद में क्षेत्र एवं अवसर तथा वैश्विक पटल पर आयुर्वेद भविष्य, महत्व एवं संभावनाऐं विषयक प्रमुख व्याख्यान दिया । संस्थान के निदेशक प्रो. संजीव शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद चिकित्सा एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है और यह वर्तमान समय में अधिक लोकप्रिय हो रही है । आयुर्वेद के शिक्षण, चिकित्सा एवं शोध आदि में व्यापक क्षेत्र एवं अवसरों की संभावना है । प्रेरण कार्यक्रम से छात्र काफी प्रसन्न थे वे जान गये थे कि आयुर्वेद क्या है एवं वे जो योग्यता प्राप्त करेगें वह उनके कैरियर में किस प्रकार लाभदायक रहेगी जो वे अपनाते हैं ।

मधुमेह (डायबिटीज मिलीटस) के प्रबन्ध में स्कोप एवं आयुर्वेद की भूमिका : संभाषा विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी -

संस्थान में 5-7 फरवरी 2017 को निम्नलिखित लक्ष्यों पर मधुमेह (डायबिटीज मिलीटस) के प्रबन्ध में स्कोप एवं आयुर्वेद की भूमिका : संभाषा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजिन किया गया -

(ए) मधुमेह के प्रबन्ध में औषध (चिकित्सा), अन्न(आहार) एवं विहार(जीवन शैली) के क्षेत्र एवं भूमिका पर विशेष ध्यान देने के साथ मधुमेह की रोकथाम(डीएम) और प्रबन्धन एवं इसकी जटिलताओं का मौजूदा ज्ञान का अनुभव साझाा करने के लिए ।
(बी) मधुमेह(डीएम) के संकल्पनात्मक ढांचे को परिष्कृत करने के लिए और कोर इंडिकेटर्स के सुसंस्कृतकरण के लिए तथा
(सी) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए ।

संगोष्ठी को पूर्ण सत्र, समांतर सत्र और पोस्टर प्रस्तुति सत्र में विभाजित किया गया था । प्रतिभागियों द्वारा 447 मौखिक पत्र एवं 176 पोस्टर प्रस्तुत किये गये ।

आमंत्रित विबुद्धजनों द्वारा 73 प्रमुख व्याख्यान दिये । लगभग 50 अन्तर्राष्ट्रीय एवं 1000 राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी में भाग लिया । बाह्य प्रतिनिधियों के अतिरिक्त सभी संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने सक्रिय रूप से संगोष्ठी में भाग लिया । संगोष्ठी में एक एक्सपो का आयोजन किया गया जिसमें आयुर्वेद समुदाय के औषध उद्योग, निर्माता एवं नैदानिक उपकरण के आपूर्तिकर्ताओं, पुस्तक प्रकाशनों ने भाग लिया ।

संपादक सम्मेलन

संस्थान में 7-8 फरवरी 2017 को एक संपादक सम्मेलन का आयोजन किया गया । विभिन्न आयुर्वेद जर्नल्स के संपादक यथा जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड एज्यूकेशन इन इंडियन मेडिसिन, जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइन्सेज, जर्नल ऑफ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स, आयु, जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इन्टेग्रेटिव मेडिसिन एण्ड जर्नल ऑफ आयुर्वेद एकत्रित होकर मिल एवं आयुर्वेद के सभी जर्नल्स को उच्च कोटि का करने हेतु विभिन्न सुझाव प्रदान किए तथा मंत्रालय में एक आयुष प्रकाशन इकाई स्थापित करने का सुझाव दिया । संपादकों हेतु आवधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें ।

रोगी परिचर्या गतिविधियाँ

चिकित्सालय

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के 280 शययाओं युक्त चिकित्सालय को राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा एनएनबीएच एक्रिडिटेशन प्रदान कर दिया गया है । संस्थान के 3 चिकित्सालय है यथा - 280 शययाओं युक्त एनआईए कैम्पस हॉस्पिटल तथा 20 शय्याओं युक्त एनआईए सिटी हॉस्पिटल जो कि संस्थान प्रांगण से 4 किलोमीटर दूर शहर की हृदय स्थली में स्थित है। एक सेटेलाईट क्लिनिक भी जवाहर नगर में है जो कि जयपुर शहर का विख्यात रिहायशी एवं वाणिज्यिक क्षेत्र है ।

चिकित्सालयों का मुख्य ध्येय आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से पीड़ित मानव समूह को चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना है तथा रोगी परिचर्या गतिविधियों के क्षेत्र में बहिरंग रोगी विभाग, अन्तरंग रोगी विभाग, पंचकर्म प्रक्रियाओं, प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, अनेकों विशिष्ट चिकित्सा इकाईयों तथा सेवाओं यथा पैथोलॉजिकल टेस्ट, बॉयो-केमिकल टेस्ट, एक्स-रे, ई.सी.जी., सी.टी.एम.टी., अल्ट्रॉसाउण्ड, स्पॉयरोमीटरी, डेन्टल, ऑडियोमीटर, जरावस्था इकाई, आहार इकाई, हड्डी रोग इकाई, बाल मानसिक स्वास्थ्य इकाई, शिशु रोग एवं त्वक रोग इकाई, गुदरोग चिकित्सा, जलौकावचरण, अग्निकर्म, गर्भ जांच, टीकाकरण इकाई आदि के माध्यम से संस्थान विशिष्ट गतिविधियाँ सम्पन्न कर रहा है । नेत्र सम्बन्धित विभिन्न रोगों एवं विकृतियों तथा कान, नाक व गला सम्बन्धित रोगों के लिए विशेष चिकित्सा सेवायें उपलब्ध है । किसी भी आत्ययिक स्थिति में रोगियों को संभालने हेतु एक एम्बुलेन्स है ।

चिकित्सालयों के लिए अधिकांश औषधियाँ संस्थान की रसायनशाला में निर्मित कर पूर्ति की जाती है तथा रोगियों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है । रोगी राजस्थान से ही नहीं वरन आस-पास के राज्यों से भी विभिन्न रोगों की विशिष्ट चिकित्सा हेतु आते हैं । कम्प्यूटर पर ओपीडी रेकॉर्ड आदि का प्रलेखीकरण कम्प्यूटरीकृत किया जाता है ।

अन्तरंग रोगी विभाग में पंजीयन शुल्क 20/- रूपये है तथा संस्थान के छात्रों, वरिष्ट नागरिकों, स्वतंत्रता सैनानियों, बीपीएल कार्डधारकों, स्टॉफ एवं छात्रों को अन्तरंग विभाग के पंजीयन शुल्क से मुक्त रखा गया है।

आलोच्य वर्ष के दौरान, संस्थान को आईपीडी रजिस्ट्रेशन से रू. 90,400 तथा कोटेज, क्यूबिकल तथा डिलक्स वार्ड सुविधाओं से रू. 13,08,400/- प्राप्त हुये । ओपीडी रजिस्ट्रेशन शुल्क रू. 5/- है । आलोच्य वर्ष के दौरान, संस्थान को ओपीडी रजिस्ट्रेशन से रू. 4,79,840/- की राशि एवं रू. 8,41,732/- की राशि यूज़र चार्जेज यथा पंचकर्म प्रक्रियाऐं, क्रिया कल्प, प्रयोगशाला जांच आदि से प्राप्त हुई ।

बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) -

चिकित्सालयों में बहिरंग विभाग है जिसमें 14 विभाग मय विभिन्न इकाईयों एवं विशिष्ट क्लिनिक्स अपनी सेवायें देते हैं । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 2,33,805 रोगी थे जिनमें से 1,46,832 नवीन पंजीकृत किये गये । रोगियों को 16,36,635 दिवस हेतु औषधियाँ नि:शुल्क वितरित की गई । बहिरंग विभाग में चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगी विभागानुसार निम्न प्रकार से है -

क्र. सं.	विभाग	नवीन				पुरातन				महायोग
		पुरुष	महिला	बालक	योग	पुरुष	महिला	बालक	योग	
1.	काय चिकित्सा	16605	10698	567	27870	9170	7183	222	16575	44445
2.	पंचकर्म	7464	6341	299	14104	5848	5938	234	12020	26124
3.	शल्य तंत्र	15140	8324	605	24069	11054	5644	247	16945	41014
4.	शालाक्य तंत्र	7041	7410	1639	16090	3920	3644	835	8399	24489
5.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	362	8517	129	9008	239	5521	64	5824	14832
6.	बाल रोग	946	565	4524	6035	459	415	3160	4034	10069

7.	स्वस्थवृत्त	2309	1461	125	3895	1560	969	79	2608	6503
8.	मौलिक सिद्धान्त	3214	2629	213	6056	1960	2004	94	4058	10114
9.	रसशास्त्र	1445	698	43	2186	880	493	13	1386	3572
10.	द्रव्यगुण	1215	633	32	1883	803	465	6	1274	3157
11.	रोग एवं विकृति विज्ञान	4007	2909	202	7118	3571	2642	88	6301	13419
12.	अगद तंत्र	819	651	24	1494	495	460	10	935	2429
13.	शरीर क्रिया	5626	3199	233	9058	3075	1947	82	5104	14162
14.	शरीर रचना	1418	708	33	2159	1053	682	12	1747	3906
15.	प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई	771	365	20	1156	0	0	0	0	1156
16.	प्रतिक्षारत	6945	6152	1143	14240	1	4	1	6	14246
17.	एच.वी.	49	52	10	111	29	24	4	57	168
	Total	**75376**	**61312**	**9844**	**146532**	**44117**	**38005**	**5151**	**87273**	**233805**

अन्तरंग रोगी विभाग (आईपीडी)

शय्याओं की कुल संख्या 300 रही है जिनमें से 280 शय्यायें एनआईए कैम्पस हॉस्पीटल के अन्तरंग विभाग में है तथा 20 शय्यायें एनआईए सिटी हॉस्पिटल में अवस्थित है । शय्याओं का आवंटन सभी विभागें में निम्न प्रकार किया गया है :-

क्र. सं.	विभाग	शय्याओं का आवंटन			
		पुरुष	महिला	बालक	योग
1.	कायचिकित्सा	36	20	0	56
2.	पंचकर्म	38	10	0	48
3.	शल्य	38	10	0	48
4.	शालाक्य	26	8	0	34
5.	प्रसूति	0	48	0	48
6.	बालरोग	0	0	38	38
7.	स्वस्थवृत्त	2	1	0	3
8.	मौलिक सिद्धान्त	6	1	0	7
9.	रसशास्त्र	1	1	0	2
10.	द्रव्यगुण	1	1	0	2
11.	रोग विज्ञान	3	1	0	4
12.	अगद तंत्र	1	1	0	2
13.	शरीर रचना	2	1	0	3
14.	शरीर क्रिया	4	1	0	5
	योग :	**158**	**104**	**38**	**300**

आलोच्य वर्ष के दौरान, अन्तरंग रोगी विभाग में 78,570 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 5,629 रोगी नवीन थे । शय्याओं की अधिभोग दर 71.75% रहीं । अन्तरंग रोगी विभाग के स्तर पर चिकित्सा किये गये रोगियों की स्थिति निम्न प्रकार है:-

क्र.	विभाग	नवीन	पुरातन	महायोग

सं.		पुरुष	महिला	बालक	योग	पुरुष	महिला	बालक	योग	
1.	कायचिकित्सा	391	333	2	723	8066	7285	230	15581	16307
2.	पंचकर्म	621	550	21	1192	11147	9725	457	21329	22521
3.	शल्य	1003	324	31	1358	7864	2875	175	10914	12272
4.	शालाक्य	154	143	27	324	1169	1355	353	3477	3801
5.	प्रसूति	1	1097	2	1100	0	7663	7	7670	8770
6.	बालरोग	3	10	403	416	54	228	4038	4320	4736
7.	स्वस्थवृत्त	3	2	0	5	34	8	0	42	47
8.	मौलिक सिद्धान्त	100	60	12	172	2205	1036	682	3923	4095
9.	रसशास्त्र	13	5	0	18	300	174	0	474	492
10.	द्रव्यगुण	3	1	0	4	65	5	0	70	74
11.	रोग विज्ञान	44	48	1	93	830	467	3	1300	1393
12.	अगद तंत्र	52	12	0	64	1040	160	0	1200	1264
13.	शरीर रचना	74	57	3	134	1559	665	40	2264	2398
14.	शरीर क्रिया	16	7	0	23	205	172	0	377	400
	Total:	**2478**	**2649**	**502**	**5629**	**35138**	**31818**	**5985**	**72941**	**78570**

संधिवात(Arthritis), भगन्दर(Fistula), कटिशूल(Lumbago), आमवात(Rheumatoid Arthritis), ज्वर(Fever), पक्षाघात(Paralysis), पाण्डु रोग(Anaemia), अर्श(Piles), गृध्रसी(Sciatica), उदरशूल(Abdomen Pain), तमक श्वास(Bronchial Asthma), विबन्ध (Constipation), कास(Cough), मधुमेह(Diabetes Mellitus), मूत्रविकार(Urinary Disorders), श्वेतप्रदर(Leucorrhoea), अतिसार(Diarrhoea), अम्लपित्त(Hyper Acidity), प्रदर(Menorrhagia), मानसरोग(Mental Disorders), हृदरोग(Heart Disease), कामला(Jaundice), वृक्काश्मरी(Renal Calculi), भ्रम(Vertigo), उच्च रक्तचाप(Hyper Tension), नाडीदौर्बल्य एवं एमएनडी आदि प्रमुख रोगों के रोगियों की चिकित्सा की गई ।

कॉटेज, क्युबिकल तथा डीलक्स वार्ड्स

चिकित्सालय में 2 वातानुकूलित डीलक्स वार्ड, 4 वातानुकूलित क्युबिकल वार्ड तथा 5 कॉटेज वार्ड रू. 700/-, रू. 450/- तथा रू. 250/- के दैनिक प्रभार पर क्रमशः उपलब्ध है । हर समय यहाँ इन वार्ड्स की अच्छी मांग बनी रहती है ।

लेबर रूम एवं गायनेकोलोजिकल ऑपरेशन थियेटर

संस्थान चिकित्सालय में स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र प्रक्रियाओं हेतु ऑपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम स्थित है । इस ऑपरेशन थियेटर में लघु एवं वृहत शल्यकर्मो हेतु नवीनतम विभिन्न यत्रों एवं उपकरण उपलब्ध है । । आलोच्य वर्ष के दौरान, 6658 आयुर्वेदिक प्रक्रियाऐं यथा पिचु, पोटली, उत्तरबस्ति, मर्म बस्ति आदि सम्पन्न की गई तथा ऑपरेशन थियेटर में सम्पन्न की गई शल्य प्रक्रियाओं की संख्या निम्न प्रकार से है :-

क्रम संख्या	प्रक्रियाऐं	संख्या
1.	सामान्य प्रसव	72
2.	एलएससीएस	26
3.	कॉपर-टी इनसर्शन/रिमूवल	19
4.	अन्य गायनेकोलोजिकल	8
5.	हिस्ट्रेकटॉमी	6

शल्य ऑपरेशन थियेटर

रोगियों के विभिन्न शल्यकर्म करने हेतु नवीनतम विभिन्न यत्रों एवं उपकरण से सुसज्जित पृथक से शल्यकर्मागार है । आलोच्य वर्ष के दौरान, शल्यकर्मागार में सम्पन्न किये गये शल्यकर्मो की संख्या निम्न प्रकार से है :-

क्रम संख्या	प्रक्रियाऐं	संख्या
1.	बंधनकर्म - ड्रेसिंग	19565
2.	सामान्य शल्य कर्म	821
3.	अग्निकर्म	677
4.	जलौकावचरण	641
5.	क्षारसूत्र	518
6.	क्षारकर्म	189
	योग -	**22411**

रोगियों को आहार (पथ्य)

चिकित्सकों के परामर्शानुसार रोगियों को पौष्टिक आहार, फल, दुग्ध आदि नि:शुल्क प्रदान किये गये ।

पथ्य क्रमांक	पथ्य का विवरण	दुग्ध	फल
नं. 1	रोटी, दाल (मूंग) सब्जियाँ	250 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 2	दलिया, दाल(मूंग)	500 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 3	चावल-खिचड़ी, दाल(मूंग)	500 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 4	जौ का दलिया, जौ की रोटी	250 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 5	पर्पटी कल्प	1-10 लीटर चिकित्सक के निर्देशानुसार	-
नं. 6	.	500 मि.ली.	500 ग्राम
नं. 7	संसर्जन कर्म	चिकित्सक के निर्देशानुसार	-

एनआईए सिटी होस्पिटल

20 शय्याओं युक्त यह चिकित्सालय मुख्य परिसर से 4 कि.मी. दूर शहर की हृदय स्थली में स्थित है । चिकित्सालय में पृथक् से बहिरंग विभाग अवस्थित है जहां विभिन्न विभाग - कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, रोग एवं विकृति विज्ञान, शरीर रचना, शरीर क्रिया, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, मौलिक सिद्धान्त, द्रव्य गुण, स्वस्थ वृत्त, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा बालरोग विभाग - रोगियों को अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। रोगियों को चिकित्सा सुविधायें तथा औषधियाँ तथा स्वास्थ्यवर्धक पथ्य जहाँ तक संभव हो नि:शुल्क उपलब्ध है। इस चिकित्सालय में सेन्ट्रल लैबोरेटरी के विस्तार केन्द्र के रूप में एक पैथालोजिकल लैबोरेटरी-कम-सैम्पल कलेक्शन सेन्टर जिसमें रोगियों के पैथालोजिकल टेस्ट (एक्स-रे, रक्त जाँच, मूत्र जाँच आदि) किये जाने की सुविधा उपलब्ध है । अधिक जाँचों हेतु रोगियों को सैन्ट्रल लैबोरेटरी में रेफर किया जाता है । मधुमेह, तमकश्वास, अम्लपित्त, प्रतिश्याय, कास, संधिवात, आमवात, वातरक्त, संधिशूल, पक्षाघात, चिकुनगुनिया, अर्श, परिकर्तिका, श्वेतप्रदर, अजीर्ण, विबन्ध, मूत्रकृच्छ्र, प्रमेह, उच्चरक्तचाप, स्थौल्य, स्नायु दौर्बल्य, शुक्रमेह, अवसाद, श्वित्र, त्वकविकार, ज्वर, अतिसार, ग्रहणी, प्रवाहिका, आनाह, पाण्डु, कामला, खालित्य, पालित्य, दद्रु, युवान पिड़िका, गृध्रसी, कटिशूल आदि के रोगियों की चिकित्सा की गई ।

सेटेलाईट चिकित्सालय

संस्थान का सेटेलाइट चिकित्सालय, जयपुर के महत्त्वपूर्ण व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्र जवाहर नगर में स्थित है जो कि रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियाँ प्रदान कर रहा है । सेटेलाइट चिकित्सालय में नि:शुल्क परामर्श एवं औषधियाँ प्रदान की जाती है । चिकित्सालय का प्रबन्ध विभिन्न विभाग - मौलिक सिद्धान्त, शरीर रचना, रोग एवं विकृति विज्ञान, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, शल्य तंत्र तथा कायचिकित्सा विभाग - द्वारा किया जाता है । मधुमेह, ज्वर, कास, संधिशूल, कटिशूल, उदरविकार, त्वक विकार, अर्श, भगन्दर, अम्लपित्त, गुल्म, आमाजीर्ण आदि के रोगियों की चिकित्सा की गयी।

प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई

चिकित्सालय में आन्तरिक आत्ययिक चिकित्सा आवश्यकता की पूर्ति हेतु 24 घण्टे एक आत्ययिक चिकित्सा इकाई चलाई जा रही है । आलोच्य वर्ष के दौरान, 1,156 रोगियों की चिकित्सा की गई तथा मासिक औसतन 87 रोगियों की चिकित्सा की गई । इस इकाई में जीवन-रक्षक औषधियों के साथ आयुर्वेदिक औषधियाँ तथा ऑक्सीजन तथा अन्य उपकरण चालू हालत में रखे जाते हैं । इसका 24 घण्टे प्रबन्ध विभिन्न विभागों के अध्यापकों द्वारा किया जाता है जिसमें स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा सहायता की जाती है । आलोच्य वर्ष के दौरान, COAD (क्रोनिक ऑब्सट्रेक्टिव एयरवे डिज़िज), मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गैस्ट्रो एन्टेराइटिस, अतिसार, निर्जलीकरण, हेमोरिह्जे, ट्रॉमा, रिटेंशन यूरिन आदि से पीड़ित रोगियों के रोगों का प्रबन्ध एवं चिकित्सा की गई ।

उप-चिकित्सा-अधीक्षक आवासीय चिकित्सा अधिकारी तथा सम्बन्धित चिकित्सकों के साथ उचित उपचार, विभिन्न सेवाओं आदि को सुनिश्चित करने के लिए नियमितरूप से चिकित्सालय का निरीक्षण करते हैं । निरीक्षण के दौरान, इनके द्वारा रोगियों के हिस्ट्री कार्ड, निदान रिपोर्ट, दिया जा रहा उपचार, सुधार आदि की जाँच करते हैं तथा जहाँ कहीं आवश्यक हो उचित स्वास्थ्य देखभाल के लिए निर्देश प्रदान करते हैं । रोगियों को चौबीसों घंटे एवं आपातकालीन फोन पर संभालने के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रबन्ध किये गये हैं। चिकित्सालय में स्वच्छता बनाये रखने हेतु विशेष ध्यान दिया गया । रात्रि ड्यूटी हेतु पर्याप्त मात्रा में स्टॉफ नियुक्त किया जाता है एवं रोगियों की किसी भी आपात स्थिति के प्रबन्ध हेतु औषधियों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। चिकित्सकों के परामर्शानुसार रोगियों को आहार दिया जाता है तथ प्रत्येक दिन इसकी जाँच की जाती है एवं इसकी किस्म, मात्रा एवं स्वच्छता का सुनिश्चियन किया जाता है।

चिकित्सालय एवं वार्ड्स का निदेशक द्वारा उपाधीक्षक (चिकित्सालय), आवासीय चिकित्साधिकारी, सहायक आवासीय चिकित्साधिकारी आदि के साथ नियमित निरीक्षण किये गये तथा रोगियों की समस्यायें एवं परिवेदनाऐं सहानुभूतिपूर्वक सुनी गयी । रोगियों की परिवेदनाओं के निराकरण हेतु सम्बन्धित स्टॉफ को आवश्यक निर्देश दिये गये । निदेशक द्वारा औचक निरीक्षण भी किये गये ।

ई-होस्पिटल सेवाऐं

संस्थान द्वारा 1-10-2016 को ई-होस्पिटल सेवाऐं प्रारम्भ की गई । जन सामान्य को चिकित्सालय सेवाओं के जरिये परामर्श से लाभान्वित करने के लिए संस्थान ई-होस्पिटल सेवाओं के तहत पंजिकृत हो गया है । ओपीडी सुविधाऐं पहले से ही कमप्युटराइज्ड हो चुकी हैं तथा इन्हें आईपीडी स्तर पर विस्तारित किया जायेगा ।

विशिष्ठ नैदानिक सेवायें

नशामुक्ति केन्द्र

संस्थान में नशामुक्त समाज के उद्देश्य से 17-12-2016 को नशामुक्ति केन्द्र का प्रारंभ किया गया । नशीली दवाओं पर निर्भर रोगियों को उचित परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया । तम्बाकू, धूम्रपान, शराब पीने के आदि लोगों को पूर्ण चिकित्सा प्रदान की गई । इनमें से अधिकांशत लोगों ने केन्द्र द्वारा प्रदान की गई चिकित्सा के प्रति संतोष व्यक्त किया ।

पंचकर्म इकाई -

संस्थान परिसर में विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं यथा - स्नेहन स्वेदन, वमन, विरेचन, अनुवासन, बस्ति यंत्रों युक्त एक पृथक से स्टेट-ऑफ-आर्ट पंचकर्म इकाई है । गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों को पंचकर्म उपचार प्रदान करने हेतु पृथक से सुन्दर कक्ष एवं चैम्बर्स है ।

पैरा-सर्जिकल प्रोसिजर्स

व्याधियों की चिकित्सा हेतु पैरा-सर्जिकल प्रक्रियाओं की विशिष्ठ तकनीकें यथा - क्षारकर्म, क्षारसूत्र, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौकावचरण, सिरावेधन आदि अपनायी जा रही है । ये तकनीकें अर्श एवं भगन्दर की चिकित्सा में अधिक लोकप्रिय है ।

अनुर्जता इकाई

चिकित्सालय में अनुर्जता इकाई अवस्थित है जिसमें विभिन्न प्रकार की अनुर्जता से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा की जाती है । संस्थान की रसायन शाला में निर्मित पुष्करमूलादियोग सहित औषधियाँ रोगियों को ओपीडी के माध्यम से नि:शुल्क वितरित की जा रही है ।

बाल मानसिक स्वास्थ्य इकाई

बालकों में विभिन्न मानसिक विकृतियों यथा - अटेंशन डेफिसीट, हाइपरएक्टिव डिसॉर्डर्स (एडी/एचटी), मेन्टल रिटॉर्डेशन, शैक्षणिक तनाव/स्मृति सम्बन्धित विकृतियाँ आदि हेतु विशिष्ट चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध है। देश के विभिन्न स्थानों से इस इकाई में रोगी आते हैं ।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई

संस्थान के स्वस्थवृत्त विभाग में पृथक से एक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई है जहाँ रोजाना जनसामान्य एवं रोगियों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु योग एवं प्राणायाम कराये जाते हैं । विबन्ध, उदररोग, शि:शूल, कटिशूल, रक्तविकार, अंगमर्द, स्तब्धता, शोथ, नेत्र प्रदाहशूल, अनिद्रा, प्रमेह आदि के रोगियों को विशेष मिट्टी चिकित्सा एवं जल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है । रोगियों के लाभार्थ विभिन्न आसन, प्राणायाम, कुञ्जल, सूत्र नेति, वस्त्र धौति, कटि स्नान आदि नियमित रूप से कराये जाते है ।

दन्त इकाई

इस इकाई द्वारा दंत रोगों यथा - डेन्टल केरिज, पायरिया, जींजीविटिज़ आदि की जांच एवं चिकित्सा की जाती है । खराब हुये दांतों को निकालने, दांतों का शल्कन एवं साफ-सफाई आदि कर्म नियमित किये जाते हैं ।

रिहेबिलीटेशन एवं फिजियोथेरेपी इकाई

संस्थान से चिकित्सा प्राप्त कर रहे नाड़ीतंत्र सम्बन्धित विकृतियों से पीड़ित रोगियों के प्रबन्ध के लिए यहां एक रिहेबिलीटेशन तथा फिजियोथेरेपी इकाई है । रोगियों के लाभार्थ यह इकाई आवश्यक मशीनों तथा यंत्रों यथा कॉमर्शियल ट्रेड मील, क्रॉस ट्रेनर (साइकिलिंग), बॉड़ी सॉलिड़, टेन स्टेशन मल्टी जिम, पॉवर प्लेट (बॉडी मसाज, वेट रिड्यूसर) आदि से युक्त है ।

हीमेटोलॉजी बायोकेमेस्ट्री इकाई

5 पोर्ट हीमेटोलॉजी अनालाइजर तथा पूरी तरह से स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक जैसे उपकरणों से सुसज्जित इकाई केन्द्रीय प्रयोगशाला में है । इसका प्रयोगशाला में 200 से अधिक नैदानिक जाँचों के शुद्धता आधारित सरल एवं त्वरित परिणाम प्राप्त करने में लाभ प्राप्त हो रहा है।

विशिष्ट इकाई : पूर्व-मधुमेह, मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम

मधुमेह के प्रबन्धन, निवारण एवं संवर्द्धन पहलुओं पर परामर्श एवं रोगियों के उपचार हेतु पूर्व-मधुमेह, मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम हेतु विशिष्ट चिकित्सा इकाई है । विशेषरूप से विभिन्न चरणों में मधुमेह के लिए तैयार औषधियाँ भी तैयार कर वितरित की जा रही है ।

यूरोफ्लोमीटरी प्रयोगशाला

संस्थान द्वारा समय के साथ मूत्र के प्रवाह की दर की गणना करने के लिए तथा कम मूत्र मार्ग की स्थिति के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी देने हेतु संस्थान में यूरोफ्लोमीटरी प्रयोगशाला है । यह प्रयोगशाला ऑब्सट्रक्टिव यूरोपैथी विकारों एवं पौरुष ग्रन्थि की वृद्धि का पता लगाने में भी उपयोगी है ।

केन्द्रीय प्रयोगशाला

संस्थान के चिकित्सालय में बहिरंग, अन्तरंग व शोध के अन्तर्गत लिये गये विभिन्न नैदानिक परीक्षण की पूर्ति हेतु एक केन्द्रीय प्रयोगशाला है । हीमेटोलॉजिकल टेस्ट, मूत्र जाँच, बायोकेमीकल टेस्ट, सीरोलॉजिकल टेस्ट्स, सोनोग्राफी, एक्स-रे, ईसीजी, टीएमटी आदि नैदानिक परीक्षण की सुविधायें रोगियों को उपलब्ध करायी जाती है । प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के परिष्कृत यन्त्र एवं उपकरण उपलब्ध है । छात्र एवं अध्येताओं द्वारा भी उनके प्रशिक्षण के क्रम में उपरोक्त नैदानिक परीक्षण किये जाते हैं ।

एससीपी तथा टीएसपी स्कीम – अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता

संस्थान में 1983–84 से एससीपी एवं टीएसपी योजनायें लागू कर रहा है जिसके लिए इन दो घटकों के लिए योजना आवंटन में हर वर्ष पृथक से बजट प्रावधान करता है । संस्थान राजस्थान के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बहुल दर्जनभर जिलों के दूरदराज गांवों/पंचायत समितियों आदि में चल–चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर नि:शुल्क परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण, औषधियों का वितरण, आदि कर रहा है ।

योजनान्तर्गत, संस्थान 1 दिवस से 6 दिवस की अवधि के चिकित्सा शिविर, चल–चिकित्सा इकाई के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न जिलों यथा – उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ तथा जयपुर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगाकर चिकित्सा लाभ पहुँचा रहा है । इस इकाई के प्रभारी एक एसोसियेट प्रोफेसर है। वर्ष के दौरान, उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, जैसलमेर, अजमेर, सीकर, जालौर, चूरु, टोंक, अलवर एवं जयपुर जिलों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य वाले गांवों व कस्बों में 50 शिविरों का आयोजन किया गया। रोगियों को रू. 77,76,268/- लाख की नि:शुल्क औषधियाँ वितरित की गई । 48,871 रोगी लाभान्वित हुये । इन शिविरों में विभिन्न विभागों के संकाय–सदस्यों, पैरा–मेडिकल स्टॉफ तथा स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा भाग लिया गया । आलोच्य वर्ष के दौरान योजना मद में रू. 300 लाख उपलब्ध कराये गये ।

केन्द्रीय सुविधायें एवं सेवाऐं

रसायनशाला

संस्थान की रसायनशाला जीएमपी सर्टिफाइड है जिसमें चिकित्सालय व शोध कार्यो की आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की औषधियों के निर्माण का कार्य किया जाता है । औषध निर्माण के लिए अपनाई जाने वाली आदर्श प्रक्रियाओं का पूर्णरूप से पालन किया जाता है । औषधियों में गुणवत्ता मानक बनाये रखने हेतु औषध-निर्माण के सभी चरणों में गुणवत्ता नियंत्रण पद्धतियाँ अपनायी जाती है । औषध उत्पादों के निर्माण के दौरान मानक स्वस्थकर वातावरण एवं सुधारात्मक गुणवत्ता बनाये रखी जाती है। रसायनशाला रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग से सम्बद्ध है । विभाग के एक एसोसियेट प्रोफेसर द्वारा रसायनशाला में प्रबन्धन एवं निर्देशन किया जाता है तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को आयुर्वेदीय पद्धति से औषध निर्माण का प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है । विभिन्न योगों में प्रयुक्त किये जाने वाले घटकों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता है । इस प्रकार रसायनशाला में औषध निर्माण पूर्णतया शुद्ध आयुर्वेदीय शास्त्र प्रक्रियानुसार किया जाता है । विशेषत: भैषज्य रत्नावली, रसयोग सागर, सिद्ध योग संग्रह, सिद्ध भैषज मणिमाला, योग रत्नाकर, भाव प्रकाश, शार्ङ्गधर संहिता इत्यादि ग्रन्थों के अनुसार औषध निर्माण किया जाता है । इसके अतिरिक्त कुछ अनुभूत योग आयुर्वेदीय पारम्परिक विधि से बनाये जाते हैं ।

रसायनशाला आधुनिक उपकरणों एवं मशीनों से युक्त है यथा - माइक्रो पल्वराइज़र, डिसइन्टीग्रेटर, शिफ्टर, मिक्सर, मिनी पल्वराइज़र, पाउचिंग मशीन, कटिंग चौपिंग मशीन, ड्रॉयर, ड्रानुलेटर, टेबलेट, मैकिंग मशीन, स्ट्रीप पैकिंग मशीन, इलैक्ट्रिक फरनान्स, जूसर, बोटल वॉशिंग मशीन, मास मिक्सर, वेट ग्राइण्डर, डीहूमिडिफायर, स्क्रबर, ड्रॉयर, वैक्यूम क्लीनर आदि । कार्य में प्रयुक्त किये जाने वाले पारम्परिक यंत्र भी उपलब्ध है एवं निर्माण विधि में जहाँ कहीं भी इसके अतिरिक्त बनाई जा रही औषधियाँ, सामान्य चिकित्सा में प्रयोग में ली जाती है । पीएच.डी. एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं के शोध के दृष्टिगत मांग पर विशिष्ट औषधियों का रसायनशाला में निर्माण किया जाता है । ये औषधियाँ सम्बन्धित शोध अध्येता की उपस्थिति में, औषध घटकों, विधि निर्माण प्रक्रिया में पूर्ण सावधानी रखते हुये, बनायी जाती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान रसायनशाला में रू. 1,32,47,957/- की लागत से 130 प्रकार की विभिन्न औषधियों (41,370 कि.ग्रा.) का निर्माण किया गया जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 2,784 कि.ग्रा. अधिक है ।

पुस्तकालय

छात्रों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों की बढ़ती मांग की पूर्ति हेतु पुस्तकालय संस्थान में स्थित नवीन पुस्तकालय-सह-शैक्षणिक खण्ड़ (तहखाना + 4 मंजिल) में स्थानान्तरित किया गया है । नवीन इमारत की तीसरी मंजिल पर पाण्डूलिपि इकाई स्थापित की जा रही है । पुस्तकालय में पुस्तकों के भण्ड़ारण, जर्नल्स, शोध-महानिबन्धों, अध्ययन कक्षों, संदर्भ कक्षों आदि हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है । पुस्तकालय के सभी कक्ष वातानुकूलित है तथा सीसीटीवी कैमरा एवं वाई-फाई इन्टरनेट कनेक्शन युक्त है । पुस्तकालय परिसंचरण, संदर्भो की छायाप्रतियां एवं अखबारों की कतरनों, समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं की सेवायें प्रदान करता है ।

पुस्तकालय में आयुर्वेद, प्राकृतिक, आधुनिक चिकित्सा, दर्शनशास्त्र, संस्कृत, विज्ञान आदि विषयों से सम्बन्धित नवीनतम प्रकाशन विद्यमान है । अध्ययन कक्ष की अलग से व्यवस्था है जहाँ नवीनतम जर्नल्स, पत्रिकाऐं, बुलेटिन्स राष्ट्रीय एवं स्थानीय दैनिक उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या, संदर्भ एवं शोध प्रकाशनों सहित, अब लगभग 28,000 तक बढ़ गई है । 115 जर्नल एवं पत्र-पत्रिकायें वाचनालय कक्ष के लिये उपलब्ध है तथा पत्रिकाओं के 2,616 वार्षिक अंक सन्दर्भ के लिये उपलब्ध है । अध्यापकों एवं अध्ययनार्थियों के तत्काल सन्दर्भ हेतु समस्त विभागों में विभागीय पुस्तकालय स्थापित किये गये है। बुक-बैंक में 7,531 पुस्तकें उपलब्ध है जो कि प्रतिवर्ष छात्रों को उनकी योग्यता एवं आवश्यकता के अनुसार वितरित की जाती है । शिक्षकों, स्टॉफ, अध्येताओं एवं छात्रों द्वारा 19000 से अधिक बार पाठक कक्ष का उपयोग किया गया । केटेलॉग कोड में पुस्तकों को वर्गीकृत किया गया है तथा ओपन एसेस पद्धति अपनाई गई है। प्रत्येक अध्येता को पुस्तकालय के रीडर टिकिट्स अपने निवास पर अध्ययन करने हेतु पुस्तके प्राप्त करने हेतु दिये जाते हैं। सभी कार्य दिवसों को पुस्तकालय 12 घण्टों के लिए खुला रहता है । यह रविवार एवं अवकाशों में भी 6 घण्टे के लिए खुला रहता है। अनुसंधान एवं संदर्भ शाखा में दुर्लभ एवं संदर्भ पुस्तकों को पृथक् से रखा गया है। अध्यापकों एवं अध्येताओं हेतु तत्काल संदर्भ के लिए सभी विभागों में 14 विभागीय पुस्तकालय है। इन पुस्तकालयों में प्रत्येक वर्ष नये संस्करणों की वृद्धि होती रहती है । पुस्तकालय में स्नातकोत्तर एवं आयुर्वेद विद्या वारिधि के अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत शोध महानिबन्धों का संकलन उपलब्ध है । स्वचालन प्रक्रिया प्रगति पर है तथा आगामी समय में यह डिजिटलाइज्ड हो जायेगी ।

श्रव्य-दृश्य इतिहास भंडार/संग्रहालय

संस्थान में एक ऑडियो-विजुअल हिस्ट्री रिपोजिट्री स्थापित की गई है । यह इकाई अपने निम्नलिखित लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए कार्य कर रही है :-

1. विभिन्न पुस्तकालयों, निजी स्रोतों, तथा राजस्थान और भारत के शाही घरों में उपलब्ध आयुर्वेद की पांडुलिपियों की जानकारी एकत्रित करने के लिए ।
2. पांडुलिपियों की प्रतिलिपि एकत्र कर उन्हें संरक्षित करने के लिए ।
3. पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से तैयार करने और उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप तैयार करने के लिए ।
4. भावी पीढ़ी को प्रशिक्षण देने के लिए पांडुलिपिविज्ञान का एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम चलाने के लिए ।

इकाई ने 26 संस्थानों और जिन व्यक्तियों के पास पांडुलिपियाँ उपलब्ध है को पूर्व में सूचित कर रखा है कि वे अपनी पांडुलिपियाँ संस्थान से साझा कर लेवें । इकाई द्वारा राजस्थान के विभिन्न भागों से पुराने कागजों पर बनी पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया है । इन पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण एवं सूचीबद्ध का कार्य पूर्ण हो गया है । बुनियादी ढाँचे एवं तकनीकी यंत्रों एवं उपकरणों के लिए अल्प अवधि में ही खरीद हेतु निविदा आमंत्रित कर ली गई है । उपकरणों की खरीद के बाद, योजना हेतु वरिष्ठ फैलो एवं तकनीकी सहायक भर्त्ती किये जायेगें ।

तकनीकी

आई. टी. सेन्टर

अध्यापकों, अधिकारियों, अध्येताओं, छात्रों तथा कर्मचारियों के लाभार्थ तथा विभिन्न अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण, अनुसंधान, रोगी परिचर्या, अन्य तकनीकी तथा प्रशासनिक मामलों आदि के लिए सम्पूर्ण परिसर में वाई-फाई नेटवर्किंग सुविधा उपलब्ध है । जिसके लिए बीएसएनएल से ओएफसी केबल के माध्यम से 10 एमबीपीएस (1:1) 100% डाउनलोड एवं अपलोड़ स्पीड़ युक्त क्षमता का इंटरनेट कनैक्शन उपलब्ध है । परिसर के सम्पूर्ण भवनों में अवस्थित शैक्षणिक विभागों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कक्षाओं, कार्यालयों, छात्रावास आदि में इस सुविधा का लाभ मोबाइल पर इन्टरनेट के माध्यम से लिया जा सकता है । यह परियोजना संस्थान में सूचना तकनीकी के विस्तार के रूप में है । परिसर में वाई-फाई सुविधा को उपयोग करने वाले लगभग 1100 उपयोगकर्ता है जिनमें अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी, अध्येता तथा छात्र सम्मिलित है। संस्थान में ब्राड़बैण्ड इंटरनेट, स्केनिंग तथा प्रिन्टिंग सुविधाओंयुक्त एक सुसज्जित आई.टी. सेन्टर है । संकाय-सदस्यों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों के बैठने हेतु पृथक व्यवस्था है । सभी अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभागों तथा कार्यालयों को कमप्युटर तथा इंटरनेट सुविधायें उपलब्ध करायी गयी है । आलोच्य वर्ष के दौरान, 3541 बार इंटरनेट का उपयोग आई.टी. सेन्टर में किया गया ।

औषध-उपवन

छात्रों एवं अध्येताओं के दैनिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रदर्शनार्थ एवं शिक्षण के प्रयोजनार्थ संस्थान में एक औषधीय उपवन विकसित किया गया है । इस उपवन में 160 से अधिक पौधे एवं जड़ी बूटियाँ है ।

उपरोक्त के अतिरिक्त औषधीय पादपों को घमलों में नियंत्रित वातावरण में रखने के लिए परिसर में एक डेमो हर्बल गार्डन विकसित किया जा रहा है । वर्तमान में लगभग 210 प्रजातियों के 412 औषधीय पादप प्रदर्शन हेतु उपलब्ध है । सभी प्रजातियाँ एवं औषधीय पादप नामपट्टिकाओंयुक्त है ।

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

टुनकू अब्दुल रहमान विश्वविद्यालय, कुआलालम्पुर, मलेशिया के साथ एमओयू

संस्थान एवं टुनकू अब्दुल रहमान विश्वविद्यालय, कुआलालम्पुर, मलेशिया के मध्य मलेशिया में आयुर्वेद के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए एक आपसी समझपत्र (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है । इस एमओयू से संस्थान को आयुर्वेद के शिक्षण, प्रशिक्षण, रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों, विशेषरूप से पंचकम एवं क्षार-सूत्र चिकित्सा पद्धतियों की क्षमताओं को प्रोजेक्ट करने में मदद मिलेगी ।

जींग्वा आर्ट्स कॉलेज, दक्षिणी कोरिया के साथ एमओयू

संस्थान एवं जींग्वा आर्ट्स कॉलेज, दक्षिणी कोरिया के साथ शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं दक्षिणी कोरिया में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार हेतु के मध्य एक आपसी समझपत्र (एमओयू) करने हेतु प्रस्ताव मंत्रालय के समक्ष विचाराधीन है ।

निदेशक का स्पेन दौरा

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय के प्रतिनिधी के रूप में संस्थान निदेशक द्वारा स्पेन देश का दौरा किया तथा स्पेन के विभिन्न शहरों में आयुर्वेद एवं योग विषय पर व्याख्यान दिये गये ।

सामान्य गतिविधियाँ

शासी निकाय का विशिष्ठ उपवेशन

संस्थान के शासी निकाय का विशिष्ठ उपवेशन दिनांक 16-3-2017 को श्री श्रीपद येसो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय की अध्यक्षता में संस्थान के विस्तार के रूप में पंचकुला (हरियाणा) में अखिल भारतीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एआईआईएवाईएण्डएन) बनाने के लिए संस्थान के मेमोरण्डम ऑफ एसोएिशन ऑर बाय-लॉज में बदलाव कर इस संबध में शासी निकाय को शक्ति प्रदान करने के निर्णय के साथ सम्पन्न हुआ ।

स्थायी वित्त समिति

संस्थान की स्थायी वित्त समिति का उपवेशन दिनां 9-1-2017 को श्री अनुराग श्रीवास्तव, आईएएस, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । उपवेशन में विभिन्न निर्णय/संस्तुतियाँ की गई ।

भर्तियाँ एवं पदोन्नतियाँ

आलोच्य वर्ष के दौरान, वर्ग-ए, बी एवं सी की चयन समितियों के उपवेशन आयोजित किये गये तथा सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति से निम्नलिखित पद भरे गये -

सीधी भर्त्ती से भरे गये पद

क्र.सं.	पद का नाम	पदों की संख्या
1.	आवासीय चिकित्साधिकारी	1
2.	वैद्य (चिकित्साधिकारी)	2
3.	पंचकर्म वैद्य	2
4.	फार्मेसी मैनेजर	1
5.	फार्माकोलोजिस्ट	1
6.	क्लिनीकल रजिस्ट्रार	2

पदोन्नति से भरे गये पद

क्र.सं.	पद का नाम	पदों की संख्या
1.	प्रोफेसर	1
2.	एसोसिएट प्रोफेसर	1
3.	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	5
4.	स्टोर ऑफिसर	1
5.	मैट्रन	1
6.	असिस्टेन्ट मैट्रन	1
7.	म्युजियम असिस्टेन्ट	1
8.	ऑफिस असिस्टेन्ट	4
9.	वरिष्ट लिपिक	6

संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगतन स्कीम के अन्तर्गत वित्तीय प्रोन्नयन

ग्रूप-सी के 8 कर्मचारियों को संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगतन स्कीम के अन्तर्गत आगामी उच्च ग्रेड़-पे प्रदान की गई ।

जर्नल ऑफ आयुर्वेद

यह श्रेष्ठजनों द्वारा समीक्षित जर्नल (Peer Reviewed Journal) अन्तर्राष्ट्रीय मानकों तथा वैज्ञानिक युग में आज की आवश्यकताओं के अनुकूल है । इसमें प्रकाशन के लिए विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, संस्थाओं तथा संगठनों आदि से प्राप्त लेखों एवं शोध-पत्रों को सम्बन्धित विशेषज्ञों के सम्मुख समीक्षा तथा अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है । जर्नल व्यापक रूप से पाठकों में वितरित किया जाता है।

एनआईए न्युजलेटर

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु संस्थान से द्विमासिक समाचार-पत्र (Newsletter) प्रकाशित किया जाता है । इसमें संस्थान की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों के अतिरिक्त, समाचार-पत्र में प्राचीन आयुर्वेद संहिताओं से लिये गये स्वास्थ्य उद्धरण समाहित होते हैं। समाचार-पत्र का अनुसंधान परिषदों, संस्थानों, आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, संगठनों, पुस्तकालयों में नि:शुल्क वितरण हेतु प्रेषित किया जाता है ।

विवरणिकायें, पत्रक, आईईसी मेटेरियल्स आदि

विभिन्न अवसरों यथा आरोग्य मेलों, कार्यशालाओं, चिकित्सा शिविरों आदि में नियमित वितरण हेतु संस्थान द्वारा विवरणिकाओं एवं पत्रकों का प्रकाशन कराया जाता है । संस्थान द्वारा चिकित्सालय में दी जा रही विभिन्न सेवाओं, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं, व्याधियों, स्वास्थ्य संवर्द्धन एवं रोग निवारक पहलुओं, स्वस्थ मानसिकता एवं स्वस्थ जीवन बनाये रखने हेतु करने एवं न करने योग्य पहलुओं आदि की जानकारी इन विवरणिकाओं एवं पत्रकों में दी जाती है। पत्रक व्यापक रूप से आमजन के लिए वितरित किये जा रहे हैं ।

स्थापना दिवस

संस्थान द्वारा 7-2-2017 को स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर धन्वन्तरि पूजा आयोजित की गयी तथा संस्थान के 2 कर्मचारियों श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, फार्मासिस्ट एवं श्री रमेशचंद बुनकर, एमटीएस को उनके द्वारा संस्थान में किये गये विशिष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। उन्हें निदेशक द्वारा एक प्रशंसा-पत्र, श्रीफल तथा शॉल अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं एवं छात्रों की उपस्थिति में प्रदान किया गया ।

आतंकवाद विरोधी दिवस

21-5-2016 को आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई, कार्यक्रम में अच्छी संख्या में भागीदारी हुयी ।

सद्भावना दिवस

संस्थान द्वारा 20-8-2016 को सद्भावना दिवस मनाया किया गया । 20-8-2019 को सद्भावना दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई । कार्यक्रम का उद्देश्य जाति, रंग या नस्ल की भावना से परे लोगों के बीच सांप्रदायिक सद्भावना, राष्ट्रीय अखंडता, शांति और स्नेह को बढ़ावा देना था ।

स्वच्छ भारत अभियान

संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान जारी रखा गया है । अभियान के तहत सभी विभाग, चिकित्सालय, प्रयोशालाओं, रसायनशाला, कार्यालयों, छात्रावास तथा सम्पूर्ण परिसर को स्वच्छ किया गया है एवं समुचित स्वच्छता सुनिश्चित की गई है।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत-सरकार के निर्देशानुसार संस्थान द्वारा सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती पर 30-10-2016 को संस्थान में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को देश में एकता एवं अखण्ड़ता की शपथ दिलायी गई ।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशानुसार 26-10-2015 से 31-10-2015 तक संस्थान में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया । इस अवसर पर निदेशक द्वारा 27-10-2015 को अध्यापकों, अधिकारियों, स्टॉफ, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई जिसमें ये काफी अच्छी संख्या में एकत्रित हुये ।

राजभाषा समिति

संस्थान में प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया है । यह समिति संस्थान में वर्ष में समय-समय पर उपवेशन आयोजित कर राजभाषा के उपयोग का संवर्द्धन करती है तथा हिन्दी दिवस (14-9-2016), हिन्दी पखवाड़ा(14-9-2016 से 28-9-2016 तक) आदि कार्यक्रमों का आयोजन करती है तथा राजभाषा के उपयोग हेतु माहौल को बढ़ावा देने हेतु उपवेशन आयोजित किये गये । राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 11-6-2016, 13-6-2016, 27-9-2016, 20-12-2016 तथा 28-3-2017 को त्रैमासिक उपवेशनों का आयोजन किया गया एवं विभिन्न संस्तुतियाँ एवं निर्णय लिये गये । राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपवेशनों में लिये गये निर्णयों को लागू करने हेतु समुचित कदम उठाये गये।

लोक-परिवेदना निवारण इकाई

इस इकाई के प्रभारी प्रो. के. शंकर राव, प्रोफेसर है । आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुष विभाग से अग्रेषित की गई 22 शिकायतें प्राप्त हुई उन्हें तत्परता से सुनकर शीघ्रता से उनका निवारण किया गया तथ तद्नुसार शिकायतकर्ताओं को सूचित किया गया । इनके आंकड़े भी आयुष विभाग को प्रस्तुत किये गये ।

सूचना का अधिकार इकाई

वर्ष के दौरान, 88 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये तथा इन सभी को उत्तर/सूचनायें उपलब्ध करायी गई। संस्थान द्वारा आंकड़े नियमित रूप से केन्द्रीय सूचना आयोग के पोर्टल पर अपलोड़ किये जाते हैं।

सतर्कता इकाई

संस्थान के निदेशक प्रो. संजीव शर्मा मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे । वर्ष के दौरान, सतर्कता सम्बन्धित कोई मामला प्राप्त नहीं हुआ है । संस्थान में 31 अक्टूबर 2016 से 5 नवम्बर 2016 तक 'सतर्कता सप्ताह' आयोजित किया जाकर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गयी जिसमें इनकी अच्छी संख्या में उपस्थिति रही ।

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति इकाई

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति से सम्बन्धित मामलों के देखरेख अधिकारी डॉ. केदारलाल मीना, एसोसिएट प्रोफेसर हैं एवं इकाई के प्रभारी अधिकारी डॉ. रामकिशोर जोशी, प्रोफेसर रहे हैं । अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति इकाई के देखरेख अधिकारी एवं प्रभारी-अधिकारी द्वारा रोस्टर बिन्दु आदि को जांचने एवं स्वीकृति देने के उपरान्त ही सीधी-भर्त्ती एवं पदोन्नति हेतु विभिन्न पदों की रिक्तियों का निर्धारण किया जाता है ।

स्वास्थ्य मेलों में सहभागिता

संस्थान द्वारा आयुष मंत्रालय द्वारा बैंगलूरु (10-9-2016 से 13-9-2016 तक), कोलकाता (1-12-2016 से 4-12-2016 तक), बीकानेर (13-12-2016 से 16-12-2016 तक) तथा जयपुर (15-12-2016 से 17-12-2016 तक, 19-1-2017 एवं 21-1-2017) में राजस्थान-सरकार द्वारा आयोजित आरोग्य मेलों एवं 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में संकाय सदस्यों, स्टॉफ एवं अध्येताओं को नियुक्त कर तथा संस्थान की गतिविधियों को प्रदर्शित कर सक्रियता से भाग लिया गया । इन मेलों में संस्थान द्वारा स्टाल लगायी गई तथा संस्थान द्वारा चलाई जा रही शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों को ट्रांसलाइट, पोस्टर्स तथा चार्ट्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया । आगन्तुकों को स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रकृति परीक्षण की नि:शुल्क सुविधाऐं एवं परामर्श प्रदान किया गया । इन सभी मेलों के आगन्तुकों ने अच्छी संख्या में संस्थान स्टॉल का अवलोकन किया।

सभागार

संस्थान में 500 सीटोंयुक्त एक वातानुकूलित सभागार है । यह सभागार में आधुनिक एवं नवीनतम ध्वनि और प्रकाश योजनाओं की सुविधाओं से युक्त है । परकोटा क्षैत्र में अच्छी सुविधाओं युक्त यह अपनी तरह का एक मात्र सभागार है इसमें दिव्यजनों हेतु सुविधाओं का प्रावधान है तथा पृथक से जनरेटर सेट उपलब्ध है । सभागार में प्रक्षेपण के लिए बड़ी स्क्रीन है । स्टेज पर अग्निरोधी पर्देयुक्त है तथा रंग रोगशनी मोटर संचालित है । इसमें पर्याप्त अग्निरोधक यंत्र स्थापित है । इसका उपयोग विभागों द्वारा साप्ताहिक संगोष्ठियों, छात्रों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों तथा संस्थान के कर्मचारियों हेतु आयोजित कार्यक्रमों में किया जाता है । संस्थान के स्वयं के उपयोग के अतिरिक्त, सभागार को शैक्षणिक संस्थानों तथा संगठनों को संगोष्ठियों, उपवेशनों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु किराये पर दिया जाता है ।

छात्रावास

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को छात्रावास सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु संस्थान के निम्नलिखित छात्रावास उपलब्ध है:-

स्नातक छात्र छात्रावास	2	117 सीटें
स्नातकोत्तर छात्र छात्रावास	1	134 सीटें
स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रा-छात्रावास	2	169 सीटें
पीएच.डी./पीजी छात्रावास (फ्लेटों में)		20 सीटें

शैक्षणिक विभागों का प्रतिवेदन

अगद तंत्र विभाग

परिचयः अगद तंत्र आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है जिसमें विष, इनके कार्य, इनकी तीव्रता और संचयी विषाक्तता का निदान तथा चिकित्सा से सम्बन्धित अध्ययन किया जाता है । अगदतंत्र में विषैले पदार्थो तथा जीवित प्राणियों द्वारा उत्पन्न विष जो कि मनुष्य के लिए हानिकारक होते हैं जैसे जहरीले पौधें, भारी धातु, तथा इसके यौगिक, सांप, बिच्छू, मकड़ी, मधुमक्खी आदि, बैक्टीरियल ओर गैर-बैक्टीरियल विषाक्त भोजन, कृत्रिम विष यथा कीटनाशक, शाक तथा रोडेन्टनाशी आदि, इनकी विषाक्तता एवं नैदानिक प्रबन्ध, इसमें विभिन्न दवाओं के आदी से उत्पन्न तीव्र, जीर्ण विषाक्ता की निकासी एवं इसका प्रबन्ध आदि सम्मिलित है । इस विषयान्तर्गत विष तथा विषैले पादप, जीवाणुओं तथा कुकुरमुत्तों से उत्पन्न विष की पहचान, लक्षण व चिकित्सा सम्मिलित है । विभागान्तर्गत आयुर्वेदिक पद्धति से विशिष्ट विष द्रव्यों का विस्तृत विवेचन, वर्गीकरण, परीक्षण तथा इनके प्रयोग से उत्पन्न विकारों की चिकित्सा तथा प्रतिषेधात्मक उपाय तथा व्यवहारायुर्वेद विषयान्तर्गत विधि व्यवहार तथा मृत्यु के कारणों की जाँच, फोरेंसिक औषधियाँ आदि का अध्ययन-अध्यापन स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कराया जाता है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 प्रोफेसर (संविदा आधार पर), 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे ।

ध्येय एवं उद्देश्य -

1. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को अगदतंत्र विषय की शिक्षा प्रदान करना ।
2. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को फोरेंसिक विज्ञान विषय की शिक्षा प्रदान करना ।
3. आयुर्वेद अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तावाले शोधार्थी एवं अध्यापकों का निर्माण करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

स) पीएच.डी. - वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

द) छात्र-छात्राओं को मृत-शरीर के पोस्टमार्टम परीक्षण करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक ज्ञान कराने हेतु महात्मा गाँधी मेडीकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया । यह प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं के बैच बनाकर निरन्तर प्रदान किया जा रहा है ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आरती कौडल	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ समीरगज केसरी रस एण्ड मुक्तापिष्टी विथ दूषीविषारि अगद इन अल्कोहल विथड्रॉवल सिंड्राम ।
2.	डॉ. अंशु मालवीय	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डामाइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ प्यूरेरिया टयुबेरोसा एण्ड हर्बल फार्मूलेशन इन अल्कोहल एडिक्शन ।
3.	डॉ. दिनेश कुमार कुमावत	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे लेक्चरर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ काश्यपोक्त विरेचन योग एण्ड नागबलाघृतम इन लांगटर्म हैल्थ हजार्ड्स ऑफ पेस्टीसाइड्स ।
4.	डॉ. रोहित कुमार खटीक	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ स्नुह्यादी तैल ऑन खालित्य ।
5.	डॉ. संगीता	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. ए.आर.के. पठान	ए टॉक्सीकोलोजी एनॉलेसिस ऑफ द् रेजीड्यूज ऑफ पेस्टीसाइड्स ऑन लेडीफिंगर (एबेलमोस्यस एस्कूलेन्ट्स) बिफॉर एण्ड आफ्टर धावन बाई हरिद्रा जल ।
6.	डॉ. अवध किशोर मिश्रा	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ इफेक्ट ऑफ समीरगज केसरी रस ज्वरहर क्वाथ एण्ड बालुका स्वेद ऑन आमवात ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध काय जारी रहे जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रश्मि सैनी	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन वाइयो एन्टि कैंसर एक्टिविटी एण्ड टॉक्सिसिटी ऑफ हरगौरी रस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एण्डोमेट्रिअल कैंसर
2.	डॉ. मोनिका शर्मा	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन वाइयो एन्टि कैंसर एक्टिविटी एण्ड टॉक्सिसिटी ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ल्यूकेमिया ।
3.	डॉ. राजवीर सासोन	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	द् क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अमृतादि घनवटी एण्ड विषघ्न लेप इन दुषीविषजन्य विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक स्किन डिजीज ।
4.	डॉ. नीलम आर्य	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ विचर्चिकारी तैलम् एण्ड विडंगादि पिण्डी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका ।
5.	डॉ. सुबोध जैन	डॉ. रमाकान्त शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टिबैक्टेरियल स्ट्डी ऑफ एक्वयस एक्सट्रेक्ट ऑफ विषघ्न महाकषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फूड पॉयजनिंग ।

6.	डॉ. संचित जैन	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ कुटनातादि तैल एण्ड गूंजा लैप ऑन खालित्य ।
7.	डॉ. सपना खत्री	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑन पलाशबिजादि योग एण्ड कम्पिल्लकादि लैप ऑन मण्डल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दुषी विष ।
8.	डॉ. मनप्रीत कौर	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ ब्रह्म रस एण्ड छाटूसम लैप इन दुषीविषजन्य त्वक विकार ।
9.	डॉ. मीना कुमारी	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ विषमुष्ठ्यादि वटी इन टोबेको एडिक्शन - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल ।
10.	डॉ. संदीप चरक	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ नारायण चूर्ण इन एल्कोहोल एडिक्शन : सिंगल ब्लाइण्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. भावना मित्तल	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ चित्रकादि लैप एण्ड सिद्धार्थकादि क्वॉथ इन कुष्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराइसिस ।
2.	डॉ. मोनिका शर्मा	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ निशादि क्वॉथ घन वटी एण्ड वृहंत्त सिंदूरम तैलम इन विचर्चिका - ए क्लिनीकल स्ट्डी ।
3.	डॉ. राजवीर सासोन	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ पंच निम्ब चूर्ण एण्ड बृहत् मरीच्यादि तैलम् इन व्यंग ।

चिकित्सकीय कार्य – विभाग द्वारा चिकित्सालय के बहिरंग विभाग एवं अन्तरंग विभाग के रोगियों को चिकित्सकीय सेवाऐं प्रदान की गई । चिकित्सालय के अन्तरंग विभाग के रोगियों के साथ-साथ बहिरंग विभाग के रोगियों को विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निदान एवं चिकित्सा सुविधाऐं प्रदान की गई । विशेषरूप से दूषी विषजन्य त्वचा रोग एवं नशीली दवाओं के सेवन के आदी के रोगियों की चिकित्सा की गई । विभाग के अध्यापकों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वाले क्षेत्रों में आयोजित चल-चिकित्सा शिविरों में भाग लेकर चिकित्सा सेवाऐं दी गई ।

स्नातकोत्तर विभाग द्वारा नशा-मुक्ति इकाई का शुभारंभ 17-12-2016 को किया जा कर इसे नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है ।

विभाग की नशा-मुक्ति इकाई द्वारा जागरूकता एवं चिकित्सा हेतु एक नशा मुक्ति शिविर का आयोजन राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, लक्ष्मीनारायणपुरी, जयपुर में किया गया ।

विभाग द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस (28-10-2016) के अवसर पर जयपुर स्थित करघनी, नेहरू गार्डन एवं गौरव टॉवर क्षेत्र में 3 मधुमेह शिविर आयोजित किये गये ।

उदयपुर जिला की ऋषभदेव तहसील में 19-9-2016 से 6 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया ।

अतिथि व्याख्यान

विभाग में एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें प्रो. रुता कदम, स्नातकोत्तर अगद तंत्र विभाग, भारती विद्यापीठ, पुणे द्वारा ''आयुष संस्थानों में नशामुक्ति की प्रयोज्यता - एक रोड् मैप'' विषयक व्याख्यान दिया गया ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव फाइटोकेमिकल स्ट्डी ऑफ एब्रस प्रेक्टिरियस बिफोर एवं ऑफ्टर शोधन ।	इम्पीरियल जर्नल ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी रिसर्च (आईजेआईआर) वॉल. 3, इश्यू - 1, 2017 ISSN : 2454 - 1362
2.	डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	रोल ऑफ जल नेति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ साइनुसाइटिस ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च (डब्ल्युजेपीआर) वॉल-5, इश्यू-2 XXX-XXX ISSN 2277-7105 जनवरी - 2, 2017
3.	डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री डॉ. मिनाक्षी डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार गोटेचा प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑफ अशोधित एण्ड शोधित गुञ्जा (एब्रस प्रेक्टिरियस लीन.) एल्बिनो रेट्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9-1 ISSN 2321-0435 नवम्बर 2016

4.	डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री डॉ. मिनाक्षी डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार गोटेचा प्रोफेसर	क्लिनीकल एनॉलेसिस ऑफ रिजाइड्यूज ऑफ पेस्टिसाइड्स ऑन बॉटल गार्ड(घीया) बिफोर एण्ड ऑफ्टर धावन बाई शिरीष क्वॉथ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल-9, नं. 4 जनवरी 2017
5.	डॉ. सुशील स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. मोनिका स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एस्पेक्ट्स ऑफ कॉपर एण्ड इट्स क्रोनिक टॉक्सिसिटी ।	-
6.	डॉ. मोनिका स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यु ऑफ आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ कम्युमुलेटिव टॉक्सिसिटी ऑफ पेस्टिसाइड्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 2016, 2(5) ISSN 2455-3301
7.	डॉ. मोनिका स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	प्रोटोकॉल फॉर डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ दुषी विष इन करन्ट ऐरा ।	जुलाई-सितम्बर 2016
8.	डॉ. नीलम आर्य स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. राजवीर सासन स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. एच.एम.एल. मीना	फार्माकोलोजिकल एण्ड थैरेप्युटिक प्रोपर्टीज ऑफ विचर्चिकारी तैल - ए रिव्यु ।	आईजेआरएपी इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी इश्यू 7(5) सितम्बर-अक्टुबर 2016
9.	डॉ. रश्मि सैनी स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रवि कुशवाह स्नातकोत्तर अध्येता	क्रोनिक कम्युमुलेटिव लीड टॉक्सिसिटी एण्ड इट्स आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।	डब्ल्युजेपीएलएस सितम्बर, 2016 ISSN 2454 - 2229
10.	डॉ. दीपक कुमार स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. रश्मि सैनी स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. मोनिका शर्मा स्नातकोत्तर अध्येत्री	रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ लाईफ स्टाईल डिस्आर्डर ओबेसिटी (स्थौल्य) ।	डब्ल्युजेपीएलएस वॉल./इश्यू 5 ISSN 2454-2229
11.	डॉ. सुबोध जैन स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. रोहित कुमार खटीक स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. शरद मारोती पोरटे	आयुर्वेद के परीपेक्ष्य में विधि वैद्यक ।	विश्व आयुर्वेद परिषद् नवम्बर 2016

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
12.	डॉ. सुबोध जैन स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यु ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन इन आयुर्वेद ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. X-1 जनवरी-मार्च 2016 2017 में प्रकाशित
13.	डॉ. राजवीर स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार स्नातकोत्तर अध्येता	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ एन्टीटोक्सिक इफेक्ट ऑफ बिल्वादिअगद ।	डब्ल्युजेपीएलएस 16-8-2016 1SSN 2454-2229 वॉल. 2, इश्यू 4
14.	डॉ. राजवीर स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार स्नातकोत्तर अध्येता	फार्माकोलोजिकल एण्ड फायटोकेमिकल प्रोपर्टीज ऑफ पटोल (त्रिकोसांथस द्योकिया)	डब्ल्युजेपीएलएस 16-8-2016 1SSN 2454-2229 वॉल. 2, इश्यू 4
15.	डॉ. राजवीर स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. नीलम स्नातकोत्तर अध्येत्री	ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ इफेक्ट ऑफ विषघ्न महाकषाय ऑन विषजन्य एलर्जिक स्किन डिस्आर्डर्स।	आईजेएपीआर मई, 2016 वॉल. 4, इश्यू 5
16.	डॉ. संचित जैन स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	एलीग्जिर एक्शन ऑफ आयुर्वेद इन खालित्य ।	आयुषधारा मार्च-अप्रैल 2016 वॉल.3, इश्यू-2
17.	डॉ. सपना खत्री स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. विपिन कुमार पीएच.डी. अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. के. एल. मीना प्रोफेसर	कम्प्रैहेन्सिव एप्रोच ऑफ आयुर्वेद इन ग्लोबल हैल्थ प्रोब्लम्स ।	विश्व आयुर्वेद परिषद् जर्नल ISSN 0976-8300 सितम्बर-अक्टुबर 2016
18.	डॉ. सपना खत्री स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. विपिन कुमार पीएच.डी. अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	डायट्री इथिक्स मेंशन्ड इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हैल्दी लाईफ स्टाईल ।	पुनर्नव वॉल. 4, इश्यू 3, मई-जून 2016
19.	डॉ. मनप्रित कौर स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रोहित खटीक	रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ व्यंग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मेलास्म ।	आयुषधारा वॉल. 3, इश्यू 2 मार्च-अप्रैल 2016

	स्नातकोत्तर अध्येता		
20.	डॉ. संगीता स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	रिपुअल्स ऑफ सनातन धर्म षोड़ष संस्कार ।	अमृत संचार जनवरी 2017 इश्यू 7
21.	डॉ. रोहित खटीक स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	द् रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हैयल फॉल ।	अमृत संचार जनवरी 2017 इश्यू 7
22.	डॉ. अवध किशोर मिश्रा स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ इफेक्ट ऑफ समीर गजकेसरी रस, ज्वरहर क्वॉथ एण्ड बालूका स्वेद ऑन आमवात ।	आईएएमजे अक्टुबर-नवम्बर 2016 वॉल. 1, इश्यू 1
23.	डॉ. मोनिका शर्मा स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ मुखदुषिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एकनी वल्गेरिस : ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च (पीर रिव्यूड) वाल्यूम 4, इश्यू 9 सितम्बर 2016
24.	डॉ. सविता सैनी स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन विट्रो एन्टी बेक्टेरियल स्ट्डी ऑफ आनन्दभैरव रस बाई सेल्फ क्रियेटेड् फूड पोइजनिंग ।	ईजेपीएमआर मई 2016 इश्यू 3(5)
25.	डॉ. सविता सैनी स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टीमाइक्रोबॉइल स्ट्डी ऑफ आनन्द भैरवरस (अतिसार अधिकार) ऑफ स्टॉक एन्टरो-पैथोजेनिक बेक्टेरिया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बेक्टेरियल फूड पोइजनिंग ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइन्सेज जून 2016 इश्यू 4(6)

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता -

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये पत्र
1.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मृतसंजीवन रस एण्ड शुण्ठयादि क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दूषीविष ।
2.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	वर्कशॉप ऑन सांइटिफिक राइटिंग ।
3.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	कनौड़िया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 28 जनवरी 2017 को आयोजित लैड टोक्सिसिटी : इश्यूज़ सिग्निफिकेन्स	लैड टोक्सिसिटी, प्रिवेन्शन इन टूडेज़ ऐरा एण्ड इट्स आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।

		एण्ड चैलेन्जेज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	
4.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	बरेली में 23 दिसम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद – अगद तंत्र – ग्लोबल डायवर्सिफाईड टोक्सिसिटी इन प्रजेन्ट सेनेरियो विषयक 6ठवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मेडिकल नेग्लीजेंस इन आयुर्वेद ।
5.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	आर.डी. मेमोरियल आयुर्वेदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल द्वारा 29-30 जुलाई 2016 को आयोजित न्यु रिसर्च प्रोस्पेक्टस इन ग्लोबेलाईजेशन आयुर्वेद – निरामया 2016 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	द् रोल ऑफ आयुर्वेदिक डायटेटिक्स इन मॉडर्न ऐरा ।
6.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा 14-16 नवम्बर 2016 को जयपुर में आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला ।	आयुर्वेद चिकित्साल के लिए एनएबीएस का क्रियान्वयन विषयक कार्यक्रम ।

सी) अध्येताओं द्वारा कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता –

क्र.सं.	अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये पत्र
1.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	मॅथड्स ऑफ प्रीवेंन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक टोक्सिसिटी ऑफ टोक्सिक मेटाबोलिट्रिज इन हूमन बींग्स।
2.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ सेल्फ केयर इन मैनेजमेन्ट ऑफ टाईप-2 डायबिटिज मिलीट्स ।
3.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री	कनौड़िया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 28 जनवरी 2017 को आयोजित लैड टोक्सिसिटी : इश्यूज़ सिग्निफिकेन्स एण्ड चैलेन्जेज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ लैड पॉइजनिंग ।
4.	डॉ. भावना मित्तल पीएच.डी. अध्येत्री	8 मार्च 2017 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलॉजी विषयक कार्यशाला ।	रिसर्च मॅथोडोलॉजी ।
5.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. मधु पाठक पीएच.डी. अध्येत्री	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन पुनर्नवादि लेपन ऑन किट विषजन्य दंश ।
6.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. मधु पाठक पीएच.डी. अध्येत्री	कनौड़िया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 28 जनवरी 2017 को आयोजित लैड टोक्सिसिटी : इश्यूज़ सिग्निफिकेन्स एण्ड चैलेन्जेज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ लेड पॉइजनिंग ।

7.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रिचा शर्मा पीएच.डी. अध्येत्री	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ वंग भस्म इन मधुमेह ।
8.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रिचा शर्मा पीएच.डी. अध्येत्री	कनौड़िया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 28 जनवरी 2017 को आयोजित लैड टोक्सिसिटी : इश्यूज़ सिग्निफिकेन्स एण्ड चैलेन्जेज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	लैड टॉक्सिसिटी एण्ड मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद ।
9.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. रिचा शर्मा पीएच.डी. अध्येत्री	बरेली में 23 दिसम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद - अगद तंत्र - ग्लोबल डायवर्सिफाईड टोक्सिसिटी इन प्रजेन्ट सेनेरियो विषयक 6ठवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मेडिकल इथिक्स इन आयुर्वेद ।
10.	डॉ. सपना खत्री पीएच.डी. अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ डाईट थैरेपी इन मधुमेह (डायबिटिज मिलीट्स) ।
11.	डॉ. संचित जैन पीएच.डी. अध्येता डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कन्सेप्युअल स्ट्डी ऑफ हरिद्रा इन मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स - टाईप 2 ।
12.	डॉ. संचित जैन पीएच.डी. अध्येता डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित गैर-संचारी रोगों में अवसरों एवं आयुर्वेद की भूमिका - वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	क्लिनीकल इफेक्ट ऑफ विष उपविष एण्ड इट्स फोर्मेशन टू क्योर द् खालित्य ।
13.	डॉ. मीना कुमार मेहतो पीएच.डी. अध्येता डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	डायग्नोस्टिक मैथड एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक टॉक्सिसिटी ऑफ मेटेनिल यलो ।
14.	डॉ. मीना कुमार मेहतो पीएच.डी. अध्येता डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ विषतिन्दुक्यादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज न्युरोपैथी ।
15.	डॉ. मनप्रीत कौर स्नातकोत्तर अध्येत्री	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी	रोल ऑफ आहार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज मिलीट्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मधुमेह ।

		जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	
16.	डॉ. सुबोध जैन पीएच.डी. अध्येता डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेद इन मैनेजमेन्ट ऑफ एक्युट इंजेक्टेड पॉईजनिंग।
17.	डॉ. सुबोध जैन पीएच.डी. अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	रोल ऑफ फूड आर डाईट प्लान इन मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज मिलीट्स ।
18.	डॉ. रश्मि सैनी स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्राफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ड्रग इंड्यूज्ड डायबिटिज एण्ड इट्स आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट : रिव्यू ।
19.	डॉ. नीलम आर्य स्नातकोत्तर अध्येता	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ शिलाजतु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज मिलीट्स : ए रिव्यु
20.	डॉ. पियुष गुप्ता स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	पथ्य इन मधुमेह (टाईप-2, डीएम)
21.	डॉ. मंजू कुमारी स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मार्डन व्यू ऑन रोल ऑफ डाईट इन मधुमेह ।
22.	डॉ. मंजू कुमारी स्नातकोत्तर अध्येत्री डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित गैर-संचारी रोगों में अवसरों एवं आयुर्वेद की भूमिका - वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	लाईन ऑफ ट्रीटमेन्ट फॉर न्यूली डिटेक्टेड डायबिटिज मिलीट्स-2
23.	डॉ. प्रवीण कुमार स्नातकोत्तर अध्येता	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा :	कोम्पलीकेशन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज मिलीट्स।

	डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एस. एम. पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	
24.	डॉ. प्रवीण कुमार स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एस. एम. पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित गैर-संचारी रोगों में अवसरों एवं आयुर्वेद की भूमिका - वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ आयुर्वेद इन ओपीअम डि-एडिक्शन ।
25.	डॉ. शीतल मीना स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. वी. के. गोठेचा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ कारवेल्लक इन मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स ।
26.	डॉ. शीतल मीना स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. वी. के. गोठेचा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रीवेन्टिव एप्रोच टू नॉन-कम्युनिकेबल डिज़िज़ एज पर आयुर्वेद ।
27.	डॉ. शीतल मीना स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. वी. के. गोठेचा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रिव्यू आर्टिकल ऑन द् रोल आफ हरीतकी ।
28.	डॉ. मोनिका स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एस. एम. पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	नाग भस्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज मिलीट्स ।
29.	डॉ. मोनिका स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एस. एम. पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के समर्थन से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।	क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ बेक्टेरिया इन द् फूड पायजनिंग ।

राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में रिसोर्स पर्सन -

- डॉ. अनीता शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर ने कनौड़िया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 28 जनवरी 2017 को आयोजित लैड टोक्सिसिटी : इश्यूज़ सिग्निफिकेन्स एण्ड चैलेन्जेज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर लैड टोक्सिसिटी, प्रिवेन्शन इन टूडेज़ ऐरा एण्ड इट्स आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट विषयक व्याख्यान दिया ।

- डॉ. अनीता शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर ने बरेली में 23 दिसम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद – अगद तंत्र – ग्लोबल डायवर्सिफाईड टोक्सिसिटी इन प्रजेन्ट सेनेरियो विषयक 6ठवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर मेडिकल नेग्लीजेंस इन आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया ।
- डॉ. शरद मारोती पोरटे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने 1–4 दिसम्बर 2016 तक आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस के एक वैज्ञानिक सत्र में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर ड्रग इन्ड्यूज्ड डायबिटिज एण्ड इट्स सोल्यूशन थ्रू आयुर्वेद ।
- डॉ. शरद मारोती पोरटे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर ड्रग इन्ड्यूज्ड डायबिटिज एण्ड इट्स सोल्यूशन थ्रू आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया ।
- डॉ. शरद मारोती पोरटे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा दिसम्बर 2016 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर कन्जूमर प्रोटेक्शन एक्ट एवं मेडिकोलीगल नेग्लीजेंस इन आयुर्वेद विषयक व्याख्यान दिया ।

पुरस्कार

डॉ. अनीता शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर को श्री कालीचरण सर्राफ, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा 'एपीजे अब्दूल कलाम – उच्च शिक्षा रत्न अवार्ड' प्रदान किया गया ।

विविध गतिविधियाँ : विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न कराई गयी –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. अनिता शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एवं फार्मा रिसर्च के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । एम.एस. एंडोक्राइन विकारों के लिए क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर की कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरुद्ध कार्य स्थल पर सुरक्षा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

****

द्रव्य गुण विभाग

परिचय: द्रव्य गुण विभाग एक स्नातकोत्तर विभाग है इसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों के छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण तथा पीएच.डी. अध्येताओं को नियमित निर्देशन दिया जाता है । विभाग में वानस्पतिक, खनिज एवं प्राणिज द्रव्यों के द्रव्य गुणात्मक अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जाता है । विविध वानस्पतिक द्रव्यों में व्याप्त अशुद्धियों तथा अमिश्रणों के संदर्भ में विभिन्न औषधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन छात्रों को एवं अध्येताओं को कराया गया । समस्त प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त औषधियों की कार्मुकता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने पर विशेष महत्व दिया जाता है । आयुर्वेद जैसे सदियों पुराने शास्त्रों में वर्णित चिकित्साओं को ग्रहण करने से पहले, जब समकालीन वैज्ञानिक समाज आकड़ों पर आधारित प्रामाणिकता की अपेक्षा रखता है, द्रव्यगुण विभाग इस वास्तविकता के प्रति जागृत है एवं इस दिशा में कार्यरत है । द्रव्यगुण विभाग प्राकृतिक औषधियों का शोध एवं संयाजनशील उपाय में, उभय आधुनिक एवं शास्त्रीय आधार पर सम्पन्न करवाकर विश्वस्तर पर ग्रहणयोग्य तथ्य उत्पन्न करता है ।

विभाग में अत्याधुनिक उपकरण जैसे एचपीएलसी, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर आदि उपलब्ध है जिनके द्वारा औषध विश्लेषण एवं परीक्षण किये जाते हैं । वनस्पतियों के विभिन्न प्रकार से परीक्षण करके उनके गुण-कर्मो का निश्चितीकरण किया जाता है ।

द्रव्यगुण विभागान्तर्गत संस्थान प्रांगण में एक औषधीय उद्यान है तथा प्रांगण से दूर स्थित 20 एकड़ भूमि पर अध्येताओं के अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु एक उपवन विकसित किया जा रहा है । विभाग में नेशनल रिपोजिटरी ऑफ जिन्युआईन ड्रग्स एवं शुष्क औषधियों के नमूनों का एक संग्रहालय स्थापित है।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 1 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर तथा 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स तथा अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहे ।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. पदार्थो के बारे में मौलिक एवं व्यवहारिक स्तर पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों को शिक्षा प्रदान करना ।
2. प्राकृतिक पदार्थों के साथ तर्कसंगत चिकित्सकीय साक्ष्य सृजित करना ।
3. प्राकृतिक चिकित्सकीय पदार्थों की गुणवत्ता नियंत्रण के मानकों को स्थापित करना ।
4. अनुसंधान इस प्रकार करना की जिससे आयर्वेद के सार को वैश्विक स्वीकृति इसकी मौलिकता बनाये रखते हुये प्राप्त हो सके ।
5. आयुर्वेद औषध अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त शोधकर्ता और शिक्षक तैयार करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को द्रव्यगुण विज्ञान विषय का ज्ञान सीसीआईएम निर्धारित एवं राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन प्राकृतिक औषध अनुसंधान के क्षेत्र में हाल ही के उन्नत परिणामों को समाहित करते हुये व्यापकरूप किन्तु सहज ढंग से उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को द्रव्यगुण विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । मौलिक सिद्धान्तों को नैदानिकरूप में व्यवहार में लेना इसके साथ ही आयुर्वेद में शोध-पद्धति, उसकी व्यवहारिक-उपयोगिता के विभिन्न तरीकों को अपनाने पर अधिक ध्यान दिया गया । दूसरी ओर, विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर अध्येताओं को उचित शिक्षा, उच्चारण, अनुवाद, व्याख्या एवं मूल ग्रंन्थों के साथ ही उनकी विभिन्न टीकाओं के उच्चारण का ज्ञान कराया गया । विभाग की साप्ताहिक संगोष्ठियों में विभाग के अध्येताओं द्वारा सक्रियता से भाग लेकर शोध कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया । इन संगोष्ठियों में प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा भी विशिष्ट व्याख्यान दिये गये । आलोच्य वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया गया।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. तरुण शर्मा	डॉ. ए. आर. मूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ ब्लेक एण्ड व्हाइट सीड्स ऑफ कपिकच्छू सीड्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वृष्य कर्म ।
2.	डॉ. सत्यपाल शर्मा	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टी-माईक्रोबियल एवेल्युएशन ऑफ ए हर्बल एन्टीसेप्टिक क्रीम ।
3.	डॉ. मालविका	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ एन एन्टी-माइक्रोबियल ड्रग डिलीवरी सिस्टम ।
4.	डॉ. अरुण गोयल	डॉ. मीता कोटेचा प्रोफेसर	इन विट्रो एवेल्युएशन ऑफ एन्टी-माइक्रोबियल इफेक्ट ऑफ हर्बल फार्मूलेशन ।
5.	डॉ. दत्तात्रेय सरवाडे	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	इन विट्रो थ्रोम्बोलाइटिक एक्टिविटी ऑफ भल्लातक, एला एण्ड अर्क अंकुर ।
6.	डॉ. ऋतु राजोरिया	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑन आर्द्रक एण्ड शुण्ठी प्रिपेयर्ड बाई डिफरेन्ट ड्राईग प्रोसिजर्स ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. संदीप गरड़	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल लिटरेरी स्ट्डी ऑफ 'भैषज्य-काल' अकोर्डिंग टू Laghutray's & Brihatray"s विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू चिकित्सा स्थान ऑफ चरक संहिता ।
2.	डॉ. दीप्ति	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	एन एवेल्युएशन ऑफ एन्टी-माईक्रोबियल फाइटोकेमिकल एक्टिविटी ऑफ रुट एण्ड फ्रूट (टेण्डर एण्ड मैच्योर) ऑफ करीर (केपरिस डेसिडूआ एज) ।
3.	डॉ. रिचा अग्रवाल	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ मधुका (वाइजेरिया ग्लेबिया लीन.) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स शोणित-स्थापना कर्म ।
4.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टिहाइपरटेंसिव एक्टिविटी ऑफ पॉली हर्बल फामूलेशन एनआईए/डीजी/2015/01 ऑन एल्बिनो रेट्स अज़ ऑन एडजूवेन्ट विथ मॉडर्न एन्टिहाइपर टेंसिव ड्रग्स।
5.	डॉ. संतोष पाल	डॉ. ए. आर. मूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वयस्थापन (हैल्दी एजींग) एण्ड रोल ऑफ गुडूची एण्ड आमलकी घन इन प्रीमैच्योर एजींग ड्यू टू स्ट्रेस ।
6.	डॉ. अनुभा चौधरी	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ आयुर्वेद महोदधी (सुषेन निघन्टू) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूज ऑफ नागर (जिंजीबर ऑफिसीनाले रोज) एण्ड पिप्पली (पाइपर लौंगम लीन.) इन दुग्ध असात्मयता।
7.	डॉ. उमेश कुमार मेहता	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ लर्निंग एण्ड मेमोरी इन द् रेडियल आर्म मेज रेट मॉडल ऑफ टिनोस्पोरा कोर्डिफोलिया एण्ड टिनोस्पोरा मलबेरिका इन डिफरेन्ट डोज़ेज फार्म्स ।
8.	डॉ. मंजूला	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ बल्य एण्ड बृहंण इफेक्ट ऑफ कन्सन्ट्रेटेड ज्यूस ऑफ मधुक पुष्प (फ्लॉवर ऑफ मधुक इण्डिका जे.एफ. जीमेल) ।
9.	डॉ. रोहित आर. पोरवाल	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ अनुपान अकोर्डिंग टू क्लॉसिक विथ डिटरमिनेशन ऑफ अनुपान ऑफ मध्यम खण्ड ऑफ शार्ङ्गधर संहिता ।
10.	डॉ. संतोष कुमार ठाकुर	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	हेपेटोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी ऑफ रहओडोडेन्ड्रोन ऐरबोरेअम एसएम. (पुल्लास) एण्ड टेकोमेला अंडुलाटा एसएम (रोहितक) – ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।
11.	डॉ. पारुला आनन्द	डॉ. ए. आर. मूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल टू ऐवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड शिरो-अभ्यंग ऑफ यष्टीमधुकादि तैलम विथ ऑरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ यष्टीमधु – आमलकी चूर्ण इन खालित्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हैयरफॉल ।
12.	डॉ. पंकज शर्मा	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	कम्परेरिज़न ऑफ वृष्य कर्म ऑफ प्रियाल बिज (बुचानिया ल्यूसेन) एण्ड खालिदा बीज (साइट्रस वल्गारिज़) – एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ।

13.	डॉ. प्रमोद देव बर्मा	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	एन्टी-माइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ हरिद्रा (कर्कुमा लोंग लीन) एण्ड वन्य हरिद्रा (कर्कुमा एरोमेटिक सलीस्ब) - ए कम्परेटिव स्ट्डी ।
14.	डॉ. अनन्त कुमार गंगावत	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्यूट टॉक्सिसिटी स्ट्डी एण्ड फार्माकोलोजिकल एवेल्युएशन ऑफ पुरुष ग्रन्थिहर वटी - एन अनुभूत योग ।
15.	डॉ. मुकेश कुमार भामू	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्मालोजिकल एवेल्युएशन ऑफ ऑफ लोनेया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स यूज़ इन रक्तार्श ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के निम्नलिखित अध्येताओं ने अपने शोध कार्य हेतु शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये एवं इनके शोध कार्य जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंकिता गोयल	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन इन द् सस्टेनेबल मैनेजमेन्ट ऑफ न्यूली डाइग्नोस्ड स्टेज-1 - एसेन्शियल हाईपरटेंशन ।
2.	डॉ. दिलीप कुमार सिंह	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल एवेल्युएशन ऑफ व्रण रोपण कर्म (वाउन्ड हिलींग एक्टिविटी) ऑफ अर्क एण्ड स्नुही क्षीर ऑइन्टमेन्ट ।
3.	डॉ. मिनाक्षी शर्मा	डॉ. ए. आर. मूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ गुडूची एण्ड मुस्तक इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवरवेट ।
4.	डॉ. सबिता सप्कोटा	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन क्षार ऑफ स्वेर्तिया चिरायता एण्ड् स्वेर्तिया अंगुष्टिफोलीया प्रोसेस्ड इन माहिषमूत्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अग्निदीपन एक्टिविटी ।
5.	डॉ. पुष्पा चमौली	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव बायो-केमिकल स्ट्डी ऑफ नव एण्ड पुराण मधु ।
6.	डॉ. मनीष कुमार मीना	डॉ.एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	ए प्रिलीमिनरी फायटोकेमीकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑन गिलोय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स बल्य कर्म ।
7.	डॉ. हेमवती गुर्जर	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ अपामार्ग रुट पेस्ट एण्ड लीफ पेस्ट इन डेण्ड्रफ ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एक पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येता का शोध कार्य प्रगति पर रहा -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रविन्द्र शर्मा	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन एक्सटेंसिव असेसमेन्ट ऑफ एथनोमेडिसिनल प्लाण्ट्स ऑफ ट्राईबल एरियाज़ ऑफ उदयपुर डिस्ट्रक्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू झाड़ोल तहसील इन परस्पेक्टिव ऑफ आयुर्वेद ।
2.	डॉ. रश्मि पाटेकर	डॉ. एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	एथनोबोटनीकल सर्वे ऑफ एम्बोली इकोहोटस्पोट ऑफ वेस्टर्न घाट्स ऑफ महाराष्ट्र इन प्रोस्पेक्टिव ऑफ द्रव्यगुण ।
3.	डॉ. अमित अशोक गजामल	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इनविट्रो स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसरी ऑफ चतुर्थममलका रसायन ऑन ल्यूकोसाइट एण्ड इम्युनोग्लोबुलिन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इम्युनोमोड्यूलेटरी एक्टिविटी ।
4.	डॉ. नीलम	डॉ. एम.एल. जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	एन इनविट्रो मधुमेघ्न कर्म एन्टीडायबिटिक एक्टिविटी ऑफ स्नुही क्षीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स क्षीर संग्रहण काल एज़ पर चरक संहिता ।
5.	डॉ. बिधान महाजन	डॉ. ए. आर. मूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल एवेल्युएशन ऑफ एन्टीफेटिग एक्टिविटी ऑफ श्रमहर महाकषाय एण्ड इट्स एप्लीकेबिलीटी इन स्पोर्ट्स मेडिसिन ।

चिकित्सकीय कार्य – विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन

(ए) पुस्तकें

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए बिगनर्स गाईड टू आयुर्वेद	चक्रपाणि पब्लिकेशन्स जयपुर ।

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	जई – (अवेना सतित्व लीन) – ए प्रोमिसिंग सिरियल ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन वाल्यूम 6, इश्यू 1, (2016)
2.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेद हर्ब्स इन ड्रग्स इन्ड्यूज्ड टोक्सिसिटी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 6 जून 2016
3.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन्टी-माइक्रोबियल एवेल्युएशन ऑफ लीव्ज एण्ड रुट बार्क ऑफ मार्निंग ओलीफेरा लेम. – ए कम्परेटिव स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्यूटिकल रिसर्च।

4.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन आयुर्वेद एप्रोच टू काम्बेट टोक्सिसिटी ऑफ कीमो-रेडियोथेरेपी इन कैंसर पेशेन्ट्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी वाल्यूम 7, अप्रैल 2016
5.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन्टी-माइक्रोबियल एवेल्युएशन ऑफ लीव्ज ऑफ बालानाइट्स इजिप्चिआ (लिन.) डेलील एण्ड मैरिंगो ओलीफेरा लाम.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन वाल्यूम 7, इश्यू 3, सितम्बर 2016
6.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	रेशनलिटी बिहाइण्ड आयुर्वेद कम्पाउण्ड फार्मूलेशन्स - ए बर्ड् आई व्यु ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्यूटिकल रिसर्च वाल्यूम 4, इश्यू 9, सितम्बर 2016
7.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	प्रिलीमीनरी फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग ऑफ रुबरा बासीला लीन. ।	जर्नल ऑफ फार्माकोग्नोसी एण्ड फोटोकैमिस्ट्री वाल्यूम 5, इश्यू 4 जुलाई 2016
8.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	बासीला रुबरा लीन - ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्युटिकल कैमिस्ट्री वाल्यूम 5, इश्यू 1 जुलाई 2016
9.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	रिव्यू ऑन ओस्टेओपोरोसिस ।	यूनिक जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन ।
10.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	भल्लातक : ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स रिसर्च वाल्यूम 4, इश्यू 6 जून 2016
11.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	मेडिसिनल यूज़ ऑफ स्नुही - ए हिस्टोरिकल रिव्यू ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 2 जुन 2016
12.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिक एण्ड फिजियोकोमिकल स्ट्डी ऑफ रुट ऑफ शालपर्णी (डिस्मैडम गंगाटिकम डीसी)	जर्नल ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन वाल्यूम 4, इश्यू 2 अप्रैल-जुन 2016
13.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	थैरेप्युटिक बेनीफिट्स ऑफ तक्र (बटरमिल्क) फॉर ह्यूमन हैल्थ ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड् फार्मा रिसर्च वाल्यूम 4, इश्यू 8, सितम्बर 2016
14.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	रेशनलिटी बिहाइण्ड आयुर्वेद कम्पाउण्ड फार्मूलेशन्स - ए बर्ड् आई व्यु ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्यूटिकल रिसर्च वाल्यूम 4, इश्यू 9, सितम्बर 2016
15.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	एन आयुर्वेद एप्रोच टू काम्बेट टोक्सिसिटी ऑफ कीमो-रेडियोथेरेपी इन कैंसर पेशेन्ट्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी

			वाल्यूम 7, अप्रैल 2016
16.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	प्रीलीमिनरी फार्माकोग्नोस्टिकल एण्ड फाइटोकेमीकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ ब्लेफराइस सिण्डिका - टी एण्डर सीड ।	एनशिएन्ट साइन्स ऑफ लाई वाल्यूम 36, इश्यू 2 अक्टूबर-दिसम्बर 2016
17.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	क्करीरा (कपेरिस डेसिडुआ एड्ज्यू) - एन इम्पोर्टेन्ट मेडिसिनल प्लाट ऑफ एरिड जोन।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्युटिकल कैमिस्ट्री वाल्यूम 5, इश्यू 1 जुलाई 2016
18.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसियेट प्रोफेसर	आयुर्वेद मेडिसिनल प्लाण्ट्स फॉर अस्थिक्षय (ऑस्टियोपोरोसिस) : ए रिव्यू ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन वाल्यूम 2, इश्यू 6 दिसम्बर 2016
19.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेडिसिनल यूज़ ऑफ आमलकी (इंडियन गूजबैरी) : ए हिस्टोरिकल रिव्यू ।	आईजेएसआरएम ह्यमन, 2016 वॉल. 5, (1), 536-548
20.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एप्रोच टू ब्युटी केयर इन आयुर्वेद - ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्यूटिकल रिसर्च सितम्बर-अक्टूबर 2016
21.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आरोग्यवर्धनी वटी : एक सैद्धान्तिक विश्लेषण ।	जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च 2016, 5(6)
22.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेडिसिनल इम्पोर्टेन्स ऑफ दर्भ - ए रिव्यू।	यूनिक जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 2016, 2(3) मई-जून 2016
23.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेडिसिनल प्लाण्ट्स यूज्ड इन वेरियस इंडियन ट्रेडिशनल कस्टम्स ।	यूनिक जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 2016, 6(5)
24.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हाईपरटेंशन : मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद हर्ब्स - वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्यूटिकल साइन्सेज ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वाल्यूम 5, इश्यू 7, 2016
25.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव फाइटोकेमीकल स्ट्डी ऑफ डिफरेन्ट टाईप्स ऑफ कपिकच्छू सीड्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स यूज इन पार्किसन्स डिजिज ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वाल्यूम 5, इश्यू 2, 2016
26.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ कपिकच्छू चूर्ण (क्लेक सीड्स) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लैब्य ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन 2016, 7(3)
27.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कपिकच्छू - ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड

			फार्मास्युटिकल कैमिस्ट्री वाल्यूम 5, इश्यू 2 जुलाई 2016
28.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	दलहन एण्ड इट्स कोन्ट्रीब्यूशन इन द्रव्यगुण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फण्ड मेन्टल्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी सितम्बर-अक्टूबर 2016
29.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन काकंडोला : एन आयुर्वेदिक हर्ब ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च ऑफ फार्मेसी 2016, 7
30.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिफाईन फ्लोर (मैदा) एज़ ए हिडन कॉज ऑफ डायबिटिज मिलीटस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम 10-3 जुलाई-सितम्बर 2016
31.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इम्युनोमॉड्यूलेटरी एक्शन ऑफ रसायन आयुर्वेदिक हर्ब्स	एलीमेन्ट्स वाल्यूम 14(2), 2016
32.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्यूट ऑरल टोक्सिसिटी स्ट्डी ऑफ पॉलीहर्बल फार्मूलेशन एनआईए/डीजी/2015/01	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च
33.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टीमाईक्रोबाइल एक्टिविटी ऑफ सिक्स आयुर्वेद हर्ब्स यूज्ड फॉर वून्ड रेपिंग एक्सप्लेनेड बाई चरक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू व्रण चिकित्सा - ए रिव्यू ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड होलिस्टिक मेडिसिन वाल्यूम 4, इश्यू 3 मई-जून 2016 ISSN : 2321-1563
34.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू ऑन प्रमोशन्स ऑफ आयुर्वेद प्रोडक्ट, बीजीआर-34 थ्रू मल्टीमीडिया ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च 5:(2), जून 2016
35.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टीडाइबिटिज़ एक्टिविटी ऑफ आईएमई-9, रिसर्च फार्मूला बाई सीसीआरएएस - ए रिव्यू	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च 5:(2), जून 2016
36.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इम्यूनोमोड्यूलेटरी एक्टिविटी ऑफ त्रिफला एण्ड इट्स इंडिविजूअल कॉन्सटिट्यएन्ट्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एफरोडाइजेक इफेक्ट ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2016
37.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ गोखरु द्रव्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एफरोडिमिसिएक इफेक्ट।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2016 वाल्यूम 10
38.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेद हर्ब्स इन ड्रग इन्ड्यूज्ड टोक्सिसिटी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च जून 2016 वाल्यूम 5, इश्यू 6 2160-2176
39.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कपिकच्छू - ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री ISSN 2350-0204 2016, वॉल. 5, इश्यू 2
40.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्यूट टॉक्सिसिटी स्ट्डी ऑफ सीड्स ऑफ मुकुना पुरीन एलडीसी ऑफन अल्बुनी विस्टार रेट्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइन्सेज

			ISSN: 2455-6246 जनवरी–अप्रैल, 2016 वाल्यूम 1, इश्यू 1
41.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ कपिकच्छु चूर्ण (ब्लेक सीड्स) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लैब्य ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन ISSN: 0976-5921 2016, 7(3)
42.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन आयुर्वेदिक एप्रोच टू पीसीओएस : ए लीडिंग कॉज ऑफ फीमेल इन्फर्टिलिटी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइन्सेज, 2016 जुलाई–सितम्बर वाल्यूम–1, इश्यू 3
43.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव फार्माकोग्नोसी स्ट्डी ऑफ ब्लैक एण्ड व्हाईट सीड्स ऑफ कपिकच्छु ।	आईजेपीएसआर 2017 वाल्यूम 8 (2)
44.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एप्रेजल ऑन रक्तवह स्रोतस इन कॉन्टेक्सट टू रक्तप्रदोषज व्याधि ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च 2017 वाल्यूम 6, इश्यू 1
45.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	ए कम्परेटिव फार्माकोग्नोसी स्ट्डी ऑफ ब्लैक एण्ड व्हाईट सीड्स ऑफ कपिकच्छु ।	आईजेपीएसआर 2017 वाल्यूम 8 (2)
46.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	एन्टीमाइक्रोबियल एवेल्यूएशन ऑफ लीव्ज ऑफ बेलेनाइट्स एजीपेटिका (लीन.) डेली. एण्ड मोरिंगा ओलिफेरा लाम.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन
47.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	एन्टीमाइक्रोबियल एवेल्युएशन ऑफ लीव्ज एण्ड रुट बार्क ऑफ मोरिंगा ओलेफेरा लाम. – ए कम्परेटिव स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइंस।
48.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	एक्यूट ऑरल टोक्सिसिटी स्ट्डी ऑफ पॉलीहर्बल फार्मूलेशन एनआईए/डीजी/2015/01	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च
49.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	रिव्यू ऑन फार्माकोलॉजिकल एण्ड मेडिसिनल प्रोपर्टिज ऑफ पपाया ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण

क्र. सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये शोध पत्र का शीर्षक
1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में 3-5 जून 2016 को आयुर्वेद के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की समीक्षा करने विषयक कार्यशाला ।	विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
2.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा दिनांक 14-15 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित कार्यशाला ।	--
3.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मधुमेह में चावल : आयुर्वेद क्या कहता है ?
4.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 16-18 मार्च 2017 को आयोजित मधु संवाद - प्री सिम्पोजियक एण्ड सिम्पोजियम।	विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
5.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसिएट प्रोफेसर	सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 26-27 मई 2016 को आयोजित 'डाक्यूमेन्टेशन एण्ड वेलीडेशन ऑफ द् लोकल हैल्थ ट्रेडिशन्स एण्ड फोक क्लेम्स' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला ।	विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।
6.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।	संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
7.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	--
8.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसिएट प्रोफेसर	पोर्ट ब्लेयर में 11-12 नवमबर एथ्नो-मेडिकल प्रॅक्टिस इन अण्डमान एण्ड निकोबार आईसलैण्ड : स्कोप, लिमिटेशन एण्ड प्रोस्पेक्टिव एट रिजनल रिसर्च सेन्टर ऑफ आयुर्वेद ऑन 11-12 नवम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला ।	एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।
9.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय औषद पादप बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा कृषि अनुसंधान केन्द्र, जयपुर में 20-21 अगस्त 2016 को आयोजित औषद पादप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय अभियान का शुभारम्भ ।	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं धन हेतु औषधीय पौधे ।
10.	डॉ. मोहनलाल जायसवाल	एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान, जयपुर द्वारा 18-3-2017 द्वारा आयोजित	आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया ।

	एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मूलेटिंग रिसर्च एण्ड डवलपमेन्ट स्ट्रेटेजी फॉर एण्डोक्राइन डिस्आर्डर विषयक एक दिवसीय कार्यशाला ।	
11.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड्) में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रुप में भाग लिया गया ।
12.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।	एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।
13.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
14.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
15.	डॉ. ए. रामामूर्ति असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जालंधर, पंजाब में 24 अप्रैल 2016 को आयोजित अमलगमेशन ऑफ रिसेन्ट फार्मास्युटिकल डवलपमेन्ट्स इन आयुर्वेद - LPUNASYACON-2016 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई एवं अतिमहत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया ।
16.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
17.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
18.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
19.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 10-11 दिसम्बर 2016 को वाराणसी में आयोजित रक्त प्रदोषज विकार में आयुर्वेद की भूमिका विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कन्सेप्ट ऑफ लोकल हेमास्टेटिक्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्त विस्रावण कर्म ।
20.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 18-19 फरवरी 2017 को आयोजित ट्रांसलेशनल रिसर्च अपोर्चुनिटीज इन आयुर्वेद विषयक सम्मेलन ।	फाईटोकेमीकल स्ट्डी ऑफ जिंगर्स प्रोसेस्ड बाई डिफरेन्ट मेथड्स ।
21.	डॉ. सुमित नाथानी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9	प्रतिभागी के रूप में भाग

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	लिया गया ।
22.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आईपीजीटीएण्डआरए, जामनगर द्वारा 2-4 मार्च 2017 को आयोजित फार्मेकोविज़िलेन्स विषय पर 3 दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
23.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जयपुर में 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन विषयक 2 दिवसीय प्रदर्शनी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
24.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	बायोसाइंसेज़ विभाग, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़, मनीपाल यूनिवर्सिटी जयपुर एवं आयुषराज एन्टरप्राइजेज़ द्वारा 5-7 फरवरी, 2017 को आयोजित साइन्टिफिक एसोसिएशन बिटवीन एकेडेमिया एण्ड इंडस्ट्री इन बायोटेक्नोलॉजी फॉर वेलफेयर ऑफ सोसॉयटी विषयक द्वितीय कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
25.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
26.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया -

क्र.सं.	**प्रस्तुतकर्ता एवं सह-प्रस्तुतकर्ता का नाम**	**कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम एवं पत्र/पोस्टर का शीर्षक**
1.	डॉ. अमित अशोक गाजरमल डॉ. सुदिप्त रथ	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो । ''रिव्यू ऑन प्रमोशन्स ऑफ आयुर्वेद प्रोडक्ट, बीजीआर-34 थ्रू मल्टीमिडिया'
2.	डॉ. अमित अशोक गाजरमल डॉ. सुदिप्त रथ	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । 'एवेल्युएशन ऑफ द् मोड ऑफ एक्शन ऑफ वेरियस आयुर्वेद हर्ब्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज़ - ए रिव्यू ।'

3.	डॉ. रश्मि पाटेकर डॉ. मोहन लाल जायसवाल	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । 'सम एन्टी डायबिटिक प्लाण्ट्स यूज्ड इन अम्बोली रिज़न (इको होटस्पोट ऑफ वेस्टर्न घाट्स) ऑफ महाराष्ट्र ।'
4.	डॉ. रश्मि पाटेकर डॉ. मोहन लाल जायसवाल	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो । 'एवेल्यूएशन ऑफ वचा (एकोरस कैलामास लीन.) एवं शाल्मली (बॉम्बेक्स सीएबा लीन.) कंटक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ युवान पिड़िका।'
5.	डॉ. नीलम डॉ. मोहन लाल जायसवाल	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
6.	डॉ. नीलम डॉ. मोहन लाल जायसवाल	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
7.	डॉ. नीलम डॉ. मोहन लाल जायसवाल	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 23 व 24 फरवरी 2017 को आयोजित रोल ऑफ आयुष इन हैल्थ केयर मैनेजमेन्ट इन एनई इण्डिया विषयक 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
8.	डॉ. अंकिता गोयल डॉ. सुदिप्त रथ	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
9.	डॉ. अंकिता गोयल डॉ. सुदिप्त रथ	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-19 मार्च 2016 को आयोजित भूमण्ड़लीकृत आयुर्वेद : आगामी दशक में अवसर एवं चुनौतियाँ ।
10.	डॉ. अनुभा चौधरी	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
11.	डॉ. अनुभा चौधरी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
12.	डॉ. दिलीप कुमार सिंह प्रो. मीता कोटेचा	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
13.	डॉ. दिप्ती डॉ. सुदिप्त कुमार रथ	जालंधर, पंजाब में 24 अप्रैल 2016 को आयोजित अमलगमेशन ऑफ रिसेन्ट फार्मास्युटिकल डवलपमेन्ट्स इन

	डॉ. मोहनलाल जायसवाल	आयुर्वेद – LPUNASYACON-2016 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
14.	डॉ. दिप्ती डॉ. मोहनलाल जायसवाल	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) में 2–3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
15.	डॉ. दिप्ती डॉ. मोहनलाल जायसवाल	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
16.	डॉ. दिप्ती डॉ. मोहनलाल जायसवाल	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
17.	डॉ. हेमवती गुर्जन प्रो. मीता कोटेचा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
18.	डॉ. हेमवती गुर्जन प्रो. मीता कोटेचा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17–19 मार्च 2016 को आयोजित भूमण्ड़लीकृत आयुर्वेद : आगामी दशक में अवसर एवं चुनौतियाँ ।
19.	डॉ. मीनाक्षी शर्मा डॉ. ए. रामामूर्ति डॉ. सुदिप्त कुमार रथ	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17–19 मार्च 2016 को आयोजित भूमण्ड़लीकृत आयुर्वेद : आगामी दशक में अवसर एवं चुनौतियाँ ।
20.	डॉ. मनीष मीना डॉ. मोहनलाल जायसवाल	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24–25 मार्च 2017 को आयोजित गैर–संचारात्मक रोगों में अवसरों और आयुर्वेद – वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
21.	डॉ. प्रमोद देबाराम स्नातकोत्तर अध्येता	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
22.	डॉ. प्रतिभा डॉ. सुदिप्त कुमार रथ	जालंधर, पंजाब में 24 अप्रैल 2016 को आयोजित अमालगामेशन ऑफ रिसेन्ट फार्मास्युटिकल डवलपमेन्ट्स इन आयुर्वेद – LPUNASYACON-2016 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
23.	डॉ. प्रतिभा डॉ. सुदिप्त कुमार रथ	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
24.	डॉ. प्रतिभा डॉ. सुदिप्त कुमार रथ	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) में 2–3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
25.	डॉ. प्रतिभा डॉ. सुदिप्त कुमार रथ	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
26.	डॉ. पुष्पा चामोली डॉ. सुमित नाथानी	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24–25 मार्च 2017 को आयोजित गैर–संचारात्मक रोगों में अवसरों और आयुर्वेद – वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

27.	डॉ. रिचा खण्डेलवाल डॉ. सुमित नाथानी	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
28.	डॉ. रिचा खण्डेलवाल डॉ. सुमित नाथानी	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
29.	डॉ. रिचा खण्डेलवाल डॉ. सुमित नाथानी डॉ. विकास भटनागर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
30.	डॉ. सबीता सपकोटा डॉ. मोहनलाल जायसवाल	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित गैर-संचारात्मक रोगों में अवरों और आयुर्वेद - वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
31.	डॉ. संदीप गरुड़	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
32.	डॉ. संदीप गरुड़	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
33.	डॉ. संतोष पॉल डॉ. ए. रामामूर्ति	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
34.	डॉ. संतोष पॉल डॉ. ए. रामामूर्ति डॉ. सुमित नाथानी	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
35.	डॉ. संतोष पॉल डॉ. ए. रामामूर्ति डॉ. सुमित नाथानी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
36.	डॉ. उमेश कुमार मेहता प्रो. मीता कोटेचा	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
37.	डॉ. उमेश कुमार मेहता प्रो. मीता कोटेचा	राजीव गांधी पी.जी. आयुर्वेदिक महाविद्यालय, पपरोला द्वारा 9 सितम्बर 2016 को आयोजित गैर-संचारीय व्याधियाँ विषयक वार्षिक वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय सम्मेलन ।
38.	डॉ. उमेश कुमार मेहता प्रो. मीता कोटेचा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
39.	डॉ. संतोष ठाकुर	राजीव गांधी पी.जी. आयुर्वेदिक महाविद्यालय, पपरोला द्वारा 9 सितम्बर 2016 को आयोजित गैर-संचारीय व्याधियाँ विषयक वार्षिक वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय सम्मेलन ।
40.	डॉ. संतोष ठाकुर	वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल

		सरकार के सहयोग द्वारा 1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो ।
41.	डॉ. संतोष ठाकुर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
42.	डॉ. संतोष ठाकुर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित गैर-संचारात्मक रोगों में अवरों और आयुर्वेद - वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
43.	डॉ. संतोष ठाकुर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
44.	डॉ. पॉरुल आनन्द	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित गैर-संचारात्मक रोगों में अवसरों और आयुर्वेद - वर्तमान वैश्विक चुनौती विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
45.	डॉ. पॉरुल आनन्द	ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवहस्रोतस व्याधि विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
46.	डॉ. पॉरुल आनन्द	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

विभाग में संचालित अन्य इकाईयाँ

इकाईयाँ -

नेशनल रिपोजिटरी एण्ड हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स - संस्थान में एक उत्कृष्ट 'नेशनल रिपोजिटरी एण्ड हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स' है । इस रिपोजिटरी की संस्थापना एवं इसका रख-रखाव संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा किया जा रहा है । इस रिपोजिटरी में आयुर्वेदिक प्रमाणित कच्ची ओषधियों के नमूने एवं उनके संभावित अपमिश्रित, जो कि प्रमाणिक उत्पाद के स्थान पर प्रयुक्त किये जाते हैं, प्रदर्शित किये गये हैं। इसमें रखे नमूनों की गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु एक निश्चित समय में बदला जायेगा जिससे औषधियों का प्रमाणीकरण उचित प्रकार से हो सके। रिपोजिटरी में अभी 300 से अधिक नमूने रखे हैं। इस रिपोजिटरी की स्थापना से शोधकर्ताओं, अध्येताओं तथा आयुर्वेदिक चिकित्सकों में मौलिक एवं प्रामाणिक औषधीय नमूनों सम्बन्धी ज्ञान की अभिवृद्धि होगी । सामान्य लोगों को भी अपमिश्रित मिश्रित औषधियों से प्रामाणिक औषधियों को मान्यता देने में मद्द होगी ।

द्रव्यगुण प्रयोगशाला - इस वर्ष विभाग की प्रयोगशाला का नवीनीकरण किया गया है । प्रयोगशाला परिष्कृत उपकरणों यथा - स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डीजिटल बेलेन्स आदि से सुसज्जित है । इस वर्ष और उपकरण यथा वेक्युम पम्प, मैग्नेटिक स्टाईरर, होट प्लेट्स आदि क्रय किये गये हैं । विभागीय तथा अन्य विभागों के अध्येताओं द्वारा किये जा रहे शोधार्थ फार्माकोग्नोस्टिकल तथा फायटोकेमीकल नैदानिक परीक्षण किये गये ।

एचपीएलसी प्रयोगशाला - वर्ष के दौरान विभाग के एचपीएलसी यन्त्र का आधुनिकतम सॉफ्टवेयर इंस्टाल कर उन्नयन किया गया है जिस पर अब सभी शाधार्थियों द्वारा नियमितरूप से औषध योगों का परीक्षण एवं प्रयोग किये जा रहे हैं ।

परिसर में स्थित औषध-उपवन – संस्थान परिसर में एक औषधीय उपवन है जिसमें नवीन औषधीय पादप रोपे गये हैं। प्रांगण में ज्ञानार्जन के प्रयोजन से वर्तमान में 160 वनस्पतियाँ है । वर्ष के दौरान पादपों पर नाम-पट्टिकायें लगाने तथा उपवन के फुटपाथ की मरम्मत के कार्य किये गये ।

परिसर में स्थित डेमो हर्बल गार्डन – औषधीय पादपों को गमलों में नियंत्रित वातावरण में रखने के लिए परिसर में एक डेमो हर्बल गार्डन विकसित किया जा रहा है । वर्तमान में लगभग 210 प्रजातियों के 345 औषधीय पादप प्रदर्शन हेतु उपलब्ध है । सभी प्रजातियाँ एवं औषधीय पादप नामपट्टिकाओंयुक्त है ।

विशिष्टजनों का विज़िट : विभाग में आये कई विशिष्ठ अतिथि ने विभाग, नेशनल रिपोजिटरी एवं हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स का अवलोकन किया । उन सभी ने विभाग द्वारा चलाई जा रही शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों की प्रशंसा की गई ।

पेटेंट्स – विभाग द्वारा सफलतापूर्वक 4 पेटेंट हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये जिनमें से 1 पेटेंट पहले ही प्रकाशित हो चुका है । ये 3 पेटेंट निम्न है :-

1. A Novel Herbal Composition of Aqueous Extract of Capparis Decidua and its Antinephrolithasis. (Published on 31-8-2016).
2. A Novel Herbal Drug for Anxiety. (Applied on 8-7-2016).
3. Formulation and Evaluation of a Novel Herbal Anti Fungal Ointment. (Applied on 13-7-2016).

विविध गतिविधियाँ :-

- औषधियों की पहचान हेतु स्नातकोत्तर अध्येताओं की 8-13 अक्टूबर 2016 को एक शैक्षणिक यात्रा आयोजित की गई । अध्येताओं को औषधिय पादपों एवं जड़ी-बूटियों के ज्ञानार्जन हेतु बढ़ोदरा, आनन्द, केवरिया, राजपपीला, गुजरात स्थित सरदार सरोवर बांध के क्षेत्रों में ले जाया गया । यात्रा का नेतृत्व प्रो. मीता कोटेचा एवं डॉ. सुदिप्त कुमार रथ द्वारा किया गया । छात्रों को पादपों के विभिन्न भागों की उपयोगिता की जानकारी मिलने से यात्रा फायदेमन्द रही।

- छात्रों हेतु एक अन्य शैक्षणिक यात्रा का आयोजन जून 2016 में किया गया तथा उन्हें उत्तराखण्ड़ स्थित फूलों की घाटी (वेली ऑफ फ्लावर्स) ले जाया गया ।

- डॉ. मोहनलाल जायसवाल, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा चौमू(जयपुर) स्थित वेदिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान की 'साइन्टिफिक वेलीडेशन ऑफ एन्टीमाइक्रोबीयल फ्युमिगेशन बाई हर्बल हवन सामग्री' विषयक एक शोध परियोजना में सहयोग एवं मार्गदर्शन किया गया । यह शोध कार्य राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, जयपुर एवं आईएमसीआर, नई दिल्ली के सहयोग से किया जा रहा है ।

****

कौमार भृत्य (बाल रोग) विभाग

परिचय: कौमार भृत्य आयुर्वेद की एक अति-महत्वपूर्ण शाखा है । विभाग द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर एवं पीएच.डी. के अध्येताओं को अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कराये जाते है। नवजात की देखभाल, दैनिक एवं ऋतु अनुसार खान-पान, बालकों को होने वाली व्याधियों, बाल रोग, टीकाकरण इत्यादि कार्य इस विभाग द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 3 एसोसियेट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे । विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य विभाग का प्रभार विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग के पास अतिरिक्त रूप से रहा है ।

अ) उद्देश्य -

- स्नातक छात्र-छात्राओं को बालकों की चिकित्सा में प्रवीणता प्रदान करना।
- स्नातकोत्तर अध्येताओं को आयुर्वेद पद्धति से बालकों की चिकित्सा करने में दक्षता प्रदान करना तथा जिसकी चिकित्सा के सभी स्तरों पर समाज में आवश्यकता है, अनुसंधान प्रणाली के सिद्धान्तों एवं अध्यापन प्रणाली का ज्ञान प्रदान कर इसमें प्रवीण करना ।
- पीएच.डी. अध्येताओं में आयुर्वेदिक पीडियाट्रिक्स क्षेत्र में अनुसंधान प्रणाली की प्रोन्नत अवधारणा का विकास करना एवं चिकित्सा, अनुसंधान एवं अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में उन्हें रचनात्मक चिकित्सक समूह-सदस्य के रूप में विकसित करना ।

ब) कार्यपद्धति -

- शैक्षणिक स्टॉफ, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं की समान भागीदार के साथ सामुहिकरूप से कार्यक्षमता के माध्यम से विभागीय गतिविधियाँ संचालित करना ।
- बहिरंग रोगी विभाग, बाल चिकित्सा वार्ड, केस प्रस्तुतिकरण तथा नैदानिक चर्चाओं के माध्यम से नैदानिक प्रशिक्षण प्रदान करना ।
- नियमित रूप से संगठित गतिविधियाँ - विभागीय संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, जर्नल क्लब मीटिग्स और प्रस्तुतियां, नवीन विचारों पर समूह चर्चाएं, विस्तार व्याख्यान आदि विभाग की कुछ सामान्य एवं नियमित गतिविधियाँ संचालित करना।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के द्वितीय एव तृतीय वर्ष के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार बाल रोग विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। उनके विचारों को अधिक स्पष्ट करने हेतु समूह चर्चाऐं एवं प्रजेन्टेशन दिये गये। प्रायोगिक प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये।

ब) नर्स/कम्पाउंडर का डिप्लोमा पाठयक्रम - विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार नर्स/कम्पाउंडर डिप्लोमा पाठयक्रम के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ।

स) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर (एम.डी. आयुर्वेद) अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को रोगी परिचर्या केन्द्रित प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा विषय का उन्नत ज्ञान प्रदान करने हेतु संकाय-सदस्यों द्वारा सैद्धान्तिक कक्षाओं का आयोजन

किया गया । स्नातकोत्तर अध्येताओं को प्रशिक्षित करने हेतु विभाग द्वारा नवीन तकनीकों को अपनाया जाता है।

द) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार उपलब्ध कराया गया । इस उद्देश्य हेतु अनुसंधान परियोजनाओं को प्रारम्भ किया गया । बालकों की चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान की प्रोन्नत प्रणाली में आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों को समाविष्ट करने में अध्येताओं को दक्ष करने की दिशा में प्रत्येक प्रयास किया जाता है।

शोध – आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये:–

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. दीपक कुमार	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मोर्बिडिटी स्टेट्स इन चिल्ड्रन एण्ड द् इफेक्ट ऑफ गुडूची सिरप एज इम्युनोमोड्यूलेटर फॉर लोवरिंग डाउन द् मोर्बिलिटी रेट ।
2.	डॉ. कृष्ण दत्त	डॉ. श्रीनिधि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. आलोक उपाध्याय	रोल ऑफ स्थिरादि यापन बस्ति एण्ड एन इण्डिजीनस कम्पाउण्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मिनिमल चैन्ज नेफ्रोटिक सिंड्रोम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अबेरेशन्स ऑफ ओजस।
3.	डॉ. विशाल प्रजापति	डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ एन इस्टाब्लिश्ड आयुर्वेदिक मार्केटेड प्रोडक्ट एण्ड शिरीषादि सिरप इन रेस्पाइरेटरी एलर्जीक डिसआर्डर्स इन चिल्ड्रन ।
4.	डॉ. रश्मि पारीक	डॉ.पीयूष एस. मेहता प्रोफेसर डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ प्रिवेलेन्स ऑफ आयरन डेफिसियन्सी एनिमीया इन एडोलसेन्ट गर्ल्स एण्ड एफिकेसी ऑफ वज्र वटक मण्डूर इन इट्स मैनेजमेन्ट ।
5.	डॉ. ललित राठौड़	डॉ.पीयूष एस. मेहता,प्रोफेसर डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ इन्दुकान्तम घृतम् इन बालशोष विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पी.ई.एम. ।
6.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा	डॉ. पीयूष एस. मेहता प्रोफेसर डॉ. श्रीनिधि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑन एफिकेसी ऑफ विरेचन एण्ड गजालिण्ड क्षार एण्ड मूत्र ऑन श्वित्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू विटिलीगो (ल्युकोडर्मा) ।
7.	डॉ. सिराजुल इस्लाम	डॉ. पीयूष एस. मेहता प्रोफेसर डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ शुण्ठ्यादि योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रहणी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आईबीएस इन चिल्ड्रन ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. देवेन्द्र कुमार	डॉ. पीयूष एस. मेहता प्रोफेसर डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ द्राक्षादि योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ रेस्पाइरेटरी एलर्जिक डिसॉर्डर ऑफ चिल्ड्रन ।
2.	डॉ. तृप्ति मोटघरे	डॉ. पीयूष एस. मेहता प्रोफेसर	क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ द् इफेक्ट ऑफ रजन्यादि चूर्ण ऑन मोरबिडिटी इन्सिडेन्स इन

		डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्राइमरी डेन्टीशनल एज ग्रुप देट इज 6-24 मंथ, अगेंस्ट माइक्रोन्युट्रीएन्ट थेरेपी ।
3.	डॉ. अनिकेत पालाण्डे	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल स्ट्डी ऑन शिशु कल्याण घृत एण्ड काल बस्ति इन मैनेजमेन्ट ऑफ चिल्ड्रन विद सेरेब्रल पाल्सी।
4.	डॉ. कपिल पाटिल	डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ क्लिनिकल एफिकेसी ऑफ शुण्ठ्यादि योग इन क्रोनिक रिकरन्ट चाइल्डहुड डायरिया ।
5.	डॉ. लवेश गुप्ता	डॉ. श्रीनिधि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ एन इन्डिजीनस कम्पाउण्ड विथ कैलोरिज डाइट एण्ड फिक्स्ड डेली रेजिमेन इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू चाइल्डहुड ओबेसिटी ।
6.	डॉ. प्रदीप्त नारायण बोस	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ द् इफेक्ट ऑफ निशा लेहम इन आइरन डेफिसियेन्सी एनीमिया इन चिल्ड्रन इन कम्पेरिजन टू आइरन एण्ड फोलिक एसीड सप्लीमेन्ट ऑफ नेशनल स्कुल हैल्थ प्रोग्राम।
7.	डॉ. अनुकृति गौड़	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ प्रिविलेंस ऑफ आयरन डेफीसियेन्स एनीमिया इन चिल्ड्रन एंड एफीकेसी ऑफ वातादि लेह इन इट्स मैनेजमेन्ट ।
8.	डॉ. नीतू सिन्हा	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ पॅटर्न ऑफ मोरबिडिटी इन चिल्ड्रन अण्डर 5 ईयर्स एण्ड इफेक्ट ऑफ स्वर्ण प्राशन ऑन मोरबिडिटी स्टेट्स ।
9.	डॉ. कृष्ण बहादुर सिंह	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मोरबिडिटी स्टेट्स ऑफ चिल्ड्रन एण्ड इफेक्ट ऑफ अभयाघृत ऑन लॉवरिंग डाउन द् मोरबिडिटी रेट ।
10.	डॉ. ओम प्रकाश बैरवा	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे एण्ड इन्टरवेंशन स्ट्डी टू इवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन एण्ड शिरोधारा इन अटेंशन डेफिसिट हाइपरटेंशन डिस्आर्डर ।
11.	डॉ. मनोज किरार	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे एण्ड इन्टरवेंशन स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ प्रियालादि मोदक वर्सेज विदारिगंधादि चूर्ण इन प्रोटीन एनर्जी मालन्यूट्रीशन।
12.	डॉ. पूजा अरोड़ा	डॉ. श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वचा चूर्ण एंड सत्वावाजय चिकित्सा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्टटट्रिंग ।
13.	डॉ. कैलाश चन्द कटारिया	डॉ. श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पूतीकादि लेप एण्ड विरेचन इन मैनेजमेन्ट ऑफ श्वित्र इन चिल्ड्रन ।

चिकित्सकीय सेवायें/उपलब्धियाँ -

यह विभाग सुसंस्थापित है तथा निम्नलिखित इकाइयों/क्लीनिकों के माध्यम से बाल चिकित्सा विकारों की एक श्रृंखला के लिए आयुर्वेदि उपचार एवं चिकित्सीय सेवाऐं प्रदान करता है :-

बाल चिकित्सा बहिरंग विभाग – विभाग के अध्यापक प्रत्येक दिन अपनी चिकित्सकीय सेवायें उपलब्ध कराते हैं ।

वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग के रोगियों की कुल संख्या 9,115 थी जिनमें से 5,324 नवीन रोगी पंजीकृत किये गये थे तथा अन्तरंग विभाग के स्तर पर रोगियों की कुल संख्या 4,736 थी जिनमें से 416 रोगी नवीन पंजिकृत किये गये थे ।

बालको हेतु पंचकर्म इकाई – न्युरो-मस्कुलर डिसऑर्डर्स तथा अन्य विकृतियाँ यथा – सेरेब्रल पॉल्सी, मस्कुलर डिस्ट्रोफी, पेरालाईसिस आदि से ग्रस्त बालकों की पंचकर्म द्वारा विशिष्ट चिकित्सा की जाती है। आलौच्य वर्ष के दौरान 1,910 रोगियों की चिकित्सा की गई ।

टीकाकरण इकाई – राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 1,637 बालकों में टीकाकरण हेतु सुविधायें उपलब्ध करायी गई ।

स्वर्ण प्राशन इकाई – विभाग में 1 सितम्बर 2016 से एक नवीन कार्यक्रम 'स्वर्ण प्राशन' प्रारम्भ किया गया है । स्वर्ण प्राशन 5 वर्ष तक के बालकों को पुष्य नक्षत्र की तिथियों को कराया जाता है । आलौच्य वर्ष के दौरान कुल 436 बालक लाभान्वित हुये हैं ।

चिकित्सकीय बैठकें – विभाग द्वारा 9 चिकित्सकीय बैठकें आयोजित की गई जिनमें जटिल मामलों पर विचार-विमर्श किया गया ।

विभागीय संगोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें – विभागीय गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर 11 संगोष्ठियाँ एवं कार्यशालायें आयोजित की गई जिनमें संकाय-सदस्यों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया ।

जर्नल क्लब गतिविधियाँ – विभागीय जर्नल क्लब सभी संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को स्वास्थ्य परिचर्या के विभिन्न क्षेत्रों में हुये अनसंधानों से परिचित होने के लिए अवसर प्रदान करता है। जर्नल क्लब की कुल 9 सभायें आयोजित की गई जिनमें 98 शोध-पत्र प्रस्तुत किये गये जिनका प्रलेखीकरण किया गया ।

प्रकाशन –

(अ) पुस्तकें –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आचार्याज़ टेक्ट बुक ऑफ कौमारभृत्य वाल्यूम-1	चौखम्भा ओरियन्टालिया-2016 ISBN- 978-81-7637-377-7(1)
2.	डॉ. श्रीनिधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आचार्याज़ टेक्ट बुक ऑफ कौमारभृत्य वाल्यूम-2	चौखम्भा ओरियन्टालिया-2016 ISBN- 978-81-7637-377-7(11)

(ब) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण

1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आमलकी (एंबलिका ऑफिसिनेल) रसायन एज एन एड्जुवेंट थेरेपी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पिडियाट्रिक रिकंरट रेस्पाइरेटरी ट्रेक्ट इनफेक्शन (आरआरटीआई) : ए रिव्यु ।	आईएएमजे वाल्यूम-4, इश्यू-1 अगस्त 2016
2.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ जिम्नेमा सिल्वेस्ट्रे ऑन मधुमेह : ए रिव्यू ।	आयुरपब मार्च-अप्रैल 2017 वॉल - 2, इश्यू 2
3.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी फॉर द् एवेल्युएशन ऑफ मेन्टल कन्सन्ट्रेशन एन्हान्सिंग इफेक्ट ऑफ एन आयुर्वेद ड्रग एण्ड पंचकर्म इन चिल्ड्रन ।	आईजेएचएम 2016, 4(2), 17-20 ISSN 2321-2187
4.	डॉ. निशा औझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक ड्रग्स इन लोवरिंग द् मोरबिडिटी एण्ड मोरटेलिटी इन चिल्ड्रन - ए शोर्ट रिव्यू ।	आर्यवैद्यन वॉल. 30, नं. 1 अगस्त-अक्टूबर 2016
5.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इफेक्टिव आयुर्वेदिक ड्रग्स फॉर रेस्पाईरेटरी एलर्जिक डिस्आर्डर्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइन्सेज वॉल. 1, इश्यू 2 अप्रैल-जून 2016 ISSN No. 2455-6246
6.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ शोशजित योग इन मालन्यूट्रीशन केसेज़ फॉर इम्प्रूवमेन्ट इन द् टोटल सीरम प्रोटीन लेवल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2015 ISSN No. 2321-0435
7.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन आयुर्वेद अप्रौच टू क्योर डिज़िज ड्यूरिंग डेंटिशन - ए रिव्यू ।	जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एण्ड साइन्टिफिक ऑपीनियन वाल्यूम 4(6), 2016 ISSN No. 2321-6328
8.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सत्वावाजय चिकित्सा इन शय्यामूत्र विथ इन्डिजिनस ड्रग ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद
9.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल अण्डरस्टेडिंग ऑफ प्राणवह-स्रोतस ।	आईजेएएआर वाल्यूम-3, इश्यू-7 मई-जून 2016
10.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पैथोलॉजिकल अण्डरस्टेडिंग ऑफ प्राणवह-स्रोतस ।	आयुरपब वाल्यूम 1 सितम्बर-अक्टूबर 2016
11.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन्ट्रोडक्शन टू स्वर्णप्राशन ।	आईएएमजे वाल्यूम-10, अक्टूबर 2016
12.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन्ट्रोडक्शन टू पिडियाट्रिक पंचकर्म ।	एएएमजे वाल्यूम 2, इश्यू 5 सितम्बर-अक्टूबर 2016
13.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल इम्पलीमेन्टेशन ऑफ सत्वावाजय चिकित्सा इन आयुर्वेदिक क्लिनीकल प्रॅक्टिस ।	एएएमजे वाल्यूम 2, इश्यू 5 सितम्बर-अक्टूबर 2016
14.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अण्डरस्टेडिंग ऑफ कन्सेप्ट ऑफ ग्रह, भूत, पिशाच, प्रेत विद स्पेशियल रेफरेन्स टू माईक्रोओर्गेनिज्म्स ।	एएएमजे वाल्यूम 2, इश्यू 5 सितम्बर-अक्टूबर 2016

15.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन सेडेटिव इफेक्ट ऑफ एन इण्डिजिनस ड्रग (कालास्थि मज्जा)	आईएएमजे नवम्बर 2016
16.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वाक्शुधिकर चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चाइल्डहुड स्पीच डिस्आर्डर्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्टटट्रिंग ।	आईएएमजे नवम्बर 2016
17.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अण्डरस्टेडिंग ऑफ फक्क रोग इन पिडियाट्रिक्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फेलियर टॅ थ्रिव ।	आईएएमजे नवम्बर 2016
18.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ संवर्धन घृत एण्ड हपुशादी यापन बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चिल्ड्रन विथ सेरेब्रल पाल्सी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम 9 अप्रैल-जून 2016

सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में संकाय सदस्यों द्वारा सहभागिता -

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद द्वारा 3-5 जून 2016 को आईपीजीटीएण्डआरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में आयोजित बीएएमएस एवं एमडी/एमएस(आयुर्वेद) सिलेबस विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
2.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर पत्र प्रस्तुत किया ।
3.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विज्ञान भारती, राजस्थान द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान महासम्मेलन-2016 की प्रदर्शनी में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में 15-16 मार्च, 2017 को आयोजित डवलपमेन्ट ऑफ प्रोटोकॉल ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ 'जूवेनाइल डायबिटीज मिलीटिस इन चिल्ड्रन' विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला के प्री-सिम्पोजियम में भाग लिया गया ।
5.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रो. प्रेमचन्द डाण्डिया एण्डोमेन्ट ट्रस्ट, एसएमएस, जयपुर एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में 25 मार्च 2017 को सात दशकों के उत्सव पर आयोजित 'ट्रेडिशनल मेडिसिन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया गया ।
6.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लिया ।
7.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
8.	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लिया ।
9.	डॉ. राकेश कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित

	नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
10.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लिया ।
11.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।

डी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा सहभागिता -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	डॉ. पी. एन. बोस	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लेकर 'एन्टी डायबिटिक इफेक्ट ऑफ एनिकोस्टेमा लिटोरेल - ए रिव्यू' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।
2.	डॉ. पी. एन. बोस	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
3.	डॉ. तृप्ति मोटेघरे	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लेकर 'बच्चो एवं किशोरों की शुरुआती अवस्था में डायबेटिक नेफ्रोपैथी में आयुर्वेदीय प्रबन्ध' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।
4.	डॉ. तृप्ति मोटेघरे	1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग शुत्यादि योग एज ए कैलशियम सप्लीमेन्टेंशन इन चिल्ड्रन विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	डॉ. तृप्ति मोटेघरे	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
6.	डॉ. नीतू सिन्हा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर 'जिम्मेमा सिलवेस्टर फॉर डायबिटीज मेलीटस' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।
7.	डॉ. नीतू सिन्हा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
8.	डॉ. अनुकृति गौड़	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर 'आयुर्वेद, ए होप फॉर प्रोपर मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज मेलीटस' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।
9.	डॉ. अनुकृति गौड़	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
10.	डॉ. कृष्ण बहादुर सिंह	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा

		इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर 'टेरोकारपस मार्स्यूपियम फॉर डायबिटीज मेलीटस : ए रिव्यू' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।
11.	डॉ. कृष्ण बहादुर सिंह	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।

स्वास्थ्य शिविर :-

(अ) बाल समुदाय स्वास्थ्य कार्यक्रम :-

(i) विभाग के डॉ. राकेश नागर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा राजकीय बालिका सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, गंगापोल, जयपुर में 24 सितम्बर 2016 को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया । इस शिविर में 150 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं उन्हें अपनी स्वच्छता रखने का परामर्श दिया गया ।

(ii) विभाग की डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा लक्ष्मीनारायणपुरी, जयपुर में 30 सितम्बर 2016 को बालकों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शिविर का आयोजन किया गया । इसमें कुल 225 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सा की गई ।

(ब) सामान्य स्वास्थ्य शिविर :-

(i) विभाग के डॉ. राकेश नागर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं दो स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा उदयपुर जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में 2-6 अगस्त 2016 के दौरान 5 एक दिवसीय चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये ।

विस्तार/अतिथि व्याख्यान

डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा आयुष विभाग, मध्य-प्रदेश सरकार द्वारा नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों हेतु 18-7-2016 को राजकीय स्वायत्तशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, इंदौर में आयोजित धन्वन्तरि प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान दिया गया ।

अध्यापकों/पीएच.डी./एम.डी. अध्येताओं हेतु विशिष्ठ प्रशिक्षण(सीएमई/आरओटीपी सहित)

i) अध्यापक -

डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा 14-16 नवम्बर 2016 को संस्थान में आयोजित आयुर्वेद चिकित्सालयों के लिए एनएबीएच मानकों के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

ii) एम.डी. अध्येता -

संस्थान द्वारा जयपुर में 8 फरवरी 2017 को आयोजित 'साइंटिफिक राइटिंग' विषयक कार्यशाला में सभी स्नातकोत्तर अध्येताओं ने भाग लिया ।

.....

काय चिकित्सा विभाग

परिचयः आयुर्वेद की काय चिकित्सा एक अति-महत्त्वपूर्ण शाखा है । यह विभाग शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों जैसे ज्वर, रक्त-पित्त, शोथ, प्रमेह आदि की चिकित्सा से सम्बन्धित है । यह विभाग भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्धारित तथा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किये गये पाठ्यक्रमानुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न रोगों पर आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार की जाने वाली चिकित्सा रसायन, वाजीकरण आदि के अध्यापन, प्रशिक्षण, उपचार तथा अनुसंधान किया जाता है । यह विषय मुख्यतः व्याधियों के चिकित्सा सिद्धान्तों तथा विधियों से सम्बन्धित है । विभाग द्वारा नियमितरूप से पीएच.डी. भी कराई जाती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर, 4 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 1 क्लिनीकल रजिस्ट्रार अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उद्देश्य –

1. अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं रोगी परिचर्या का उन्नयन करना ।
2. शोध-कार्य का उन्नयन करना ।
3. बहिरंग एवं अन्तरंग विभाग में रोगियों की संख्या में वृद्धि एवं त्वचा विकारों के लिए विशेष क्लीनिक के साथ मांस-अस्थि रोग, मधुमेह, हृदय रोगों हेतु विशेष इकाई का विकास करना ।
4. प्रबंधन के आयुर्वेदिक सिद्धान्तों पर आधारित विभिन्न विकारों के शोध एवं प्रबंधन के प्रोटोकॉल विकसित करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक :

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को काय चिकित्सा विषय में आत्यायिक चिकित्सा, रसायन, वाजीकरण, मानसरोग तथा पंचकर्म का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । छात्रों को बेड् साईड क्लिनिक तथा प्रदर्शन विधियों से अध्यापन करवाया गया जो कि छात्रों की रोग अथवा विकृति विशेष से सम्बन्धित समस्याओं के अध्ययन में सहायता करता है ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । सेमीनार, जर्नल क्लब, एवं थीसिस विषयों पर चर्चायें आदि विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियाँ नियमित रूप से विभाग द्वारा आयोजित करायी गई ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । सेमीनार, जर्नल क्लब, एवं थिसिस विषयों पर चर्चायें आदि विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियाँ नियमित रूप से विभाग द्वारा आयोजित करायी गई ।

द) विभाग द्वारा जैरियाट्रिक एवं रसायन व वाजीकरण इकाई सुचारु रूप से चलाई जा रही है जिसमें जरा रोग सम्बन्धित रोगियों एवं अन्य रोगियों को श्रेष्ठ सुविधाऐं प्रदान की जाती है ।

य) विभाग द्वारा मौलिक सिद्धान्त विभाग से आपसी सहयोग कर मधुमेह चिकित्सा इकाई सुचारु रूप से चलाई जा रही है ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आंचल बिल्यान	डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ त्र्युष्णादि गुग्गुलु इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।
2.	डॉ. रश्मि सी. कानस्कर	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एण्ड एक्सपिरिमेन्टल स्ट्डी ऑफ फलत्रिकादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हेपैटो सेल्युलर जॉन्डिस (कामला).
3.	डॉ. ऊषा जांगिड़	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी लेक्चरर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ त्र्योदशांग गुग्गुलू, रास्नादि क्वॉथ एण्ड निर्गुण्डीपत्र-पिण्डस्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिगतवात रोग (लम्बर स्पोण्डेलोसिस).
4.	डॉ. कांतीलाल माली	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ अजमोदादि वटक एण्ड एरण्डादि क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमेटोइड आर्थ्रेराइटिस ।
5.	डॉ. दयानंदा जोशी	डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ आदित्यपाक गुग्गुलु एण्ड ग्रीवा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवा संधिगतवात (सर्वाइकल स्पोण्डेलोसिस).
6.	डॉ. दीपक कुमार	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ द्रव्यादि क्वाथ एण्ड मधुमेहारी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मेलीटस टाईप-2 (NIDDM).
7.	डॉ. ऋतु यादव	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्वीअस एक्सट्रैक्ट ऑफ एक्लीप्टा एल्बा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
8.	डॉ. मोनू गुप्ता	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ त्रिफलादि क्वाथ एण्ड करञ्जादि लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (न्युरो डर्मेटाईटिस) – ऐन रण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल।
9.	डॉ. दिनेश कुमार बैरवा	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ कृष्णादि चूर्ण एण्ड वासादि क्वाथ इन तमकश्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोंकियल अस्थमा ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एम.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर रहे है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. कुमारी प्रिया	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ शिवा गुग्गुलू एण्ड अलम्बुशादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमेटोइड आर्थ्रेराइटिस ।
2.	डॉ. रमाकान्त मीना	प्रो.आर.के.जोशी,प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ गौमूत्र हरीतकी एण्ड नवक गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।
3.	डॉ. दिव्या वर्मा	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ पथ्यादि गुग्गुलू, एरण्डादि क्वाथ एण्ड कटि बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी रोग (साइटिका) ।
4.	डॉ. भानु टांक	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ मधुमेहारी चूर्ण विथ डिफरेन्ट क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मिलीट्स टाईप-2 (एनआईडीडीएम) ।
5.	डॉ. देवेश जैमन	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ एवलगूजा बीज चूर्ण एण्ड अर्क तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (एटोपिक डर्माटाइटिस) - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल ।
6.	डॉ. छवि गुप्ता	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्वेअस एक्सट्रा ऑफ मेलिया एजडाइरेटा ऑन रिटार्डेशन ऑफ प्रोगेसन ऑफ क्रोनिक रीनल फेलीयर।
7.	डॉ. के. दिप्ती दत्तात्रेय	डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन (टीएफ-1) एण्ड नित्य विरेचन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ न्युली डाइग्नोज्ड स्टेज-1 एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
8.	डॉ. वी. दामोधरन	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्वाइस एक्सट्रेक्ट टेराक्सेकम ऑफिसिनेल (दुग्धफेनी) एण्ड एक्सलीप्टा एल्बा (भृंगराज) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
9.	डॉ. चन्द्र प्रकाश	डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ गौमूत्र घनवटी इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपीडेमिया - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल।
10.	डॉ. शालिनी	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ एक्वाअस एक्सट्रेक्ट ऑफ शालपर्णी एण्ड एक्सलीप्टा एल्बा (भृंगराज) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
11.	डॉ. करतार सिंह बंसल	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ रास्नादि गुग्गुलू, रास्नादशमूलादि क्वाथ एण्ड ग्रीवा वस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवा

		असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संधिगत वात (सर्वाइकल स्पोण्डेलोसिस) ।
12.	डॉ. हेमलता सौनी	डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ फला फलात्रिकादि घनवटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेहजन्य मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटीक डिस्लीपिडेमिया ।
13.	डॉ. विवेक कुमार द्विवेदी	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ वृषमिया एण्ड लेखन बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
14.	डॉ. अमित जोशी	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ धान्यादि योग एण्ड जटामांसी अर्क इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातिक ग्रहणी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इरिटेबल बावल सिंड्रोम ।
15.	डॉ. शगुफ्ता मल्होत्रा	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ शुंण्ठ्यादि चूर्ण एण्ड प्राणस पंचक क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोंकियल अस्थमा ।
16.	डॉ. निहारिका शाक्य	डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ हरिद्रादि अवलेह एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोंकियल अस्थमा ।
17.	डॉ. ओमप्रकाश	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी लेक्चरर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ नवकारगुग्गुलू, पंचमूल क्वाथ एण्ड कटि वस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी रोग (साइटिका)
18.	डॉ. सृष्टी श्रेष्ठ	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ त्रिकटु गुटिका एण्ड मधुमेहारी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप–2 डॉयबिटीज मिलीट्स।
19.	डॉ. बिजय श्रेष्ठ	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ आदित्यपाक गुग्गुलू विथ जानू बस्ति एण्ड सन्धिवत्री गुटिका विथ जानु बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानुसंधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेआर्थ्रेराइटिस ऑफ नी ज्वाईंट ।
20.	डॉ. कुमारी पिंकी	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ शूलहरण योग, रास्नापंचक क्वॉथ एण्ड ग्रीवा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवासंधि वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोण्डेलोसिस ।
21.	डॉ. आशिष कुमार वर्मा	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ पंचतिक्तगुग्गुलू घृत एण्ड अपामार्ग क्षारोसका इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ लाईकेन प्लानस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कुष्ठ ।
22.	डॉ. गोविन्द कुमार वर्मा	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ अमृत गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात (रुमेटोइड आर्थ्रेराइटिस) ।
23.	डॉ. सृष्टि अग्रवाल	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी

			एण्ड एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी एण्ड शंखपुष्पी पंक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चित्तोवेग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू जनरलाईज एनेक्सिटी डिस्आर्डर ।
24.	डॉ. दीपक सुमन	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एफिकेसी ऑफ कटांकतेर्यादि क्वॉथ एण्ड इन्द्र वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-II डॉयबिटीज मिलीट्स ।
25.	डॉ. रमा कासवान	डॉ. यू. आर. सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्री-क्लिनीकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ गौमूत्रादि क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिसलिपिडेमिया ।
26.	डॉ. रत्न परास्ते	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ नवाकर गुग्गुलू एण्ड त्रिफला क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
27.	डॉ. मिनाक्षी गौत्तम	डॉ. ए. के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव एवेल्युएशन ऑफ पुनर्नवा मण्डूर एण्ड कंचनार-शुण्ठी क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमांद्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पीएच. डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रशान्त उत्तम सासेन	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	रोल ऑफ वमनोत्तर शमन थैरेपी विथ मंजिष्ठामध्य क्वॉथ एण्ड कुष्ठघ्न महाकषाय इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एककुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोरायसिस - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रॉयल ।
2.	डॉ. शालिनी	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ लेखनीय घन वटी एण्ड गोमूत्र घन वटी इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पीएच. डी. अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर रहे है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रशान्त उत्तम सासेन	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	रोल ऑफ वमनोत्तर शमन थैरेपी विथ मंजिष्ठाध्य क्वॉथ एण्ड कुष्ठघन महाकषाय इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एककुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोरायसिस - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रॉयल ।
2.	डॉ. नूर मोहम्मद इकबाल चौधरी	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	प्री-क्लिनीकल एण्ड क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ मुस्तादी घनवटी एण्ड चिरविल्व (होलोप्टेलेया इन्टरिफोलिया) डेकोक्टेशन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदो रोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।
3.	डॉ. प्रियंका सिंह	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ इन्द्रवटी एण्ड मधुमेह दमन चूर्ण इन मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह

			विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डॉयबिटीज मिलीट्स ।
4.	डॉ. रश्मि मुथा	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सिनोप्सिस कार्य प्रगति पर है ।
5.	डॉ. विकास नरियाल	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सिनोप्सिस कार्य प्रगति पर है ।

प्रकाशन

(ए) पुस्तक प्रकाशन

क्र.सं.	लेखक	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	मानस रोग विज्ञान भाग-1	--
2.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	मानस रोग विज्ञान भाग-2	--
3.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	इन्टरनल मेडिसिन - कायचिकित्सा भाग-1	प्रकाशनाधीन
4.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	हृदय रोग एवं आयुर्वेद चिकित्सा	प्रकाशनाधीन

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो.आर.के.जोशी, प्रोफेसर डॉ. प्रियंका सिंह अध्येत्री	रोल ऑफ पथ्य इन मधुमेह (टाईप-2) - एन आयुर्वेदिक रिव्यू ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल - आईएएमजे वॉल. 1, इश्यू 4 नवम्बर 2016
2.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. प्रियंका सिंह अध्येत्री	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ रक्तातिसार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अल्सरेटिव कोलाइटिस - ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एण्ड साइन्टिफिक ओपीनियन वॉल. 4, 2016
3.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. प्रियंका सिंह अध्येत्री	ए रिव्यू कन्सेप्ट ऑफ स्थौल्य एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड हर्बल मेडिसिन इश्यू 4 जुलाई-अगस्त 2016
4.	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर	ऐसे बढ़ायें रोग प्रतिरोधक क्षमता ।	अहा जिन्दगी दैनिक भास्कर
5.	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ 'रास्ना गुग्गुलू', रास्नापंचक क्वॉथ एवं जानू बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ संधिगतवात (ओस्टेआर्थ्रेराइटिस)।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9-3 जुलाई-सितम्बर 2015
6.	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ त्र्योदशांग गुग्गुलू, रास्नादि क्वॉथ एण्ड निर्गुण्डी पत्र-पिण्डस्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिबस्ति वात रोग (लम्बर स्पोण्डेलोसिस) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद प्रकाशनार्थ प्रस्तुत (अप्रैल 2016 में)

7.	डॉ. सी. बी. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर (सह-लेखक)	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ द्रव्यादि क्वॉथ एण्ड मधुमेहारी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डॉयबिटीज मिलीट्स टाईप-2 (NIDDM) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद प्रकाशनार्थ प्रस्तुत किया (इन अप्रैल 2016)
8.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् शंखपुष्पी पंक एण्ड सिरोधारा विथ मानस्यादि क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चित्तोवेग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एनेक्सिटी डिस्आर्डर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल्यूम 9-1 जनवरी-मार्च 2015
9.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ अमृताध्याय गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डिस्लीपिडेमिया (मेदोदुष्टी)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल्यूम 9-4 अक्टूबर-दिसम्बर 2015
10.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ तृष्णादि गुग्गुलू इन मेदोरोग विभ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया (मेदोदुष्टी)	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिल रिसर्च वॉल्यूम-5, इश्यू-4 2016
11.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	कम्पलीमेन्ट्री एण्ड अल्टरनेटिव एप्रोच टू ट्रीट मेदोधातुदुष्टी इन प्रमेह (डॉयबिटीज डिस्लीपिडेमिया) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिल रिसर्च वॉल्यूम-5, इश्यू-5 2016
12.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ अजमोदा वातक एण्ड एरण्डादि क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रियुमेटोइड आर्थ्रेराइटिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (प्रकाशनार्थ प्रस्तुत)
13.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ द्रव्यादि क्वॉथ एण्ड मधुमेहारी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मेलीटस टाईप-2 (NIDDM).	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (प्रकाशनार्थ प्रस्तुत)
14.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ कृष्णादि चूर्ण एण्ड वासादि क्वाथ इन तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोन्कियल अस्थमा ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (प्रकाशनार्थ प्रस्तुत)
15.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	एक्युट ओरल टोक्सिसिटी स्ट्डी ऑफ पोलीहर्बेल फार्मूलेशन एनआईए/2015/01	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च वाल्यूम 5(2), 2016
16.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	ट्राईजेमिनल न्युरलजीया - ए केस स्ट्डी इन आयुर्वेदिक सेटिंग्स ।	एआईएमजे वाल्यूम 4, इश्यू 5 मई - 2016
17.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ त्रयुष्यादि गुग्गुलू इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 4 2016

18.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्वस एक्सट्रक्ट ऑफ मेलिया अझेदारछा (महानिबन्ध) ऑन रिटारडेशन ऑफ प्रोग्रेस ऑफ क्रोनिक रेनल फैल्योर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए प्रकाशनार्थ प्रस्तुत
19.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ एक्वस एक्सट्रक्ट ऑफ मेलीय ऑन द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ त्र्युष्यादि गुग्गुलू इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च वाल्यूम-5, इश्यू-4 2016
20.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्यूअस एक्सट्रेक्ट ऑफ मेलिया अजाडेरेक्टा (महानिम्ब) ऑन रिटार्डेशन ऑफ प्रोग्रेसन ऑफ क्रोनिक रेनल फैल्योर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए प्रकाशनार्थ प्रस्तुत
21.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवंल्युएशन ऑफ सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ अवागूज्जा बीज चूर्ण एण्ड अर्क तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (एटोपीक डर्मेटाईड) ए रेण्डोमाईज्ड कन्ट्रोल ट्राईल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए प्रकाशनार्थ प्रस्तुत
22.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	रोल ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन टीएफ-1 एण्ड नित्य विरेचन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ न्यूली डाइग्नोस्ड स्टेज-2 एसेंशियल हाईपरटेंशन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए प्रकाशनार्थ प्रस्तुत
23.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	आयुर्वेदिक एप्रोच इन जलोदर (एसिटिस) : ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी ।
24.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	इफेक्ट ऑफ अपामार्ग क्षार लेप इन विचर्चिका (एग्जिमा) : ए केस रिपोर्ट।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइन्सेज वाल्यूम-1, इश्यू-3

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता –

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये शोध पत्र का शीर्षक
1.	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर	संस्थान में 10–12 अप्रैल, 2017 को विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।	
2.	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सत्र में प्रमुख वक्ता के रूप में भाग लिया गया ।	प्रमुख वक्ता के रूप में सहभागिता की गई ।
3.	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर	संस्थान में 14–16 नवम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद चिकित्सालयों के लिए एनएबीएच मानकों के क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	
4.	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर	1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	मधुमेह एवं इसकी जटिलताऐं विषयक मौखिक प्रस्तुतिकरण ।
5.	डॉ. चन्द्र भानु शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान में 10–12 अप्रैल 2017 को विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
6.	डॉ. चन्द्र भानु शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एक वैज्ञानिक सत्र में सह–अध्यक्ष के रूप में भाग लिया गया ।
7.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान में 14–16 नवम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद चिकित्सालयों के लिए एनएबीएच मानकों के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	
8.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	सह–लिखित निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये :– (1) क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एन इण्डिजीनस फार्मूलेशन इन हाइपरलीपिडेमिक पेशेन्ट्स ऑफ डायबिटीज मिलीट्स टाईप–2. (2) ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन अनिद्रा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इन्सोमनीया एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट्स विथ शिरोधारा एण्ड मनस्यादि क्वाथ । (3) कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ अमृताध्या गुग्गुलू

			एण्ड लेखन बस्ति इन मेदोदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपीडेमिया ।
10.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	सह-लिखित निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये :- (1) आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स । (2) क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ अर्जुनादि चूर्ण एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डायबिटिज मिलीट्स टाईप-2) - ए क्लिनीकल स्ट्डी । (3) रोल ऑफ आयुर्वेद इन प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज मिलीट्स । (4) क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ द्रव्यादि क्वाथ एण्ड मधुमेहारी चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स टाईप-2 (एनआईडीडीएम) ।
11.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित साइंटिफिक राइटिंग विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	--
12.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मधु संवाद - डवलपिंग प्रोटोकॉल फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज एण्ड इट्स कम्पाईलेशन आर्गेनाइज्ड बाई ऑल इण्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद ऑन 15-18 मार्च 2018, नई दिल्ली ।	अर्जुनादि चूर्ण एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डायबिटिज मिलीट्स टाईप-2) विषयक सह-लिखित पत्र प्रस्तुत किया गया ।
13.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद चिकित्सालयों के लिए एनएबीएच मानकों के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	--
14.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर मधुमेह एवं इसकी जटिलाताऐं विषयक मौखिक प्रस्तुतिकरण दिया गया ।	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन अनिद्रा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इन्सोमनीया एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट्स विथ शिरोधारा एण्ड मनस्यादि क्वाथ ।
15.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी	एलादि चूर्ण एण्ड कटंकार्यादि क्वॉथ इन मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स ।

		जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	सह-लिखित निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये :- (1) रोल ऑफ डाइट एण्ड लाईफस्टाईल मोडिफिकेशन इन मधुमेह । (2) द् रोल ऑफ त्रिकटु गुटिका इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स टाईप-2 : ए रिव्यु । (3) द् कम्परेटिव स्ट्डी ऑन 'कटक खदिरादि कषायाम' एण्ड 'निर्यादिदि गुटिका' इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स । (4) आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज मिलीट्स ।
16.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेस	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	होलेस्टिक आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट फॉर डायबिटीज नैफ्रोपेथी इन्ड्यूज्ड क्रोनिक रेनल फैल्योर ।
17.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	इन्टरडिसिप्लेनरी अप्रोच फॉर द् मैनेजमेन्ट ऑफ एचआईवी इन रेफरेन्स टू स्टेटस ऑफ ओजस विषयक सहलिखित पत्र प्रस्तुत किया गया ।
18.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 10-11 दिसम्बर 2016 को आयोजित रोल ऑफ आयुर्वेद इन रक्त प्रदोषज विकार (ब्लड बोर्न डिज़िज) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ए क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ अरग्वाधादि लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका(एग्जिमा) ।
19.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	सह-लिखित निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किये गये :- (1) ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ पंचतिक्त घनवटी एण्ड मुस्तादि क्वॉथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मेलीटस । (2) कम्परेटिव स्ट्डी ऑन कतक खदिरादि कषायं एण्ड निरयादि गुटिका इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ

			मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मेलीटस । (3) ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एफिकेसी ऑफ इलादि चूर्ण एण्ड कटंकार्यादि क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मेलीटस । (4) रोल ऑफ पथ्य एण्ड अपथ्य इन मधुमेह (टाईप-2 डायबिटीज) एण्ड इट्स कोम्पलीकेशन्स । (5) रोल ऑफ आयुर्वेद इन प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज मेलीटस ।
20.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बरेली में 23 दिसम्बर 2016 को आयुर्वेद - अगद तंत्र विषयक 6ठवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ग्लोबल डायवर्सिफाइड टॉक्सिसिटी इन प्रेजेन्ट सेनेरियो ।

अतिथि व्याख्यान -

क्र. सं.	**संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम**	**अतिथि व्याख्यान का शीर्षक**	**स्थान**
1.	डॉ. उदय राज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	(i) ओबेसिटी (ii) कोरोनेरी हार्ट डिज़िज (iii) रुमेटाइड हार्ट डिज़िज (iv) कैंसर (v) आर्थ्राइटिस केसेज - टाईप्स, डिफरेन्शियल डाइग्नोसिस, मैनेजमेन्ट प्रोटोकॉल एण्ड रेफरल इश्यूज़ ।	राजकीय स्वायत्तशासी आयुर्वेद कॉलेज एण्ड होस्पिटल एमखो, लश्कर ग्वालियर
2.	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अवबाहुक	राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं होस्पिटल, जबलपुर (मध्यप्रदेश)
3.	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गृध्रसी, पक्षाघात एण्ड तमक श्वास ।	राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं होस्पिटल, जबलपुर (मध्यप्रदेश)
4.	डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	न्युरोलोजीकल डिस्आर्डर्स एण्ड आयुर्वेद।	कोरियन शिष्टमण्ड़ल हेतु आयुर्वेद में लघु-अवधि प्रशिक्षण ।
5.	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मौसमी बिमारियाँ एवं आयुर्वेद की भूमिका ।	बीकानेर(राजस्थान) में आयोजित आयुर्वेद मेला ।

संस्थान द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों के एससी/एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गए चल-चिकित्सा शिविरों में भी विभाग के अध्यापकों द्वारा भाग लिया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:-

क्र.सं.	**अध्यापक का नाम**	**शिविर का स्थान**	**दिनांक**
1.	डॉ. अजय कुमार साहू	जिला प्रतापगढ़, तहसील दरियाबाद में आयोजित	25-7-2016 से

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	30-7-2016
		राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, जिला जयपुर में आयोजित 1 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	7-10-2016
		मधुमेह दिवस के अवसर पर ईएसआईसी चिकित्सालय, जयपुर में आयोजित 1 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	26-10-2016 एवं 28-10-2016
		राजस्थान सरकार द्वारा बीकानेर में आयोजित आरोग्य मेला के अवसर पर आयोजित 4 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	13-12-2016 एवं 16-12-2016
2.	डॉ. हरीश भाकुनी लेक्चरर	तहसील ऋषभदेव, जिला उदयपुर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	6-7-2016 से 11-7-2016

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में पी.जी. एवं पीएच.डी. अध्येताओं की सहभागिता –

विभाग के पी.जी. एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश में विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया –

क्र.सं.	पीजी एवं पीएच.डी. अध्येतआ का नाम	सम्मेलन/संगोष्ठि का शीर्षक/विवरण/तिथि
1.	डॉ. रितु यादव	कनकायन फाउण्डेशन, कोल्हापुर द्वारा 15–22 अप्रैल 2016 को आयोजित चरक संहिता विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्टी ।
2.	डॉ. दिव्या वर्मा	कनकायन फाउण्डेशन, कोल्हापुर द्वारा 15–22 अप्रैल 2016 को आयोजित चरक संहिता विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्टी ।
3.	डॉ. छवि गुप्ता	कनकायन फाउण्डेशन, कोल्हापुर द्वारा 15–22 अप्रैल 2016 को आयोजित चरक संहिता विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्टी ।
4.	डॉ. के. दीप्ति दत्तात्रेय	कनकायन फाउण्डेशन, कोल्हापुर द्वारा 15–22 अप्रैल 2016 को आयोजित चरक संहिता विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्टी ।
		उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिद्वार आयोजित आईसीआरएपी–2016 ।
5.	डॉ. कुमारी प्रिया	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिद्वार आयोजित आईसीआरएपी–2016 ।
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
6.	डॉ. शालिनी	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिद्वार आयोजित आईसीआरएपी–2016 ।
7.	डॉ. शगुफ्ता मल्होत्रा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
8.	डॉ. नूर मुहम्मद इकबाल चौधरी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
9.	डॉ. गोविन्द वर्मा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

10.	डॉ. सृष्टि श्रेष्ठ	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
11.	डॉ. चन्द्र प्रकाश	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
12.	डॉ. विवेक कुमार द्विवेदी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
13.	डॉ. शालिनी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
14.	डॉ. हेमलता सोनी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
15.	डॉ. निखारिका शाक्य	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

विभाग के अध्येताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर आयोजित 19 विभागीय संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेकर कर्मचारियों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध कार्य प्रस्तुत किये । इन संगोष्ठियों में महत्त्वपूर्ण व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया । जर्नल क्लब की 20 बैठकें आयोजित की गई । शोध के उद्देश्य से 14 औषध-परीक्षण किये गये ।

विविध गतिविधियाँ - विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई ।

क्र.सं.	**अध्यापक का नाम**	**गतिविधियाँ**
1.	प्रो. रामकिशोर जोशी प्रोफेसर	1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 2. उपाधीक्षक चिकित्सालय के रूप में कार्य किया गया । 3. एमएसीपी योजनान्तर्गत सम्बन्धित कर्मचारी को वित्तीय उन्नयन प्रदान करने हेतु स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता की गई ।
2.	डॉ. उदयराज सरोज असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. संस्थान चिकित्सालय में आवासीय चिकित्साधिकारी के रूप में कार्य किया गया। 2. बीएएएमएस पाठ्यक्रम के विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिये गये । 3. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया । 4. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 5. निम्नलिखित समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया गया:- संस्थान की जैव चिकित्सा अवशिष्ट प्रबन्ध समिति, संस्थान के

		मेडिकल बोर्ड एवं चिकित्सा बिल संविक्षा समिति, अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल का संपादकीय मण्ड़ल, आयुर्वेद संकाय हेतु परीक्षा पैनल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
3.	डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया । 3. राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण लिया गया । 4. संस्थान की मधुमेह चिकित्सा इकाई में चिकित्सा सेवाऐं दी गई । 5. राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड के लिए गठित गुणवत्ता सुधार एवं सत्त निगरानी समिति के सदस्य के रूप कार्य किया गया । 6. सदस्य, आयुर्वेद संकाय हेतु परीक्षा पैनल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के रूप में कार्य किया गया ।
4.	डॉ. हरीश भाकुनी	1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 2. बाबा के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पिटल, मोगा (पंजाब) में बाह्य परीक्षक के रूप में स्नातक परीक्षाऐं सम्पन्न कराई गयी । 3. राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आवंटित एम.डी.(आयुर्वेद) के महानिबन्ध का मूल्यांकन कार्य । 4. निम्नलिखित समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया गया :- 1. इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य । 2. एनआईए न्यूज़लेटर के सम्पादक । 3. खेलकूद समिति एवं खेलकूद सामग्री क्रय समिति । 4. संस्थान के चिकित्सालय के सहायक आवासीय चिकित्सा अधिकारी। 5. आयुर्वेद संकाय हेतु परीक्षा पैनल, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।

....

मौलिक सिद्धान्त विभाग

परिचयः यह विभाग एक स्नातकोत्तर विभागों में से एक है और इस विभागान्तर्गत आयुर्वेद सिद्धान्त, संहिता, आयुर्वेद इतिहास, दर्शन एवं संस्कृत का स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को अध्ययन कराया जाता है। विभाग द्वारा आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों का वैज्ञानिक तरीके से चिकित्सकीय एवं शैक्षिक अध्यापन एवं अनुसंधान हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान भी कराया जाता है । स्नातकोत्तर स्तरीय अध्ययन अत्यधिक उन्नत है तथा अनुसंधान प्रक्रिया के माध्यम से गहन अध्ययन कराया जाता है जो कि आगे किये जाने वाले अनुसंधानकर्त्ताओं को एक आधार प्रदान करती है । विभाग द्वारा पीएच.डी. अध्येताओं हेतु नियमित रूप से शोध कार्य के निर्देशन की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 3 प्रोफेसर, 2 एसोसियेट प्रोफेसर तथा 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे । संस्कृत विषय का 1 लेक्चरर संविदा आधार पर कार्यरत रहे।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्रों हेतु मौलिक शिक्षा प्रदान करना ।
2. वैज्ञानिक मापदंडों पर विषय एवं ज्ञान का अद्यतन उन्नत एवं रोचक माध्यम से अध्यापन कराना ।
3. मौलिक सिद्धान्तों के क्षेत्र में श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण करना जिससे आयुर्वेद को राष्ट्रव्यापी एवं विश्वभर में प्रचारित किया जा सके ।
4. केवल साहित्यिक ही नहीं, बल्कि मौलिक सिद्धान्तों पर आधारित नैदानिक शिक्षण प्रदान करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार मौलिक सिद्धान्त विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । छात्रों के रुचिपूर्वक अध्ययन हेतु समय-समय पर कक्षा-परख भी आयोजित किये गये।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये । चिकित्सा तथा अनुसंधान प्रक्रियाओं में आयुर्वेद की उपयोगिता में आधारभूत सिद्धान्तों के प्रयोग पर विशिष्ट ध्यान दिया गया । दूसरी ओर, दूसरे विभागों के स्नातकोत्तर अध्येताओं को सुचारु शिक्षण, उच्चारण, रुपान्तरण, स्पष्टीकरण तथा टीकाओं में वर्णित मूल विषयों/शब्दों की व्याख्या करना सिखाया गया । विभाग के अध्येताओं ने साप्ताहिक संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेकर अपने शोध कार्यों को प्रदर्शित किया । इन संगोष्ठियों में विद्वज्जनों द्वारा अति-महत्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये । शोध कार्य सम्पन्न किये गये। आलोच्य वर्ष के दौरान छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेने हेतु भेजा गया ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मनीष सिंह	डॉ. केदार लाल मीना एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ पथ्यादि चूर्ण एण्ड विभितकी चूर्ण ऑन तमक श्वास इन द् परव्यू ऑफ मुहुर्मुहुर्विषच्छर्दि हिध्मातृट्श्वासकासिषु (अ.हृ.सू. 13/40)
2.	डॉ. विभा सूद	डॉ. केदार लाल मीना एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कनसेप्चुअल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शतावरी चूर्ण एण्ड कपर्द भस्म ऑन अस्थि-क्षय इन द् परव्यु ऑफ समानगुणाभ्यासो हि धातूनाम् वृद्धि कारणम् विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोस्टमेनोपाज़ल ओस्टियोपोरोसिस ।
3.	डॉ. कुन्दन	डॉ. बलदेव कुमार एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए फण्डामेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन फंक्शनल एस्पेक्ट ऑफ 'उदकवह स्रोतस एण्ड स्रोतोमूल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमेह' ।
4.	डॉ. दीपक राहंडले	डॉ. बलदेव कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू अण्डरस्टेण्ड द् प्रिन्सिपल ऑफ शरीर – शैथिल्यता एण्ड उदकवह स्रोतोदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमेह' ।
5.	डॉ. शंकर लाल बुरडक	डॉ. निशा गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर	'चिकित्सया विषघ्न्यैव स शमं लभते नरः ।' .... ''एन असेसमेन्ट ऑफ इम्युनो-मोड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ विषघ्न महाकषाय इन द् पेशेन्ट्स ऑफ अनुर्जताजन्य तमक श्वास (एलर्जिक अस्थमा)''.
6.	डॉ. सुमन	डॉ.असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	चरक संहिता की उपलब्ध संस्कृत टीकाओं में प्राप्त पाठान्तरों का विवेचनात्मक अध्ययन ।
7.	डॉ. जयदेव कुलदीप कुमार विजय कुमार	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ.असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	''ए कन्सेप्चुअल, क्लिनिकल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ विड़ंगादि चूर्ण एण्ड मेदोहर लेप अलांगविथ विड़ंगादि चूर्ण ऑन स्थौल्य इन द् परव्यु ऑफ - 'संतर्पणोत्थानामपतर्पणमौषधम्' ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रवीन कुमार	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ भैषज्यवोचारम विधि मेंशन्ड इन बृहत्रयी ।
2.	डॉ. अंकिता अग्रवाल	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेपचुअल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ त्रिफलादि क्वाथ किटिभ एण्ड स्थौल्य इन द् परव्यू ऑफ उक्तं संतर्पणोत्थानामतर्पणमोषधम (च.सू. 23/26) ।
3.	डॉ.सुनील कुमार शर्मा	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	चरक संहिता के निदान व चिकित्सा स्थान के सन्दर्भ में उपमान प्रमाण के नैदानिक व चिकित्सकीय स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
4.	डॉ. कोनिका	डॉ. बलदेव कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए कन्सेपच्युअल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ साध्यता-असाध्यता ऑफ प्रमेह ।
5.	डॉ. प्रियंका फिरोदा	डॉ. निशा गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर	एन एवेल्युएशन ऑफ धूमपान थेरेपी इन अनुर्जताजन्य तमक श्वास - ए कम्परेटिव स्ट्डी ।
6.	डॉ. मनु वर्मा	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेपचुअल स्ट्डी ऑन रोल ऑफ रसायन थेरेपी इन वूमन्स हैल्थ ।
7.	डॉ. प्रियंका मीना	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ मेधा इन द् प्रीव्यु ऑफ शुद्धसत्वसमाधानात्तत्सर्वमुपजायते ।। (च.शा. 1/141)
8.	डॉ. कुणाल ओझा	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ मधुमेहारी चूर्ण एण्ड कारादि क्वाथ इन मधुमेह टू प्रूव द् प्रिन्सीपल सर्वस्य बद्धमूत्राण्यमेदस्कराणि।
9.	डॉ. रेखा मीना	डॉ. केदार लाल मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल, क्लिनीकल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ अलम्बूशादि चूर्ण एण्ड रास्नाद्वाशका क्वाथ इन आमवात इन परव्यु ऑफ लंघनं स्वेदनं तिक्तं दीपनानि कटूनि च (चक्रदत्त 25/1) ।
10.	डॉ. राजेश गुप्ता	डॉ. केदार लाल मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ यवनादि प्य एण्ड कंटकारी अवलेह इन वातिक कास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सिन्गधाम्ल लवणां पेयामनिलजे पिबेत् ।
11.	डॉ. विकास कुमार	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विषघ्न महाकषाय एण्ड एदागजादि लेप इन अनुर्जताजन्य विचर्चिका इन द् परव्यु ऑफ चिकित्सा विषघ्नयैव स शमं लभते नरः । (च. चि. 3/118)
12.	डॉ. प्रशान्त राठी	डॉ. बलदेव कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ रसायन इफेक्ट ऑफ मधुयष्टी चूर्ण इन अप्पेरेन्टली हैल्दी इण्डिविजूअल्स।
13.	डॉ. किरन	डॉ. असित पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उक्तं संतर्पणोत्थानामतर्पणमोषधम (च.सू. 23/26)। सिद्धान्त पुष्ठ्यतर्थ संतर्पणोत्थ कोठ व किटिभ (कुष्ठ) में मुस्तादि क्वाथ का सैद्धान्ति एवं चिकित्सात्मक अध्ययन ।
14.	डॉ. सुचेता वर्मा	डॉ. केदार लाल मीना एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ डायबिटीज पेशेन्ट्स (टाईप-1 एण्ड 2) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफरेन्ट टाईप्स ऑफ प्रमेह ।
15.	डॉ. सतवीर सिकन्दर	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ प्रमेह इन द् परव्यु ऑफ मूत्रवहानां च स्त्रोतसां वंक्षण बस्तिप्रभवानां मेद:क्लेदोपहितानि गुरूणि मुखान्यासाध प्रतिरूध्यते (च.नि. 8/4) ।

16.	डॉ. अभिषेक ताम्रकर	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रहैन्सिव रिव्यू ऑन द् रोल ऑफ वेगधारणा ऑन प्राणवहस्रोतगत व्याधि एण्ड दैयर चिकित्सा सिद्धान्त ।
17.	डॉ. प्रीति शर्मा	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आब्जर्वेशनल एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ डेंगू एण्ड चिकुनगुनिया इन परव्यू ऑफ आयुर्वेद ।
18.	डॉ. मुक्ति मानकी मीता सिंह	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ रसायन इफेक्ट ऑफ गुडूची स्वरस इन अपेरेन्टली हैल्दी इण्डिविजूअल्स ।
19.	डॉ. स्थिताप्रंजा बिस्वाल	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ मधु पिप्पल्यादि योग एण्ड गुड़ादि मोदक ऑन अम्लपित्त।
20.	डॉ. बबिता कुमारी	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ 'मधुमंजिष्ठा लेप' एण्ड 'व्रण्य महाकषाय' इन व्यंग।
21.	डॉ. सोनम	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ गुडूच्यादि योग एण्ड मधुमेहारी चूर्ण ऑन प्रमेह ।
22.	डॉ. रामेश्वर लाल	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ 'अर्क तैल' एण्ड 'मन:शिलादि लैप' इन विचर्चिका ।
23.	डॉ. अश्वनी ए.	डॉ. केदार लाल मीना प्रोफेसर डॉ. शिशिर कुमार मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे बेस्ड कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन प्राग्नोसिस ऑफ कुष्ठ रोग इन द प्रव्यू ऑफ विकार विघात भाव एण्ड अभाव ।
24.	डॉ. नन्दिश	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ दोष गति एण्ड इट्स इम्पलीमेन्टेशन इन वात रक्त एण्ड कुष्ठ ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पीएच.डी. अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक/सह-निर्देशक**	**विषय**
1.	डॉ.पल्लवी दीक्षित	डॉ. निशा गुप्ता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फण्डामेन्टल स्ट्डी ऑफ वेरियस न्याय इन वृहत्त्रयी: इन्टरवेनिंग थेरेप्युटिक्स ।
2.	डॉ. श्वेता देवान	डॉ. बलदेव कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ प्रमेह इन रिलेवेन्स विथ इट्स आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट एण्ड प्रोग्नोसिस ।
3.	डॉ. विपिन कुमार	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	परीक्ष्यकारिणो हि कुशला भवन्ति (च.सू. 10/5) सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में बृहत्त्रयी में वर्णित परीक्षा विधियों का सैद्धान्तिक विवेचन एवं चिकित्सकीय वैशिष्ट्य ।
4.	डॉ. श्रीराम कुमावत	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	आयुर्वेद में वर्णित सृष्टि उत्पत्ति सिद्धान्त का विश्लेष्णात्मक अध्ययन ।

अनुर्जता इकाई – विभाग द्वारा एक अनुर्जता इकाई संचालित की जाती है जिसमें अनुर्जता आदि से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा की जाती है । संस्थान की रसायन शाला में निर्मित पुष्करमूलादियोग सहित औषधियाँ रोगियों को ओपीडी के माध्यम से नि:शुल्क वितरित की जा रही है ।

चिकित्सकीय कार्य – विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई। विभाग के अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल चिकित्सा शिविरों में अपनी सेवायें दी गई ।

प्रकाशन –

(ए) **पुस्तकें** –

क्र.सं.	लेखक का नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वैद्य बल्लभ अंग्रेजी अअनुवाद सहित	ISBN 978-81-931471-3-9 दिसम्बर 2016
2.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजस्थान परम्परा का दैनिक चिकित्सा दर्शन	ISBN 978-81-931471-3-9 मार्च 2017
3.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदामृतम ।	–
4.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पूर्व में प्रकाशित आयुर्वेद संग्रह का पूरक अंक	–

(बी) **जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख** –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	आयुर्वेद में युक्ति का नैदानिक महत्त्व ।	Pezzottaite Journals वाल. 5 अप्रैल-जून 2016
2.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	स्वस्थ जीवन शैली के सम्बन्ध में आयुर्वेद में उल्लेखित आहार संबंधी नैतिकता ।	पुनर्नव वाल. 4, इश्यू 3 मई-जून 2016
3.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	इम्पलीमेन्टशन ऑफ द् प्रिन्सिपल्स 'समानगुणाभ्यासो ही धातूनां वृद्धिकारनं' इन अस्थि कषाय ।	आईएएमजे वाल. 4, इश्यू 8 अगस्त 2016
4.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ शतावरी चूर्ण एण्ड कपर्द भस्म इन मैनेजमेन्ट ऑफ पोस्टमेनोपाज़ल ओस्टियोपोरोसिस ।	पुनर्नव वाल. 4, इश्यू 3 मई-जून 2016
5.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	रिव्यू ऑन सदवृत्त एण्ड इट्स क्लिनीकल इम्पोर्टेन्स।	Pezzottaite Journals वाल. 5 जुलाई-सितम्बर 2016
6.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑवर युवानपिड़िका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एक्नी ।	आईजेएपीसी वॉल. 6, इश्यू 1 जनवरी 2017

7.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑवर इन्द्रलुप्त विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलोपेशिया ।	एएएमजे वॉल. 2, इश्यू 5 सितम्बर–अक्टूबर 2016
8.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	द् कन्सेप्ट ऑफ प्रज्ञापराध इन रिलेशन विथ भूत विद्या – ए रिव्यू ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. IX- 3 जुलाई–सितम्बर 2015 (2016 में प्रकाशित)
9.	डॉ. केदारलाल मीना प्रोफेसर	ए फण्डामेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् प्रिन्सिपल 'कार्य नैकान्तिकं ताभ्यां प्राय: श्रेयोऽनिलापहलम् ।।' (च.चि. 17/148) इन श्वास रोग ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9–2 जुलाई–सितम्बर 2015 (2016 में प्रकाशित)
10.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ अनुर्जताजन्य(एलर्जिक) डिज़िज़ टू एस्टाब्लिश रिलेशनशिप विथ आम विथ रिगार्ड टू द् प्रिन्सिपल 'रोगा: सर्वेऽपिमन्देऽग्नौ.....।' (अ.ह्.नि. 12/1)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए, जयपुर (प्रकाशनाधीन)
11.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ विरूद्धआहार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फूड एलर्जी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए, जयपुर (प्रकाशनाधीन)
12.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	ए रिव्यू ऑफ प्रीवेन्टिव हैल्थ केयर इन द् जरियाट्रिक्स थ्रू आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन (आईजेएएम) ISSN – 0976-5921 वाल. 6, नं. 2(2015) अप्रैल–जून 2015
13.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	आयुर्वेदिक व्यू ऑन क्लिनीकल इम्पोटेन्स ऑफ बल एण्ड बल परीक्षा – ए रिव्यू ।	आईजेएएआर ISSN – 2347-6362 वॉल. 2 इश्यू 1 मई–जून 2015
15.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	'चिकित्सया विषध्न्यैव स शमं लभते नर: ।' (च. चि. 2/118) एन असेसमेन्ट ऑफ इम्यूनोमोड्यूलेटरी इफेक्ट्स ऑफ विषघ्नमहाकषाय इन द् पेशेन्ट्स ऑफ अनुर्जताजन्यात्मकश्वास (एलर्जीक अस्थमा)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एनआईए, जयपुर (प्रकाशनाधीन)
16.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	एवेल्युएशन एण्ड स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ स्निग्ध गुण ऑफ भ्राजक पित्त विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू विचर्चिका ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद
17.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	एप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ विशेष–सिद्धान्त इन आयुर्वेद संहिता ।	आर्यवैद्यन कोटेकल
18.	डॉ. निशा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर (सह–लेखक)	उपमान का निदानात्म्क एवं चिकित्सात्मक महत्त्व ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ।
19.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए फण्डामेन्टल एण्ड क्रिटिकल स्ट्डी ऑन द् प्रिन्सिपल – प्रायोनैकान्तिकताभ्यां..... इन श्वास रोग ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 वॉल. 9, नं. 2 अप्रैल–जून 2015
20.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एम्पोर्टेन्स ऑफ युक्ति प्रमाण ।	आर्यवैद्यन ISSN No. 0970-4086 वॉल. 29, नं. 1 व 2

21.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेन्युस्क्रिप्ट रिसर्च : एन अल्टीमेन्ट होरीजन ऑफ एक्सप्लोरिंग आयुर्वेद ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 वॉल 9, नं. 4 अक्टूबर-दिसम्बर 2015
22.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	A Brief Outlook of Carakavivrati Commentary of Pandit Joginder Nath Sen.	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 वॉल 9, नं. 4 अक्टूबर-दिसम्बर 2015
23.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् लिंग्स्टिक रिलेशनशिप बीटविन मॉडर्न एण्ड आयुर्वेदिक टर्मिनोलोज़िज ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 वॉल 10, नं. 4 जनवरी-मार्च 2016
24.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मुष्ठियोग प्रक्टिसेज़ ऑफ बंगाल ट्रेडिशन एण्ड सम रेमेडिज ऑफ जीर्ण ज्वर ।	वैद्य परम्परा ट्रेडिशनल जर्नल प्रथम अंक दिसम्बर 2016
25.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पंडित योगीन्द्रनाथ सेन	वैद्य परम्परा ट्रेडिशनल जर्नल प्रथम अंक दिसम्बर 2016
26.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सिम्पल एण्ड कोस्ट इफेक्टिव रेमेड़िज - ए केरेलीयन ट्रेंड ।	वैद्य परम्परा दिसम्बर 2016
27.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बंगाल ट्रेडिशन प्रॅक्टिस ऑन लीवर डिज़िज ।	आयुर्वेद सूत्र ISSN No. 2347-1794 वॉल. 4, इश्यू 2-3
28.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ऋतुसंशोधन - ए सेफ वे टू स्टे हैल्दी ।	आयुर्वेद सूत्र ISSN No. 2347-1794 वॉल. 4, इश्यू 2-3
29.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्नेहन - एन इफेक्टिव एण्ड सेफ प्यूरीफिकेशन मेथॅड्स ।	आयुर्वेदलाईन 13वां संस्करण ISSN No. 09736360 जनवरी 2017
30.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Use of Medhyaannapana for the Prevention and Management of Attatvabhinivesh (Mahagada).	आयुर्वेदलाईन 13वां संस्करण ISSN No. 09736360 जनवरी 2017
31.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ एवास्कूलर नेक्रोसिस ।	आयुर्वेदलाईन 13वां संस्करण ISSN No. 09736360 जनवरी 2017
32.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सिम्पल रेमेडिज़ ऑफ मुस्तक (नाटग्रास) - ए प्राईमेवल रिव्यू ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 वॉल. 10, नं. 2 अप्रैल-जून 2016
33.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ पिप्पली - इन अग्निदुष्टी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 वॉल. 10, नं. 3

			जुलाई–सितम्बर 2016
34.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बंगाल ट्रेडिशनल प्रॅक्टिस ऑन कार्डियोवास्कुलर डिस्आर्डर ।	आयुर्वेद सूत्र ISSN No. 2347-1794 वॉल. 4, इश्यू 6, 2017
35.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रोटेक्शन ऑफ हैड एज़ ए मर्म ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टुबर–दिसम्बर 2014 (2016 में प्रकाशित)
36.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ विरेचन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टुबर–दिसम्बर 2014 (2016 में प्रकाशित)
37.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ विशेष सिद्धान्त इन आयुर्वेद ।	आयुर्वेदायन मई–जुलाई 2016
38.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिलोस्फीकल एण्ड क्लिनीकल एस्पेक्ट ऑफ विशेष सिद्धान्त ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च जुलाई 2016
39.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उपमान का नैदानिक व चिकित्सात्मक महत्त्व ।	विश्व आयुर्वेद परिषद जर्नल जुलाई–अगस्त 2016
40.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इम्पलीमेन्टेशन ऑफ द् प्रिन्सिपल 'समान गुण अभ्यासो ही धातुनाम वृद्धिकरनं' इन अस्थि क्षय ।	आईएएमजे अगस्त 2016
41.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मनुस्मृतियों में वर्णित आयुर्वेदिय विषयों का वर्गीकरण एवं विश्लेष्णात्मक अध्ययन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टूबर–दिसम्बर 2016 (2017 में प्रकाशित)
42.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रसायन थैरेपी इन वेरियस फिजियोलोजिकल स्टेजेज़ ऑफ फीमेल ।	आईजेएएमएस ISSN 2455-6246 अप्रैल–जून 2016 वॉल्यूम–1, इश्यू 2
43.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् रिलेवेन्स ऑफ आयुर्वेद टू क्वालिटी ऑफ लाईफ इन मॉडर्न टाईम्स ।	आईजेईपीपी ISSN 2455-6246 जुलाई–सितम्बर 2016 वाल्यूम–2, इश्यू–2
44.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेद इन लाईफस्टाईल डिस्आर्ड्स।	आईजेआरएएस–अमृतम ISSN No.2394-1812 जुलाई, 2016 वाल्यूम–2(3)
45.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल असेसमेन्ट ऑफ रक्तमोक्षण एज़ एलीमेन्ट्री मेंथॅड ऑफ शोधन इन पंचकर्म थैरेपी।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेस्युटिकल रिसर्च ISSN No 2277-7105 दिसम्बर 2016 वाल्यूम 5, इश्यू 12
46.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रक्तमोक्षण: एन इम्पेरेटिव प्रोसिज़र ऑफ पंचकर्म इन रक्त प्रदोषज व्याधि ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट मेडिकल एण्ड फार्मेस्युटिकल रिसर्च ISSN No 2454-2229 दिसम्बर 2016 वाल्यूम–2, इश्यू 12

47.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन गर्भ शारीर इन कॉन्टेक्सट ऑफ फीटल अनामलीज़ इन आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेस्युटिकल रिसर्च ISSN No 2277-7105 जनवरी-मार्च 2017 3(3)
48.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उपयोगी गुणकारी तिल ।	आयुष्मान अक्टूबर-दिसम्बर 2016 अंक-68
49.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ल्युकोडर्मा	आयुष्मान जन.-मार्च 2017 अंक-69

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठि का विवरण प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
2.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2916 को कोलकाता में आयोजित 7वी वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में रोल ऑफ मधुमेहारी चूर्ण (कल्पित योग) इन द् सम्प्राप्ति विघटन ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-2 डायबिटिज मिलीट्स विषयक सह-लिखित पत्र प्रस्तुत किया गया ।
4.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह थ्रू आहार डेस्क्राइब्ड इन अयुर्वेद विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया ।
5.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ फिजिकल एक्टिविट्ज इन मधुमेह विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया ।
6.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ रोल ऑफ हरिद्रा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ प्री-डायबेटीक एण्ड डायबेटीक विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया ।
7.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ तिक्त रस प्रधान द्रव्य इन डायबिटीज मेलीटस(मधुमेह) विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया ।
8.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ पादाभ्यांग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पाददाह विथ स्पेशियल रेफरेन्स अू डायबेटिक न्युरोपैथी विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया।

9.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 20-21 जनवरी 2017 को आयोजित स्टेण्डर्डाइज्ड द् आयुर्वेद टेक्नीकल टर्म्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
10.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजस्थान आयुर्वेद विज्ञान परिषद, जयपुर द्वारा जनवरी 2017 में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर बंगाल ट्रेडिशन ऑफ क्लिनीकल प्रेक्टिस विषयक व्याख्यान दिया ।
11.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा 12-2-2017 को आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर आयुर्वेद क्लॉसिफिकेशन ऑफ डिज़िज विषयक व्याख्यान दिया ।
12.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजस्थान आयुर्वेद विज्ञान परिषद, जयपुर द्वारा जनवरी 2017 में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर बंगाल ट्रेडिशन ऑफ क्लिनीकल प्रेक्टिस विषयक व्याख्यान दिया ।
13.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सीसीआरएएस की जयपुर स्थिति इकाई द्वारा 18-3-2017 को आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर कन्सेप्ट ऑफ हाइपोथायराडिज्म विषयक व्याख्यान दिया गया ।
14.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा क्लिनीकल केसशीट विकसित करने हेतु आयोजित कार्यशाला में भाग लिया गया ।
15.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2916 को कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ वेरिएन्ट रिडिंग इन द् कमेन्टरिज ऑफ चरक संहिता इन क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक सह-लिखित पत्र प्रस्तुत किया गया ।
16.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ पादाभ्यांग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पाददाह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबेटिक न्युरोपैथी विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया।
17.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ फिजिकल एक्टिविटिज़ विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया।
18.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ रोल ऑफ हरिद्रा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ प्री-डायबेटीक एण्ड डायबेटीक विषयक सह-लिखित पत्र एक अध्येता ने प्रस्तुत किया ।
19.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 5-7 मार्च 2017 को आयोजित संगोष्ठी में रोल ऑफ त्रिकण्टकादयाघृतम इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ प्रमेह - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी विषयक सहलिखित पत्र प्रस्तुत किया गया।
20.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	केस स्ट्डी ऑफ न्युली डाइग्नोस्ड प्रमेह एण्ड मैनेजमेन्ट इन आयुर्वेद विषयक सह-लिखित पत्र ।
21.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेद चिकित्सालयों के लिए एनएबीएच मानकों के क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
22.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा 16-.प्रकृति आंकलन प्रश्नावली/स्केल का प्रमाणीकरण विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला ।
23.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका

		एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में कन्सेप्ट ऑफ नैमेत्तिक रसायन इन मधुमेह पत्र प्रस्तुत किया ।
24.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में क्वालिटी ऑफ लाईफ एण्ड मधुमेह पत्र प्रस्तुत किया ।
25.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ यव(बारले) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज विषयक पत्र प्रस्तुत किया ।
26.	डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।

अतिथि व्याख्यान - विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा छात्रों एवं अध्येताओं के लाभार्थ विभिन्न कार्यशालाओं तथा कार्यक्रमों में निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान दिये गये :-

क्र. सं.	**संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम**	**अतिथि व्याख्यान का शीर्षक**	**तिथि/माह**	**कार्यक्रम**
1.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्पेशियलिटी इन आयुर्वेद क्लासिकल क्लिनीकल प्रॅक्टिस।	अप्रैल, 2016	लवली प्रोफेशन युनिवर्सिटी, पंजाब द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम ।
2.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	(i) कन्सेप्ट ऑफ डाइट इन आयुर्वेद रिलेशन टू लाईस्टाईल डिस्आर्डर्स एण्ड (ii) इंकम्पेटिबल लीड्स टू वेरियस प्रोब्लम्स - एन आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव ।	18-19 अप्रैल 2016	इन्टरनेशनल न्युट्रिशन वीक - टेल-एवाईव
3.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नॉन-कम्युनिकेबल डिज़िज एण्ड दैयर आयुर्वेदिय ट्रीटमेन्ट।	9-8-2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
4.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जीवनशैली जन्य विकार एवं आयुर्वेदिय चिकित्सा	13-8-2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
5.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सीकेडी, एचटीएन, हाइपोथाइरोइड इत्यादि जीवनशैली जन्य विकारों में आयुर्वेदिय चिकित्सा ।	13-8-2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
6.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नाड़ीपरीक्षा का व्यावहारिक परीक्षण ।	26-8-2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।

7.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जीवनशैली जन्य विकार एवं आयुर्वेदिय चिकित्सा	30–8–2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
8.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लासिकल क्लिनीकल प्रॅक्टिस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमेह ।	24–9–2016	तिलक आयुर्वेद महाविद्यालय, पुर्ण द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम ।
9.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल प्रॅक्टिस ऑफ वेरियस स्कुल्स ऑफ बंगाल ।	23-10-2016	आर्य वैद्य फार्मेसी कोयम्बटूर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम।
10.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जीवनशैली जन्य विकार एवं आयुर्वेदिय चिकित्सा	5-10-2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
11.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेद में आहार सिद्धान्त – जीवनशैली जन्य व्याधियों में आहार ।	5-10-2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
12.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रमेह – आयुर्वेद विचार ।	6-11-2016	राजस्थान आयुर्वेद विज्ञान परिषद, जयपुर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम ।
13.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सप्लोरेशन ऑफ वैल्थ ऑफ क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन बंगाल ।	12-13 नवम्बर 2016	जाधवपुर विश्वविद्यालय, बंगाल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम ।
14.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रॅक्टिकल डेमोन्सट्रेशन ऑफ चेंटिंग ऑफ माधवनिदान ।	12-13 नवम्बर 2016	जाधवपुर विश्वविद्यालय, बंगाल द्वारा आयोजित (NSAYA) एक कार्यक्रम ।
15.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	लाईफ स्टाईल डिस्आर्डर एण्ड दैयर आयुर्वेदिय ट्रीटमेन्ट।	नवम्बर 2016	आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।
16.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	लाईफ स्टाईल डिस्आर्डर एण्ड दैयर आयुर्वेदिय ट्रीटमेन्ट।		आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित प्रशिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम।

17.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बेसिक प्रीन्सिपल्स, हिस्ट्री ऑफ एवोल्यूशन ।	9-1-2017	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा कोरियन छात्रों हेतु आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम।
18.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेद की वर्तमान दशा व दिशा ।	1-7-2016	विश्व आयुर्वेद परिषद, लखनऊ, उ. प्र.
19.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रकृति, जन्म देश, देह एव मानस ।	13-1-2017	कोरियन छात्रों हेतु आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान ।
20.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मधुमेह का विश्लेषणात्मक अध्ययन ।	05-02-2017	संभाषा – 2017 राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर ।
21.	डॉ. गोविन्द पारीक असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पदार्थ विज्ञान का चिकित्सात्मक अध्ययन ।	16-03-2017	विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज, बिजनौर उ. प्र.

परियोजनाऐं : विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाऐं चलाई गयी जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:-

Projects: Following Research Projects has been undertaken by the Teachers of the Department. The details of which are given below:

- आयुर्वेद के अध्यापकों हेतु श्रव्य-दृश्य रिपोजिटरी/संग्राहलय – डॉ. असित कुमार पांजा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ।
- अष्टांगहृदय शब्दों का सूचीकरण (संदर्भ आधारित शब्दकोष परियोजना) – डॉ. असित कुमार पांजा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ।
- प्रकृति मूल्यांकन प्रश्नावली/मान की मान्यता – डॉ. असित कुमार पांजा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई –

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	1. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के आयुर्वेद संकाय के सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । 3. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बिया महाविद्यालय, नई दिल्ली में बाह्य परीक्षक के रूप में परीक्षायें सम्पन्न कराई गयी । 4. संस्थान की क्रय समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 5. संस्थान की आचार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। 6. पुस्तकालय के प्रबन्ध हेतु गठित समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। 7. पुस्तकालय के प्रबन्ध हेतु गठित समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। 8. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरुद्ध कार्य स्थल पर सुरक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 9. अनुसूचितजाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के देखरेख अधिकारी । 10. संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 के दौरान आयोजित संभाषा की आहार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 11. आरओटीपी एवं सीएमई कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया।
2.	डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. सामान्यजन हेतु शास्त्रीय आयुर्वेद ज्ञान के हेतु पाण्डुलिपि इकाई चलाई जा रही है । 2. डब्ल्यू.एच.ओ. की आयुष व्याधियों के वर्गीकरण विषयक परियोजना विशेष विषय विशेषज्ञ के रूप में आयुष मंत्रालय द्वारा मनोनीत किया गया । 3. आयुर्वेद पाण्डुलिपियों का पता लगाने के लिए आयुर्वेद जोन स्थित तीन पाण्डुलिपि पुस्तकालयों का दौरा किया गया । 4. कोलकाता में 1-4 दिसम्बर, 2016 तक आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस (आयुष कार्यक्रम) के पाण्डुलिपियाँ एवं तन्त्रयुक्ति विषयक सत्र के सह-समन्वयक के रूप में कार्य किया गया । 5. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन के आयोजक के रूप में कार्य किया गया । 6. एनआईए द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को आयोजित संभाषा के संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया गया । 7. एनआईए की ई-चिकित्सालय प्रबन्धन समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया गया । 8. एनआईए की ई-पुस्तकालय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया। 9. एनआईए की आई-टी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 10. एनआईए की एनएबीएच हेतु सुविधा प्रबन्धन एवं सुरक्षा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 11. संस्थान के जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक के रूप में कार्य किया । 12. आईपीजीटीआरए, जामनगर द्वारा प्रकाशित आयु के सह-सम्पादक । 13. वैद्य परम्परा में प्रमुख सम्पादक । 14. आयुर्वेद लाईन, बैंगलौर के सम्पादकीय परामर्शक । 15. आरओटीपी एवं सीएमई कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया। 16. 28-10-2016 को आयुर्वेद दिवस के अवसर पर प्राकृतिक चिकित्सालय, जयपुर में आयोजित मधुमेह जागरुकता शिविर में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. गोविन्द पारीक	1. स्नातकोत्तर छात्रावास के होस्टल वार्डन के रूप में कार्य किया गया । 2. विभागीय पुस्तकालय, एन्टी-रेगिंग समिति, छात्र कल्याण समिति के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 3. दिसम्बर 2016 में उदयपुर जिला में आयोजित 6 दिवसीय चल चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया । 4. 1 से 4 दिसम्बर, 2016 को वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस के दौरान आयोजित

		चल चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया ।

पुरस्कार

डॉ. गोविन्द पारीक, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'बेस्ट सिटीजन अवार्ड एवं धन्वन्तरी सम्मान' प्रदान किया गया ।

****

पंचकर्म विभाग

परिचय – यह विभाग स्नातकोत्तर विभाग है । आयुर्वेद में मुख्यत: रोगी की या तो संशोधन अथवा संशमन चिकित्सा विधि द्वारा चिकित्सा की जाती है। पंचकर्म चिकित्सा में शोधन की पांच विधाओं जैसे वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य तथा रक्तमोक्षण को समाहित किया गया है । इसके अतिरिक्त, दूसरी विभिन्न अन्तरंग एवं बाह्य विभिन्न रोगों मुख्यत: मस्कुलो-स्केलेटल, नाड़ीतंत्र, त्वक, उर्जातंत्र, जीवन-शैली, अनुर्जता, श्वसन तंत्र आदि सम्बन्धित रोगों की पंचकर्म द्वारा प्रभावी चिकित्सा की गई। विभाग लगभग सभी प्रकार के रोगियों को चिकित्सा कर समाज को अपनी सेंवाये प्रदान कर रहा है । यह रोगप्रतिरोधक एवं स्वास्थ्य संवर्धन औषधि के रूप में भी सेवायें दे रहा है। यह रोगियों की पंचकर्म के माध्यम से चिकित्सा प्रदान कर अन्य विभागों को सहायता प्रदान करता है ।

विभागान्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्येताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा इसमें नियमित पीएच. डी. पाठ्यक्रम चलाया जाता है । विभागान्तर्गत 4 माह का पंचकर्म अटेण्डेन्ट कोर्स चलाया जा रहा है । इनमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. स्तर पर शोध कार्य कराये जाते हैं जिनमें मुख्यत: विभिन्न रोगों का प्रबन्ध यथा रुमेटोइड आर्थाराइटिस (गठिया), कटिस्नायुशूल, पक्षाघात, मधुमेह, सोरायसिस, उच्च रक्तचाप, स्थूलता, यौन रोग, डिसलिपिडेमिया आदि रोग है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को पंचकर्म विषय में आत्ययिक चिकित्सा, रसायन, वाजीकरण, मानसरोग तथा पंचकर्म का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । दैनिक अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के अतिरिक्त छात्रों को पंचकर्म में बेड-साईड क्लिनीक में व्यस्त रखा गया।

ब) स्नातकोत्तर – स्नातकोत्तर अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

शोध – आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. भावना कुमारी	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	'ए कम्परेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ शमन स्नेहपान एण्ड यापन बस्ति विथ अस्थिश्रृखंलादि घृतम एण्ड अश्वगंधा क्षीरपाक फोलोवड बाई आभादि चूर्ण इन मैनेजमेन्ट ऑफ अस्थिक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टियोपोरोसिस'
2	डॉ. अलका यादव	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	'ए क्लिनिकल कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ वमन, विरेचन, सारिवादि घनवटी एण्ड वटपत्रादि लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मुखदूषिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एक्नी वल्गारिज़'

3	डॉ. नीरज मेहरा	डॉ. एस. एन. शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ कटिबस्ति विथ श्वदंष्ट्रादि तैल एण्ड एरण्डादि काल बस्ति इन मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साईटिका ।
4	डॉ. अमित कुमार	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनिकल स्ट्डी टू एवेलयुएट द् रोल ऑफ जानू बस्ति एण्ड मात्रा बस्ति अलोंग विथ आदित्यपाक गुग्गुलू इन मैनेजमेन्ट ऑफ जानुसंधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ऑस्टियोआर्थराइटिस ऑफ नी ज्वाइन्ट ।
5	डॉ. गौरी शंकर भूमिक	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ वमन एण्ड विरेचन कर्म फोलोव्ड बाई कुष्ठघन महाकषाय इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एकमुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराईसिस ।
6	डॉ. बशीर अहमद खानडे	डॉ. श्रीनिवास शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन ऑपन लेवल रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ द् एफिकेसी ऑफ सद्यो विरेचन एण्ड बस्ति विथ एरण्ड तैल एण्ड वैतरण बस्ति रेस्पेक्टिवली अलांगविथ अमृतादि चूर्ण एण्ड बालूका स्वेदन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमोटोइड आर्थेराइटिस ।
7	डॉ. मनोरी जूवानेता जान्स	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ कटिबस्ति विथ बलातैल एण्ड एरण्डमूल निरुहबस्ति अलांग विथ एरण्डपाक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिशूल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर स्पोन्डीलोसिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर एवं जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. कपिल शर्मा	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ क्षीरबलादि तैल मात्राबस्ति एण्ड एरण्डमूलादियोगबस्ति फोलोव्ड बाई रास्नागुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू गृध्रसी ।
2.	डॉ. सुनील कुशवाह	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ त्रिफलाविडंगादि लेखन बस्ति एण्ड विडंगादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
3.	डॉ. चम्पक कुमार पाठक	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ क्षीरबलातैल इन मात्राबस्ति एण्ड जानुपिचु अलांग विथ अश्वगंधाशतावरीक्षीर पाक इन मैनेजमेन्ट ऑफ जानू संधिगतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेआर्थराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।
4.	डॉ. अर्चना कुशवाह	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ विरेचन एण्ड उत्तरबस्ति अलांग विथ योग बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इन्फर्टेलिटी ।
5.	डॉ. अमृता	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् ऑफ इफेक्ट ऑफ वमन कर्म, विरेचन कर्म, फोलोवड बाई व्याघहरी हरीतकी रसायन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोन्क्रियल अस्थमा ।
6.	डॉ. गोविन्द कुमावत	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वमन एण्ड विरेचन कर्म एण्ड फोलोवड बाई आरग्वध पत्र लेप विथ समान योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ किटिभ कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराईसिस ।
7.	डॉ. नीशु	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् रोल ऑफ षडबिन्दू सर्पि नस्य एण्ड षडबिन्दू सर्पि पान इन अर्द्धविभेदक (माईग्रेन) ।
8.	डॉ. अनील सोनी	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वमन कर्म विथ टू डिरेन्ट वमक योग एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मण्ड़ल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराईसिस ।
9.	डॉ. ज्योति बाला दामर	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ जानू बस्ति एण्ड मात्राबस्ति विथ श्वदंष्ट्रा तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानु संधिगतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेआर्थराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।
10.	डॉ. कृष्णा	डॉ. एन. एस. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ इफेक्ट ऑफ गुडूची भद्र मुस्तादि लेखन बस्ति एण्ड गुडूची भद्र मुस्तादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
11.	डॉ. अनुराग	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेयर द् एफिकेसी ऑफ जानू धारा एण्ड मात्रा बस्ति विथ सहचर तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानू संधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टियोआर्थेराइटिस ऑफ नी ज्योइन्ट ।
12.	डॉ. सुमन	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द्

		असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ मात्रा बस्ति एण्ड कटि बस्ति विथ सहचर तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिग्रह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर स्पोन्डीलोसिस ।
13.	डॉ. राम प्रबोध चौधरी	डॉ. एन. एस. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ सहचर तैल मात्रा बस्ति एण्ड पत्रपिण्ड स्वेदन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रृधसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइटिका ।
14.	डॉ. नीरज सोनी	डॉ. एन. एस. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेयर द् एफिकेसी ऑफ ग्रीवा बस्ति विथ अश्वगंधा तैल एण्ड लेपन विथ वाजीगंध कल्क इन ग्रीवा स्तम्भ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक**	**शोध विषय**
1.	डॉ. निर्मल भूसाल	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ वमनोत्तर विरेचन कर्म, द्रव्यादि घनवटी एण्ड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन प्रमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्री–डायबिटिज ।
2.	डॉ. सुर्य प्रकाश	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू ऐसेस द् सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ वमन एण्ड विरेचन कर्म फोलोवड बाई क्षीर घृत रसायन इन हैल्दी इंडिविज्यूअल्स ।
3.	डॉ. उज्वला सम्धन हीवाले	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ ट्रीटमेन्ट एज पर चिकित्सासूत्र, नित्य विरेचन, इन्दुकान्त घृत एण्ड अमृतादि गुग्गुलू इन आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमोटाईड अर्थेराइटिस ।
4.	डॉ. संगीता शर्मा	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्टेण्डर्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू वमन कर्म एण्ड कोषात्क्यादि कफनाशक बस्ति फोलोवड बाई दीपनीय महाकषाय घनवटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमांद्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म ।

चिकित्सकीय कार्य :–

इस विभाग द्वारा अन्तरंग एवं बहिरंग चिकित्सालयों में पंचकर्म चिकित्सा द्वारा बालपक्षाघात, पक्षाघात, आमवात, सन्धिवात, कटिशूल, हृदयशूल, शिर:शूल एवं त्वचा के रोगियों को उपलब्ध कराई गई ।

पंचकर्म की विभिन्न विधाओं से चिकित्सा करने हेतु पुरुष तथा महिलाओं के लिए पृथक्–पृथक् व्यवस्थायें है। आलोच्य वर्ष के दौरान पंचकर्म की विभिन्न विधाओं तथा पद्धतियों जैसे अभ्यंग (स्नेहन), नस्य, शिरोधारा, अनुवासन बस्ति, कटि बस्ति, नाड़ी स्वेदन, शिरो अभ्यंग, शिरो बस्ति, वमन, विरेचन, सर्वांग स्वेदन, निरूह बस्ति, षष्ठीशालीपिण्डस्वेद, पत्र पिण्ड् स्वेद आदि द्वारा चिकित्सा की गई । सभी पंचकर्म उपचार विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण रोगियों को दिये गये ।

आलोच्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित 95,535 कर्म किये गये जिनमें स्नेहन, अभ्यंग, नाड़ी स्वेदन, सर्वांग स्वेदन, पत्र पिण्ड स्वेदन, शाष्ठिकशाली पिण्ड स्वेद, शिरो धारा, शिरो बस्ति, कटि बस्ति, वमन कर्म, विरेचन कर्म, निरुह बस्ति, अनुवासन बस्ति, नस्य कर्म, व्यायाम, उदवर्तन, जलौका, पिच्छिल, रक्तमोक्षण, यूएस, ट्रक्शन आदि सम्मिलित हैं । आलोच्य वर्ष के दौरान, पंचकर्म के द्वारा शोधन के निमित्त जो औषधियाँ दी गई उनका शरीर शुद्धि के साथ शरीर पर रसायन और वाजीकरण के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुये । अन्तरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 22,551 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 1,192 नवीन पञ्जीकृत थे । बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 25,702 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 13,802 नवीन पञ्जीकृत थे उच्चाधिकारियों, विशिष्ट आगुन्तकों, विदेशियों आदि की चिकित्सा हेतु यहाँ एक सुसज्जित विशिष्ट इकाई है।

साप्ताहिक संगोष्ठियाँ –

जर्नल, शोध-महानिबन्ध तथा नैदानिक मामलों के प्रस्तुतिकरण से सम्बन्धित विषयों पर विभागीय तथा अन्तर-विभागीय स्तर पर साप्ताहिक संगोष्ठियाँ नियमितरूप से आयोजित की गई । साप्ताहिक संगोष्ठियों में विभाग के अध्येताओं ने सक्रियता से भाग ले कर अध्यापकों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध-कार्य का प्रस्तुतिकरण किया । विभागीय अध्यापकों द्वारा इन संगोष्ठियों में विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ कपाल भाति एण्ड मेदोवह अर्क इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य (ओबेसिटी)	आईजेएपीआर वाल. 4, इश्यू 4 अप्रैल 2016
2.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्ड ऑफ योगिक कर्म (शंख-प्रक्षालय एण्ड आसन) एण्ड स्पाईको-कल्प इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डी.एम. टाईप-2) ।	आईएएमजे वॉल. 4, इश्यू 5 मई 2016
3.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एप्रोच इन ऑरल हैल्थ एण्ड हाईजीन : ए रिव्यु ।	आईजेएपीआर मई 2016 वॉल. 4, इश्यू 5
4.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पंचकर्म एण्ड रसायन इन होलेस्टीक हैल्थ ।	एलेमेन्ट्स आयुर्वेद, हैल्थ एण्ड न्युट्रीशन वॉल. 14(1), 2016 ISSN#1557-0592
5.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एप्रोच इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्पोइन्सेरेबैलर अटेक्सिया-2	एनशिएन्ट साईन्स ऑफ लाईफ 2016, 35
6.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एप्रोच फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ एन्काइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस : ए केस रिपोर्ट ।	जेएआईएम 2016, 7
7.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विजयन्थमल एट अल : फार्मेस्युटिको एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ जीवन्तयादि यमक ।	एएएमजे 2016, 2
8.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक जेनेटिक्स - ए रिव्यू	जर्नल ऑफ आयुर्वेद 2014, 8(4)
9.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पंचकर्म प्रोसिजर्स अलांग विथ त्र्योदशांग गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिशूल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर स्पोन्डीलोसिस ।	आईजेआरएपी जुलाई-अगस्त 2016 वॉल. 7 (4)
10.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ	आईजेएपीआर

		गन्धक रसायन ।	20116, 4(7)
11.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ क्षीर बस्ति एण्ड क्षीर पाक ऑफ बल्य ड्रग्स ऑन कृश ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद 2015, 9(1)
12.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ राज यापन बस्ति विथ रेफरेन्स टू दूचैने मस्कूलर डिस्ट्रोफी - ए रिव्यू ।	आईजेआरएपी सितम्बर-अक्टूबर 2016, 7
13.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ द् रोल ऑफ नस्य कर्म एण्ड शिरोधारा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्द्धविभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माईग्रेन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद 2015, 9(2)
14.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ स्पोन्डीलोसिज़ियल डिस्लिपिडेमिया टार्ड - ए रेयर हेरेडिटरी डिस्आर्डर।	जेएआईएम 2016, 7
15.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पंचकर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एवास्कूलर नेक्रोसिस ऑफ हैड ऑफ फीमर ।	डब्लयूजेपीएलएस 2016, 2(6)
16.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट इन सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस माइलोपैथी ।	जेएआईएम 2016, 8

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में संकाय सदस्यों द्वारा सहभागिता -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये शोध पत्र का शीर्षक
1.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मलेशियाई मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 7 मई 2016 को आयोजित इंटरनेशनल एविडेन्स बेस्ड ट्रेडिशनल एण्ड कम्पलीमेन्ट्री मेडिसिन विषयक संगोष्ठी ।	साक्ष्य आधारित आयुर्वेद ।
2.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टी एंड सीएम डिवीजन, स्वास्थ्य मंत्रालय, मलेशिया द्वारा 23-27 मई 2016 आयोजित डवलपमेन्ट कम्पीटेंसी एन्हान्समेन्ट मॉड्यूल विषयक कार्यशाला ।	टीआईएम (पारंपरिक भारतीय चिकित्सा) मौजूदा प्रैक्टिशनर के लिए सिद्ध चिकित्सा क्षमता बढ़ाने के मॉड्यूल को विकसित करना।
3.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टी एंड सी डिवीजन, स्वास्थ्य मंत्रालय, मलेशिया द्वारा 23-27 मई 2016 को आयोजित अच्छे अभ्यास दिशानिर्देश के लिए मैनुअल विकास विषयक कार्यशाला ।	मर्म थेरेपी पर अच्छे अभ्यास दिशा-निर्देश के लिए मैनुअल का विकास करना ।
4.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडियन कल्चरल सेन्टर, भारत का उच्चायोग, कुआलालाम्पुर, मलेशिया द्वारा 9-7-2016 को आयोजित आयुर्वेद एण्ड योग फॉर होलिस्टिक हैल्थ	दिनचर्या : आयुर्वेदिक एप्रोच टू हैल्दी लाईफ ।

		विषयक कार्यशाला ।	
5.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कंसुरविवे सेंटर मलेशिया बिरहाद, मलेशिया द्वारा आयोजित कैंसर के लिए होलिस्टिक हीलिंग पर 6ठवां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	--
6.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडियन कल्चरल सेन्टर, भारत का उच्चायोग, कुआलालाम्पुर, मलेशिया द्वारा 9-7-2016 को आयोजित आयुर्वेद एण्ड योग फॉर होलिस्टिक हैल्थ विषयक कार्यशाला ।	--
7.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडियन कल्चरल सेन्टर, भारत का उच्चायोग, कुआलालाम्पुर, मलेशिया द्वारा 9-7-2016 को आयोजित आयुर्वेद एण्ड योग फॉर होलिस्टिक हैल्थ विषयक कार्यशाला ।	तनाव प्रबन्धन : आयुर्वेदिक पथ ।
8.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	एक पत्र प्रस्तुत किया ।
9.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा दिनांक 14-15 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित कार्यशाला ।	--
10.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषय कार्यशाला ।	--
11.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।	--

आरओटीपी में वार्ताऐं/सीएमई/सम्मेलन/संगोष्ठियों में दिये गये अतिथि व्याख्यान –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का विवरण	अतिथि व्याख्यान/वार्ता का विषय
1.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मलेशियाई मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 7 मई 2016 को आयोजित इंटरनेशनल एविडेन्स बेस्ड ट्रेडिशनल एण्ड कम्पलीमेन्ट्री मेडिसिन विषयक संगोष्ठी ।	साक्ष्य आधारित आयुर्वेद ।
2.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	होस्पिटल पोर्ट डिकसन, पोर्टडिकसन, मलेशिया द्वारा 22 अप्रैल 2016 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	आयुर्वेद
3.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	होस्पिटल पोर्ट डिकसन, पोर्टडिकसन, मलेशिया द्वारा 18 दिसम्बर 2015 को आयोजित को आयोजित सीएमई एण्ड प्रमोशन ऑफ आयुष स्कॉलरशिप विषयक कार्यक्रम ।	आयुर्वेद
4.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जोहोर स्टेट, स्वास्थ्य विभाग, जोहोर भारु, मलेशिया द्वारा 18 मई 2016 को आयोजित आयुर्वेदिक थेरेपी विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	आयुर्वेद विषय पर 4 अतिथि व्याख्यान ।
5.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	होस्पिटल रिहैबिलीएशन चेरस, चेरस, मलेशिया द्वारा 19 अगस्त 2016 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	आयुर्वेद
6.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडियन कल्चरल सेन्टर, भारत का उच्चायोग, कुआलालाम्पुर, मलेशिया द्वारा 9-7-2016 को आयोजित आयुर्वेद एण्ड योग फॉर होलिस्टिक हैल्थ विषयक कार्यशाला ।	दिनचर्या : आयुर्वेदिक एप्रोच टू हैल्दी लाईफ ।
7.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडियन कल्चरल सेन्टर, भारत का उच्चायोग, कुआलालाम्पुर, मलेशिया द्वारा 9-7-2016 को आयोजित आयुर्वेद एण्ड योग फॉर होलिस्टिक हैल्थ विषयक कार्यशाला ।	दिन चर्या (दैनिक चर्या में आयुर्वेद)
8.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंडियन कल्चरल सेन्टर, भारत का उच्चायोग, कुआलालाम्पुर, मलेशिया द्वारा 9-7-2016 को आयोजित आयुर्वेद एण्ड योग फॉर होलिस्टिक हैल्थ विषयक कार्यशाला ।	तनाव प्रबन्धन : आयुर्वेदिक पथ ।
9.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्कूल - सेक. मेन. सेन्स कोटो तिग्नी, जोहोर भारू द्वारा जोहोर स्टेट, स्वास्थ्य विभाग, जोहोर भारु,	केरियर टॉक ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिनल इंडियन मेडिसिन : प्रोफेशनलिज्म एण्ड वैलनेस थेरेपी

		मलेशिया द्वारा 17 मई 2016 को आयोजित कार्यक्रम ।	एण्ड प्रमोशन ऑफ आयुष स्कॉलरशीप ।
10.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	केरियर टॉक ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिनल इंडियन मेडिसिन : प्रोफेशनलिज्म एण्ड वैलनेस थेरेपी एण्ड प्रमोशन ऑफ आयुष स्कॉलरशिप ।	जोहोर स्टेट डिपार्टमेन्ट ऑफ हैल्थ जोहोर भारु, मलेशिया द्वारा 19 मई 2016 को स्कूल - सेकोल्ह टून फातिमा, जोहोर भारु में आयोजित कार्यक्रम ।
11.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	12 जून 2016 को मलेशिया में आयोजित कार्यक्रम ।	आयुर्वेद एण्ड योग फॉर स्ट्रेस मैनेजमेन्ट एण्ड प्रमोशन ऑफ आयुष स्कॉलरशिप ।
12.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मलेशिया में 20 जुलाई 2016 को आयोजित माई बॉडी माई ट्रेज़र विषयक स्वास्थ्य कार्यक्रम ।	तनाव प्रबन्धन के लिए आयुर्वेद एवं योग ।
13.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मलेशिया में 27 जुलाई 2016 को आयोजित माई बॉडी माई ट्रेज़र विषयक स्वास्थ्य कार्यक्रम ।	तनाव प्रबन्धन के लिए आयुर्वेद एवं योग ।
14.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोटेरी क्लब ऑफ पोर्ट डिक्सन पर्सटॉन कम्बन, मलेशिया में 8 सितम्बर 2016 को आयोजित कार्यक्रम।	तनाव प्रबन्धन के लिए आयुर्वेद एवं योग ।
15.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 29 जुलाई 2016 को आयोजित कार्यक्रम।	नस्य का व्यवहारिक अनुप्रयोग ।
16.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 19 अगस्त 2016 को आयोजित कार्यक्रम।	बस्ति का व्यवहारिक अनुप्रयोग ।
17.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय द्वारा 1 अगस्त 2016 को आयोजित कार्यक्रम।	बस्ति का व्यवहारिक अनुप्रयोग ।

नि:शुल्क ओस्टेओपोरोसिस (बीएमडी) शिविर

विभाग द्वारा 5-10-2016 को नि:शुल्क ओस्टेओपोरोसिस (बीएमडी) शिविर आयोजित किया गया जिसमें 130 रोगियों को नि:शुल्क परामर्श एवं औषधियाँ प्रदान की गई । तीन माह पश्चात 7-3-2017 को दूसरा नि:शुल्क ओस्टेओपोरोसिस (बीएमडी) शिविर आयोजित किया गया जिसमें 124 से अधिक रोगियों ने नि:शुल्क परामर्श, जांच एवं औषधियाँ प्राप्त कर लाभान्वित हुए । रोगियों पर औषधि के परिणामों का निष्कर्षित किया गया ।

अवार्ड्स:

- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने मलेशिया के मलेशिया की एक ऐसोसिएशन कमेटी से माननीय सीनेटर ए. कोहिलन पिल्लई, विदेशी मामलों के उप-मंत्री द्वारा 10-1-2016 को मलेशिया में प्रतिनियुक्ति अवधि के दौरान दी गई श्रेष्ठ सेवाओं हेतु **आयुर्वेद रत्न** मानद अवार्ड प्राप्त किया ।

- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को 22-5-2016 को मलेशिया में आयोजित एक कार्यक्रम में 'Pesta Sastera Kamban 2016' अवार्ड से सम्मानित किया गया ।
- डॉ. निर्मल भूसल, पीएच.डी. अध्येता ने लखनऊ में 4-6 नवम्बर 2016 को आयोजित परिपूर्ण स्वास्थ्य हेतु एकीकृत चिकित्सा विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रजेन्टेशन कर द्वितीय पुरुस्कार प्राप्त किया ।
- डॉ. निर्मल भूसल, पीएच.डी. ने दिसम्बर 2016 में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कॉंग्रेस एवं आरोग्य एस्पो में लाईफ स्टाईल मॉडिफिकेशन इन प्री डॉयबिटीज : ए स्टेप इन प्रीवेंटिंग डॉयबिटीज बर्डन विषय पत्र प्रस्तुत कर बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त किया ।
- डॉ. अमृता भट्टराय, एम.डी. अध्येता ने मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-19 मार्च 2016 को आयोजित भूमण्ड़लीकृत आयुर्वेद : आगामी दशक में अवसर एवं चुनौतियाँ विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मैनेजमेन्ट ऑफ डॉयबेटिक न्युरोपेथी थ्रू पंचकर्म अलांग विथ इन्टरनल मेडिसिन - ए केस स्ट्डी विषयक मौखिक प्रस्तुति देकर बेस्ट ओरल प्रजेन्टेशन अवार्ड प्राप्त किया ।

विविध गतिविधियाँ -

(1) संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न 6 दिवसीय चलचिकित्सा शिविरों में विभाग के अध्यापकों ने भाग लेकर नि:शुल्क परामर्श तथा नि:शुल्क औषधियाँ वितरित की गई । जयपुर तथा इसके आप-पास के क्षेत्रों में आयोजित एक दिवसीय चलचिकित्सा शिविरों में भी भाग लिया गया ।

(2) अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों जिनमें माननीय सांसद एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारीगण सम्मिलित है को पंचकर्म चिकित्सा उपलब्ध कराई गयी ।

(3) आयुष मंत्रालय ने आईटीईसी प्रोग्राम के अन्तर्गत डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को स्वास्थ्य मंत्रालय, मलेशिया में प्रतिनियुक्ति प्रदान की गई ।

****

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग

परिचय : विभाग द्वारा पीएच.डी.(आयुर्वेद), स्नातकोत्तर (आयुर्वेद धन्वन्तरि), स्नातक (आयुर्वेदाचार्य) तथा आयुष नर्सिग एवं फार्मेसी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का अध्यापन कराया एवं प्रशिक्षण दिया जाता है । आयुर्वेद धन्वन्तरि तथा आयुर्वेद विद्या वारिधी अध्येताओं के माध्यम से विभिन्न शोध-गतिविधियाँ सम्पन्न की जाती है । प्रसूति तंत्र में शरीर, गर्भ, गर्भिणी, प्रसव तथा सूतिका से सम्बन्धित प्राकृत एवं वैकृत कार्य तथा स्त्री रोग विज्ञान में रजोदर्शन और स्त्री जननांग सम्बन्धित रोग आदि के उपचार कार्य किये जाते हैं। विभाग की प्रसूति-इकाई द्वारा गर्भिणी महिलाओं की विभिन्न स्थितियों यथा गर्भिणी परीक्षण, गर्भिणी परिचर्या, प्रसव कर्म, सूतिका परिचर्या तथा महिला कल्याण के कार्य आयुर्वेद चिकित्सा एवं परिचर्या प्रदान कर सम्पन्न किये जाते हैं । विभाग द्वारा विभिन्न आयुर्वेदिक कर्म यथा - उत्तर बस्ति (योनिगत, गर्भाशयगत एवं मूत्राशयगत), क्षारकर्म, योनि-प्रक्षालन, पिचु, अनुवासन बस्ति, पोट्टली आदि महिला रोगियों पर उपचार के रूप में किये जाते हैं । विभिन्न शल्य कर्म यथा ई.बी., पॉलीपेक्टोमी, ट्यूबल लीगेशन, हिस्टेरेक्टॉमी (एब्डोमिनल एण्ड वैजीनल) तथा ऑपरेशन द्वारा प्रसव आदि किये जाते हैं तथा महिला रोगियों को परिवार नियोजन के उद्श्य से गर्भनिरोधक यथा कॉपर-टी उपयोग में लेने की सलाह प्रदान की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 एसोसियेट प्रोफेसर तथा 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें । विभाग में 1 परामर्शक कार्यरत रहे ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक कार्य -

वर्ष के दौरान, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. के छात्रों एवं अध्येताओं को प्रसूति-स्त्री रोग विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

शोध कार्य - आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि अध्येताओं ने शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नेहा चन्सोरिया	प्रो. चन्दनमल जैन प्रोफेसर डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ 'अपामार्ग क्षार' एण्ड 'कुष्ठादि चूर्ण' अलांगविथ 'हयमारादि तैल' पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ रेफरेन्स टू सरवाइकल इरोजन ।
2.	डॉ. मीनाक्षी नागर	प्रो. चन्दनमल जैन प्रोफेसर डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ 'करञ्ज चूर्ण' एण्ड 'करञ्ज तैल योनि पिचु' इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ श्वेतप्रदर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ल्यूकोरिया।
3.	डॉ. उपासना शर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रेण्डोमॉइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रॉयल ऑन इफेक्ट ऑफ विजयादिवटी ऑन कष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।
4.	डॉ. शीतल चिंचालकर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ 'फल घृत' उत्तरबस्ति इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इनफर्टिलिटी ।

5.	डॉ. संदीप कौर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ 'तिलमूलादि क्वाथ' एण्ड 'रज:प्रवर्तनी वटी' ऑन आर्तवक्षय ।
6.	डॉ. प्रियंका कश्यप	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ 'मात्रा बस्ति' एण्ड योनि पिचु इन सुखप्रसव ।
7.	डॉ. सोनू वर्मा	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ 'कृष्णादि चूर्ण' एण्ड 'त्वगादि क्षीरपाक' एलांग विथ 'पंचवल्कलादि तैल पिचु' इन परिप्लुता योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पेल्विक इन्फलेमेटरी डिज़िज ।
8.	डॉ. सुशीला चौधरी	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कुटजाष्टक घन वटी एण्ड वासा-घन इन् द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी.
9.	डॉ. सुनीता वर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्टडी आफॅ रज:प्रवर्तनी वटी एण्ड 'त्रिवृतादितैल' अनुवासन बस्ति ऑन कष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रायमरी डिस्मेनोरिया ।
10.	डॉ. सोनिका पाल	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्टडी ऑफ 'निम्बादि' एण्ड यष्ट्यादि आइन्टमेंट ऑन इपिजियोटॉमी वून्ड" विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वून्ड हीलिंग ।
11.	डॉ. दीपिका बरनवाल	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्टडी टू एवेल्युएट द रोल ऑफ 'काशमर्यादिघृत' इन बन्ध्यत्त्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इनफर्टिलिटी ।
12.	डॉ. रामेश्वर चौधरी	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पैरेटिव स्टडी आफॅ 'मधुकादि लौहम्' एण्ड 'शतावरी मण्डूर' इन गर्भिणी पाण्डु ।
13.	डॉ. पिन्की चौहान	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ 'कासीसादि वर्ति' एण्ड पलाशादि वर्ति" इन द मैनेजमेंट ऑफ पिच्छिला योनि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एब्नार्मल वैजाइनल डिस्चार्ज ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक/सह-निर्देशक**	**विषय**
1.	डॉ. अदिति सोनकर	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी ऑफ शतपुष्पा चूर्ण एण्ड 'कृष्णादि चूर्ण' एलॉंग विथ 'धातक्यादि तैल' पिचु इन परिप्लुता योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इन्फ्लेमेट्री डिज़िज ।
2.	डॉ. हिना मेवाद	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पा चूर्ण एण्ड पिपल्यादि चूर्ण विद अश्वगन्धा क्षीरपाक इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इन्फर्टिलिटी।
3.	डॉ. सुरेश कुमार	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ हिंग्वादि चूर्ण एण्ड रज:प्रवर्तनी वटी ऑन कष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रायमरी डिस्मेनोरिया ।
4.	डॉ. इन्द्रेश	डॉ. बी. पुष्पलता	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑफ बिल्व

	भास्कर	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मज्जा चूर्ण एण्ड कुस्तुम्बरी कल्क इन गर्भिणी छर्दि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इमेसिस ग्रेविडेरम ।
5.	डॉ. स्वाति आल्हा	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ कण्डूघ्न महाकषाय चूर्ण एण्ड कुटज घन वटी एलॉंग विथ 'हयमारादि तैल' आन अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रुराइटिस वल्वी ।
6.	डॉ. रचना पोडेल	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ वासा घन एण्ड कुटकी घन इन द मैनेजमेंट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी. ।
7.	डॉ. उत्पल देबवर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ शतावरी चूर्ण एण्ड गुडुच्यादि चूर्ण आन रजोनिवृत्तिअवस्था विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोस्ट मिनोपोसल सिन्ड्रोम ।
8.	डॉ. सीमा पाण्डे	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी टू एवेल्युएट द इफिकेसी ऑफ ज्योतिष्मत्यादि योग एण्ड माधुतैलिक बस्ति ऑन नष्टार्तव ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि के निम्नलिखित अध्येताओं द्वारा अपने शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये गये है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मीमांसा	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ द्राक्षादि योग एण्ड कुटजाष्टक घन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्फंक्शनल यूटेराइन ब्लीडिंग : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
2.	डॉ. ज्योति जैन	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ Nashtartava विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोलीसिस्ट ओवेरियन सिन्ड्रोम (पीसीओएस) : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल ।
3.	डॉ. सुभद्रा कर्की	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ श्वेत प्रदर विथ लोकल एप्लीकेशन ऑफ Shatahvadi योग एण्ड पलाशादियोग : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एबनार्मल वेजीनल डिस्चार्ज ।
4.	डॉ. नीतू सिंह	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ बन्ध्यत्व विथ काश्मर्यादि घृत एण्ड बलादि चूर्ण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इनफर्टिलिटी - ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
5.	डॉ. लक्ष्मी गुप्ता	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तव कषाय विथ Tilashelukarvi क्वाथ एण्ड Venuparvadi क्वाथ : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
6.	डॉ. विश्वनाथ सिंह टेकम	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू विथ द्राक्षा घृत एण्ड लक्ष्मण लौह : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।
7.	डॉ. रेनू चौधरी	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ हिंग्वादि चूर्ण एण्ड त्रिवृतादि तैल अनुवासन बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्षार्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय

1.	डॉ. खुशबू जैन	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शोणितस्थापन महाकषाय एण्ड बोलबद्ध रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफंक्शनल यूटेराईन ब्लीडिंग ।
2.	डॉ. प्रियंका शर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ विजयादि वटी एण्ड कुबेररक्षादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक/सह-निर्देशक**	**विषय**
1.	डॉ. वर्षा सिंह	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शतावरी मण्डूर एण्ड सप्तामृत लौह इन गर्भिणी पाण्डु विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आईरन डिफिसिएन्सी एनीमिया इन प्रेग्नेन्सी ।
2.	डॉ. पूनम चौधरी	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ पथादि क्वाथ एण्ड कांचनारादि क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पीसीओडी।
3.	डॉ. सुरेश कुमार सोलंकी	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ अग्निकर्म विथ स्वर्ण शलाका एण्ड क्षारकर्म विथ स्नुही क्षार इन द मैनेजमेंट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाइकल इरोजन ।
4.	डॉ. जी.एम. काव्य	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ वयस्थापन गण एण्ड विदारीकन्द इन रजोनिवृत्ति विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोस्ट मेनापॉजल सिन्ड्रोम ।
5.	डॉ. मोनिका (मौलिक सिद्धान्त)	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	फन्डामेन्टल एण्ड क्लिनिकल स्टडी ऑफ अपानवैगुण्य इन उदावर्तिनीयोनिव्यापद इन द परव्यू ऑफ अपानम् च अनोलोम्येत् ।

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई। विभाग के अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल चिकित्सा शिविरों में अपनी सेवायें दी गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, स्त्री रोग, प्रसूति तंत्र आदि से सम्बन्धित विभिन्न रोगियों का निम्नलिखित आयुर्वेदिक कर्मो यथा उत्तर बस्ति, क्षार कर्म, योनिप्रक्षालन, पिचु, अनुवासन बस्ति, पोटली आदि द्वारा सगर्भा, गर्भाशय मुखगत व्रण, फलीनी, बन्ध्यत्व, गर्भाशय भ्रंश, श्वेतप्रदर, कर्णिनी योनिव्यापद, आचरण, मूत्रकृछ, श्रोणीशोथ के रोगियों का विभाग द्वारा उपचार किया गया । आलोच्य वर्ष के दौरान विभिन्न व्याधियों यथा अनार्तव, आर्तवक्षय, आर्तवदुष्टी, श्वेतप्रदर, रक्तप्रदर, बन्ध्यत्व, गर्भाशय भ्रंश, गर्भाशय अर्बुद, गर्भाशय शोथ, बीजग्रन्थिजन्य सिस्ट (ओवेरियन सिस्ट), श्रोणिशोथ (श्रोणि-प्रदेश से सम्बन्धि विकारों) तथा रज:कृच्छ से पिड़ित रोगियों की चिकित्सा की गई । महिलाओं हेतु विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियाँ आयोजित की गई । 6658 आयुर्वेदिक कर्म निष्पादित किये गये :-

क्र.सं.	व्याधि/दिये गये कर्म	अनुवासन बस्ति	पिचु	पोटली	उत्तरबस्ति	मात्रा बस्ति	बस्ति	व्रणोपचार	योनि प्रक्षालन	फेरम टेस्ट/ए सबी टेस्ट	क्षारकर्म/एलए
1.	सगर्भा	155	99	-	-	-	-	-	-	-	-

2.	आर्तव		97	-	-	178		-	-	-	-
3.	पूर्वरजोनिवृत्ति विकार	-	279	-	-	22	-	-	-	-	-
4.	बन्ध्यत्व	-	542	-	230	-	719	-	-	213	-
5.	गर्भाशय भ्रंश	-	176	25	-	-	-	-	-	-	-
6.	श्वेतप्रदर	-	145	-	-	-	-	-	56	-	-
7.	कर्णिनी योनिव्यापद	-	2489	-	-	-	-	-	-	-	474
8.	अचरणा	-	145	103	-	-		-	-	-	-
9.	मूत्रकृच्छ	-	71	-	-	-	63	-	41	-	-
10.	श्रोणिशोथ	-	-	-	-	-		-	-	-	-
11.	सूतिका/स्थौल्य	-	-	-	-	-	50	-	-	-	-
12.	स्तनविद्रधी/ परिकर्तिका	-	-	-	-	-	-	51	-	-	-
13.	असृग्दर	-	-	-	-	-	145	-	-	-	-
14.	हीनार्तव	-	-	-	-	-	90	-	-	-	-
योग :		**155**	**4043**	**128**	**230**	**200**	**1067**	**51**	**97**	**213**	**474**

.

आलोच्य वर्ष के दौरान, विभाग द्वारा कराये गये सामान्य प्रसव एवं शल्य कर्मो की संख्या निम्न प्रकार से है:-

During the period under report, normal deliveries and other surgical procedures conducted by the Department are as under:

क्र.सं.	कर्म	कर्मो की संख्या
1.	सामान्य प्रसव	72
2.	एलएससीएस	26
3.	हीस्ट्रेकटॉमी	6
4.	कॉपर-टी इनसर्शन/रिमूवल	19
5.	अन्य	8

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कल्याणक घृत इन उत्तर बस्ति इन बन्ध्यत्व ।	आईएएमजे दिसमबर 2016, जनवरी 2017 2
2.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कल्याणक घृत इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवेरियन फेक्टर ।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 5, इश्यू 8 ISSN 2277-7105
3.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	रिव्यु ऑफ क्लिनीकल स्ट्डी ऑन रजोनिवृत्ति व्यापद ।	आईजेएमआरपीएस वॉल. 3, इश्यू 3 सितम्बर 2016 ISSN 2394-9414
4.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	एन इफर्ट टू अण्डरस्टेण्ड पीसीओएस इन आयुर्वेद कॉन्टेक्स्ट	आयुषधारा ISSN 2393-9583(P) 2393-9591(O)
5.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ अनुवासन बस्ति विथ पिचु एण्ड सुख प्रसवकर योग इन प्रॅग्नेंसी ऑन प्रोग्रेस ऑफ लैबर।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 5, इश्यू 4, 2016 ISSN 2277 -7105
6.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ सौमनस्यम गर्भधारणं श्रेष्ठं ।	अआईजेएपीआर मई 2016 वॉल. 4, इश्यू 5 ISSN:2322-0902(P) ISSN:2322-0910(O)
7.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् इफेक्ट ऑफ फल घृत ओरल एण्ड उत्तरबस्ति इन वन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इन्फर्टेलिटी ।	आईजेएएआर सितम्बर-अक्टूबर 2016 वॉल. 2, इश्यू 9 ISSN 2347-6362
8.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ कुटजघन वटी एण्ड योनीकण्डूहर मल्हर इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Pruritus Vulvae ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद सितम्बर 2016 ISSN 2321-0435
9.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ कुटजघन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Pruritus Vulvae ।	आईएएमजे मई 2016 वॉल. 4, इश्यू 5 ISSN:2320 5091
10.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ योनिकण्डूहर मल्हर इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Pruritus Vulvae ।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 5, इश्यू 6 2016 ISSN 2277-7105
11.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	केस स्ट्डी ऑफ फलोपीन ट्यूबल ब्लोक विथ धान्वन्तरम तैल उत्तरबस्ति एण्ड योनीपिचु ।	आईजेएपीआर वॉल. 3, इश्यू 12 दिसम्बर 2015
12.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ कृष्णादि चूर्ण एण्ड पंचवल्कादि तैल पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ परिप्लुता योनिव्यापद (पेल्विक इन्फलेमेटरी डिज़िज) : ए पायलेट स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (2016) 1-7(सी) एसटीएम जर्नल, 2016
13.	डॉ. हेतल एच दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ कृष्णादि चूर्ण एण्ड पंचवल्कादि तैल पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ परिप्लुता योनिव्यापद	जर्नल ऑफ आयुर्वेद (2016)

		(पेल्विक इन्फलेमेटरी डिज़िज) : ए पायलेट स्ट्डी ।	1-7(सी) एसटीएम जर्नल, 2016
14.	डॉ. हेतल एच दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पायोनीयरिग इन द् फील्ड ऑफ आयुर्वेद : नीड ऑफ द् आवर ।	जर्नल ऑफ विश्व आयुर्वेद परिषद वॉल. 5, मई 2016
15.	डॉ. हेतल एच दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ साध्यअसाध्यता ऑफ कफज एण्ड वातज प्रमेह (मधुमेह) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू उपशयात्मक चिकित्सा (तैल बिन्दु परीक्षा) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 8-1 जनवरी-मार्च 2014 ISSN 2321-0435

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठि का विवरण प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा दिनांक 14-15 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित कार्यशाला ।
2.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	कलकत्ता में 1-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वें वर्ल्ड आयुर्वेद कॉंग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो के 2 वैज्ञानिक सत्रों में समन्वयक के रूप में भाग लेकर ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एसेस द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ शतावरी-मण्डूर एण्ड आइरन फोलीक एसिड् टेबलेट्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू ।
3.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	सेवानिवृत्त चिकितसाधिकारियों के भारतीच चिकित्सा बोर्ड, जयपुर द्वारा 28-5-2016 काो आयोजित रोग विशेष विषयक कार्यशाला में भाग लेकर स्त्रीरोग विषय पर एक व्याख्यान दिया गया ।
4.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, इंदौर (एमपी) द्वारा 22-30 जून 2016 को आयुष चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भ्ससग लेका आईयूजीआर, आईयूडी, पीआईएच एण्ड एग्जामिनेशन ऑफ गायनेकोलोजीकल पेशेन्ट्स विषयक एक व्याख्यान दिया गया ।
5.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	उज्जैन (एमपी) में 25-26 जुलाई 2016 को सहायक चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर आईयूजीआर, आईयूडी, पीआईएच एण्ड एग्जामिनेशन ऑफ गायनेकोलोजीकल पेशेन्ट्स विषयक एक व्याख्यान दिया गया ।
6.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	एनआईए, जयपुर के विशिखानुप्रशिक्षणार्थियों हेतु 27-29/7/2016 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
7.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	एनआईए, जयपुर में 9-13 जनवरी 2017 को विदेशी छात्रों हेतु आयोजित लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में केयर ऑफ प्रेग्नेंट इन आयुर्वेद (गर्भिणी चर्या) विषयक व्याख्यान दिया गया ।
8.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	6-7 जनवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेकर कन्या भ्रूण हत्या के निवारण में संस्कृत वांगमय की समीक्षात्मक उपयोगिता ।
9.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
10.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित मंथन 2017 - गैर-संचारी रोगों में आयुर्वेद की महत्ता एवं अवसर - वर्तमान वैश्विक चुनौति विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।
11.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	एनआईए, जयपुर के विशिखानुप्रशिक्षणार्थियों हेतु 20 जुलाई 2016 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यशाला में अतिथ व्याख्यान दिया गया ।
12.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिमालया आयुर्वेदिक (पीजी) मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पिटल, देहरादून द्वारा 16 से 21 मई 2016 तक आयोजित सीएमई-II में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
13.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनआईए, जयपुर के विशिखानुप्रशिक्षणार्थियों हेतु 29 जुलाई 2016 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यशाला में अतिथ व्याख्यान दिया गया ।
14.	डॉ. बी. पुष्पलता	बैंगलूरु, कर्नाटक में 23-25 नवम्बर, 2016 को आयोजित डिस्कवरी एण्ड

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट 2016 पर आयोजित वर्ल्ड काँग्रेस में भाग लेकर एक वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किया ।
15.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	के.एल.ई. युनिवर्सिटिज़, बेलागवी द्वारा 29 दिसम्बर 2016 को आयोजित Sampraharsha-2016 विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
16.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनआईए, जयपुर में 12 जनवरी 2017 को कोरियन छात्रों के लिए व्याख्यान दिया गया ।
17.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनआईए, जयपुर में 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित संभाषा 2017 - वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
18.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पीसी डांडिया एन्डोमेंट ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में 25 मार्च 2017 को आयोजित ट्रेडिशनल मेडिसिन इन सेवन डिकेड सेलेब्रेशन विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
19.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 8 जुलाई 2016 को आयोजित कार्यक्रम में एन आयुर्वेदिक एप्रोच टू एनफर्टिलिटी विषयक व्याख्यान दिया गया ।
20.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	7 अगस्त 2016 में आयोजित चरक संगोष्ठी - 2016 में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
21.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मूरारीलाल रसिवासिया आयुर्वेदिक कॉलेज द्वारा 25 सितम्बर 2016 को आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर एक व्याख्यान दिया गया ।
22.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय द्वारा 28-10-2016 को आयोजित आयुर्वेद के माध्यम से मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।
23.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर जस्टिफिकेशन ऑफ इडिंकेशन ऑफ उत्तरबस्ति विषयक व्याख्यान दिया गया ।
24.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1 जनवरी 2017 को आयोजित आयुष चिकित्सकों हेतु मल्टीस्पेशियलटी आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लेकर फीमेल इन्फर्टीलिटी विषयक व्याख्यान दिया गया ।
25.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	6-7 जनवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेकर कन्या भ्रूण हत्या के निवारण में संस्कृत वांगमय की समीक्षात्मक उपयोगिता ।
26.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सत्र में प्रमुख वक्ता के रूप में भाग लेकर रजोदोष एवं मधुमेह (डायबिटीज मिलीट्स) ।
27.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
28.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	22 जनवरी 2017 को आयोजित आयुष चिकित्सकों हेतु मल्टीस्पेशियलटी आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लेकर फीमेल इन्फर्टीलिटी एवं चिकित्सा विषयक 2 व्याख्यान दिये गये ।
29.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	21 फरवरी 2017 को गुड़गांव में आयोजित आयुष चिकित्सकों हेतु मल्टीस्पेशियलटी आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लेकर फीमेल इन्फर्टीलिटी विषयक व्याख्यान दिया गया ।
30.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	21 फरवरी 2017 को झझ्झर में आयोजित आयुष चिकित्सकों हेतु 9 दिवसीय मल्टीस्पेशियलटी आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लेकर फीमेल इन्फर्टीलिटी विषयक व्याख्यान दिया गया ।
31.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद व्याख्यान माला में 17-2-2017 को भाग लेकर रजस्वलाचर्या का विचार विषयक व्याख्यान दिया गया ।
32.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	24-26 फरवरी 2017 को नई दिल्ली में आयोजित 'चरक चिन्तन' विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
33.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सीसीआरएस द्वारा 18 मार्च 2017 आयोजित फार्मूलेटिंग द् रिसर्च एण्ड डवलपमेन्ट स्ट्रेटेजी फॉर एंडोक्रिन डिस्आर्डर विषयक ब्रेन स्टोर्मिंग कार्यशाला में भाग लेकर

		क्लिनीकल अण्डरस्टेंडिंग ऑफ ओस्टियोपोरोसिस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मैनोपाज़ल सिन्ड्रोम थ्रू आयुर्वेद विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।

विस्तार व्याख्यान – विभाग में छात्रों, अध्येताओं एवं अध्यापकों के ज्ञानार्जन हेतु निम्नलिखित विषयों पर 11 विस्तार व्याख्यान आयोजित किये गये –

क्र.सं.	दिनांक	विस्तार व्याख्यान का विषय	व्याख्यान जिसके द्वारा दिया गया
1.	15/02/16	प्रसूति एवं स्त्री के संदर्भ में "Naveganadharrniya" ।	डॉ. लक्ष्मीप्रिया
2.	15/04/16	पोस्ट–पार्टम हेमरेज – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
3.	18/05/16	प्रॅग्नेंसी विथ गेस्टेशनल डायबिटिज – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
4.	23/06/16	अमेनोरिया – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
5.	25/06/16	वर्तमान परिप्रेक्ष में आयुर्वेद की भूमिका ।	डॉ. पी. के. व्यास
6.	11/07/16	असृग्दर का आयुर्वेदीय प्रबन्धन ।	डॉ. सी. बी. कोठारी
7.	13/07/16	पी.सी.ओ.डी. – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
8.	25/08/16	अबनार्मल यूटराइन ब्लीडिंग – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
9.	20/09/16	प्रेगनेन्सी विद आरएच इन्कम्पेटीबिलिटी – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
10.	10/10/16	अबनार्मल लेबर – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस
11.	18/11/16	प्रॅगनेंसी विथ हाइपरटेंशन – छात्रों हेतु नैदानिक जानकारी ।	डॉ. सुमन जैन एम.एस. गायनेकोलॉजी एण्ड ऑब्सट्रिक्टस

विभागीय संगोष्ठियाँ – विभाग के छात्रों द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियों में सक्रियता से भाग लेकर अपने शोध कार्य को कर्मचारियों एवं छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । इन अवसरों पर अतिमहत्वपूर्ण व्याख्यान भी आयोजित किये गये –

क्र.सं.	विषय	आयोजन तिथि
1.	रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ विजवादि वटी एण्ड अश्वगंधा चूर्ण इन आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।	2-04-2016
2.	क्लिनीकल कन्ट्रोल क्लिनीकल ट्रायल ऑफ फल घृत उत्तरबस्ति इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इन्फर्टीलिटी ।	4-04-2016
3.	ए कम्प्रेहैन्सिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ करंज चूर्ण एण्ड करंज तैल योनि पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ श्वेत प्रदर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ल्युकोरिया ।	5-04-2016
4.	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ मण्डूर औषध सिद्ध तैल मात्र बस्ति एण्ड योनि पिचु इन सुख प्रसव ।	5-04-2016
5.	कर्णिनी	6-04-2016
6.	इपिजिओटोमी ।	18-04-2016
7.	प्रसवपूर्व रक्तस्राव	19-04-2016
8.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कुटजषटक–घन एण्ड वासा–घन इन मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी.	2-05-2016
9.	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् रोल ऑफ काषमर्यादि घृत ऑन वन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इन्फर्टिलिटी ।	3-05-2016
10.	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ निम्बोदि ' यष्ठियादि ओइन्टमेन्ट ऑफ इपीसिओटोमी वूण्ड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हीलिंग ।	4-05-2016
11.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मधुकादि लौहम एण्ड शतावरी मण्डूर इन मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू ।	5-05-2016
12.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ रज:प्रवर्तनीवटी एण्ड त्रिवृतादि तैल अनुवासन बस्ति ऑफर आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेनस टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।	10-05-2016
13.	एन्टीनेटल केयर	16-05-2016
14.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शोणिगतथापन महाकषाय एण्ड बोल बद्ध रस इन मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी. ।	1-06-2016
15.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ विजयादि वटी एण्ड कुबेरषक वटी इन मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।	1-06-2016
16.	इन्ट्रायूटेराइन ग्रोथ रेस्ट्रीक्शन ।	20-06-2016
17.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मधुकादि लौहम एण्ड शतावरी मण्डूर इन मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू ।	22-06-2016
18.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पा चूर्ण एण्ड कृष्णादि चूर्ण एलांग विथ धात्तक्यादि तैल पिचु इन परिलुप्ता योनिव्यापद ।	18-07-2016
19.	यूटेराइन फाईब्रोइड ।	9-08-2016
20.	मल्टीपल प्रॅग्नेंसी	24-08-2016
21.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कासिसादि वर्ति एण्ड पलाशादि वर्ति इन मैनेजमेन्ट ऑफ पिच्छिल योनि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एब्नार्मल वेजाइनल डिस्चार्ज ।	30-08-2016
22.	आर्तवक्षय/प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।	19-09-2016
23.	प्राईमरी डिस्मेनोरिया	19-09-2016

24.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पा चूर्ण एण्ड कृष्णादि चूर्ण एलांग विथ धातक्यादि तैल पिचु इन परिप्लुता योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पीआईडी ।	29-09-2016
25.	द् प्लेसेन्टा एण्ड अम्बिलीकल कोर्ड.	28-11-2016
26.	एब्नार्मल यूटेराईन ब्लीडिंग	29-11-2016
27.	पोस्टपार्टम हेमरेज	8-12-2016
28.	प्रीटर्म लेबर	19-12-2016
29.	एण्डोमेटील फेक्टर्स काजिंग इनफर्टिलिटी	28-12-2016
30.	मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ कुटजषटक घन एण्ड द्राक्षादि योग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डीयूबी : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।	27-3-2017
31.	मैनेजमेन्ट ऑफ आर्त्तवक्षय विथ वेनुपार्वादि एण्ड तिलशेलुकारवी : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।	28-03-2017
32.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू विथ द्राक्षादि घृत एण्ड लक्ष्मण लौह ।	31-03-2017
33.	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पा कल्प एण्ड तैल क्वाथ एलांग विथ शतपुष्पा तैल मात्रा बस्ति ऑन नाशार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पीसीओएस ।	31-03-2017
34.	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी घृत एलांग विथ बलादि चूर्ण इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेनस टू इनफर्टिलिटी ।	31-03-2017
35.	मेनेजमेन्ट ऑफ पाण्डू प्रदर विथ लोकल एप्लीकेशन ऑफ शतावरी योग एण्ड पलाशादि योग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एब्नार्मल वेजीनल डिस्चार्ज ।	31-03-2017

(बी) स्नातकोत्तर/पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं पत्र/पोस्टर प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	लेखक	सह-लेखक	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये पत्र का शीर्षक
1.	डॉ. खुशबू जैन पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कल्याणक घृत इन वन्ध्यत्व ।
2.	डॉ. खुशबू जैन पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन इन्सुलिन रेसिस्टेन्स इन पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंन्ड्रोम।
3.	डॉ. प्रियंका शर्मा पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एफिकेसी ऑफ स्नुही क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल इरोजन

				।
4.	डॉ. प्रियंका शर्मा पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रिप्रोडेक्टिव हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद इन वूमन विथ डायबिटीज ।
5.	डॉ. सुशीला पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर (डीयूबी) इन आयुर्वेद ।
6.	डॉ. सुनीता वर्मा पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ बोलादि चूर्ण एण्ड बोलबद्ध रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर ।
7.	डॉ. सोनिका पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।	मैनेजमेन्ट ऑफ अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Pruritis Vulva ।
8.	डॉ. सोनिका पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	फर्टिलिटी इश्यूज़ इन वूमन विथ डायबिटीज ।
9.	डॉ. दीपिका बरनवाल पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो - अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ पीआईडी थ्रू आयुर्वेद - ए केस स्टडी ।
10.	डॉ. दीपिका बरनवाल पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो - अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ यूटेराइन फेक्टर - ए केस स्ट्डी ।
11.	डॉ. पिंकी पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ यूरेराइन फेक्टर : ए केस स्ट्डी ।
12.	डॉ. रामेश्वर चौधरी पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो - अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ फीमेल इन्फर्टिलिटी थ्रू आयुर्वेद ।

13.	डॉ. रामेश्वर चौधरी पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	निशा-आमलकी फॉर डायबिटीज मिलिटस - ए रिव्यू ।
14.	डॉ. इन्द्रेश भास्कर पी.जी. स्कॉलर	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	योग प्रॅक्टिस फॉर प्रीवेंशन ऑफ गेस्टेशनल डायबिटीज मिलिटस ।
15.	डॉ. इन्द्रेश भास्कर पी.जी.स्कॉलर	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शुभदीप आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पिटल, इन्दौर द्वारा 4-5 मार्च 2017 को आयोजित अन्वेक्षण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	पीसीओएस एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद ।
16.	डॉ. रचना पौडेल पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	2-4 दिसम्बर 2016 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो - अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एफीकेसी ऑफ रजस्वला परिचर्या ऑन असृग्दर ।
17.	डॉ. रचना पौडेल पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ए केस स्ट्डी टू अण्डरस्टेण्ड पॅथोफिजियोलॉजी ऑफ पीसीओडी एण्ड प्रमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टाईप-2 डायबिटीज मिलिटस ।
18.	डॉ. उत्पल देबब्रमा पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनईआईएएच, शिलांग द्वारा 23-24 फरवरी 2017 को आयोजित रोल ऑफ आयुष इन हैल्थ केयर मैनेजमेन्ट इन एनई इण्डिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	पंचगव्य घृत उत्तरबस्ति इन फीमेल इन्फर्टिलिटी - ए केस स्ट्डी ।
19.	डॉ. मीमांसा पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ गेस्टेशनल डायबिटीज - एन आयुर्वेदिक एप्रोच ।
20.	डॉ. मीमांसा पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित मंथन - 2017 - गैरसंचारीय रोगों में आयुर्वेद की भूमिका एवं अवसर - वर्तमान वैश्विक चुनौति विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एप्रोच ऑफ आयुर्वेद टू नॉनकम्युनिकेबल डिज़िज़ प्रीवेन्टिव एण्ड थैरेप्युटिक एस्पेक्ट - ए रिव्यू ।

21.	डॉ. सुरेश पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कंसेप्चुअल स्ट्डी ऑफ गेस्टेशनल डायबिटीज थ्रू आयुर्वेद ।
22.	डॉ. सुरेश पालीवाल पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनईआईएएच, शिलांग द्वारा 23-24 फरवरी 2017 को आयोजित रोल ऑफ आयुष इन हैल्थ केयर मैनेजमेन्ट इन एनई इण्डिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	धातक्यादि तैल उत्तर बस्ति एण्ड पिचु इन फीमेल इन्फर्टिलिटी - ए केस स्ट्डी ।
23.	डॉ. स्वाति आल्हा पी. जी. स्कॉलर	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन रोल ऑफ प्रमेहर योग इन पीसीओएस।
24.	डॉ. हिना पी.जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	शुभदीप आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पिटल, इन्दौर द्वारा 4-5 मार्च 2017 को आयोजित अन्वेक्षण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ पीसीओएस - ए केस स्ट्डी ।
25.	डॉ. हिना पी.जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ पथ्य इन प्रीवेंशन ऑफ गेस्टेशनल डायबिटीज ।
26.	डॉ. नीतू पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	डायबिटीज मिलिटस (मधुमेह) - ए प्रीवेन्टिव एण्ड क्युरेटिव एप्रोच ।
27.	डॉ. नीतू पी.जी.स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शुभदीप आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पिटल, इन्दौर द्वारा 4-5 मार्च 2017 को आयोजित अन्वेक्षण - जीवनशैली जनित विकृतियाँ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	लाईफ स्टॉइल डिस्आर्डर - ए रिव्यू ऑन इनफर्टिलिटी ।
28.	डॉ. सुभद्रा पी. जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 24-25 मार्च 2017 को आयोजित मंथन - 2017 - गैरसंचारीय रोगों में आयुर्वेद की भूमिका एवं अवसर - वर्तमान वैश्विक चुनौति विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ मैनोपाज (रजोनिवृत्ति अवस्था) थ्रू प्रिन्सिपल्स ऑफ आयुर्वेद - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।

29.	डॉ. लक्ष्मी पी.जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	डायबिटीज एज प्रमेह - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी थ्रू चरक संहिता ।
30.	डॉ. विश्वनाथ सिंह टेकम पी.जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कोम्पलीकेशन ऑफ डायबिटीज ड्यूरिंग गेस्टेशनल पीरियड ।
31.	डॉ. ज्योति जैन पी.जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	होम रेमेड़िज फोर प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल गेस्टेशनल डायबिटीज ।
32.	डॉ. लक्ष्मी पी.जी. स्कॉलर	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	शुभदीप आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पिटल, इन्दौर द्वारा 4-5 मार्च 2017 को आयोजित अन्वेक्षण - जीवनशैली जनित विकृतियाँ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	डाईट एण्ड लाईफस्टाईल इन द् प्रीवेंशन ऑफ ओव्यूलेटरी डिस्आर्डर इन्फर्टिलीटी ।

विविध गतिविधियाँ - विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई -

क्र.सं.	**अध्यापक का नाम**	**विभिन्न गतिविधियाँ**
1.	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	1. आईपीजीटीएण्डआरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में 16 अक्टुबर 2016 को आयोजित स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष की परीक्षा बाह्य परीक्षक के रूप में सम्पन्न कराई गयी । 2. आईपीजीटीएण्डआरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में 15-18 मार्च 2017 को आयोजित स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की परीक्षा बाह्य परीक्षक के रूप में सम्पन्न कराई गयी । 3. 6-7 जनवरी 2017 को आयोजित कन्या भ्रूण हत्या के निवारण में संस्कृत वाड़मय की समसामयिक उपयोगिता विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में सारस्वत अतिथि के रूप में भाग लिया ।
2.	डॉ. बी. पुष्पलता असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. तिब्बिया महाविद्यालय, दिल्ली में बीएएमएस की व्यवहारिक परीक्षा बाह्य परीक्षक के रूप में 15 मई 2016 को सम्पन्न कराई गयी । 2. राजस्थान दूरदर्शन, जयपुर पर 20-7-2016 को प्रसारित सुश्रुत विषयक दूरदर्शन वार्ता दी गई ।
3.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. आईपीजीटीएण्डआरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में 20 जुलाई 2016 को आयोजित स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की परीक्षा बाह्य परीक्षक के रूप में सम्पन्न कराई गयी । 2. एमएलआर आयुर्वेद महाविद्यालय, चरखीदादरी में 25 सितम्बर 2016 को आयोजित आयुर्वेदाचार्य की परीक्षाऐं बाह्य परीक्षक के रूप में सम्पन्न कराई गयी ।

		3. सीसीआरएएस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित अन्तर्राष्ट्रीय क्वार्टली जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुवर्वेद आयु के लिए रेफरी के रूप में कार्य किया । 4. छात्रा छात्रावास की होस्टल वार्ड के रूप में कार्य किया । 5. संस्थान की एन्टी-रेगिंग समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 6. अंत:स्रावी विकारों के लिए एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर की संस्थानिक वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 7. विवरणिका समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

सम्मान –

1. **डॉ. बी. पुष्पलता,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर को प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग में विशिष्ठ योगदान हेतु स्व. वैद्य कन्हैयालाल मिश्रा ट्रस्ट, जयपुर द्वारा 'एकेडमिक अवार्ड 2016' प्रदान किया गया ।

****

शालाक्य तंत्र विभाग

परिचयः शालाक्य तंत्र आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है तथा नेत्र, नासा, कर्ण एवं गले की व्याधियों से सम्बन्धित है । शालाक्य तंत्र कर्ण, नासा, गला एवं शिर रोग से सम्बन्धित है । विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा आयुर्वेद वारिधी की शिक्षा आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रक्रियाऐं यथा क्रिया कल्प, नस्य, मूर्द्धा तैल, नेत्र व्यायाम, बस्ति आदि सम्बन्धित क्षेत्र में विभिन्नि शल्य प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से दी जाती है । इस विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर शालाक्य तंत्र विषय में स्पर्श से फैलने वाले रोगों से रक्षा, स्वास्थ्य के संरक्षण एवं संवर्द्धन आदि का भी भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् तथा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार शिक्षण एवं प्रशिक्षण दिया जाता है ।

वर्ष 2016-2017 के दौरान, विभाग में 1 एसोसियेट प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स एवं 1 लेक्चरर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को शालाक्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को शालाक्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । वर्तमान में 6 अध्येता नेत्र विषय एवं 6 अध्येता शिर, कर्ण, नासा एवं मुख विषय में अध्ययनरत है ।

स) पीएच.डी. - आलोच्य वर्ष के दौरान, विभाग में 4 पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येता अध्ययनरत रहे ।

शोध कार्य -

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रशान्त कुमार साहू	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ पंचतिक्त निरुह बस्ति, तैलादि नस्य एण्ड अृतादि गुग्गुलु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबेटिक रेटीनोपैथी ।
2.	डॉ. पी. नारायणन	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ शतावर्यादि धूमपान विथ ओर विथआऊट पिप्पली रसायन इन द् पीनस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक सिम्पल राइनाइटिस ।
3.	डॉ. मानसी	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ अर्द्धनारेश्वर रस नस्य एण्ड निम्बादि गुग्गुलु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कफज शिरोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइनुसिटिज़ ।
4.	डॉ. पायल शर्मा	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑन एफिकेसी ऑफ महावासादि क्वाथ एण्ड गुडूच्यादि अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इममैच्योर सेनाइल केटरेक्ट ।
5.	डॉ. कीर्ती अखण्ड	डॉ. पंकज कुण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ बिल्वादि योग आश्चोतन एण्ड हरीतकी विडालक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज अभिष्यंद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सिम्पल एलर्जिक कंजेक्टिवाइटिस ।
6.	डॉ. रेणु मीणा	डॉ. प्रभाकर	ए क्लिनीकल एफिकेसी ऑन द् एफिकेसी ऑफ

		लेक्चरर	दशांग हरीतकी एण्ड तर्पण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मायोपिया ।
7.	डॉ. के. जी. सुरंगी	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ नवपटाला वर्ति एण्ड भृंगवैरादि नस्य इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कांच विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इममैच्योर केटरेक्ट।
8.	डॉ. इन्दू शर्मा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ बला तैल नस्य विथ ओर विथआऊट नासा पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ नासा प्रतिनाह् विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिवियेटेड नेसल सेप्टम एण्ड टर्बिनेट हाइपरट्रोफी।
9.	डॉ. दीप्तेन्दू कुमार दास	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल स्ट्डी ऑन बाधिर्य विथ दशमूल तैल एण्ड त्रिकटुकी गुटीका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेंसोरीन्यूरल हियरिंग लोस (SNHL)
10.	डॉ. राकेश बिश्नोई	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ एरण्डादि तैल नस्य एण्ड कर्णपूरण एण्ड सर्षप तैल कर्णपूरण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्ण नाद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टिनीटस ।
11.	डॉ. अभिषेक जैन	डॉ. पंकज कुण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ तिमिरहर लौह एण्ड बलादि घृत तर्पण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मायोपिया ।
12.	डॉ. निरमा बंसल	डॉ. प्रभाकर लेक्चरर	ए क्लिनिकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ शिग्रु पल्लव-मधु अश्चोतन इन कफज अभिष्यन्द विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वरनल किरेटो कंजक्टिवाइटिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. परमेन्द्र अहिरवाल	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ प्रच्छन्न कर्म विथ मधुकादि लेप एण्ड ऑनली मधुकादि लेप अलांग विथ भृंगराजादि रसायन इन इन्द्रलुप्त विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलोपेसिया ।
2.	डॉ. संगीता बाला	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड कर्णबस्ति विथ पांचभौतिक तैल अलांग विभ कपिकच्छू वटी इन वातज बधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेन्सरी न्युरल हियरिंग लोस (SNHL)
3.	डॉ. इशा जैन	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ अपामार्ग क्षार एण्ड द्रव्यादि क्वाथ विथ यवगराजादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तूण्डीकेरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टोन्सिलाइटिस ।
4.	डॉ. प्रेमलाल	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड, ऑपर लेबल्ड, कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन धतुरादि तैल एण्ड नीलोतप्लादि लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दारुणक

			विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ ।
5.	डॉ. प्रहलाद सिरौजिया	डॉ. प्रभाकर लेक्चरर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव प्लेसिबो कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू ऐवेल्यूट द् एफिकेसी ऑफ सर्पिक्षोद्र अंजन इन सिरोतपद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इपीस्कलेरिटिस ।
6.	डॉ. अंकिता शर्मा	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ सैंधवादि लेप एण्ड शुण्ठयादि प्रतिसारण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लिन्नवर्त्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्क्वैमस ब्लेफेराइटिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येता द्वारा पूर्ण किये गये शोध कार्य निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	विषय
1.	डॉ. साक्षी कनौजिया	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नेत्राशनी रस एण्ड शिघ्रुवादि पिण्डी एण्ड आश्च्योतन इन कफज़ अधिमन्थ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पीओएजी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार से है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	विषय
1.	डॉ. निकिता बघेल	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् रॉल ऑफ बस्ति एण्ड तर्पण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कफज अधिमन्थ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी ऑपन एंगल ग्लूकोमा ।
2.	डॉ. पूनम	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ तर्पण एण्ड बस्ति कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ऐज रिलेटेड मैक्युलर डिजनरेशन (नॉन एक्सूडेटिव) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वातज तिमिर ।
3.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ रेटिनल हैमोर्हेजेज़ विथ वासाकी बस्ति एण्ड घनवटी ।
4.	डॉ. विश्वनाथ	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ विरेचन कर्म एण्ड बस्ति कर्म इन प्रमेहजन्य तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मॅकूलर एडेमा ।

प्रकाशन –

(ए) पुस्तक

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ अधिमन्थ: ग्लूकोमा इन आयुर्वेद एण्ड मॉडर्न एस्पेक्ट ।	चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी ।

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	स्कोप ऑफ क्लिनीकल प्रॅक्टिस ऑफ इएनटी डिस्आर्डर्स इन आयुर्वेद ।	एसटीएम जर्नल्स वाल्यूम 3, इश्यू 3 ISSN 2395-6682(online) 2016
2.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	प्रॅक्टिकल यूटिलिटी एण्ड स्कोप ऑफ धूमपान इन नेसल डिस्आर्डर्स ।	एसटीएम जर्नल्स वाल. 5, नं. 3, 2016 ISSN 2395-6682(Online),2016
3.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	रोल ऑफ पाथ्यादि तैल नस्य एण्ड व्याघ्री हरितकी रसायन इन वातज प्रतिश्याय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक राइनाइटिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद आयुष विभाग, दिल्ली ISSN 2321-0435, 2015
4.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रशान्त कुमार साहू अध्येता	बस्ति कर्म – ए नोवल ड्रग डिलीवरी सिस्टम इन पोस्टेरियर सेगमेन्ट डिस्आर्डर्स ऑफ आई ।	डब्ल्युजेपीआर वाल्यूम 5, इश्यू 7, 2016 ISSN 2277-7105, Scopus Index -6.805, 2016
5.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रशान्त कुमार साहू अध्येता	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ पंचतिक्त बस्ति, तिलतैलादि नस्य एण्ड अमृतादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबेटिक रेटिनोपैथी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च जुलाई 2016, वॉल. 4 इश्यू 7, 2016 ISSN- 2322-0902
6.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रशान्त कुमार साहू अध्येता	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन तिलतैलादि नस्य एण्ड अमृतादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबेटिक रेटिनोपैथी ।	WJPPS ISSN- 2278-4357 Issue 7, 2016
7.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर Dr. Surangi K. G	रिव्यू ऑफ अंजन प्रोसिजर एण्ड इट्स प्रोबेबल मोड ऑफ एक्शन ।	आईजेएपीआर जुलाई 2016, वॉल. 4, इश्यू 7, 2016 ISSN-2322-0902
8.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा	मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर–कांचलिंगानशा ।	आईजेएपीआर वॉल. 4, इश्यू 7 जुलाई 2016 ISSN-2322-0902
9.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. साक्षी डॉ. विश्वनाथ	डिफरेन्ट पैरासर्जिकल प्रोसिजर्स यूज्ड इन नेत्र रोग – ए रिव्यू ।	आईजेएपीआर वॉल. 3, इश्यू 7 ISSN-2322-0902 2016
10.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विश्वनाथ	आई एक्सरसाईज–बून फॉर विजन ।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 5, इश्यू 11 2016 ISSN- 2278-7105 Index – 6.805
11.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ विभितकादि घृत पान एण्ड हरिद्रादि	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 5, इश्यू 11

	डॉ. निकिता बघेल	अंजन एण्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ड्राई आई सिंड्रोम ।	2016 ISSN- 2278-7105 Index – 6.805
12.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ वसाकादि क्वाथ इन डायबिटिक रेटिनल हेमेरेज ।	आईजेसीएआर। वॉल. 6, इश्यू 1 जनवरी 2017 ISSN: O: 2310-6505
13.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रेशनल ऑफ तर्पण थैरेपी एज़ इमर्जिंग इनोवेशन इन ओफ्थालमोलॉजी ।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 5, इश्यू 11 2016 ISSN- 2278-7105,
14.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ तर्पण विथ महात्रिफला घृत इन ग्लुकोमाटस ओप्टिक एट्रोफी – ए केस स्टडी ।	डब्ल्यूजेपीआर ISSN 2455-3301 2017, 3(2), 2017
15.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	नैचुरल मेडिकामेन्ट्स इन ओफ्थालमोलॉजी : पोटेन्ट एण्ड हिडन फॉर ओकूलर डिस्आर्डर्स ।	डब्ल्यूजेपीआर ISSN- 2278-7105 वॉल. 6, इश्यू 11 2017
16.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. साक्षी डॉ. विश्वनाथ	कन्सेप्ट ऑफ एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस इन आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव्स ।	जेबीएसओ वॉल. 4(3)2016 ISSN 2321-6328 2016, Index 6.18
17.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. सुरंगी के.जी.	आयुर्वेद एण्ड मॉडर्न परस्पेक्टिव ऑन आयुर्वेद एण्ड न्युट्रीशन ।	जेबीएसओ वॉल. 4(3)2016 ISSN 2321-6328
18.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ त्रिफला परीषेक इन लीड कोनक्रेशन : ए केस स्ट्डी ।	ग्लोबल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च वॉल. 17, इश्यू 1 (सं.1.0) Online ISSN : 2249-4618 Print ISSN : 0975-5888
19.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय डॉ. पूनम जांगिड़	ट्रीटमेन्ट ऑफ क्रोनिक सेरस रेटिनोपैथी बाई तर्पण थैरेपी – ए केस स्ट्डी ।	आईजेआरएसआर वाल. 8, इश्यू 1 जनवरी 2017 ISSN 0976-3031
20.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर Dr. Jyothi Gupta	इफेक्ट ऑफ मधुकादि तैल कर्णपिचु एण्ड रास्नादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णस्राव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सीएसओएम ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद आयुष विभाग, दिल्ली ISSN 2321-0435, 2016
21.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. अकलेश मजूमदार	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् रोल ऑफ नयनसुख वर्ति एण्ड लौहादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेरीजियम ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद आयुष विभाग, दिल्ली ISSN 2321-0435 अप्रैल–जून 2016 वॉल. 10–2

22.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ तर्पण विथ त्रिफला घृत इन मायोपिया ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च इन्फोर्मेशन । वॉल. 2, इश्यू 2 फरवरी, 2017
22.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	अण्डरस्टेडिंग डायबिटिक रेटिनोपैथी – ए लाईफस्टाईल डिस्आर्डर फ्राम आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज ISSN NO 2278-4357 वाल्यूम 6, इश्यू 2, 2016
23.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. सुरंगी के.जी. डॉ. इन्दु शर्मा अध्येता	ओकूलर मैनीफेस्टेशन्स एण्ड दैयर मैनेजमेन्ट इन डायबिटिक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मधुमेह ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN NO 2277-7105 वाल्यूम 6, इश्यू 4, 2017
24.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विजय वाघ अध्येता	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन कर्ण बाधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेन्सरी न्यूरल हिअरिंग लोस विथ नागरादि तैल, गुडादि नस्य एण्ड आरोग्य रसायन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद आयुष विभाग दिल्ली 2321-0435 वॉल. 10, नं. 3 जुलाई–सितम्बर 2016
25.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑन द् इफेक्ट ऑफ लोध्रादि चूर्ण एण्ड क्षीरवल्कल क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दन्तवैष्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पायोरिया ।.	जर्नल ऑफ आयुर्वेद आयुष विभाग दिल्ली वॉल. 9, नं. 1 जनवरी–मार्च 2015
26.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन आयुर्वेद एप्रौच इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ बेल्स पाल्सी : ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एण्ड साइन्टिफिक ऑपीनियन वाल्यूम 4(3).2016
27.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दन्तवैष्ट (पायोरिया) विथ बकुल त्वक पावडर एण्ड कैशार गुग्गुलू ।	ट्रेंड्स इन ड्रग डिलीवरी वाल्यूम 4, इश्यू 1, 2016 ISSN No. 2394-7268
28.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफीकेसी ऑफ पंचकर्म इन हाइपरमेलेनोसिस फ्राम क्लोरोक्वीन साइड इफेक्ट – ए केस रिपोर्ट ।	टेंड्स इन ड्रग डिलीवरी ISSN NO. 2394-7268 वाल्यूम 4, इश्यू 1, 2016
29.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केस स्ट्डी – एफीकेसी ऑफ पंचकर्म इन ए केस ऑफ लिपिडेमा विथ फाइब्रोमाइलेगिया ।	टेंड्स इन ड्रग डिलीवरी ISSN NO. 2394-7268 वाल्यूम 3, इश्यू 3, 2016
30.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केस सिरीज डेमोन्सट्रेटिंग द् एफीकेसी ऑफ पंचकर्म इन इरीटेबल बाऊल सिंड्रोम (त्रिदोषज ग्रहणी)	आयुर्वेद जर्नल ऑफ हैल्थ वाल्यूम 4, इश्यू 4, 2016 ISSN NO. 2372-1804
31.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्वालिटी कन्ट्रोल ऑफ आयुर्वेदिक ड्रग्स ।	रिसर्च एण्ड रिव्यूज़ – ए जर्नल ऑफ फार्माकोग्नोसी ISSN NO. 2394-7296 वाल्यूम 3, इश्यू 3, 2016

32.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन लेक्चरर	एन आयुर्वेदिक एप्रौच इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गेन्ट पापीलरी कंजक्टिवाइटिस – ए केस स्टडी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN NO 2277-7105 2016
33.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन लेक्चरर	ए कन्साईज रिव्यू ऑफ अपानवैगुण्य एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट बाई अनुलोमन ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN NO 2277-7105 2016

(सी) कार्यशालाओ/संगोष्ठियों में सहभागिता –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम
1.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे.एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 31 अगस्त एवं 1 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला की प्री-कॉन्फ्रेन्स में इएनटी क्रिया कल्प की तकनीकियाँ प्रदर्शित की गई ।
	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे.एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।
2.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर इटियोपेथोजेनेसिस एवं मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिक रेटिनोपैथी इन आयुर्वेद विषयक पत्र मुख्य वक्ता के रूप में प्रस्तुत किया ।
3.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के सहयोग से एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा पांरम्परिक चिकित्सा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर स्कोप ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन्स इन ऑफ्थालमिक डिजिज विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
4.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जेपी मेडिकल पब्लिशर्स द्वारा 25 फरवरी 2017 को आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में फ्यूचर स्कोप ऑफ आयुर्वेद एज़ ए स्ट्रीमलाईन इन कम्परिजन टू एलोपैथी विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	कोलकाता में 1-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में मैनेजमेन्ट ऑफ एलर्जिक राइनाइटिस विथ नस्य एवं रसायन विषयक पत्र पत्र प्रस्तुत किया ।
6.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	संस्थान में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित एनएबीएच विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
7.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर मुख्य वक्ता के रूप में पत्र प्रस्तुत किया ।
8.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 15-18 मार्च 2017 को आयोजित डवलपिंग प्रोटोकोल्स फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिक रेटिनोपैथी - मधुसंवाद विषयक सिम्पोजियम ।
9.	डॉ. गुलाब पमनानी	संस्थान में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित एनएबीएच विषयक प्रशिक्षण

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
10.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 16-18 दिसम्बर 2016 को आयोजित हिन्दी विज्ञान विषय तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन ।
11.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर मुख्य वक्ता के रूप में पत्र प्रस्तुत किया ।
12.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन लेक्चरर	संस्थान में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित एनएबीएच विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

दिये गये अतिथि व्याख्यान -

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	दिये गये अतिथि व्याख्यान का शीर्षक
1.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे.एस. आयुर्वेद महाविद्यालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 31 अगस्त एवं 1 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला की प्री-कॉन्फ्रेन्स ।	इएनटी क्रिया कल्प की तकनिकियाँ ।
2.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के सहयोग से एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च को आयोजित पांरम्परिक चिकित्सा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	स्कोप ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन ।
3.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जेपी ब्रदर्स पब्लिकेशन्स द्वारा 25 फरवरी 2017 को आयोजित कार्यक्रम ।	फ्यूचर स्कोप ऑफ आयुर्वेद एज़ ए स्ट्रीमलाईन इन कम्परिजन टू एलोपैथी ।
4.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	कोलकोता में 4 दिसम्बर को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद कॉंग्रेस ।	मैनेजमेन्ट ऑफ एलर्जिक राइनाइटिस विथ नस्य एण्ड रसायन ।
5.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित चिकित्साधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं इन्टर्नीज प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	कॉमन ईएनटी डिज़िज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।
6.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, जबलपुर (एमपी) द्वारा 27-28 जून 2016 ।	ईएनटी डिज़िज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।
7.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, जबलपुर (एमपी) द्वारा 27-28 जून 2016 ।	ईएनटी डिज़िज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।
8.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, जबलपुर (एमपी) द्वारा 29-30 जून 2016 ।	ईएनटी डिज़िज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।
9.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, जबलपुर (एमपी) द्वारा 29-30 जून 2016 ।	ईएनटी डिज़िज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।
10.	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान में 9-12 जनवरी 2017 को विदेशियों हेतु आयोजित लघु अवधि	डिज़िज रिलेटेड टू आई, ईयर, नोज एण्ड दैयर मैनेजमेन्ट ।

		प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में अध्येताओं द्वारा प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	अध्येता	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. साक्षी	स्टेण्डर्डाईजेशन ऑफ आयुर्वेदिक हर्बल आई ड्रोप्स फॉर एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्सड रिसर्च । (2015) वाल्यूम 3, इश्यू 10 ISSN No. 2320-5407
2.	डॉ. साक्षी	टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ घृतकुमारी (अलोयवेरा जेल) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम) ।	इन्टरनेशनल जर्नल फार्मास्युटिकल मेडिकल रिसर्च। 2015 3(6)276-280 ISSN No. 2347-7008
3	डॉ. साक्षी	रोल ऑफ बस्ति कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पीओएजी - ए केस रिपोर्ट ।	एसटीएम जर्नल वाल्यूम 3 इश्यू नं. 1 (Online) ISSN : 2395-6682
4.	डॉ. प्रतिभा	नैचुरल मेडिकामेन्ट्स इन ऑफ्थालमोजी : पोटेन्ट एण्ड हिडन सोर्स फॉर ओक्कूलर डिस्आर्डर्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 1 ISSN NO. 2277-7105
5.	डॉ. प्रतिभा	रेशनल ऑफ तर्पण थैरेपी एज़ इमर्जिंग इन्नोवेशन इन ऑफ्थालमोजी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 11 ISSN NO. 2277-7105
6.	डॉ. प्रतिभा	मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर-कांचलिंगनाश ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च ISSN No. 2322-0910
7.	डॉ. प्रतिभा	रोल ऑफ वासाकादि क्वाथ इन डायबिटिक रेटिनल हैमोराइजेज़ - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट एडवान्स रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 1 ISSN No. 2319-6505
8.	डॉ. प्रतिभा	अण्डरस्टेडिंग डायबिटिक रेटिनोपैथी : ए लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स फ्रॉम आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज ISSN NO 2278-4357 वाल्यूम 6, इश्यू 2
9.	डॉ. प्रतिभा एवं डॉ. पूनम	ट्रीटमेन्ट ऑफ क्रोनिक सेरस रेटिनोपैथी बाई तर्पण थैरेपी - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशल जर्नल ऑफ रिसेन्ट साइन्टिफिक रिसर्च ISSN No. 0976-3031
10.	डॉ. प्रतिभा	रोल ऑफ तर्पण घृत इन मायोपिया - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च एण्ड इन्फोर्मेशन वाल्यूम 2, इश्यू 2 फरवरी, 2017
11.	डॉ. प्रतिभा	ट्रीटमेन्ट ऑफ ग्लूकोमाटस ओप्टिक	ब्रिटिश जर्नल ऑफ

		एट्रोफी थ्रू आयुर्वेद ।	फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च वाल्यूम 2, इश्यू 1 फरवरी 2017
12.	डॉ. प्रतिभा	रोल ऑफ त्रिफलादि परिषेक इन लीड कोन्क्रेशन : ए केस स्ट्डी ।	ग्लोबल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च वाल्यूम 2017 ISSN No. 2249-4618
13.	डॉ. प्रतिभा	रोल ऑफ तर्पण विथ महात्रिफला घृत इन ग्लूकोमाटस ऑप्टिक एट्रोफी – ए केस स्टडी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च वाल्यूम 3 , इश्यू 2, 2017 ISSN NO. 2455-3301
14.	डॉ. निकिता	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन हरिद्रादि अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम)	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मास्युटिकल कैमेस्ट्री । वाल्यूम 5, इश्यू 2, 2016 ISSN NO. 2350-0204
15.	डॉ. निकिता	कम्परेटिव स्ट्डी बिटविन अंजन एण्ड घृतपान इन द् मैनजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN No. 2277-7105 वाल्यूम 6 , इश्यू 2.
16.	डॉ. निकिता	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन विभितकी घृतपान एण्ड हरिद्रा अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वाल्यूम 5, इश्यू 7 ISSN NO 2278-4357

स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा संगोष्ठियों में सहभागिता – स्नातकोत्तर अध्येताओं को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेकर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया गया । अध्येताओं ने निम्नलिखित संगोष्ठियों में भाग लेकर अपने पत्र प्रस्तुत किये :–

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक	संगोष्ठी	शीर्षक
1.	डॉ. साक्षी	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे.एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 31 अगस्त एवं 1 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।	रोल ऑफ टोपिकल एप्लीकेशन ऑफ Shringveradi आई ड्रॉप्स इन नेत्राभिष्यान्द विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस ।
2.	डॉ. परमेन्द्र अहिरवाल	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका	रोल ऑफ डायबिटिज इन पिरियडेन्टाइटिस ।

			एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	
3.	डॉ. पूनम जाखड़	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे. एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ शिरीषबीजादि अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ार्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेरिनियम ।
4.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे. एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।	रोल ऑफ करंजादि अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ब्लेफीराईटिस ।
5.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	लखनऊ में 4-6 नवम्बर 2016 को आयोजित इंटीग्रेटेड मेडिसिन फॉर परफेक्ट हैल्थ विषयक 19वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	एनशिएन्ट ओकूलर द् रेपीज ।
6.	डॉ. राकेश विश्नोई	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद कॉलेज द्वारा 24-25 मार्च 2017 को उदयपुर में आयोजित रोल ऑफ आयुर्वेद इन नॉन-कम्यूनिकेबल डिज़िज - प्रजेन्ट ग्लोबल चैलेन्जेज - मंथन 2017 विषयक राष्ट्रीय सेमीनार ।	मैनेजमेन्ट ऑफ टिनीटस : रोल ऑफ आयुर्वेद ।
7.	डॉ. राकेश विश्नोई	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कोरिलेशन बिटवीन टिनीटस एण्ड डायबिटिज़ मिलीटस - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।
8.	डॉ. पूनम जाखड़	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे. एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ शिरीषबीजादि अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेरिजियम।

			विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।	
9.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जे. एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नादेड़, गुजरात द्वारा 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित शालाक्य तंत्र विषयक द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।	रोल ऑफ करञ्जादि अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ब्लेफीराईटिस ।
10.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	लखनऊ में 4-6 नवम्बर 2016 को आयोजित इंटीग्रेटेड मेडिसिन फॉर परफेक्ट हैल्थ विषयक 19वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	एनशिएन्ट आकूलर थेरेपीज ।
11.	डॉ. पूनम जाखड़	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	क्योरेटिव एण्ड प्रीवेन्टिव एस्पेक्ट ऑफ ड्राई आई इन डायबिटिज इन आयुर्वेद ।
12.	डॉ. निकिता	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रिकरन्स ऑफ स्टायी इन डायबेटिक पेशेन्ट - ए केस स्ट्डी ।
13.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रोल ऑफ वासाकादि क्वाथ इन डायबेटिक रेटिनल हैमोह्रेज ।
14.	डॉ. प्रेम	डॉ. गुलाब पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका	कफपरिषेक (हाइपरसालीवेशन) एज़ कोम्पलीकेशन इन मधुमेह (डायबिटिज मिलीटस) ।

			एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	

विभाग द्वारा निम्नलिखित इकाइयाँ एवं क्लिनीक्स चलाई जा रही है –

चिकित्सकीय कार्य – विभाग द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत रोग परीक्षण एवं चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति बाहुल्य वाले क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल-चिकित्सा शिविरों में भी विभाग के संकाय-सदस्यों द्वारा भाग लिया गया ।

नेत्र इकाई – इस इकाई में नेत्र रोगों यथा – रिफ्रक्टिव इरर्स, केटरेक्ट, कम्प्युटर विजन सिंड्राम, कन्जंक्टिविटिज, रेटिनल की चिकित्सा की जाती है । यह इकाई ऑटोरेफ्रेक्टोमीटर, पेरीमीटर, लेन्सोमीटर, स्लीट लैम्प, 90 डी लैन्स, केराटोमीटर, ए स्केन आदि से सुसज्जित है । इस इकाई में चिकित्सा पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों जिसमें विशिष्ट चिकित्सा कर्म यथा – अक्षितर्पण, पुटपाक, आश्च्योतन, नस्य, शिरोधारा, शिरोपिचु, शिरोभ्यंग, विडालक, अन्नलेपन, नेत्र परीक्षा पिण्डी, विडालक एवं लेखन, चक्षुक्षय बस्ति, अग्नि कर्म आदि सम्मिलित है के द्वारा डायबेटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा, कटरेक्ट, मैकुलर डिजनरेशन, मायोपिया आदि विभिन्न नेत्र-रोगों एवं विकृतियों की चिकित्सा की जाती है । विभाग में 13,256 रोगी विभिन्न नेत्र विकृतियों की चिकित्सा हेतु आये ।

नेत्र-जांच इकाई – इस इकाई में विभिन्न नैदानिक जांचे यथा – रिफ्रेक्शन, टोनोमेट्री, पेरीमेट्री आदि की गई। आलोक्य वर्ष में कुल 10,444 रोगियों के नेत्रों का रिफ्रेक्शन किया गया ।

ई.एन.टी. इकाई – इस इकाई में कान, नाक, गला तथा सिर व गर्दन से सम्बन्धित व्याधियों की चिकित्सा की जाती है । यह इकाई ऑडियोमेट्री, नेजल एण्डोस्कोप्स आदि उपकरणों से सुसज्जित है जो कि नैदानिक जाँचादि में अति-महत्वपूर्ण होते हैं । नस्य, कवल, गण्डूष, शिरोभ्यंग, शिरोधारा, कर्णपिचु, कर्ण प्रमार्जन, कर्णपूरण, ईयर सिरिंइंग, ऑटोस्कोपी आदि कर्मो आधारित चिकित्सा द्वारा सिर:शूल, साइनुसाइटिस, अर्धावभेदक, ट्राइजेमाईनल न्युरलजिया, हेयर फॉल, डैण्ड्रफ, राइनाइटिस, डिवियेटेड नेसल सेप्टम, नेसल अलर्जिज, बधिरता, सीएसओएम, टीनीट्स, ओटेल्जिया, ईअर वेक्स, ऑटोमिकोसिस, टॉन्सिलाइटिस, फैरिजांइटिस, माउथ अल्सर, एसएमएफ आदि रोगों के रोगियों की चिकित्सा की जाती है । इस इकाई में 5,229 रोगी कर्ण, नासा एवं गला सम्बन्धित विकृतियों की चिकित्सा हेतु आये ।

दन्त इकाई – इस इकाई द्वारा दंतजन्य रोगों यथा डेन्टल केरिज, पायरिया, जीजेवाइटिस आदि की जांच एवं चिकित्सा की जाती है । खराब हुये दांतों को निकालने, दांतों का शल्कन एवं साफ-सफाई आदि कर्म नियमित किये जाते हैं। इस इकाई द्वारा 5,864 रोगियों को दन्त चिकित्सा उपलब्ध कराई गयी ।

क्रियाकल्प इकाई – विभाग में यह इकाई सुचारु रूप से कार्य कर रही है जिसमें विभिन्न क्रियायें यथा तर्पण, पुटपाक, नस्य, नेत्रपरिषेक, शिरोधारा, कवल, गण्डूष, सिरो अभ्यंग, कर्ण पिचु, कर्ण प्रमार्जन, कर्णपूरण, इयर सिरिंजिंग, धूमपान आदि रोगियों के लाभार्थ किये जाते हैं । इस इकाई में 6,900 रोगियों की विभिन्न क्रियाकल्प विधियों द्वारा चिकित्सा की गई ।

नेत्र-व्यायाम इकाई – इस इकाई में विभिन्न नेत्र रोगों यथा – रिफ्रेक्टिव एरर्स, ग्लूकोमा, आरपी, एआरएमडी आदि सें नेत्र-दृष्टि को संरक्षित कराने हेतु विभिन्न नेत्र-व्यायाम कराये जाते हैं । रोगियों के लाभार्थ एवं स्पष्ठ नेत्र दृष्टि हेतु विभिन्न नेत्र-व्यायाम बताये जाते हैं जिनमें नेत्र-धावन, सनिंग, पामिंग, बॉल एक्सरसाईज, केंडल एक्सरसाईज, बॉर स्वीमिंग, वैपॉर तथा कोल्ड पेड् सम्मिलित है । नेत्र-व्यायाम इकाई में इस वर्ष चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगियों की कुल संख्या 573 रही है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान विभिन्न इकाईयों में बहिरंग विभाग की रोगी-संख्या निम्न प्रकार से रही है –

माह	नेत्र	ईएनटी	दन्त	रिफ्रक्शन	क्रिया-कल्प	ओ. टी.	नेत्र-व्यायाम
अप्रैल	1055	404	474	694	326		43
मई	1039	390	622	751	327		42
जून	946	392	518	679	219		40
जुलाई	879	436	390	650	267		43
अगस्त	1096	487	348	805	861		42
सितम्बर	1261	526	526	827	1142		37
अक्टूबर	1112	425	496	756	769		52
नवम्बर	1042	407	415	689	653		50
दिसम्बर	1190	459	458	1600	473		99
जनवरी	1034	390	508	882	579		61
फरवरी	1257	371	583	1	770		44
मार्च	1345	542	526	817	703		55
योग	13256	5229	5864	9151	7089		608
महायोग	**41197**						

वर्ष के दौरान सम्पन्न की गई विभिन्न प्रक्रियाओं की संख्या निम्न प्रकार है :-

प्रक्रिया	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
अक्षितर्पण	119	52	59	92	128	147	50	71	72	105	133	167
नस्य	238	174	99	105	194	287	133	258	213	220	254	286
तर्पण	85	105	102	41	62	39	28	33	62	144	165	102
कर्णपूर्ण	28	36	7	49	42	64	16	42	44	59	44	56
सिरोधारा	11	6	0	12	5	5	0	0	8	0	3	21
नासा पिचु	12	8	0	11	6	20	1	2	8	0	26	20
कर्ण पिचु	1	0	0	11	15	15	1	22	0	5	8	17
पिण्डी	35	23	8	9	60	47	30	30	9	23	28	30
जलौका	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
प्रतिसरण	4	0	1	16	6	2	2	12	0	0	0	1
शिरोपिचु	24	15	13	24	16	12	9	23	22	24	27	32
गण्डूष	151	114	65	63	17	37	7	0	0	2	0	2
अन्य	42	24	17	14	30	111	37	55	17	36	18	38
योग	**750**	**557**	**371**	**449**	**581**	**786**	**314**	**548**	**455**	**618**	**706**	**772**
सकल योग	**6907**											

अवार्ड -

- डॉ. के. जे. सुरंगी, स्नातकोत्तर अध्येता को शालाक्य तंत्र विषय 31 अगस्त से 3 सितम्बर 2016 तक आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इनके द्वारा प्रस्तुत किये गये पत्र के लिए 'यंग साइंटिस्ट अवार्ड' प्रदान किया गया ।

विविध गतिविधियाँ - विभाग में निम्नलिखित विभिन्न गतिविधियाँ सम्पन्न की गई -

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	1. आईपीजीटीएण्डआरए में बाह्य परीक्षक के रूप स्नातकोत्तर परीक्षक नियुक्त की गई तथा पीएच.डी. शोध महानिबन्ध की जांच की गई ।

		2. शलाकी (टीएएस), All India Association of Opthalmology, Otorhinolaryngeology and Dentistry की उपाध्यक्षा नियुक्त की गई । 3. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल की अध्यक्ष नियुक्त की गई ।
2.	डॉ. गुलाब चंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. निरीक्षक नियुक्त किये गये तथा आयुर्वेदिक नर्स-कम्पाउण्डर प्रशिक्षण केन्द्र, आबू रोड़, राजस्थान को सत्र 2016-17 हेतु सम्बद्धता प्रदान करने हेतु 11-8-2016 को इस केन्द्र का निरीक्षण किया गया । 2. परीक्षक के रूप में नियुक्ति की गई एवं आईपीजीटीआरए, जामनगर केन्द्र पर स्नातकोत्तर परीक्षा सम्पन्न करायी गई तथा आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब मे 20-21 मार्च 2017 को स्नातक परीक्षा सम्पन्न कराई गयी ।
3.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन लेक्चरर	निम्न के रूप में कार्य किया - 1. संभाषा 2017 की आयोजन समिति के संयुक्त सचिव । 2. निम्न के सदस्य के रूप में कार्य किया - एनएबीएच हेतु चिकित्सालय में संक्रमण नियंत्रण दल, विदेशी गैर-तकनीकी छात्रों हेतु परिचयात्मक प्रमाण-पत्र कोर्स हेतु पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करने हेतु समिति, एनआईए न्युज़लेटर का सम्पादक मण्ड़ल, विदेशी मेडिकल प्रोफेशनल्स हेतु पीजी डिप्लोमा कोर्स की पाठ्यक्रम मसौदा तैयार करने हेतु समिति । 3. तंरग 2017 - वार्षिक खेलकूद के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 4. विश्वविद्यालय में आयुर्वेदाचार्य अन्तिम वर्ष के पत्रों के पुनर्मूल्यांकन का कार्य । 5. लेक्चरर पदों हेतु आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट के मूल्यांकनकर्ता । 6. भौतिक सत्यापन अधिकारी के रूप में कार्य किया ।

******

शल्य तंत्र विभाग

परिचय: शल्य तंत्र विभाग संस्थान का एक महत्त्वपूर्ण विभाग है । विभाग के अध्यापक विभिन्न शल्य एवं पराशल्य प्रक्रियाओं विशेषज्ञ है । आयुर्वेद के क्षेत्र में शल्य तंत्र विभाग लोक कल्याण के हित में नवीन कार्यो का संचालन करके एक नई अनुसंधान आधारित परंपरा विकसित कर रहा है । विभाग का बाह्य रोगी विभाग (जनरल शल्य, अनोरेक्टल एवं ऑर्थोपेडिक), अन्तरग रोगी विभाग, लघु ऑपरेशन थियेटर (शस्त्र कर्म, क्षार कर्म, क्षार सूत्र, अग्निकर्म एवं रक्तमोक्षण इकाईयाँ) है तथा प्रमुख ऑपरेशन थियेटर है । शल्य तंत्र विभाग के अन्तर्गत स्नातक, डिप्लोमा पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. हेतु हाथ से हाथ को शल्यचिकित्सा का प्रशिक्षण के साथ अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है । प्रमुख शस्त्र कर्मागार में सीसीटीवी कैमरा सुविधा उपलब्ध है जो कि कक्षाओं से जुड़े हुये है जिसके माध्यम से छात्रों के ज्ञानार्जन हेतु शल्य चिकित्सा का सीधा प्रसारण किया जाता है ।

शल्य तंत्र विभाग आयुर्वेद पद्धति के शल्य चिकित्सा पहलुओं को गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शल्य चिकित्सा सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों संचालित कर रहा है । अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, मर्म चिकित्साल एवं शल्य कर्म पद्धतियों द्वारा अर्श एवं भगन्दर की चिकित्सा क्षार कर्म एवं क्षार सूत्र पद्धति द्वारा, गृध्रसी, संधिवात, कदर, वातकंटक, चर्मकील, अवबाहुक, टेनिस एल्बो आदि के लिए विशेष उपचार प्रदान किया जाता है ।

पुराने गैर-चिकित्सा अल्सर के लिए उपचार, पेरीरियल वैस्कुलर विकार का विभाग द्वारा जलौकावचरण विधि द्वारा भी उपचार प्रदान किया जाता है । विभाग में भग्न, मूत्र अश्मरी (यूरेनरी कैलकुलाई), उण्डुकपुच्छ शोथ(अपेंडिसाइटिस), पित्ताशय शोथ(कोलेसीसिटाइटिस) अश्मरी पित्ताशय अश्मरी(कोलेलिथियासिस), वृद्धि रोग(हाइड्रोसेले हर्निया इत्यादि) एवं सामान्य शल्य विकारों की चिकित्सा की जाती है । विभाग में 6 पीएच. डी. अध्येता एवं 21 स्नातकोत्तर अध्येता है ।

शल्य विभाग का अपना अच्छी प्रकार से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर है जहाँ सभी प्रकार की शल्य प्रक्रियाऐं यथा - एपेनडेक्टोमी, कोलेकायस्टोमी,अपेन्डेक्टोमी, चॉलेसिस्टेक्टोमी, हर्नियल रिपेयर्स, मास्टेक्टोमी, थायरोइडेक्टटोमी इत्यादि उचित संज्ञाहरण के अन्तर्गत सम्पन्न की जाती है ।

बहिरंग रोगी एवं अन्तरंग रोगी विभाग के सभी रोगियों को उचित उपचार प्रदार किया जाता है । विभाग में शल्य चिकित्सा, एनोरेक्टल एवं ओर्थोपेडिक रोगियों हेतु पृथक इकाईयाँ है । विभाग द्वारा संस्थान के प्रांगण में स्थिति चिकित्सालय एवं सिटी होस्पिटल के दोनों में ओपीडी शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित किये जाते है ।

बहुत से रूग्ण व्यक्तियों हेतु चिकित्सा की विशेष प्रक्रियाऐं यथा क्षार कर्म, क्षार सूत्र, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौकावचरण, सिरावेध्यं इत्यादि अपनाई जाती है । शल्य विभाग में विभिन्न शोध परियोजनाऐं चल रही है। जनरल-सर्जन एवं अनेस्थेटिस्ट द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं के ज्ञानार्जन हेतु अतिथि व्याख्यान दिये जाते है ।

विभाग शल्य चिकित्सा नमूनों, मॉडल्स, शिक्षण सामग्री, सीडी, शल्य चिकित्सा सम्बन्धित तस्वीरों और चार्ट्स से सुसज्जित है । विभाग में अपना पुस्तकालय है जिसमें लगभग 1,000 पुस्तकें उपलब्ध है । विभाग में कमप्युटर, प्रिन्टर, डिजिटल कैमरा, एलसीडी प्रोजेक्टर आदि है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 2 लेक्चरर्स एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

वर्तमान में, शल्य तंत्र विभाग में 21 स्नातकोत्तर छात्र एवं 6 पीएच.डी. अध्येता नियमितरूप से अध्ययनरत है।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक

अ) आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा – उपरोक्त शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग द्वारा आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा के छात्रों को सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है । डॉ. एस. आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार इन छात्रों को बहिरंग विभाग, अन्तरंग विभाग एवं शल्य कर्मागार में शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

ब) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को शल्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । छात्रों को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

स) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को शल्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

द) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये ।

शोध – आलोच्य वर्ष के दौरान, एम.एस. (आयुर्वेद) के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. निम्बा राम चौधरी	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्कलेरोथेरेपी एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फर्स्ट एण्ड सैकण्ड डिग्री इन्टरनल हेमोरोहिड्स ।
2.	डॉ. शाहिन अहमद	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विभीतक क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला इन एनो)
3.	डॉ. दुर्गा कटारमल	डॉ. बी. बी. पाण्डे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलु एण्ड शल्लकी अलांग विथ हरिद्रा एण्ड गुडूची कषाय इन केरोस्टूकासिरसा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।
4.	डॉ. प्रियंका साहू	डॉ. जे. पी. वर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वराज मेहरवाल	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार कर्म एण्ड Thiersch's Procedure इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदभ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शियल रेक्टल प्रोलेप्स।

5.	डॉ. राकेश कुमार राठौड़	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर मि. गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एसेस द् एन्टी-इनफ्लेमेन्टरी एण्ड एनालजेसिक प्रोपर्टीज ऑफ निर्गुण्डी एक्सट्रेक्ट ।
6.	डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. स्वराज मेहरवाल	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ भल्लातकादिलेप इन चर्मकीला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्युटेनियस वार्ट्स।

आलोच्य वर्ष के दौरान, एम.एस. (आयुर्वेद) के अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. लक्ष्मी सैनी	डॉ. नरेन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन मुस्तादि-उपनाह एण्ड थेरेप्युटिक एसेन्ट्रिक एक्सरसाईज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्नायु-विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेनिस एल्बो ।
2.	डॉ. विनोद कुमार	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।
3.	डॉ. रामप्रसाद सिन्हा	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन निम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स)।
4.	डॉ. विनोद कुमार गर्ग	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शुंठ्यादि क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट त्रिविक्रम रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलीथाइसिस ।
5.	डॉ. अतुल अग्रवाल	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर मि. गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एक्सेस द् एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रक्चर हीलिंग इन रेबिट मॉडल ।
6.	डॉ. राकेश प्रसाद	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ द् अर्कादि घन ओइन्टमेन्ट एण्ड लोशन इन व्रण (एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी) ।
7.	डॉ. सोमदत्त	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ बृहतसिंहनाद गुग्गुलू, गोदन्ती, रसमाणिक्य विथ महारास्नादि कषाय इन नॉन-स्पेसिफिक नी एफ्यूज़न विज़-ए-विज़ जानू संधि श्लेष्मधरा कला शोथ ।
8.	डॉ. नरेश धाकड़	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मात्रा बस्ति एण्ड लेटरल इन्टरनल स्फिंकट्रेक्ट्रोमी इन परिकर्तिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक फिशर इन एनो ।
9.	डॉ. नीरज जैन	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मर्म चिकित्सा एण्ड अग्नि कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अवबाहुक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फ्रोजन शोल्डर्स ।

10.	डॉ. नेत्र बहादुर	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्नुही प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आभ्यान्तर अर्श (इन्टरनल पाईल्स) ।
11.	डॉ. सुरेश कुमार	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्नि कर्म एण्ड आभा गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्नायु-विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेक्ववेन स्टेनोसिवैक्टिस ।
12.	डॉ. दिनेश कुमार अहेरवार	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन व्रण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू व्रणोपकर्म एण्ड दैयर एप्लीकेशन इन प्रजेन्ट कान्टेक्सट ।
13.	डॉ. लोकेश यादव	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वेदनाहरण महाकषाय (डिकोक्शन), कटी बस्ति एण्ड योग मोडलिटीज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एक्यूट लम्बोसेकल स्प्रेन/स्ट्रेन ।
14.	डॉ. जयवर्द्धन सिंह	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलू विथ हरिद्रा एण्ड रास्नादशमूलादि कषाय एण्ड सिरावेध इन Krostukasirsa विथ स्पेशियल रेफरेन्स ऑन स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।
15.	डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	धन्वन्तर तैल उत्तर बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वाताष्ठीता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (बीपीएच) - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये -

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आलोक कुमार	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ कदली, आरग्वध एण्ड पलाश क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज, पित्तज एण्ड कफज भगन्दर।
2.	डॉ.विनीत कुमार जैन	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ मृदु, मध्यम एण्ड तीक्ष्ण अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स) ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित जारी व प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आदित्य कुमार शैल	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	A Comparative Clinical study of Tamsulosin, Virtarvadi Gana Kashaya and Dhanvantara Tail Matra Vasti in the Management of Vatastheela W.S.R. to Benign Prostatic Hyperplasia (BPH).
2.	डॉ. हारीत कुमारी	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार	A Randomised Controlled Clinical Trial to

		प्रोफेसर	assess the Efficacy and Safety of Plantar Iontophoresis with Nirgundi and Agnikarma in the Management of Padakantaka w.s.r. to Plantar Fasciitis.
3.	डॉ. सबल प्रताप सिंह जादौन	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	Review of Prostatic Carcinoma in Ayurvedic Prospective and an Experimental Study to evaluate the Preventive Effect of Shilajit (Asphaltum punjabinum) in Testosterone induced Prostatic Malignancy in Albino Rats.
4.	डॉ. प्रशान्त सैनी	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Development of Protocol for Clinical Assessment and Evaluation of Chedana Karma followed by Pratisarniya Kshara as per Doshik Predominance in Bhagandara.

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । आलोच्य वर्ष के दौरान, चिकित्सा की विभिन्न विधियों यथा–शल्य कर्म, अग्नि कर्म, जलोकावचरण तथा क्षारकर्म द्वारा रोगियों की चिकित्सा की गई । विभिन्न व्याधियों से ग्रसित रोगियों पर निम्नलिखित 821 ऑपरेटिव प्रोसिजर्स तथा 21,565 पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स किये गये –

ऑपरेटिव प्रोसिजर्स

क्र.सं.	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स का नाम	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स की संख्या
1.	Cholecystectomy	08
2.	Appendecectomy	04
3.	Inguinal Herniotomy	02
4.	Inguinal Hernioplasty with eversion of sac	06
5.	Inguinal Herniotomy and Hernioplasty	33
6.	Femoral Herniorraphy	01
7.	Peritoneal Defect Repair	01
8.	Epigastric Hernia	03
9.	Orchidectomy	02
10.	Fournier's Gangrene – Scrotoplasty	01
11.	Ovarian Cyst/Hystrectomy	02
12.	Breast fibroadenoma excision	04
13.	Excision	96
14.	Incision and Drainage(I&D)	65
15.	Circumcision	03
16.	Tongue tie release	01
17.	Frenulotomy	01
18.	Lobuloplasty	09
19.	Partial Fistulotomy with Ksharasutra	128
20.	Ksharasutra	60
21.	Fistulotomy	58
22.	Fistulectomy/Exploration of tract	32
23.	Fistulectomy with Kshara karma	22
24.	Lords Anal Dilatation	07
25.	Sphincterotomy with tag excision/Agnikarma	101
26.	Arsha Bandana (Plication)	58
27.	Kshara karma	28
28.	Kshara sutra for Arshas	14
29.	Haemorrhoidectomy/Shastra karma	30
30.	Sclerotherapy	08
31.	Perianal haematoma excision	04

32.	Nadivrana Chedana (PNS)	21
33.	Ano rectal growth Biopsy	07
34.	Closed Reduction	01
	योग	821

पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स

क्र.सं.	पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स का नाम	पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स की संख्या
1.	क्षारकर्म	189
2.	क्षारसूत्र	518
3.	अग्निकर्म	677
4.	जलौकावचरण	641
5.	बंधनकर्म – ड्रेसिंग	19, 540
	योग	21, 565

विभाग के अध्यापकों द्वारा संस्थान द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों के एससी/एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गए चल–चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:–

क्र. सं.	चिकित्सक का नाम	शिविर का स्थान	तिथि
1.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	शल्य तंत्र विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	20-11-2016
2.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जिला डूंगरपुर में आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर ।	6-11 June 2016
		शल्य तंत्र विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	20-11-2016
3.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उदयपुर जिला में आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर ।	16-21 May 2016
		शल्य तंत्र विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	20-11-2016
		जयपुर स्थित रामनिवास बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
4.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जयपुर स्थित जवाहरनगर, सेक्टर–2, चित्रकूट बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
		शल्य तंत्र विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	20-11-2016
पीएच.डी./स्नातकोत्तर अध्येता			

1.	डॉ. सबल प्रताप सिंह जादौन	जयपुर स्थित रामनिवास बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
2.	डॉ. आदित्य कुमार शैल	जयपुर स्थित रामनिवास बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
4.	डॉ. प्रशान्त सैनी	जयपुर स्थित जवाहरनगर, सेक्टर–2, चित्रकूट बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
5.	डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया	उदयपुर जिला में आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर ।	16-21 May 2016
		जयपुर स्थित रामनिवास बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
6.	डॉ. शाहिन अहमद	जिला डूंगरपुर में आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर ।	6-11 June 2016
		जयपुर स्थित जवाहरनगर, सेक्टर–2, चित्रकूट बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
7.	डॉ. राकेश कुमार राठौड़	जयपुर स्थित रामनिवास बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
8.	डॉ. विनोद कुमार मौर्य	जिला डूंगरपुर में आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर ।	6-11 June 2016
9.	डॉ. रामप्रसाद सिन्हा	जयपुर स्थित जवाहरनगर, सेक्टर–2, चित्रकूट बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016
10.	डॉ. राकेश प्रसाद	उदयपुर जिला में आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर ।	16-21 May 2016
		जयपुर स्थित रामनिवास बाग क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित 'प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटीज मिलीटिस' विषयक चिकित्सा शिविर ।	28-10-2016

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	मल्टीपल स्टेज सर्जिकल एप्रौच अलांग विथ क्षारसूत्र थैरेपी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हाई एनल फिस्टूला (भगन्दर)।	जर्नल ऑफ रिसर्च इन ट्रेडिशनल मेडिसिन मार्च-अप्रैल 2016 वॉल.2, इश्यू 2 ISSN: 2455-3166
2.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए केस स्ट्डी ऑफ प्रतिसारणीय क्षार कर्म इन भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साईन्सेज अप्रैल 2016 वॉल. 2, इश्यू 2 ISSN 2454-2229
3.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	रोल ऑफ विरेचन कर्म एण्ड व्रण बस्ति इन दुष्टव्रण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक ऑस्टियोमायलाइटिस (अस्थि मज्जा वृद्धि) - ए केस रिपोर्ट ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च । अप्रैल 2016 वॉल. 5, इश्यू 5 ISSN 2277-7105.
4.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ जलौकावचरण एण्ड समशमन चिकित्सा इन एक-कुष्ठ विथ स्पेशिल रेफरेन्स टू सोराइसिस - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल अक्टुबर, 2016 वॉल. 4, इश्यू 10 ISSN: 2320 5091
5.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए पाइलेट स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ कदली क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज भगन्दर ।	अन्वेषण आयुर्वेद मेडिकल जर्नल नवम्बर-दिसम्बर 2016 वॉल. 2, इश्यू 6 ISSN:2395-4159
6.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश (रेक्टल प्रोलेप्स)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टुबर-दिसम्बर 2014 वॉल. 3, नं. 4 ISSN No. 2321-0435
7.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ कदली, आरग्वध एण्ड पलाश क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज, पित्तज एण्ड कफज भगन्दर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशनाधिन)
8.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ मृदु, मध्यम एण्ड तीक्ष्ण अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN NO-2321-0435 (प्रकाशनाधिन)
9.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ अर्शोघनी वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श - ए क्लिनीकल स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9, नं. 2 अप्रैल-जून 2015

10.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ गुग्गुलू चित्रक क्षार-सूत्र एण्ड स्नुही अपामार्ग क्षार-सूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ फिस्टूला इन एनो।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10, नं. 2 अप्रैल-जून 2016
11.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मल्टीपल स्टेजेज़ सर्जिकल एप्रौच अलांग विथ क्षारसूत्र थैरेपी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हाई एनल फिस्टूला (भगन्दर) ।	जर्नल ऑफ रिसर्च इन ट्रेडिशनल मेडिसिन मार्च-अप्रैल 2016 वॉल. 2, इश्यू 2 ISSN: 2455-3166
12.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ अर्शोघ्नी वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श - ए क्लिनीकल स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9, नं. 2 अप्रैल-जून 2015
13.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ गुग्गुलू चित्रक क्षार-सूत्र एण्ड स्नुही अपामार्ग क्षार-सूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ फिस्टूला इन एनो।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10, नं. 2 अप्रैल-जून 2016
14.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिल पेन एण्ड अग्निकर्म : एन आयुर्वेद एप्रौच ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 3, 2017 ISSN 2277-7105
15.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ऑल देट मेटर्स - इन अलाइजीमेरर्स	आयुर्वेद एण्ड ऑल वॉल. 13, नं. 4 अप्रैल 2016 ISSN No. 0973-9831
16.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	योग : ए साइन्टिफिक सागा ।	आयुर्वेद एण्ड ऑल वॉल. 13, नं. 5 ISSN No. 0973-9831
17.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वू विथ द् डेंगू थ्रो ।	आयुर्वेद एण्ड ऑल वॉल. 13, नं. 6 अक्टुबर 2016 ISSN No. 0973-9831
18.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डाईबेसिटी : द् ट्वन्टी फर्स्ट सेन्चुरी एपीडेमिक ।	आयुर्वेद एण्ड ऑल जनवरी 2017 वॉल. 13, नं. 1 ISSN No. 0973-9831

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में पीएच.डी. एवं पी.जी. अध्येताओं द्वारा प्रकाशित लेख -

Sl.No.	Author's Name	Title	Publication Details
1.	डॉ. अशोक कुमार	मल्टीपल स्टेजेज़ सर्जिकल एप्रौच अलांग विथ क्षारसूत्र थैरेपी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ हाई एनल फिस्टूला (भगन्दर) ।	जर्नल ऑफ रिसर्च इन ट्रेडिशनल मेडिसिन मार्च-अप्रैल 2016 वॉल. 2, इश्यू 2 ISSN: 2455-3166
2.	डॉ. अशोक कुमार	ए पाइलेट स्ट्डी टू एवेल्युएट द्	अन्वेषण आयुर्वेद मेडिकल

		एफिकेसी ऑफ कदली क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज भगन्दर ।	जर्नल नवम्बर–दिसम्बर 2016 वॉल. 2, इश्यू 6 ISSN:2395-4159
3.	डॉ. विनित जैन	ए केस स्ट्डी ऑफ प्रतिसारणीय क्षार कर्म इन भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साईन्सेज अप्रैल 2016 वॉल. 2, इश्यू 2 ISSN 2454-2229
4.	डॉ. विनित जैन	रोल ऑफ विरेचन कर्म एण्ड व्रण बस्ति इन दुष्टव्रण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक ओस्टेमाईलीटिस (अस्थि मज्जा वृद्धि) – ए केस रिपोर्ट ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च । अप्रैल 2016 वॉल. 5, इश्यू 5 ISSN 2277-7105.
5.	डॉ. शिक्षा नायक	इफेक्ट ऑफ जलौकावचरण एण्ड संशमन चिकित्सा इन एक–कुष्ठ विथ स्पेशिल रेफरेन्स टू सोराइसिस – ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल अक्टुबर, 2016 वॉल. 4, इश्यू 10 ISSN: 2320 5091

(सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी	दिनांक
1.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद द्वारा आईपीजीटीएण्डआरए, गुजराज आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में बीएएमएस एवं एमडी/एमएस(आयु.) पाठ्यक्रम पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला ।	3-5 जून 2016.
2.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	गुफिक हर्बल डिविजन, जयपुर द्वारा ज्वाईन्ट आर्थेराइटिस एवं गाऊट विषयक सीएमई प्रोग्राम ।	25 जून 2016.
3.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद द्वारा आईपीजीटीएण्डआरए, गुजराज आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर में बीएएमएस एवं एमडी/एमएस(आयु.) के विनियमों पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला ।	1-3 जुलाई 2016.
4.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	27-29 जुलाई 2016.
5.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राजकीय स्वायत्तशासी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, उज्जैन में चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	28 अगस्त, 2016.

6.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	आयुष प्रशिक्षण केन्द्र, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित क्षारसूत्र विषयक आयुष नर्सेज के सीएमई प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	26 सितम्बर से 1 अक्टुबर 2016
7.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा दिनांक 14-15 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया गया ।	14 से 16 नवम्बर 2016
8.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में छात्रों एवं स्टॉफ हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	20 नवम्बर 2016
9.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार एवं विज्ञान भारती द्वारा आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया गया ।	1-4 दिस. 2016
10.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भारतीय गुणवत्ता परिषद, नई दिल्ली द्वारा एनएबीएस आयुष असेसर ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया गया ।	16 से 20 जनवरी, 2017
11.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एन.के.जे. आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड पीजी सेन्टर, बिदर द्वारा आयोजित शल्य तंत्र व्रण सिद्ध - 2017 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	28 जनवरी, 2017
12.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	सुश्रुत प्रोक्टोलोजी एसोसिएशन, माउण्ट आबू, राजस्थान द्वारा आयोजित चतुर्थ वार्षिक सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	4 व 5 फरवरी 2017
13.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।	5 से 7 फरवरी, 2017
14.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017.
15.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	पं. खुशीलाल शर्मा राजकीय आयुर्वेद संस्थान, भोपाल द्वारा एवं आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार	2-4 मार्च, 2017.

		द्वारा प्रायोजित आयुर्कोन 2017 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	
16.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	25 मार्च 2017.
17.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राजकीय स्वायत्तशासी अष्ठांग आयुर्वेद कॉलेज, इंदौर, एम.पी. में आयोजित धन्वन्तरि प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	21 जून 2016
18.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, आइएमएस, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी. में आयोजित रिसेन्ट एडवान्समेन्ट्स इन मैनेजमेन्ट ऑफ कोम्पलेक्स फिस्टुला इन एनो विषय कार्यशाला में भाग लेकर पत्र प्रस्तुत किया ।	20 अगस्त से 1 सितम्बर 2016
19.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय स्वायत्तशासी आयुर्वेद कॉलेज एवं होस्पिटल, जबलपुर, एमपी में आयोजित धन्वन्तरि प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	7-8 सितम्बर 2016
20.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	28 अक्टुबर 2016
21.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विज्ञान भारती द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन विषयक प्रदर्शनी में भाग लिया गया ।	16-17 दिस. 2017
22.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	5 से 7 फरवरी 2017
23.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी 2017
24.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पं. खुशीलाल शर्मा राजकीय आयुर्वेद संस्थान, भोपाल द्वारा आयोजित एनोरेक्टल डिज़िज़ विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	3-4 मार्च, 2017

25.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्री सिम्पोजियम टू डवलप प्रोटोकोल फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिक फुट अल्सर्स' में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	15-18 मार्च, 2017
26.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
27.	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च 2017
28.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	27-29 जुलाई 2016
29.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वोलेन्ट्री हैल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 42वीं एनुअल जर्नल बॉडी मिटिंग में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	14 अक्टूबर 2016
30.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	निम्स नर्सिंग कॉलेज, निम्स यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा 'राईथिंग पेन एण्ड साइलेन्ट शिरेक्स: एम्पावरिंग द् कैंसर सरवाईवर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	2-3 दिस., 2016
31.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जयपुर स्थिति झालाना में पत्रिका टीवी पर वर्ल्ड कैंसर दिवस के अवसर पर वार्ता प्रसारित की गई ।	4 फरवरी, 2017
32.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017
33.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017.
34.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्री सिम्पोजियम टू डवलप प्रोटोकोल फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिक फुट अल्सर्स' में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	15-18 मार्च, 2017
35.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक	25 मार्च, 2017

		औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	
36.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, आइएमएस, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी. में आयोजित रिसेन्ट एडवान्समेन्ट्स इन मैनेजमेन्ट ऑफ कोम्पलेक्स फिस्टुला इन एनो विषय कार्यशाला में भाग लेकर पत्र प्रस्तुत किया ।	20 अगस्त से 1 सितम्बर 2016
37.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन एवं समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
38.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
39.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता -

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई का विवरण	दिनांक
1.	डॉ. सबल प्रताप सिंह जादौन	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
2.	डॉ. प्रशान्त सैनी	1-4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।	1-4 दिस. 2016

		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
3.	डॉ. आदित्य कुमार शैल	1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।	1-4 दिस. 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
4.	डॉ. हारीत कुमारी	आयुष मंत्रालय, भारत–सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	28 अक्टुबर 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा	25 मार्च, 2017

		25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	
5.	डॉ. प्रियंका साहू	1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।	1-4 दिस. 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
6.	डॉ. निम्बा राम	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
7.	डॉ. दुर्गा कटारमल	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग	25 मार्च, 2017

		लिया ।	
8.	डॉ. शाहिन अहमद	एजेज ऑफ मुंबई हेमेटोलोजी ग्रूप, इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स, एसएमएस मेडिकल कॉलेज एण्ड फोर डिकेड्स ट्रस्ट, जयपुर द्वारा आयोजित 'प्लेटलेट कोन्कलेव' में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।	23 अप्रैल 2016
		1–4 दिसम्बर 2916 को साइन्स सिटी, कोलकाता में आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में भाग लेकर पत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।	1-4 दिस. 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
9.	डॉ. राकेश कुमार राठौड़	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
10.	डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक	8-9 फरवरी, 2017

		लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
11.	डॉ. लक्ष्मी सैनी	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		National Seminar on Opportunities and Role of Ayurveda in Non-Communicable Diseases-Present Global Challenge organized by Madan Mohan Malviya Government Ayurved College, Udaipur.	24-25 March 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
12.	डॉ. विनोद कुमार	आयुष मंत्रालय, भारत–सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	28 अक्टुबर 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
13.	डॉ. विनोद कुमार गर्ग	आयुष मंत्रालय, भारत–सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	28 अक्टुबर 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी	5-7 फरवरी, 2017.

		2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
14.	डॉ. राकेश प्रसाद	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
15.	डॉ. सोमदत्त	आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	28 अक्टुबर 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
16.	डॉ. नरेश धाकड़	आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ डायबिटिज थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	28 अक्टुबर 2016
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा :	5-7 फरवरी, 2017.

		मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
17.	डॉ. नीरज जैन	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
18.	डॉ. नेत्र बहादुर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
19.	डॉ. सुरेश कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		National Seminar on Opportunities and Role of Ayurveda in Non-Communicable Diseases-Present Global Challenge organized by Madan Mohan Malviya Government Ayurved College, Udaipur.	24-25 March 2017
20.	डॉ. दिनेश कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी	5-7 फरवरी, 2017.

		जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
21.	डॉ. लोकेश यादव	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
22.	डॉ. जयवर्द्धन सिंह	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017
		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017
23.	डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	5-7 फरवरी, 2017.
		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	8-9 फरवरी, 2017

		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पारंपरिक औषधि विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	25 मार्च, 2017

स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा शिविरों में भागीता –

क्र.सं.	पीजी एवं पीएच.डी. अध्येता का नाम	शिविरों का विवरण	दिनांक
1.	डॉ. सबलप्रताप डॉ. भरत कुमार सुथार	बिड़ला प्लेनेटोरियम, जयपुर में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित आरोग्यमेला ।	1-3 मार्च, 2014.
2.	डॉ. आशिष पारीक	संस्थान द्वारा श्री सवाईमाधोपुर, सीकर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29 सितम्बर, 2014.
3.	डॉ. अमित कुमार डॉ. प्रेमसुख	संस्थान द्वारा रतनगढ़, चूरु में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	28 दिसम्बर, 2014.
4.	डॉ. पदमेन्द्र पंचौरी डॉ. भरत कुमार सुथार	संस्थान द्वारा झाडौल, उदयपुर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	16-21 मार्च, 2015.

विभाग द्वारा चलायी जा रही इकाईयां –

अध्येताओं के शिक्षण एवं रोगियों को विशिष्ट चिकित्सा प्रदान करने हेतु विभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित 5 ईकाइयाँ संचालित है:-

क्र.सं.	इकाई का नाम	इकाई द्वारा किये जा रहे कार्य
1.	**सामान्य शल्य कर्म ईकाई**	इस ईकाई में सामान्य शल्य कर्म एवं गैर-शल्य कर्म द्वारा रोगियों को चिकित्सा प्रदान की जाती है ।
2.	**एनोरेक्टल ईकाई**	यह ईकाई गुदा एवं मलाशय सम्बन्धित रोग यथा भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो), अर्श (पाईल्स), परिकर्तिका (फिशर) आदि के रोगियों को विशिष्ट क्षारसूत्र चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान की जाती है ।
3.	**अस्थि भग्न ईकाई**	इस ईकाई का कार्य अध्येताओं को अस्थियों में उत्पन्न दोषों एवं उनकी चिकित्सा करने के विषय में ज्ञान प्रदान करना है । यह ईकाई अस्थि सम्बन्धित उपकरणों से सुसज्जित है तथा इसके द्वारा आयुर्वेद संहिताओं में वर्णित सूत्रों के आधार पर रोगी परिचर्या प्रदान की जाती है ।
4..	**जलौवकाचरण ईकाई**	इस ईकाई के माध्यम से जलौवकाचरण चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा रोगियों को प्रदान की जाती है तथा अध्येताओं को इसका प्रशिक्षण दिया जाता है ।
5.	**अग्नि कर्म ईकाई**	यह ईकाई कटिशूल, दद्रु-विचर्चिका, गृध्रसी, संधिवात, कदर, चर्मकील, अवबाहुक, वातकंटक, टेनीस एल्बो आदि के रोगियों को अग्निकर्म चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान करती है ।
6.	**मर्म चिकित्सा ईकाई**	यह ईकाई अवबाहुक, सर्वाइकल स्पोण्डेलेसिस, लो बेकएच, टेनिस एल्बो, ओस्टेओथ्रेराइटिस, माइग्रेन, न्युरोमस्कूलर एवं स्केलेटल आदि के रोगियों को मर्म चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान करती है ।

****

शरीर क्रिया विभाग

परिचयः यह एक स्नातकोत्तर विभाग है। इस विभागान्तर्गत आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार मानव शरीर के क्रियात्मक निर्माण तथा कार्यो पर अध्यापन, प्रदर्शन तथा अनुसंधान किया जाता है। इस विषयान्तर्गत शरीर, इन्द्रिय, मन एवं आत्मा के स्वरूप उनकी क्रियाओं का अध्ययन होता है। अध्येताओं को दोष, धातु एवं मल के प्राकृत स्थान स्वरूप एवं क्रियाओं का ज्ञान कराया जाता है। रक्त, शुक्र/आर्त्तव, मूत्र, कफ आदि के सैद्धान्तिक, प्रायोगिक अध्ययन, भौतिक, रसायनिक, नैदानिक एवं चिकित्सकीय परीक्षण क्रियाओं का अध्ययन कराया जाता है। श्वसन, रक्त संचरण, उत्सर्जन नाड़ी तन्त्र आदि विषयों का ज्ञान कराया जाता है। विभाग द्वारा नियमित पीएच.डी. करायी जाती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस) के छात्रों को शरीर क्रिया विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

प्रायोगिक कक्षाओं में दोष, धातु, मल आदि का छात्रों को अध्ययन कराया गया तथा रक्त, शुक्र, मल, मूत्र, कफ आदि की प्राकृत-अवस्था तथा विकृत-अवस्थाओं का प्रायोगिक परीक्षण करवाये गये । श्वसन-तंत्र, रक्त-संचरण तंत्र आदि की तकनीकी परीक्षण सम्पन्न करवाये गये ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर (एम.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । दोष, धातु, मल, रक्त, पुरीष, कफ आदि का प्रायोगिक अध्ययन छात्रों को उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये । नवीन अनुसंधानों हेतु कार्य योजना तैयार की गई तथा उनकी उपयोगिता एवं परिणामों का की समीक्षा की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंकिता	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. छाजूराम यादव असिसटेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिल स्ट्डी ऑफ मूत्रवह स्रोतस एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ श्वदंष्ट्रादि क्वाथ एण्ड वरुण क्वाथ इन मूत्राश्मरी (यूरोलीथायसिस)
2.	डॉ. गरिमा राज	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. छाजूराम यादव असिसटेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ पाचक पित्त एण्ड क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ एलादि चूर्ण एण्ड यवादि क्वाथ इन अम्लपित्त ।
3.	डॉ. भानुप्रताप सिंह	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसियेट प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ रक्त धातु एण्ड क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ धान्याकादि लेप एण्ड मंजिष्ठा चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ युवान पिडिका।
4.	डॉ. अजय	डॉ. ओमप्रकाश दाधीच	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ भ्राजक पित्त

		एसोसिएट प्रोफेसर	एण्ड क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ धात्रीखदिर क्वॉथ एण्ड गुंजाफलादि लेप ऑन श्वित्र ।
5.	डॉ. संजय कुमार साहू	डॉ. हेमराज मीणा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ शुक्रधातु एण्ड क्लिनिकल स्ट्डी ऑफ अश्वगंधादि चूर्ण इन क्षीण शुक्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अपानवायु वेग ।
6.	डॉ. गूगुलोटू रमेश	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ अधारणीय वेग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अपानवायु वेग।
7.	डॉ. कल्पना मेहर	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ रसवह स्रोतस एण्ड इफेक्ट ऑफ विभितकी वटक इन पाण्डुरोग ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मोथालिया ख्याति	डॉ. ओमप्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड देयर एप्लाईड स्ट्डी विथ व्योषादि गुग्गुलू एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन स्थौल्य ।
2.	डॉ. दिनेशचंद चौहान	डॉ. हेमराज मीणा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ प्राणवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इफेक्ट ऑफ कुल्थगुड़ लेह इन तमक श्वास ।
3.	डॉ. प्रियंका दरिया	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एप्लाईड स्ट्डी विथ व्योषादि गुग्गुलू एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन स्थौल्य ।
4.	डॉ. नीति अग्रवाल	डॉ. ओमप्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एस्पेक्ट विथ क्लिनीकल असेसमेन्ट ऑफ हिंगवादि चूर्ण एण्ड शुण्ठयादि क्वाथ इन आमवात ।
5.	डॉ. पूजा पारीक	डॉ. हेमराज मीणा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ शीत गुण ऑफ वात दोष इन गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू शेफालीपत्र क्वाथ एण्ड रास्नागुग्गुलू ।
6.	डॉ. राकेश छिपा	डॉ. हेमराज मीणा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ द्रव एण्ड उष्ण गुण ऑफ पित्त एण्ड दैयर एप्लाईड एस्पेक्ट विथ क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ खण्डकुशमाण्ड अवलेह एण्ड पटोलादि क्वाथ इन अम्लपित्त ।
7.	डॉ. चौ. हार्दिक योगेश कुमार	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड शीत गुण ऑफ कफ दोष एण्ड इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट इन विचर्चिका विथ क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ अर्क तैल एण्ड विडंगादि चूर्ण ।
8.	डॉ. हितेष कुमार	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू डवलप द् असेसमेन्ट क्राइटेरिया ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ शुक्र विथ रेस्पेक्ट टू मुसल्यादि चूर्ण ऑन शुक्र धातु क्षय (ओलीगोस्पर्मिया) ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 2 पीएच. डी. अध्येताओं के शोध कार्य पूर्ण हुये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. पंकज कोठारी	डॉ. हेमराज मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ कल्पित त्रिफलादि घन वटी एण्ड नवका गुग्गुलू ऑन ओबेसिटी ।
2.	डॉ. लक्ष्मी महाराणा	डॉ. ओमप्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ द्रव गुण ऑफ पित्त दोष विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अम्लपित्त ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 1 पीएच. डी. अध्येता का शोध कार्य जारी रहा –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नरिन्दर खजूरिया	डॉ. ओमप्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ मेध्य कर्म ऑफ पित्त दोष एण्ड इफेक्ट ऑफ गुडूच्यादि चूर्ण ऑन मेधा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्मृतिदौर्बल्य ।

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ एजिंग एण्ड इट्स प्रिवेन्टिव मीजर्स इन आयुर्वेद ।	अन्वेषण आयुर्वेद मेडिकल जर्नल । वॉल. 3, इश्यू 2, 2016 ISSN 23954159
2.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ मॉडर्न लाईफ स्टाईल ऑन रिप्रोडक्टिव हैल्थ ।	आईएजेपीआर वाल. 5, इश्यू 4 अक्टुबर-दिसम्बर 2016
3.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	कुलज व्रणोत्पत्ति इन आयुर्वेद एण्ड मॉडर्न साइन्स - ए रिव्यू ।	आईएजेपीआर वाल. 5, इश्यू 4 अक्टुबर-दिसम्बर 2016
4.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ क्रेटेवा नरवला (वरुण) ऑन मूत्राश्मरी (यूरोलीथायसिस) - ए रिव्यू ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10-2 अप्रैल जून 2016
5.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एपीलेप्सी एण्ड आयुर्वेद ।	दैनिक भास्कर 22-10-2016
6.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ल्यूकोडर्मा एण्ड आयुर्वेद ।	दैनिक भास्कर 17-9-2016
7.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ओटिज्म एण्ड आयुर्वेद ।	दैनिक भास्कर 10-9-2016
8.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	करियर स्कोप इन आयुर्वेद ।	यादव रक्षक मासिक पत्रिका मार्च, 2016
9.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेरिकोस वेन एण्ड आयुर्वेद ।	दैनिक भास्कर 3-9-2016

10.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ एग इन गर्भस्राव	जर्नल ऑफ आयुष मार्च-अप्रैल 2016 ISSN 2278-2214
11.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजी ऑफ एलीमिनेटिंग आम ।	आयुर्वेद सूत्र वॉल. 3, इश्यू 10 जून 2016 ISSN 2347-1494
12.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ ब्रेथ होल्डिंग टाईम एण्ड लंग फंक्शन टेस्ट ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाईड आयुर्वेद रिसर्च वॉल. 2, इश्यू 7 मई-जून 2016 ISSN 2347-6362

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।
2.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	कोलकाता में 2-4 दिसम्बर 2016 को आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग से आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं एक्सपो में भाग लिया गया । मौखिक प्रस्तुततिकरण : इफेक्ट ऑफ पंचतिक्त घृत गुग्गुलू इन मज्जा कषाय जन्य विकार ।
3.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 10-11 दिसम्बर 2016 को आयोजित रक्त प्रदोषज विकार विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
4.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन । मोखिक प्रस्तुतिकरण : मज्जाक्षय जन्य विकार में पंचतिक्त घृत गुग्गुलू का प्रभाव ।
5.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । मौखिक प्रस्तुततिकरण : रोल ऑफ रसायन चिकित्सा इन कोम्पलीकेशन ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माइक्रोवास्कूलर कोम्पलीकेशन्स । मौखिक प्रस्तुतिकरण : कार्बोहाइड्रेट फिजियोलोजी एण्ड रिकमण्डेशन्स इन डायबिटीज । ए रिव्यू स्ट्डी ऑफ प्रीवेन्टिव एण्ड क्योरेटिव एन्टीडायबेटिक हर्बल ड्रग्स।

		रोल ऑफ डाइट्री प्रीवेंशन (आहार) इन मधुमेह । रोल ऑफ पथ्य अपथ्य इन प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिज़ मिलीटस । रोल ऑफ स्ट्रेस इन डायबिट्स मिलीटस एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ मेध्य रसायन । स्टेण्डर्डाइजेशन डाईट एण्ड डेली रेजीमेन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह । रोल ऑफ सम हर्बल ड्रग्स एण्ड योग प्रॅक्टिस टू प्रीवेन्ट मधुमेह । रोल ऑफ एक्सरसाईज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिट्स मिलीटस । पोस्टर प्रजेन्टेशन : मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डीएम) विथ विहार ।
6.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन । निम्न विषयों पर मौखिक प्रस्तुतिकरण दिया गया - आहार विधि : एक विश्लेषण मधुमेह एवं उसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा
7.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन । विषय जिस पर व्याख्यान दिया गया - मधुमेह में योग का महत्त्व ।
8.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	महामना मदन मोहन मालवीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित मंथन - 2017 । निम्न विषयों पर मौखिक प्रस्तुतिकरण दिया गया - ओबेसिटी एण्ड रिस्क फेक्टर फॉर डायबिटिज मिलीटस - ए कन्सेप्चुअल स्टडी । एफिकेसी ऑफ मधुयष्टी चूर्ण इन अम्लपित्त ।
9.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	निम्न संगोष्ठियों के वैज्ञानिक सत्रों के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया - महामना मदन मोहन मालवीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित मंथन - 2017 । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन ।
10.	डॉ. हेमराज मीना	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर इसके एक वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
11.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित एनएबीएच विषयक कार्यशाला ।
12.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।
13.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में फरवरी 2017 में आयोजित 'Editors Conclave'
14.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर इसके एक वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
15.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में इसके एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
16.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं प्रो. पी.सी. डांडिया एन्डोमेन्ट ट्रस्ट द्वारा एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में 25 मार्च 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
17.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डीएम) विथ विहार विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया गया ।
18.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर प्रजेन्टेशन सत्र के निर्णाय के रूप में भाग लिया गया ।

(सी) कार्यलाओं/संगोष्ठियों में दिये गये अतिथि व्याख्यान -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम
1.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	महामना मदन मोहन मालवीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित मंथन - 2017 ।
2.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 16-17 दिसम्बर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन ।
3.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 9-13 जनवरी 2017 को विदेशियों हेतु आयोजित लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम । व्याख्यान का विषय : कन्सेप्ट ऑफ अग्नि एण्ड डाइजेशन इन आयुर्वेद।

4.	डॉ. छाजूराम यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 12 अप्रैल 2017 को विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु आयोजित कार्यशाला ।
5.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 10-11 दिसम्बर 2016 को आयोजित रक्त प्रदोषज विकार विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । व्याख्यान का विषय : स्ट्डी ऑफ रक्त फिजियापेथोलोजी इन रिलेशन टू पाण्डू ।
6.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 30-1-2017 को । व्याख्यान का विषय : द् रोल ऑफ रंजक पित्त एण्ड रक्त इन पाण्डू ।
7.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । व्याख्यान का विषय : यूटिलिटी ऑफ एक्सरसाईज इन प्रमेह (डायबिटिज मिलीटस टाईप-II) ।
8.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद, जयपुर द्वारा 6-1-2017 को आयोजित कार्यक्रम । व्याख्यान का विषय : द् रोल ऑफ रंजक पित्त एण्ड रक्त इन पाण्डू ।
9.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद, जयपुर द्वारा 6-1-2017 को आयोजित कार्यक्रम । व्याख्यान का विषय : ऑटोमेटिक नर्वस सिस्टम - भाग-2 ।
10.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद, जयपुर द्वारा 3-3-2017 को आयोजित कार्यक्रम । व्याख्यान का विषय : ऑटोमेटिक नर्वस सिस्टम - भाग-2 ।

चिकित्सकीय कार्य - विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

साप्ताहिक संगोष्ठियाँ एवं जर्नल क्लब मिटिंग्स -

मिटिंग्स ऑफ जर्नल क्लब, शोध-महानिबन्ध एवं प्रस्तुत किये गये चिकित्सा मामलों से सम्बन्धित विषयों पर साप्ताहिक संगोष्ठियाँ नियमित रूप से आयोजित की गई जिसमें छात्रों एवं अध्येताओं ने सक्रियता से भाग लिया । विभागीय अध्यापकों एवं बाहर से आमंत्रित प्रबुद्धजनों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये । स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. महानिबन्धों से सम्बन्धित बिन्दुओं पर परस्पर विचार-विमर्श किया गया । छात्रों एवं अध्येताओं ने विभागीय संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा उन्हें संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई जिससे आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके ज्ञान में अभिवृद्धि हो सके । इन गतिवधियों के लिए निम्नलिखित दिवस निर्धारित किये हुये है :-

गतिविधि का नाम	दिवस
1. जर्नल क्लब की बैठक	सोमवार
2. संगोष्ठी	मंगलवार
3. विमर्श	बुधवार
4. विमर्श	गुरुवार
5. अन्तरविभागीय संगोष्ठी	शुक्रवार
6. शोधमहानिबन्ध सम्बन्धित प्रक्रिया	शनिवार

विविध गतिविधियाँ : विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न की गई :-

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. ओम प्रकाश दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर	1. डीडी राजस्थान टेलीविजन चैनल पर 7 स्वास्थ्य वार्ताऐं प्रसारित की गई। 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - संभाषा की यातायात समिति के प्रभारी के रूप में कार्य किया ।
2.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी - संभाषा की आहार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. संस्थान चिकित्सालय के बहिरंग रोगी विभाग के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 3. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल के उपवेशन में भाग लिया ।
3.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राजस्थान पत्रिका टी.वी. पर 4-5-2017 को अनिद्रा विषयक वार्ता प्रसारित की गई । 2. राजस्थान-सरकार द्वारा जयपुर में 21-1-2017 को आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया । 3. राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा जोधपुर में 13-20 फरवरी 2017 को आयोजित आयुर्विश्व - 2017 में संस्थान खेल दल के प्रबन्धक के रूप में कार्य किया । 4. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की पंजिकरण समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

शरीर रचना विभाग

परिचयः यह विभाग भी स्नातकोत्तर विभाग है और विभागान्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को शरीर रचना, आयुर्वेद संहिताओं, आधुनिक विचार तथा मानव शरीर का प्रायोगिक शवच्छेदन एवं मॉडल, चार्ट्स, आदि के प्रदर्शन द्वारा कार्याभ्यास कराते हुए अध्यापन कराया जाता है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 एसोसियेट प्रोफेसर, 4 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार शरीर रचना विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. दीपक श्रीमाली	डॉ. एच. सी. गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिसटेन्ट प्रोफेसर	अनॉटामिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ द् साइट्स ऑफ वेध्य सिरा ऑफ द् अपर लिम्ब अज डेस्क्राइब्ड बाई आचार्य सुश्रुत ।
2.	डॉ. पापरी नाथ	डॉ. एच.सी. गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कॉम्प्रेन्सिव्ह स्ट्डी ऑफ निबंध संग्रह एण्ड आयुर्वेद दीपीका विथ स्पेशल रेफरेन्स टू शारीर रचना ।
3.	डॉ. संतोष मित्तल	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ रेफरेन्सेज़ ऑफ शरीर डेस्क्राइब्ड इन चरक संहिता इन द् परव्यु ऑफ शरीर रचना ।
4.	डॉ. राजीव अग्निहोत्री	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑफ त्वक शारीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इफेक्ट ऑफ शाल्मली कंटक ऑन यूवान पिड़िका ।
5.	डॉ. दीपा	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्ट्रीब्युशन ऑफ आयुर्वेद इन मॉडर्न अनॉटामी।
6.	डॉ. अर्चना	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे	अनॉटामिकल स्ट्डी ऑफ आर्तव वह स्रोतस विथ स्पेशयल रेफरेन्स टू नागकेसर चूर्ण इन श्वेतप्रदर ।

		असिस्टेन्ट प्रोफेसर	

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. नीतिन कुमार	डॉ. एच.सी. गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑफ पुरीषवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू गेस्ट्रो-इनटेस्टाइनल ट्रेक्ट।
2.	डॉ. सौरभ जैन	डॉ. एच.सी. गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑफ प्राणवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिजियो-अनॉटामी ऑफ रेस्पाइरेटरी सिस्टम।
3.	डॉ. प्रभा सिंह	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ संधि शारीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एप्लाइड एस्पेक्ट ऑफ वंक्षण संधि ।
4.	डॉ. छाया	डॉ. जे. मनोहर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अनॉटामिकल स्ट्डी ऑफ मूलस्थान ऑफ आर्तववह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ऋतुचक्र (मेन्स्ट्रूयल साइकिल)।
5.	डॉ. विक्रान्त ठाकुर	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्थ्रोपोमेट्रिक स्ट्डी ऑफ नेसल इन्डेक्स ऑफ नॉर्थ इण्डियन्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सुश्रुतोक्त नासा प्रमाण शारीर।
6.	डॉ. मनीष राय	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केडेवरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ शाखागत स्नायु ।
7.	डॉ. कुञ्ज बिहारी सैनी	डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ कोर संधि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्पोर्ट्स इन्जूरिज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।
8.	डॉ. नीलम सागवान	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन अतुल्यगोत्रिय शारीर इन रिलेशन टू कन्सेप्ट ऑफ जेनेटिक्स इन आयुर्वेद ।
9.	डॉ. सोनाली भीष्ट	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन अप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ अस्थिवह स्रोतस इन द् प्रव्यू ऑफ Bastayah क्षीरासर्पिशि तिक्तकोपाहितानी च: ।
10.	डॉ. अविनाश	डॉ. जे. मनोहर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑन अनॉटोमिकल कन्सीडरेशन एण्ड मूल स्थान ऑफ स्रोत्स इन कॉन्टेक्स्ट टू शुक्रवह स्रोतस ।
11.	डॉ. शिवरंजनी	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑन सुश्रुक्तोक्त प्रमाण शारीर ऑफ Lalata, कर्ण एण्ड नयान्तर एण्ड इट्स कम्पेरिज़न विथ मॉडर्न सोमाटोमेट्रिक मेज़रमेन्ट्स।
12.	डॉ. सोना रानी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केडेवेरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ उर्ध्वशाखागत स्नायु मर्म ।

13.	डॉ. ज्योति	डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन चतुर्विंशति धात्वात्मक पुरुष इन कॉन्टेक्स्ट टू इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट।
14.	डॉ. दीप्ति	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन क्लिनीकल एस्पेक्ट ऑफ आयुर्वेदिय शारीर रचना ।
15.	डॉ. सुमन यादव	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मेदोवह स्रोतस इन द् परव्यू ऑफ ओबेसिटी ।
16.	डॉ. अनामिका कुमारी	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	क्रिटिकल एण्ड एनॉटोमिकल स्ट्डी ऑन रसवह स्रोतस ।
17.	डॉ. संध्या यादव	डॉ. जे. मनोहर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन प्राणवह स्रोतस एज़ पर चरक संहिता ।
18.	डॉ. विनीता वालडिया	डॉ. जे. मनोहर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	काइनेसिओलोजिकल स्ट्डी ऑफ बेलेंसिंग पोज़ेज ऑफ आर्म (आसन) ।
19.	डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ आसन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हठयोग प्रदीपिका ।
20.	डॉ. नुपुर सिंह सौलकी	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ शारीर स्थान इन द् परव्यू ऑफ बृहत्त्रयी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक**	**शोध विषय**
1.	डॉ. प्रेमानंद भालेराव	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ एप्लाईड अस्पेक्ट ऑफ मर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मार्शल आर्ट्स ।
2.	डॉ. राकेश नारायण वी.	डॉ. हरीशचन्द्र गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन ग्रामेटिकल डीराइवेशन ऑफ टर्मिनॉलोज़िज रिलेटिंग टू शारीर रचना मेन्शन्ड इन सुश्रुत संहिता ।
3.	डॉ. टीना जैन	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	पेशी शारीर : ए स्ट्डी बेस्ड ऑन डिसेक्शन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्त्रीणां विंशतिरधिका ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	**अध्येता**	**निर्देशक**	**शोध विषय**
1.	डॉ. धर्मेन्द्र मिश्रा	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	कम्प्रेहेन्सिव एक्सप्लोरेशन ऑफ शारीर टर्मस डेस्क्राइब्ड इन आयुर्वेद इन द् परव्यु ऑफ शरीर रचना ।
2.	डॉ. निशि जैन	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ मर्म एण्ड एक्युप्रेशन पॉइन्ट्स ऑन द् बेसिस ऑफ दैयर एनॉटोमी ।
3.	डॉ. अनिल कुमार	डॉ. सुनील कुमार	ए कम्प्रेहेन्सिव स्ट्डी ऑफ स्नायु शारीर एण्ड

	जोशी	एसोसियेट प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ अग्निकर्म इन स्नायुगत वात ।
4.	डॉ. जैनंजिथ सी	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल असेसमेन्ट ऑफ आसन एज पर घेरण्ड संहिता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आसन इन्वोल्विंग इन सिटिंग पोस्चर ।

चिकित्सकीय कार्य – विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ सिरा, धमनी एण्ड स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016
2.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियो-एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ कोन्ट्रोवर्सी इन शुक्र एण्ड मूलस्थान ऑफ शुक्रवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016
3.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	एनाटोमिकल असेसमेन्ट ऑफ मूलस्थान ऑफ पुरीषवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016
4.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ जेनेटिक्स इन आयुर्वेद एण्ड इट्स मॉडर्न कोरिलेशन ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016
5.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन ग्रामेटिकल डीराइवेशन ऑफ सर्टेन टर्मिनॉलोज़िज एज़ ए मिन्स ऑफ डिस्पेसिंग कन्ट्रोवर्सिज इन शारीर रचना ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016
6.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियो-एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ रोल ऑफ मेन्टल हैल्थ इन अन्नवह स्रोतस डिस्आडर्स ।	आयुषधारा मार्च-अप्रैल 2016 वॉल. 3/अंक 2 ISSN No. 2393-9583
7.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	केस स्ट्डी, वेरिएशन इन स्ट्रक्चर ऑफ थायरोइड ग्लेण्ड फाउण्ड इन केडावरिक डिसेक्शन ।	पुर्ननव मार्च अप्रैल 2016 वाल्यूम 4, इश्यू 2 ISSN 2348 1846
8.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	एन एनॉटोमिकल स्ट्डी ऑफ इन्द्रबस्ति मर्म, ऑन बेसिस ऑफ केडावरिक	अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल

		डिसेक्शन ।	जून 2016
9.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ सिरा धमनी एण्ड स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
10.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियाएनॉटोमिकल एक्सप्लेनेशन ऑफ कोन्ट्रोवर्सी इन शुक्र एण्ड मूलस्थान ऑफ शुक्रवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
11.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	एनाटोमिकल असेसमेन्ट ऑफ मूलस्थान ऑफ पुरीषवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
12.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ पंचकर्म इन हाइपर मेलानोसिस ऑफ क्लोरोक्युइन साईड इफेक्ट : ए केस रिपोर्ट ।	ट्रेंड्स इन ड्रग डीलीवरी (एसटीएम जर्नल्स) ISSN: 2394-7268, 2017;4(1) Indexed by Citefactor
13.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	मस्कूलोस्केलेटल एनॉटोमी डेस्क्रिप्शन इन आयुर्वेद – ए रिनोउण्ड कोन्ट्रीब्युशन ऑफ सुश्रत टू एनसिएन्ट वर्ल्ड ।	आईजेआरएफएएस ए पीर रिव्यूव्ड जर्नल 01 (2016) 027-031
14.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	कम्पेरेटिव एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ त्वक शारीर ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
15.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एलबोरेशन ऑफ एनाटोमिकल टर्म्स रिलेटेड़ टू लोवर लिम्ब डेस्क्राइब्ड इन आयुर्वेद ।	रिसर्च एण्ड रिव्यूज़ : ए जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक साइन्सेज़, योग एण्ड नेचुरोपेथी । 2016; 3(2)
16.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी ऑन मूलस्थान ऑफ मेदोवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
17.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव एक्सप्लोरेशन ऑफ सम शारीर टर्म्स रिलेटेड टू रचना शारीर – हेल्पफूल फॉर डिस्पर्सिंग द् कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया इन आयुर्वेद शारीर ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
18.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एनाटोमिकल इन्टरप्रीटेशन ऑफ कुर्च एण्ड कुर्चासिरा मर्मा ऑफ लोअर	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ

		लिम्ब ।	होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टूबर 2016 ISSN 2454 – 7832
19.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑन मेथॅड्स ऑफ अभ्यंग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मसल अटेचमेन्ट ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321-0435 (प्रकाशनार्थ पत्र स्वीकृत)
20.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ रेफरेन्सेज ऑफ शारीर इन सुश्रुत संहिता इन द् परव्यू ऑफ शारीर रचना ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321-0435 (प्रकाशनार्थ पत्र स्वीकृत)
21.	डॉ. जे. मनोहर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेरिएशन ऑफ पेक्टोरेल्स मेजर मसल्स फाउण्ड ड्यूरिंग डिसेक्शन – ए केस रिपोर्ट ।	आईएएमजे 23205091 मई, 2016, वॉल. 4 अंक 5
22.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियो–एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ रोल ऑफ मेन्टल हैल्थ इन अन्नवह स्रोतस डिस्आर्ड्स ।	आयुषधारा मार्च–अप्रैल 2016 वॉल. 3, इश्यू 2 ISSN No. 2393-9583(P) /2393-9591
23.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनॉटोमिकल एस्पेक्ट ऑफ मूल बन्ध एण्ड इट्स बेनेफिट्स ।	आयुषधारा मार्च–अप्रैल 2016 वॉल. 3, इश्यू 2 ISSN No. 2393-9583(P) /2393-9591
24.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ आयुर्वेद इन मस्कुलोस्केलेटल एलमेन्ट्स ऑफ जानु संधि (नी ज्योइन्ट) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्पोर्ट्स इन्जूरिज ।	पुनर्नव मार्च–अप्रैल 2016 वाल्यूम 4, इश्यू 2 ISSN 2348 1846
25.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	केस स्ट्डी – वेरिएशन इन स्ट्रक्चर ऑफ थायरोइड ग्लैण्ड फाउण्ड इन केडावरिक डिसेक्शन ।	पुनर्नव मार्च–अप्रैल 2016 वाल्यूम 4, इश्यू 2 ISSN 2348 1846
26.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ सिरा इन द् कॉन्टेक्सट ऑफ सिरावेधन – ए रिव्यू आर्टिकल ।	पुनर्नव ISSN 2348 1846 23/05/16
27.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ वेध्य सिरा साईट्स इन उर्ध्व शाखागत वातरक्त बाई द् मिन्स ऑफ सिरायत्रंण विधि ।	अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च (2016) वाल्यूम 4, इश्यू 6 जून 2016
28.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनाटोमिल स्ट्डी ऑफ इन्द्रबस्ति मर्म, ऑन बेसिस ऑफ केडावरिक डिसेक्शन ।	अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल जून 2016
29.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ सिरा इन द् कॉन्टेक्सट ऑफ सिरावेधन – ए रिव्यू आर्टिकल । A Conceptual Study of Sira in the	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ हैल्थ साइन्स एण्ड रिसर्च ISSN: 2249-9571

		Context of Siravedhana - A Review Article.	
30.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वजरासन एण्ड इट्स फिजियो-एनॉटोमिकल एस्पेक्ट ।	आईएएमजे वाल्यूम 4, इश्यू 7 जुलाई 2016 ISSN: 2320 5091
31.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेकेनिज्म ऑफ सिरावेधन कर्म इन वातरक्त (गोट) : ए क्रिटिकल रिव्यू।	जर्नल ऑफ बायोलोजिकल एण्ड साइन्टिफिक ओपीनियन्स वाल्यूम 4(4), 2016
32.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Anatomical Exploration of Ajirna (Digestive Disorders) w.s.r. to Irsya Bhaya Krodh Apariksatena Lbdhena Sugdainyanipiditena Pradvesyuktena Casaevyamanamannam Na Samyak Parinamameti.	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज 03/08/16
33.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन जलौकावचरण एण्ड इट्स मोड ऑफ एक्शन ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च 5 दिसम्बर 2016 ISSN 2277- 7105
34.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एप्लाईड एनॉटोमी ऑफ अन्नवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अन्नद्रव शूल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321-0435 वॉल. 10-2 अप्रैल-जून 2016
35.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑन स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ अंगूलो प्रमाण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू उर्ध्वशाखा (अपर लिम्ब)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10-3 जुलाई-सितम्बर 2016 ISSN 2321-0435
36.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कोन्ट्रीब्युशन ऑफ आयुर्वेद टू द् मॉडर्न एम्ब्रयोलॉजी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज वॉल. 2, इश्यू 6 ISSN 2454-2229 2016
37.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ सिरा धमनी एण्ड स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, 2016 ISSN 2454 - 7832
38	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियो एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ कोन्ट्रोवर्सी इन शुक्र एण्ड मूलस्थान ऑफ शुक्रवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, 2016 ISSN 2454 - 7832
39.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल असेसमेन्ट ऑफ मूलस्थान ऑफ पुरुषवह स्रोतस ।	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, 2016 ISSN 2454 - 7832
40.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल असेसमेन्ट ऑफ रक्तमोक्षण एज़ एलीमेन्ट्री मेथॅड ऑफ	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च

		शोधन इन पंचकर्म थेरेपी ।	ISSN No. 2277-7105 वॉल्यूम 5, इश्यू 12 दिसम्बर 2016
41.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल रिव्यु ऑफ स्रोतोमूल ऑफ अन्नवह स्रोतस एण्ड इट्स सिग्निफिकेन्स इन क्रिटिकल प्रॅक्टिस इन प्रजेन्ट ऐरा ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN No. 2277-7105 वाल्यूम 5, इश्यू 12 दिसम्बर 2016
42.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् रिलेवेन्स ऑफ आयुर्वेद टू द् क्वालिटी ऑफ लाईफ इन मॉडर्न टाईम्स ।	इण्डियन जर्नल ऑफ इथीनोफाइटो फार्मास्युटिकल्स (आईजेईपीपी), ISSN: 2455-5533
43.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रक्तमोक्षण : एन इम्पेरेटिव प्रोसिजर ऑफ पंचकर्म इन रक्त प्रदोषज व्याधि।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट मेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम–2, इश्यू–12 दिसम्बर, 2016 ISSN : 2395-6429
44.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केस स्ट्डी ऑफ अनयूजअल मस्कुलर वेरियन्ट ऑफ एक्सटेंसर इण्डिसिक्स ब्रेविज़ मस्कुलर इन कॉन्टेक्स टू इट्स क्लिनीकल सिग्निफिकेन्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN 2277– 7105 वाल्यूम 6, इश्यू 2 जनवरी 2017
45.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन गर्भ शारीर इन कॉन्टेक्सट ऑफ कन्सेप्ट ऑफ फोइटल एनोमलीज़ इन आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स एण्ड मेडिकल रिसर्च। 2017, 3(3) ISSN 2277– 7105
46.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑन द् कन्सेप्ट ऑफ मनोवह स्रोतस इन आयुर्वेद एण्ड इट्स क्लिनीकल इम्पोर्टेन्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च । ISSN 2277–7105 वॉल्यूम 6, इश्यू 3 जनवरी 2017
47.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नाड़ी परीक्षा : ए डाइग्नोस्टिक टूल	पुनर्नव वाल्यूम 4, इश्यू 3 मई–जून 2016 ISSN 2348-1846
48.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेरिएशन इन पेटर्न ऑफ रेक्टस एब्डोमिनिस मसल्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायस्टैसिज़्म रीक्टी ।	अन्वेषण आयुर्वेद मेडिकल जर्नल वाल्यूम 2, इश्यू 4 जुलाई–अगस्त 2016 ISSN-2395-4159
49.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	Controversy related to “Streenam Tu Vimsatiradhika...”	ओजस पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, 2016 ISSN 2454 – 7832
50.	डॉ. सुनील कुमार यादव	एन्थ्रोपोमेट्रिक स्ट्डी ऑन प्रमाण ऑफ	ओजस पंचकर्म

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उरु एण्ड जंघा टू डिस्पर्स कोन्ट्रावर्सिज रिगार्डिंग अंगूल प्रमाण ।	ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, 2016 ISSN 2454 – 7832
51.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ आयुर्वेद इन मस्कुलोस्केलेटल एलमेन्ट ऑफ जानु संधि (नी जोइन्ट) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्पोर्ट्स इन्जूरिज़ ।	पुनर्नव वाल्यूम 4, इश्यू 3 मार्च–अप्रैल 2016 ISSN 2348-1846
52.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एप्लाईड एनॉटोमी ऑफ अन्नवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अन्नद्रव शूल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेछ । ISSN 2321-0435 वॉल. 10–2 अप्रैल–जून 2016
53.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेरिएशन ऑफ पेक्टोरेल्स मेजर मसल फाउण्ड ड्यूरिंग डिसेक्शन – ए केस रिपोर्ट ।	आईएएमजे 23205091 मई 2016 वाल्यूम 4, इश्यू 5
54.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
55.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रैहेन्सिव स्ट्डी ऑन स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ अंगूल प्रमाण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमाण ऑफ उर्ध्व शाखा (अपर लीम्ब.)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321-0435 वॉल. 10–3 जुलाई–सितम्बर 2016
56.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ मर्म इन आयुर्वेद एण्ड इट्स क्लिनीकल इम्पोर्टेन्स इन प्रजेन्ट ऐरा ।	ओजस : पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टुबर 2016 ISSN 2454 – 7832
57.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल कन्सीडरेशन ऑफ संधि शारीर इन कोन्टेक्सट ऑफ वेरियस टाईप्स ऑफ संधि डेस्क्राइब्ड इन आयुर्वेद ।	ओजस : पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टुबर 2016 ISSN 2454 – 7832
58.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ जेनेटिक्स इन आयुर्वेद एण्ड इट्स मॉडर्न कोरिलेशन ।	ओजस : पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टुबर 2016 ISSN 2454 – 7832
59.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यु ऑफ त्वक एण्ड इट्स क्लिनीकल इन्टरप्रीटेशन ।	ओजस : पंचकर्म ए पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलिस्टिक हैल्थ मैनेजमेन्ट अंक 7, अक्टुबर 2016 ISSN 2454 – 7832
60.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन कोन्सिक्यूएन्स ऑफ जलौकावचरण इन क्लिनीकल प्रॅक्टिस ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एण्ड हैल्थ रिसर्च । ISSN: 2454-9142 www.medicalsciencejournal.com

			वाल्यूम 2, इश्यू 9 सितम्बर 2016
61.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑफ मर्म शारीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स क्लिनीकल इम्पोर्टेन्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च । वाल्यूम 5, इश्यू 10 रिव्यू आर्टिकल ISSN 2277– 7105 सितम्बर 2016
62.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑन रोल ऑफ पंचकर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट मेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल रिसर्च । वाल्यूम 2, इश्यू 19 अक्टुबर 2016
63.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एप्रेज़ल ऑन कन्सेप्ट ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन इन आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च । एसजेआईएफ इम्पेक्ट फेक्टर 6.805 वाल्यूम 5, इश्यू 12 रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 5, इश्यू 12 नवम्बर 2016
64.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ हरितक्यादि योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च एसजेआईएफ इम्पेक्ट फेक्टर 6.805 वाल्यूम 5, इश्यू 12 रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 5, इश्यू 11 नवम्बर 2016 ISSN 2277– 7105
65.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एप्रेज़ल ऑन कन्सेप्ट ऑफ स्रोतस इन आयुर्वेद एण्ड इट्स इम्पलीकेशन इन क्लिनीकल प्रॅक्टिस ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च एसजेआईएफ इम्पेक्ट फेक्टर 6.805 वाल्यूम 5, इश्यू 12 रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 5, इश्यू 11 नवम्बर 2016 ISSN 2277– 7105
66.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू ऑफ आमाशय एज़ पर क्लासिक्स एण्ड इट्स करेक्शन विथ मॉडर्न साइन्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च एसजेआईएफ इम्पेक्ट फेक्टर 6.805 वाल्यूम 5, इश्यू 12 रिव्यू आर्टिकल

			वाल्यूम 5, इश्यू 11 नवम्बर 2016 ISSN 2277- 7105
67.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल रिव्यू ऑफ आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ कम्यूलेटिव टोक्सिसिटी ऑफ पेस्टीसाइड्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दूषी विष ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च रिव्यू आर्टिकल अगस्त 2016, 2(5) ISSN 2455-3301
68.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रक्तमोक्षण: एन इम्पेरेटिव प्रोसिजर ऑफ पंचकर्म इन रक्त प्रदोषजक व्याधि ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करण्ट मेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल रिसर्च । वाल्यूम 2, इश्यू 12 दिसम्बर, 2016
69.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एवेल्युएशन रोल योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 6, इश्यू 1 2017, 2(5) ISSN 2455-3301
70.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एप्रेजल् ऑन रक्तवह स्रोतस इन कोन्टेक्सट टू रक्तप्रदोषक व्याधि ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 6, इश्यू 1, 2017 ISSN 2455-3301
71.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन कन्सेप्ट ऑफ हर्बल नेबूलाईज़र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम 9-3, जुलाई-सितम्बर 2015 ISSN 2321-0435
72.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल रिव्यू ऑन स्रातोमूल ऑफ अन्नह स्रोतस एण्ड इट्स सिग्निफिकेन्स इन क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन प्रजेन्ट ऐरा ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च । रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 5, इश्यू 12 दिसम्बर 2016 ISSN 2455-3301
73.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केस स्ट्डी ऑफ अनयूज़अल मस्कूलर वेरियन्ट ऑफ एक्सटेंसर इंडिसिस ब्रेविस मसल्स इन कोन्टेक्सट टू इट्स क्लिनीकल सिग्निफिकेन्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च । रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 6, इश्यू 2 जनवरी 2017 ISSN 2455-3301
74.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑन द् कन्सेप्ट ऑफ मनोवह: स्रोतस इन आयुर्वेद एण्ड इट्स क्लिनीकल इम्पोर्टेंस ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च । रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 6, इश्यू 2 जनवरी 2017

			ISSN 2455-3301
75.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन गर्भ शारीर इन कोन्टेक्सट ऑफ कन्सेप्ट ऑफ फोइटल अनोमलीज इन आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च एसजेआईएफ । इम्पेक्ट फेक्टर : 4.103 रिव्यू आर्टिकल मार्च 2017, 3(3) ISSN 2455-3301

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गए शोध पत्र का विषय
1.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड् आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ इफेक्ट ऑफ व्रजासन ऑन द् डाइजेशन ।
2.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा नई दिल्ली में 28 अक्टुबर 2016 को आयोजित आयुर्वेद के माध्यम से मधुमेह की रोकथाम एवं नियंत्रण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया।
3.	डॉ. हरिश्चन्द्र गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	अग्नाशय शारीर विथ इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट ।
4.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग से कोलकाता में 1-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ हाइपरपिग्मेंटेशन ऑफ स्कीन ड्यू टू क्लोरोक्वीन - ए केस रिपोर्ट ।
5.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एसएनपीए राजकीय आयुर्वेद कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा 1-2 मार्च 2017 को आयोजित आयुर्वेद विशेषज्ञों का सम्मेलन ।	आयुर्वेदिक रचना शारीर टर्मिनोलॉजी - ए बेटर अण्डरस्टेण्डिग ।
6.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एसएनपीए राजकीय आयुर्वेद कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा	क्लिनीकल इम्पोर्टेंस ऑफ स्रोतस एण्ड दैयर मूलस्थान ।

		1-2 मार्च 2017 को आयोजित आयुर्वेद विशेषज्ञों का सम्मेलन ।	
7.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।
8.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
9.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में क्लिनीकल एस्पेक्ट ऑफ प्रमाण शारीर इन केस ऑफ मधुमेह विषयक एक महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया ।
10.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	क्रिटीकल एनॉलेसिस ऑफ सिरा, धमनी एण्ड स्रोतस ।
11.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कायचिकित्सा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 10 एवं 11 दिसम्बर 2016 को आयोजित रोल ऑफ आयुर्वेद इन रक्तप्रदोषजक विकार (ब्लड़ बोर्न डिज़िज) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	रक्तमोक्षण एण्ड इट्स फिजियोएनाटोमिकल इफेक्ट्स इन हूमन बाड़ी ।
12.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	फिजियोएनाटोमिल एस्पेक्ट ऑफ वमनधातु एण्ड इट्स रोल इन डिजिज्स ऑफ अन्नवहस्रोतस ।
13.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग से कोलकाता में 1-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद	फिजियाएनाटोमिल एस्पेक्ट ऑफ ताडासन एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन हाइट ।

		काँग्रेस ।	
14.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।
15.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
16.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय एवं पं. बंगाल सरकार के सहयोग से कोलकाता में 1-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस ।	एन्थ्रोपेट्रिक स्ट्डी ऑफ लोअर लीम्ब एण्ड स्ट्रेचर ऑन द् बेसिस ऑफ अंगूली प्रमाण विषयक पत्र प्रस्तुत किया ।
17.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रिव्यू ऑफ डायबिटीज मेलीटस विथ रेफरेन्स टू डायबेटीक न्युरोलोजी विषयक पत्र प्रस्तुत किया ।
18.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एनालेटिकल स्ट्डी ऑन अल्टरनेटिव थेरेपिज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज मेलीटस विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
19.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	समन्वयक के रूप में भाग लिया ।
20.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा 25 मार्च 2017 को आयोजित पांरम्परिक चिकित्सा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
21.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया।

		सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा दिनांक 14–15 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित कार्यशाला ।	
22.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।
23.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	क्रिटिकल एप्रैजल् ऑन इफेक्ट ऑफ मधुमेह (डायबिटीज मेलीटस) ऑन हूमन बाड़ी ।
24.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8–9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।
25.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1–2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	Concept of Marma in Ayurveda and its Clinical Importance in Present Era.
26.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड् आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2–3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	एप्लाईड एनॉटोमी ऑफ अन्नवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अन्नद्रव शूल ।
27.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड् आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2–3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	रोल ऑफ पथ्य–अपथ्य इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस व्याधि ।
28.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कायचिकित्सा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 10 एवं 11 दिसम्बर 2016 को आयोजित रोल ऑफ आयुर्वेद इन रक्तप्रदोषजक विकार (ब्लड् बोर्न डिज़िज) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	क्रिटिकल एप्रैज़ल ऑन रक्तवह स्रोतस इन कॉन्टेक्सट टू रक्तप्रदोषज विकार (ब्लड् बोर्न डिज़िज) ।
29.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कायचिकित्सा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	रक्तमोक्षण: एन इम्पेरेटिव प्रोसिजर ऑफ पंचकर्म इन रक्तप्रदोषज

		द्वारा 10 एवं 11 दिसम्बर 2016 को आयोजित रोल ऑफ आयुर्वेद इन रक्तप्रदोषजक विकार (ब्लड़ बोर्न डिज़िज) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	व्याधि ।
30.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	रोल ऑफ पथ्य-अपथ्य इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस व्याधि ।
31.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	एनाटोमिकल एक्सप्लेशन ऑफ जरियाट्रिक चैन्जेज इन अपर जीआईटी एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट ।
32.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	क्रिटिकल रिव्यू ऑन द् कन्सेप्ट ऑफ आमाशय इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स मॉडर्न रिव्यू ।
33.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उत्तराखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय, ऋषिकुल प्रांगण, हरिद्वार में 2-3 सितम्बर 2016 को आयोजित होलिस्टिक मैनेजमेन्ट ऑफ अन्नवह स्रोतस विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।	फिजियो-अनाटोमिकल एक्सप्लेनेशन ऑफ परिणामशूल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ड्यूओडेनल अल्सर ।
34.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कन्सेप्ट ऑफ मर्म इन आयुर्वेद एण्ड इट्स क्लिनीकल इम्पोटेन्स इन प्रजेन्ट ऐरा ।
35.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एनाटोमिकल कन्सीडरेशन ऑफ संधि शारीर इन कोन्टेक्सट ऑफ वेरियस टाईप्स ऑफ संधि डेस्क्राइब्ड इन आयुर्वेद ।
36.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कन्सेप्ट ऑफ जेनेटिक्स इन आयुर्वेद एण्ड इट्स मॉडर्न कोरिलेशन ।
37.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 1-2 अक्टुबर 2016 को आयोजित	रिव्यू ऑफ त्वक एण्ड इट्स क्लिनीकल इन्टरप्रीटेशन ।

		डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरिया विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	
38.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	कोन्सिक्युएन्सेज ऑफ डाइट एण्ड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह (डायबिटीज मेलीटस)।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई ।

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	गतिविधियाँ
1.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	1. अखिल भारतीय शारीर अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 'द् बेस्ट पीएच.डी. थिसिस - 2016' प्रदान किया गया । 2. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ फार्माकोग्नोसी एण्ड चाइनीज मेडिसिन (आईपीसीएम) के सह-सम्पादक के रूप में कार्य किया ।
2.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. संस्थान में 10 जनवरी 2017 को विदेशी छात्रों हेतु आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्रोतस एण्ड मर्म विषयक व्याख्यान दिया गया । 2. डिस्पर्सिंग कोन्ट्रोवर्सिअल एरियाज़ इन आयुर्वेद शारीर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशेष अंक के उप-सम्पादक के रूप में कार्य किया । 3. स्नातक छात्रावास के वार्डन के रूप में कार्य किया ।
3.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी के राष्ट्रीय सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

****

स्वस्थ वृत्त विभाग

परिचयः स्वस्थ वृत्त आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है । यह शाखा आयुर्वेदिक जीवनशैली तथा स्वास्थ्य संरक्षण से सम्बन्धित है । स्वस्थ वृत्त सद्वृत सहित दैनिकचर्या, ऋतुचर्या, प्रातः चर्या, स्वच्छता, सायं चर्या, रात्रि चर्या, आदि को विशिष्ट रूप से जीवन में अपनाने पर बल देता है । विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के अध्येताओं को स्वास्थ्य विज्ञान, संक्रामक रोगों, रोग-निराधक एवं स्वास्थ्य प्रोत्साहक पहलुओं सम्बन्धित अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कराये जाते हैं । इसके अतिरिक्त छात्रों को योग का प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक तथा प्राकृतिक चिकित्सा का भी अध्ययन कराया जाता है । इस विभाग में एक योग इकाई भी है जिसमें प्रतिदिन प्रातःकाल में योगासन आदि कराये जाते हैं ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 4 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को स्वस्थ वृत्त विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों अनुसार उनके विषय का शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध – आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. सरिता सैनी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ तिल तैल एण्ड कटु तैल प्रतिमर्ष नस्य इन निद्रानाश।
2.	डॉ. अन्जू कुमारी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ आसन एण्ड पथ्याहार इन पीसीओएस।
3.	डॉ.पायल खण्डेलवाल	डॉ. दुर्गावती देवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी टू असैस द् एफिकेसी ऑफ केशरक्षण उपाय इन केश स्वास्थ्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दिनचर्या ।
4.	डॉ. महेश कुमार	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ रात्रि जागरण ऑन हैल्थ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू निद्रा वेग धारण ।
5.	डॉ.नरेन्द्र सिंह राजपूत	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ मधु उदक एण्ड गौमूत्र अर्क एज़ पथ्य इन अतिस्थौल्य ।
6.	डॉ. देवेश शर्मा	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ त्राटक वर्सेज नेति क्रिया इन मायोपिया ।
7.	डॉ. चन्द्रचूड़ मिश्रा	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनाइलाइटिकल स्ट्डी ऑन ताम्र-पत्र स्थित जल।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. शान्तनु तिवाड़ी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल ट्रॉयल टू एवेल्युएट द् रोल ऑफ प्राणायाम इन प्री-हाइपरटेंशन ।
2.	डॉ. नमित कुमार पाटनी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एवेल्युएट द् रोल ऑफ रक्तदान इन फिजिकल हैल्थ स्टेटस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्यूओएल ।
3.	डॉ. गजेन्द्र कुमार दूबे	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ कपाल भाति एण्ड पश्चिमोत्तनासन इन स्थौल्य ।
4.	डॉ. आस्था शर्मा	डॉ. दुर्गावती देवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी टू एवेल्युएट द् प्रीवेटिंव इफेक्ट ऑफ संतर्पण मंथ इन प्रोटीन एनर्जी मालन्युट्रिशन (पीईएम) ।
5.	डॉ. रवीना मेहरा	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी टू एवेल्युएट द् प्रीवेंटिव इफेक्ट ऑफ प्रतिमर्षय नस्य एण्ड धूमपान इन तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सिज़नल ब्रोन्कियल अस्थमा ।
6.	डॉ. हरी प्रसाद शर्मा	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ सिद्धार्थक स्नान एण्ड आयुर्वेदिक लैप एज़ ए पथ्य इन श्वित्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दिनचर्या ।
7.	डॉ. प्रेम यादव	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ वसन्त ऋतुचर्या ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं ने अपने शोध महानिबन्ध प्रारूप प्रस्तुत किये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. हरजीत कौर	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रॉयल टू एसेस द् वर्ण्य इफेक्ट ऑफ रक्तचन्दनादि लैप एण्ड यवादि लैप ।
2.	डॉ. शम्भू दयाल	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ कलुष्य प्रसादन द्रव्य इन प्योरिफिकेशन ऑफ वॉटर ।
3.	डॉ. पूनम	डॉ. दुर्गावती दूवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ योग प्रॅक्टिस इन नॉन-ब्लीडिंग प्रोलेप्सिंग हेमोरोइड्स ।
4.	डॉ. ममता सैनी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ पथ्या आहार इन ग्रहणी ।
5.	डॉ. जितेन्द्र कुमार सुहाग	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल टू एसेस द् अम्लपित्तहार इफेक्ट ऑफ धानयाक हिम एण्ड कुञ्जल क्रिया ।
6.	डॉ. पुनीत चतुर्वेदी	डॉ. दुर्गावती दूवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केस कन्ट्रोल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् क्वालिटी ऑफ लाईफ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रह्ममूहर्त

			जागरण ।
7.	डॉ. पूनम तेतरवाल	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	असेसमेन्ट ऑफ मुखदुषीकहर प्रभाव प्रतिमर्ष नस्य : ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव स्ट्डी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. एकता	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रॉयल टू एसेस द् व्रण्य इफेक्ट ऑफ रक्तचन्दनादि लैप एण्ड यवादि लैप ।
2.	डॉ. अनामिका राय	डॉ. दुर्गावती देवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् स्टेटस ऑफ बल अकोर्डिंग टू वेरियस ऋतु इन हैल्दी इंडिविजूअल ।

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अनुसंधान पद्धति एवं स्वास्थ्य सांख्यिकी ।	चौखम्भा औरियन्टला वाराणसी 21वां संस्करण, 2017 ISBN 978-81-7637-385-2
2.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन एडीबल ऑयल्स एण्ड दैयर इफेक्ट्स ऑन हूमन हैल्थ ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल सांइन्सेज अप्रैल जून 2016 वॉल. 1, इश्यू 2 ISSN 2455-6246
3.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्रेसाइज मोड्यूल टू प्रीवेन्ट द् डिजिज़ ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दिनचर्या पालन एवं योगिक क्रिया ।	पुनर्नव एन इन्टरनेशनल पीर रिव्यूड आयुर्वेद जर्नल ज्नवरी-फरवरी 2016 वॉल. 4, इश्यू 1 ISSN 23481846
4.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ दिनचर्या पालन इन मैनेजमेन्ट ऑफ ओकूपेशनल स्ट्रेस ।	आयुष्य ए पीर रिव्यूड जर्नल इन आयुर्वेद रिसर्च जनवरी-मार्च 2016 वॉल. 4, इश्यू 10 ISSN 664 2320 8554

5.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ स्थानिक अभ्यंग ऑफ बला तैल एण्ड कटिस्नान इन कटिशूल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2015 ISSN 2321 0435
6.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	योग सुधा	ISBN : 9789384276843 21-5-2016
7.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	श्वास प्रश्वास पर नियंत्रण : प्राणायाम ।	आरएनआई हिन्दी मासिक पत्रिका 15-9-2016
8.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फूड फ्लेवर, फेड्स एण्ड एपेटाईट नॉनसेन्स इन डाईटीशियन थ्योरी ।	रिसर्च एण्ड रिव्यू : जर्नल ऑफ फूड साइन्सेज एण्ड टैक्नोलॉजी वॉल. 5, इश्यू 3 ISSN 2278-2249
9.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑफ अभ्यंग एण्ड इट्स हैल्थ प्रोमोटिंग इफेक्ट ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च 2017
10.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक एप्रोच टू कोल्ड एडाप्टेशन अज़ पर हेमन्त सीजनल रेजीमेन ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी वॉल. 8, इश्यू 2, 2017

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता -

क्र.सं.	**संकाय सदस्य का नाम**	**कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण**
1.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लेकर रोल ऑफ फाईबर डाईट एण्ड योग इन द् प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट इन डॉयबिटीज मिलीट्स विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
2.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र में समन्वयक के रूप में भाग लेकर रोल ऑफ काऊ घी एज़ डॉइटरी सप्लीमेन्ट इन डीएम विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।

विस्तार व्याख्यान –

विभाग के अध्यापकों द्वारा अध्येताओं एवं छात्रों के लाभार्थ निम्नलिखित विस्तार व्याख्यान आयोजित किये गये –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	दिनांक
1.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	डिज़िज कॉज्ड बाई अनहैल्दी लाईफस्टाईल ।	28-5-2016
2.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान ।	22-7-2016
3.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम ।	22-7-2016
4.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ हैल्थ इन आयुर्वेद एण्ड मॉडर्न मेडिसिन ।	26-9-2016
5.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	प्राईमरी, सैकण्डरी एण्ड टर्शरी प्रीवेंटिव मैशर्स ।	26-9-2016
6.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ हैल्थ इन आयुर्वेद एण्ड मॉडर्न मेडिसिन ।	17-10-2016
7.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	प्राईमरी, सैकण्डरी एण्ड टर्शरी प्रीवेंटिव मैशर्स ।	17-10-2016
8.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	दैनिक जीवन में लाभदायक आसन ।	15-12-2016
9.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	निम्नलिखित विषयों पर 8 व्याख्यान – आईडीडी, विटामिन-ए प्रोफिलैक्सिस, मिड-डे मील, एनीमिया कन्ट्रोल प्रोग्राम, एनआरएचएम/एमएचएम एम्स एण्ड ऑब्जेक्टिव, विशिष्ठ रोगों में योगासन एवं प्राणायाम, वातव्याधि एवं चयापचयी विकारों में पथ्य-अपथ्य ।	22-6-2016 to 25-6-2016
10.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मौसमी विकार एवं इसमें आयुर्वेद की भूमिका के बारे में जागरुकता ।	29-9-2016
11.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रमेह एवं डॉयबिटीज मिलीट्स का तुलनात्मक विश्लेषणात्मक अध्ययन ।	6-2-2017
12.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डिऑक्सीफिकेशन ऑफ डाइट एण्ड ओबेसिटी ।	10-1-2017
13.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	योग प्रदर्शन ।	1-4-2016
14.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्राणायाम मेड इजी एण्ड एफिशियेन्ट ।	8-4-2016
15.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सन्तर्पण जन्य व्याधि में खान-पान ।	8-6-2016
16.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ज्नपदोध्वंसकर विकार ।	3-12-2016

विविध गतिविधियाँ –

विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई –

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	1. डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर गोपनीय कार्य हेतु गये । 2. सीसीआरएएस के हैदराबाद स्थित कार्यालय में दिनांक 8-2-2017 को आयोजित एसएजी(लीटरेरी रिसर्च) के उपवेशन में भाग लिया गया । 3. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया । 4. एनईआईएएच, शिलांग द्वारा 23-24 फरवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के वैज्ञानिक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
2.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा एम.डी.(आयुर्वेद)/एम.एस.(धन्वन्तरि) के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु आयोजित की गई काउंसिलिंग में भाग लिया गया । 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक वैज्ञानिक सत्र के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।
3.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. कलकत्ता में 1-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वें वर्ल्ड आयुर्वेद कॉंग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो के 2 वैज्ञानिक सत्रों में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया । 2. राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड द्वारा दिनांक 14-15 नवम्बर 2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया गया । 3. एमएनडीआईवाई, नई दिल्ली द्वारा 30 नवम्बर 2016 को गैर-संचारी रोगों में योग से क्षमता निर्माण विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया । 4. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 16-18 मार्च 2017 को आयोजित मधु संवाद - प्री सिम्पोजियक एण्ड सिम्पोजियम ऑफ प्रोटोकोल डवलपमेन्ट ऑन प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डीएम विषयक कार्यक्रम में भाग लिया गया । 5. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रकाशन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया । 6. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की सांस्कृतिक समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया । 7. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के

		प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के 2 वैज्ञानिक सत्रों में समन्वयक के रूप में कार्य किया गया । 8. विश्व आयुर्वेद परिषद एवं सक्षम संस्थान द्वारा आयोजित नेत्रदान शिविर में समन्यक के रूप में कार्य किया । 9. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित साइंटिफिक राइटिंग विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया। 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित साइंटिफिक राइटिंग विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई

संस्थान के स्वस्थवृत्त विभाग में पृथक से एक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई है जहाँ प्रत्येक दिन जनसामान्य एवं रोगियों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु योग एवं प्राणायाम कराये जाते हैं । विभाग द्वारा रोगियों को विशेष मिट्टी चिकित्सा एवं जल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है । छात्रों उनके प्रशिक्षण के भाग के रूप में स्वास्थ्य परिचर्या गतिविधियों यथा - आसन, प्राणायाम, कुञ्जल, सूत्र नेति, वस्त्र धौति, कटि स्नान, पाद स्नान, मिट्टी चिकित्सा (सर्वांग) तथा मिट्टी चिकित्सा (स्थानिक) आदि में व्यस्त रखा जाता है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, गृध्रसी (साइटिका), कटिशूल(लो- बेकएच), स्थौल्य(ओबेसिटी), उच्चरक्तचाप(हाई ब्लडप्रेशर), तमक श्वास(ब्रोन्कियल अस्थमा), अनिंद्रा(इन्सोमनिया), अवसाद(डिप्रेशन), विबंध(कांस्टीपेशन), ग्रहणी(क्रोनिक कोलाइटिस), अम्लपित्त (एसिडिटी), मधुमेह(डायबिटीज), अवबाहुक(फ्रोजन शोल्डर) तथा प्रतिश्याय(कोल्ड) के रोगियों की चिकित्सा की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, कुल 9,544 रोगी विभिन्न आसानों एवं क्रियाओं से लाभान्वित हुये ।

21-6-2016 को योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 580 योग साधकों ने भाग लिया ।

योग इकाई में जलनेति पात्र, सुत्र नेति, सनबाथ टब, हिपबाथ टब, बाथ टब, गर्म पानी हेतु गीज़र, योग मेट, एक्युप्रेशर किट आदि उपयोग में लिये जा रहे हैं ।

****

रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग

परिचय: यह भी एक स्नातकोत्तर विभाग है । इस विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों को अध्ययन, अनुसंधान-प्रशिक्षण, अनुसंधान आदि के अतिरिक्त यह विभाग रोगी परिचर्या हेतु विभिन्न प्रयोगशालीय नैदानिक जाचें, रोग परीक्षण, ईसीजी, यूएसजी, एक्स-रे आदि के संचालन में रत रहता है । परीक्षण रोगी परिचर्या के साथ ही सभी विभागों के अनुसंधान प्रयोजनों हेतु भी किये जाते हैं । इस उद्देश्य हेतु पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित, प्रयोगशाला इस विभागान्तर्गत कार्यरत है । विभाग द्वारा पीएच.डी. अध्येताओं को नियमित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहे ।

उद्देश्य -

1. विश्व को श्रेष्ठ शोधार्थियों से युक्त करना जिससे वे समाज को अपने ज्ञान-सागर से प्रकाशित कर सके ।
2. आयुर्वेद विश्व में कुशल तथा समयपूर्व नैदानिक तकनीकें एवं पद्धतियाँ प्रस्तुत करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक - वर्ष के दौरान, विभाग स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा सीसीआईएम के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन गहनरूप से उपलब्ध कराने में रत रहा है । विभाग द्वारा छात्रों को सरलता से समझने हेतु कई शिक्षण विधियों का विकास किया गया है ।

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा सीसीआईएम के पाठ्यक्रम के अनुसार रोग एवं विकृति विज्ञान विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार रोग एवं विकृति विज्ञान विषय का का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये।

स) पीएच.डी. - पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । संकाय सदस्यों की उपस्थिति में पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा अपने शिक्षण के ढंग में सुधार हेतु विभागीय संगोष्ठि एवं कक्षायें आयोजित की गई । शोध कार्य सम्पन्न किये गये ।

शोध - शोध का उद्देश्य आज के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न व्याधियों रोगविज्ञानपरक अवधारणा को संस्थापित करना है । आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों की मद्द से व्याधि की पुष्टि करना, रोगात्मक कारकों की सहभागिता की रीति का पता लगाना जैसे उपशय की सहायक से दूष्य एवं स्रोतस (थेरेप्युटिक टेस्ट) ।

विभाग के अध्येताओं द्वारा अपने प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में निम्नलिखित कार्य किये -

- मल एवं मूत्र के दैनिक एवं सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा किये जाने वाले परीक्षण
- रुधिर सम्बन्धित परीक्षण
- नैदानिक रोग-निदान
- सीरोलॉजी
- जीव रसायन
- ईसीजी एवं टीएमटी
- एक्स-रे एवं यूएसजी

उपर्युक्त कार्यों के साथ स्नातकोत्तर अध्येता आत्मनिर्भर रूप से प्रयोगशाला में रत है तथा वे पदार्थ विज्ञान विषय के परामर्शदाता द्वारा आयोजित की गई सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थित रहे ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अनिता	डॉ. बालकृष्ण सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ धातु कषाय इन द् पेथोजेनेसिस ऑफ क्षयज कास विज-ए-विज् क्रोनिक ब्रोन्काइटिस एण्ड कम्परेटिव ट्रॉयल ऑफ सम इंडीजेनस ड्रग्स।
2.	डॉ. आशिष	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी एण्ड रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड उपशयात्मक ट्रॉयल टू एवेल्युएट एन्टी-माइक्रोबिइल एक्टिविटी ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मूत्रकृच्छ्र (यूरेनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन) ।
3.	डॉ. सचिन	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रिलेशन बिटविन सोशल कम्पीटेन्स एण्ड ओबेसिटी - एक निदानात्मक एवं उपशयात्मक स्ट्डी ।
4.	डॉ. मुकेश	डॉ. एस. के. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	एन्टीमाइक्रोबिइल स्ट्डी एण्ड रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड उपशयात्मक ट्रॉयल ऑफ ज्वरहर महाकषाय इन आन्त्रिक ज्वर (टाइफाइड) ।
5.	डॉ. विद्या	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी टू डवलप आयुर्वेदिक डायग्नोस्टिक स्केल फॉर डिप्रेशन एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल ऑफ मनोहरशीनी कल्पित योग ।
6.	डॉ. सरोज चौधरी	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् पॅथोजेनेसिस ऑफ श्वित्र ।
7.	डॉ. शारदा	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वात इन द् पॅथोजेनेसिस ऑफ पेन इन द् पेशेन्ट्स ऑफ आमवात एण्ड थेरेप्युटिक रोल ऑफ वैतरण बस्ति एण्ड वैश्वानर चूर्ण ।
8.	डॉ. अतुल जैन	डॉ. एस. के. मण्ड़ल लेक्चरर	रोल ऑफ रक्तज कृमि इन द् पॅथोजेनेसिस ऑफ कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोरायसिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर एवं जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अर्चना	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड उपशयात्मक ट्रॉयल टू स्ट्डी द् रोल ऑफ रसायन ऑन एजिंग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्कीन हैल्थ इन अपेरेन्टली हैल्दी पार्टिसिपेन्ट्स ।
2.	डॉ. बंदना	डॉ. एस. के. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	रोल ऑफ सत्व इन पॅथोजेनेसिस ऑफ प्रमेह पूर्वरूप विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मिलिटस एण्ड ए थैरेप्युटिक ट्रायल विथ कुटकी निशा चूर्ण एण्ड सात्वज्य ।
3.	डॉ. ममता	डॉ. एस. के. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ पॅथोजेनेसिस ऑफ धात्वाग्नि विचार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाइपोथेरोडिज्म एण्ड थैरेप्युटिक एवेल्युएशन ऑफ त्रिकटु चूर्ण एण्ड कंचनार क्वाथ ।
4.	डॉ. मनीषा	डॉ. रितु शर्मा लेक्चरर	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टीमाईक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ धूपन कर्म ।
5.	डॉ. ब्रजेन्द्र गोदारा	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक ट्रिटमेन्ट मॉडलिटीज इन मुखदुषिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एसेन वल्गारिज, ए रेण्डोमाईग्ज्ड कन्ट्रोल्ड उपश्यात्मक स्ट्डी ।
6.	डॉ. श्रीराम सैनी	डॉ. बालकृष्ण सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू फाइंड आऊट द् रिलेशन बिटविन मेल सैक्सुअल फंक्शन एण्ड विसुअल एक्युटी एण्ड कम्परेटिव थैरेप्युटिक ट्रॉयल

			ऑफ शुक्र जनन एण्ड चक्षुस्य ड्रग्स ।
7.	डॉ. जीत राम	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ दद्रु कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मिथ्या आहार एण्ड आचरण एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट ।
8.	डॉ. बिलाल	प्रो. एस. के. खाण्डल प्रोफेसर	रोल ऑफ प्रकृति एज़ ए रिस्क फेक्टर इन मेदो रोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लिपिडेमिया, ए रेण्डोमाइज्ड प्लेसेबो कन्ट्रोल्ड उपश्यात्मक ट्रॉयल इनकोर्पोरेटिंग डब्ल्यु.एच.ओ. स्टेप्स एप्रोच ।
9.	डॉ. सुभाष चन्द्र	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ मूलादि लेप एण्ड गंधक मल्हार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सिद्धमा एण्ड दद्रु विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फंगल डर्माटोफाईटस ।
10.	डॉ. चेतन सिंह	डॉ. एस. के. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेबोर्हिक डर्माटाईटिस एण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ त्रिफलादि तैल एण्ड गुंजा तैल।
11.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ मेद संचय इन लीवर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-एल्कोहोलिक फेटी लीवर डिज़िज (एनएएफएलडी) एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ त्रिफला गुग्गुलू एण्ड पुनर्वाषटक क्वाथ ।
12.	डॉ. जयप्रभा गर्ग	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ इनविट्रो एन्टीडर्माटोफायटिक एक्टिविटी ऑफ फाईव आयुर्वेदिक ड्रग्स एण्ड उपश्यात्मक ट्रायल ऑफ दद्रुघन लेप एण्ड तुडादि लेप इन दद्रु ।
13.	डॉ. जूली माथुर	डॉ. बालकुष्ण सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू असर्टेन द् साइकोलोजिकल फेक्टर्स इन अग्निदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ग्रहणी दोष एण्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ चित्रकादि वटी एण्ड मैध्य वटी ।
14.	डॉ. मनराज मीना	डॉ. एस. के. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एटियोलोजिकल फेक्टर्स इन आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमोटाईड अर्थेराइटिस एण्ड उपश्यात्मक ट्रायल विथ वातरी गुग्गुलू एण्ड अमृतादि चूर्ण ।
15.	डॉ. रितिषा वर्मा	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	निदानात्मक, प्रायोगिक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डीज टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ बिल्व पत्र एण्ड लघु पंचमूल ।
16.	डॉ. श्यामवीर	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	ए निदानात्मक (इपिडेमियोलॉजिकल) स्ट्डी ऑन व्यानबल वैष्मय (हाईपरटेंशन) एण्ड उपश्यात्मक (आरसीटी) स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ जटामांसी चूर्ण एण्ड पुनर्वा चूर्ण ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं ने शोध हेतु निम्नलिखित शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. देवेन्द्र	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ विपडिका कुष्ठ एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्तशुद्धि ।
2.	डॉ. प्रदीप	डॉ. एस. के. शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् रोल ऑफ सत्त्व इन द् पॅथोजेनेसिस ऑफ गर्भणी दोष एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल विथ ब्रह्मी वटी एण्ड तक्ररिस्ता (Takrarista) ।
3.	डॉ. बलेन्द्र	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	प्रकृति - ए रिस्क फेक्टर फॉर मेदो रोग (एडिपोसोपेथी) : डब्ल्यूएचओ स्टेप्स बेस्ड निदानात्मक स्ट्डी एण्ड रेण्डोमाइज्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) ट्रायल ऑफ त्र्योदशांग गुग्गुलू एण्ड नवाका गुग्गुलू ।
4.	डॉ. प्रीति	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्री-क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टी-माइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ धूपन कर्म ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग ।
5.	डॉ. धर्मेन्द्र	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू फाइंड आऊट द् रिलेशन बिटवीन स्लीप एण्ड अम्लपित्ता (हाईपरएसिडिटी) एण्ड थैरेप्युटिक ट्रायल ऑफ जटामांसी फन्त, धान्यक हिम एण्ड कामदूधा रस ।
6.	डॉ. रश्मि	डॉ. एस. के. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	ए क्रोस सेक्शनल सर्वे स्ट्डी टू एसेस द प्रीवेलेन्स ऑफ पालित्य इन यूथ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रकृति एण्ड उपश्यात्मक कम्परेटिव ट्रायल ऑफ हरितक्यादि योग रसायन एण्ड पालिसनाशक योग ।
7.	डॉ. पूजा	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेसमेन्ट क्राइटेरिया फॉर अग्नि एण्ड आम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पाण्डू - ए निदानात्मक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डी ।
8.	डॉ. परशुराम	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	निदानात्मक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ आयुबेस केम्पसूल अर्ज एड-ऑन थैरेपी टू ओरल हाइपोग्लेसिमिकएजेन्ट इन मधुमेह ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एक पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रशान्त देशमुख	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रोल ऑफ सेल्फ एफिकेसी इन रिलेशन बीटविन ऑवरवेट एण्ड डिप्रेशन इन एडोलसेन्स - ए निदानात्मक स्ट्डी एण्ड ए रेण्डोमोइज्ड उपशयात्मक ट्रॉयल ऑफ आयुर्वेदिक ड्रग्स एण्ड रेशनल इमोटिव बिहेवियोरल थैरेपी ।
2.	डॉ. रूपाश्री नाथ	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेलेडिशन ऑफ मॉर्डन लेबोरेट्री टेक्नीक्स इन डाइग्नोसिस ऑफ डिज़िज विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्तप्रदोषज विकार ।
3.	डॉ. आरिफ	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ तमकश्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक अस्थमा एण्ड उपश्यात्मक ट्रॉयल ऑफ शिघ्रु बीज चूर्ण एण्ड सिरसादि योग ।
4.	डॉ.अश्वस्थेकुट्टी वी.	डॉ. पवनकुमार गोदतवार एसोसियेट प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ कैंसर विथ एन आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव एण्ड इन-विट्रो स्ट्डी

			ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग्स फोर एन्टी कैंसरअस एक्टिविटी ऑन ह्यूमन मालीग्नेंट सेल लाइन्स ।
5.	डॉ. मनीषा	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इपिडेमेलोजिकल स्ट्डी टू आइडेन्टफाई संतर्पण हेतू एण्ड टू एसेस क्वालिटी ऑफ लाईफ इन पेशेन्ट्स ऑफ मधुमेह (डायबिटीज मेलीट्स) एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ Nyagrodhādi Vaṭī and Mehamudgara Vaṭī.

एस्ट्रा मूरल रिसर्च प्रोजेक्ट:

विभाग द्वारा एक एस्ट्रा मूरल रिसर्च प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है । जिसका विवरण निम्न प्रकार से दिया जा रहा है ।

क्र. सं.	परियोजना का शिर्षक	सहयोगी संगठन का नाम	प्रधान अनुसंधानकर्ता	परियोजना लागत	अवधि
1.	वैलीडेशन ऑफ प्रकृति असेस्मेन्ट क्वेश्चनेर/स्केल	सीसीआरएएस, नई दिल्ली	डॉ. पवनकुमार गोदतवार	INR 5.63 लाख	20-3-2017 से 19-3-2018
2.	ए रेण्डोमाइज्ड, मल्टी-सेन्टर, डबल ब्लाइण्ड, प्लेसेबो-कन्ट्रोल्ड, प्रोस्पेक्टिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ आयुबेस केप्सूल एज़ एन एड-ऑन थैरपी टू ओरल हाइपोग्लेसेमिक एजेन्ट्स (ओएचए) इन टाईप-2 डायबिटिज पेशेन्ट्स ।	आईआईएमईआर, मुंबई ।	डॉ. पवनकुमार गोदतवार	INR 3.00 लाख	15-5-2017 से 15-3-2018

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत रोग परीक्षण एवं चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । 1 सलाहकार रोगविज्ञानी तथा 1 सलाहकार रेडियोलोजिस्ट की सेवायें अंशकालिक आधार पर उपलब्ध करायी गई । विभाग द्वारा रोगियों के बॉयो केमीकल एवं सीरोलॉजिकल परीक्षणों के साथ-साथ पैथोलॉजिकल एवं अन्य आवश्यक परीक्षणों यथा – एक्स-रे, यूएसजी, डोप्लर स्ट्डी, टीवीएस की सुविधा भी प्रदान की जाती है ।

वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 3,36,237 नैदानिक परीक्षण किये गये :

1.	हीमोटोलोजी	1,41,344
2.	रुटीन एण्ड माईक्रोस्कोपिक एग्जामिनेशन ऑफ यूरीन	85,808
3.	बायो-केमिस्ट्री	81,517
4.	सीरोलॉजी	19,801
5.	एक्स-रे	4,320
6.	ईसीजी	1,246
7.	सोनोग्राफी	1,105
8.	यूरिन कल्चर	325

9. सेमेन	238
10. सेमेन	194
11. स्पॉयरोमिटरी	193
12. स्पूटम	146

साप्ताहिक संगोष्ठियाँ –

प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार तथा शनिवार को जर्नल, शोध-महानिबन्ध एवं प्रस्तुत किये गये चिकित्सा मामलों से सम्बन्धित विषयों पर साप्ताहिक संगोष्ठियाँ आयोजित की गई । साप्ताहिक संगोष्ठियों में विभाग के अध्येताओं ने सक्रियता से भाग ले कर अध्यापकों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध-कार्य का प्रस्तुतिकरण किया । विभागीय अध्यापकों एवं बाहर से आमंत्रित प्रबुद्धजनों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये ।

प्रकाशन –

(ए) पुस्तकें

क्र.सं.	लेखक का नाम	शिर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	सीसीआईएम सिलेबस का अंग्रेजी अनुवाद ।	चौखम्भा प्रकाशन, वाराणासी, 1999
2.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	मोनोग्राफ : आयुर्वेद में देव ।	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
3.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	अष्टांग हृदय का अंग्रेजी अनुवाद	प्रकाशनाधिन चौखम्भा प्रकाशन, वाराणासी, 1999
4.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रोग एवं विकृति विज्ञान	प्रकाशनाधिन आयुर्वेद अध्ययन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर
5.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रोग एवं विकृति विज्ञान भाग-2	आयुर्वेद संस्थान पुस्तक भण्ड़ार, जयपुर ।
6.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रोग एवं विकृति विज्ञान प्रायोगिक मैनुअल ।	आयुर्वेद संस्थान पुस्तक भण्ड़ार, जयपुर ।
7.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोग एवं विकृति विज्ञान के छात्रों हेतु प्रयोगशाला मैनुअल ।	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्ड़ार, जयपुर ।
8.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेगावरोध	चौखम्भा विश्व भारती प्रकाशन वाराणासी

(बी) पुस्तकों में अध्यायों/आभारों का सहयोग

क्र.सं.	लेखक का नाम	अध्याय	पुस्तक
1.	डॉ. पवन कुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	4 उप-अध्यायों सहित वाजीकरण अध्याय (समालोचनात्मक टीका सहित)	चरक संहिता, नवीन संस्करण
2.	डॉ. बी. के. सेवतकर	राजयक्ष्मा चिकित्सा अध्याय	चरक संहिता, नवीन संस्करण

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर		
3.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रज्ञापराध	ई-कोर्स फॉर आयुर्वेद लर्नर्स

(सी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	A Comparative study of the Efficacy of Ayapatra Pralipta Pippali and Plihari Vati in Iron Deficiency Anemia	जर्नल ऑफ एडवान्स्ड रिसर्च इन आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी 2015; 2(1) ISSN 2394-6547
2.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रोस सैक्शनल सर्वे स्ट्डी टू फाइण्ड आऊट द् रोल ऑफ आवरण एज़ ए डाइग्नोस्टिक टूल इन जनरल प्रॅक्टिस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मधुमेह ।	जर्नल ऑफ एडवान्स्ड रिसर्च इन आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी 2015; 2(2) ISSN 2394-6547
3.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	फाईटोकेमीकल स्ट्डी ऑफ षट-पुष्प ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च वॉल. 4(1), 2015 ISSN: 2319 – 5916
4.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	क्रियाकला - एन अल्गारिथम टू आयुर्वेदिक पॅथोलॉजी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अप्रैल-जून 2015 ISSN 2321-0435
5.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	इपिडेमियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ जंक फूड हैबिट एज़ ए रिस्क फेक्टर फॉर ग्रहणी दोष ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद फिजिशियन्स एण्ड सर्जन्स मई 2015, 2(1) eISSN 2394-6350
6.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ दोषमूल तैल एण्ड शुलाहार तैल इन मैनेजमेन्ट ऑफ संधिवात ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद फिजिशियन्स एण्ड सर्जन्स अक्टुबर 2015, 2(4) eISSN 2394-6350
7.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलोजिकल स्ट्डी ऑफ मूत्राश्मरी एण्ड थैरेप्युटिक इफेक्ट ऑफ त्रुयादि घनवटी एण्ड वृहद वारुणादि क्वाथ ग्रनुलेस - एन एन्टीमाइक्रोबियल स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टुबर-दिसम्बर, 2015 ISSN 2321-0435
8.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	इन विट्रोथ्रोम्बोलाइटिक एक्टिविटी ऑफ धमसा, कुष्ठ एण्ड कुडूची ।	आयु 2015 [Cited 2017 March 9]
9.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	इटियोपेथोलोजिकल स्ट्डी ऑफ मूत्रकृच्छ्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरेनरी ट्रेक्ट इन्फेक्शन - ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी वाल्यूम 7, इश्यू 1 जनवरी-फरवरी 2016 ISSN (online) 2229-3566 ISSN (Print) 2277-4343

10.	डॉ.सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलोजिकल स्ट्डी ऑफ व्यानबल वैश्मय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपरटेंशन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी–मार्च 2015 ISSN 2321-0435
11.	डॉ.सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	हाईपोथाइरोइडिज्म एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट अकोर्डिंग टू आयुर्वेद ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जुलाई–सितम्बर 2015 ISSN 2321-0435
12.	डॉ.सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ व्याधि वर्गीकरण ऑफ चरक, सुश्रुत एण्ड वागभट्ट ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टुबर–दिसम्बर 2016 ISSN 2321-0435
13.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेडिसिनल यूजेज़ ऑफ पिप्पली इन चरक संहिता – एन एक्सटेंसिव रिव्यू ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च ISSN: 2319-5916 2016; 5(1)
14.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पेथोजेनेसिस ऑफ साध्य उदर रोग – एन आयुर्वेदिक रिव्यू ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च ISSN: 2319-5916 2016; 5(2)
15.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	थेरेप्युटिक यूज़ेज़ ऑफ पीप्पली इन एनशिएन्ट लीटरेचर ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल्स साइन्सेज । ISSN: 2278 – 4357 4 जुलाई, 2016
16.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ पिप्पली इन अग्निदुष्टी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN: 2321-0435 जुलाई 2016.
17.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॅलेटिकल स्ट्डी ऑफ डिफरेन्ट क्लिनीकल प्रजेन्टेशन ऑफ डायबिटिक मेलीटस – आयुर्वेद परस्पेक्टिव ।	जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च ISS.2320-4818 वाल्यूम 6, इश्यू 2, 2017.
18.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	"कला"	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN:2321-0435 अक्टुबर–दिसम्बर 2014 वाल. VIII, इश्यू 4
19.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ व्याधि वर्गीकरण ऑफ चरक, सुश्रुत एण्ड वागभट्ट ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321-0435 अक्टुबर–दिसम्बर 2016
19.	डॉ. बी.के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रोस सैक्शनल सर्वे स्ट्डी टू फाइण्ड आऊट द् रोल ऑफ आवरण एज़ ए डाइग्नोस्टिक टूल इन जनरल प्रॅक्टिस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मधुमेह ।	जर्नल ऑफ एडवान्स्ड रिसर्च ऑफ आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी । 2015; 2(2) ISSN: 2394-6547
20.	डॉ. बी.के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए साइन्टिफिक एप्रोच टू इनकोर्पोरेट द् फण्डामेन्टल्स ऑफ आयुर्वेद इन अवर डेली रुटिन ।	जर्नल ऑफ एडवान्स्ड रिसर्च ऑफ आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी । 2015; 2(2) ISSN: 2394-6547
21.	डॉ. बी.के. सेवतकर	An etiopathological study of vyana bala vaishamya wsr to hypertension.	जर्नल ऑफ आयुर्वेद

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर		जनवरी–मार्च 2015 वॉल. 9, नं. 1 ISSN:2321-0435
22.	डॉ. बी.के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	निदान पंचक ऑफ साइलेन्ट किलर 'हाइपरटेंशन' – ए रिव्यू ।	आयुष्य जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च वॉल. 2, इश्यू – 3 मई–जुलाई 2015 ISSN 664 2320-8554,
23.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन विट्रो थ्रोम्बोलेटिक एक्टिविटी ऑफ धमासा, कुष्ठ एण्ड गुडूची ।	आयु अक्टुबर–दिसम्बर 2015 वाल्यूम 36, इश्यू 4
24.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन पाण्डूरोग विज़–ए–विस वेरियस टाईप्स ऑफ एनीमिया ।	जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड सिद्धा 2015

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में सहभागिता –

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी
1.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	सीसीआईएम द्वारा जामनगर में 3–5 मई 2016 को आयोजित 'सिलेबस प्रीपरेशन कॉनक्लेव' में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
2.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	सीसीआईएम द्वारा जामनगर में 1–3 जुलाई 2016 को आयोजित 'सिलेबस प्रीपरेशन कॉनक्लेव' में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
3.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	कोलकोता में 2–4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में इसकी वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया ।
4.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	सीसीआरएएस द्वारा 21 जनवरी 2017 को आयोजित कार्यक्रम में निदान समूह में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
5.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
6.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 15–18 मार्च 2017 को आयोजित मधुसंवाद सम्मेलन एवं प्री–सिम्पोजियम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
7.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 15–18 मार्च 2017 को आयोजित मधुसंवाद सम्मेलन एवं प्री–सिम्पोजियम में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
8.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 29–8–2016 को आयोजित रोग निदान के अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई

		कार्यक्रम । दिया गया व्याख्यान : पैथोलोजिकल एस्पेक्ट ऑफ पाण्डू एण्ड कामला ।
9.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	कोलकोता में 2-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस । प्रस्तुत किया गया पत्र : क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ हाइपर कोलेस्टर्मिया, क्लिनीकल ट्रॉयल विथ पंचकोल चूर्ण ।
10.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर एक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
11.	डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 2017 में जयपुर में आयोजित रोगीविनिश्चय विषयक कार्यशाला । प्रस्तुत किया गया पत्र - क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ पाण्डू कामला ।
12.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 29 अगस्त से 3 सितम्बर 2016 को आयोजित 'मधुकोष' 6 दिवसीय सीएमई प्रोग्राम में भाग लिया ।
13.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कोलकोता में आयुष मंत्रालय के सहयोग से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 2-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो ।
14.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कोलकोता में आयुष मंत्रालय के सहयोग से वर्ल्ड आयुर्वेद फाउण्डेशन द्वारा आयोजित 2-4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो के पोस्टर प्रस्तुतिकरण सत्र के समन्वयक के रूप में भाग लिया ।
15.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में समन्वयक के रूप में भाग लिया गया ।
16.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2017 तक आयोजित तीन दिवसीय 'टेक्नीकल टर्मेनोलोजी ऑफ रोग निदान' विषयक कार्यशाला ।
17.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 29-8-2016 को आयोजित रोग निदान के अध्यापकों हेतु आयोजित सीएमई

		कार्यक्रम ।
18.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर एक सत्र की सह-अध्यक्षता की गई ।
19.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान में 14-16 नवम्बर 2016 को आयोजित एनएबीएच विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लिया ।
20.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2017 तक आयोजित तीन दिवसीय 'टेक्नीकल टर्मेनोलोजी ऑफ रोग निदान' विषयक कार्यशाला ।
21.	डॉ. बी. के. सेवतकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।
22.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 29 अगस्त से 3 सितम्बर 2016 को आयोजित 'मधुकोष' 6 दिवसीय सीएमई प्रोग्राम में भाग लिया ।
23.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 28-10-2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया गया ।
24.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2017 तक आयोजित तीन दिवसीय 'टेक्नीकल टर्मेनोलोजी ऑफ रोग निदान' विषयक कार्यशाला ।
25.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 8-9 फरवरी 2017 को आयोजित वैज्ञानिक लेखन विषयक कार्यशाला ।
26.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5-7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर 'एवेल्यूएशन ऑफ तैलबिन्दू परीक्षा पैटर्न इन डायबेटिक पेशेन्ट्स एण्ड हैल्दी वोलेन्टियर्स' विषयक एक अतिमहत्वपूर्ण व्याख्यान दिया गया ।

अतिथि व्याख्यान - विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं तथा कार्यक्रमों छात्रों एवं अध्येताओं के लाभार्थ निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान दिये गये -

क्र.सं.	संकाय सदस्या एवं अध्येता का नाम	अतिथि व्याख्यान का शीर्षक	दिनांक	कार्यक्रम
1.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक डाइग्नोस्टिक मेथोडोलोजी ।	28-5-2016	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित राजस्थान सरकार के चिकित्साधिकारियों हेतु

				प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
2.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	जीवनशैली जनति विकृतियां ।	9-9-2016	राजीव गांधी राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, पपरोला द्वारा आयोजित कार्यक्रम ।
3.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	कैंसर–आयुर्वेदिक परिप्रेक्ष्य ।	15-10-2016	श्री आयुर्वेदिक महाविद्यालय, नागपुर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
4.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	वाजीकरण का पुनर्मूल्यांकन ।	29-12-2016	बीएमके आयुर्वेदिक महाविद्वालय, बेलागवी ।
5.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	असेस्मेन्ट ऑफ मधुमेह : नेशनल प्रोटोकोल परस्पेक्टिव।	2-2-2016	आर.ए. पोद्धार आयुर्वेदिक कॉलेज ।
6.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपिंग प्रोटोकोल फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज़ एण्ड इट्स कॉम्पलीकेशन्स ।	15-3-2016	प्री–कोन्फ्रेन्स सिम्पोजियम । एआईआईए नई दिल्ली
7.	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डाइजेशन एण्ड मेटाबोलिजम इन आयुर्वेद एण्ड कन्सेप्ट ऑफ आम ।	10-13 Jan. 17	संस्थान में विदेशियों हेतु आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न की गई :–

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	1. संस्थान के पीर रिव्यूड जर्नल – जर्नल ऑफ आयुर्वेद – के सम्पादक । 2. संस्थान की केन्द्रीय प्रयोगशाला के प्रभारी । 3. आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा मधुमेह अभियान की राष्ट्रीय टॉस्क फोर्स की 13 एवं 28 अक्टुबर 2016 को आयोजित बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया गया । 4. केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा नई दिल्ली में 18 अक्टुबर 2016 को आयोजित मौलिक विज्ञान एवं आधारभूत अनुसंधान हेतु वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य के रूप में भाग लिया गया । 5. कोलकाता में 2–4 दिसम्बर 2016 को आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया । 6. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 5–7 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलीटस) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव एवं वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया ।

		7. केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा नई दिल्ली में 20-21 जनवरी 2017 को आयोजित मौलिक विज्ञान एवं आधारभूत अनुसंधान हेतु वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य के रूप में भाग लिया गया । 8. सदस्य सचिव के रूप में संस्थानिक इथिक्स कमेटी की 16-17 मई 2016 एवं 25-26 अप्रैल 2017 को आयोजित उपवेशन में भाग लिया गया । 9. राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 29 अगस्त से 3 सितम्बर 2016 को आयोजित 'मधुकोष' 6 दिवसीय सीएमई प्रोग्राम के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया । 10. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 27 फरवरी 2017 से 1 मार्च 2017 को आयोजित रोगविनिश्चय - रोग निदान विषयक टर्मेनोलोजी कार्यशाला के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया। 11. अध्यापकों के साक्षत्कार में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि । 12. मदनमोहन मालवीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर एवं आरपीएससी, अजमेर द्वारा आयोजित असिस्टेन्ट प्रोफेसर के साक्षात्कार हेतु आयोजित चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
2.	डॉ. सिसिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. जिला डूंगरपुर, सागवाड़ा, राजस्थान में 27-6-16 से 2-7-16 तक आयोजित छः दिवसीय चलचिकित्सा शिविर में भाग लिया । 2. आयुष मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 28-10-2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित मधुमेह एवं इसका प्रबन्धन विषयक 1 दिवसीय शिविर में भाग लिया । 3. कोलकाता में 1 से 4 दिसम्बर 2016 तक आयोजित 7वीं वर्ल्ड आयुर्वेद काँग्रेस में संस्थान की स्टॉल के सदस्य के रूप में भाग लिया गया ।

डॉ. पवन कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा इजिप्ट में भारत के दूतावास द्वारा 23-4-2016 से 7-6-2016 तक आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'इंडिया बाई द् नैल 2017' में भाग लिया गया । इस वृहत् अन्तर्राष्ट्रीय उत्सव में इजिप्ट में दर्शकों को भारतीय कला के विविध सांस्कृतिक अनुभव करने के लिए एक अवसर प्रदान किया गया ।

डॉ. पवन कुमार गोदतवार, एसोसिएट प्रोफेसर को जे.के. लक्ष्मीपति विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा 15 अक्टुबर 2016 को आयोजित चतुर्थ राजस्थान साइन्स काँग्रेस में वीडीएस अवार्ड प्रदान किया गया ।

****